निर्गम परिणाम रूपरेखा 2019-20

(मुख्य केन्द्रीय क्षेत्र और केन्द्रीय प्रायोजित योजनाएं)

प्रस्तावना

पिछले कुछ वर्षों में सरकार द्वारा व्यय संबंधी प्रमुख सुधार किए गए हैं। इसमें न केवल मूल्यांकन और अनुमोदन प्रक्रियाओं का सरलीकरण शामिल है, बल्कि बजट की प्रक्रिया में संरचनात्मक परिवर्तन भी शामिल हैं, जैसे,- आयोजना और आयोजना-भिन्न भेद को दूर करना। नतीजतन, लागत-केंद्रों को केवल सांविधिक राजस्व पूंजी ढांचे के भीतर एक एकीकृत रुप में देखा जा रहा है। यह एक और प्रमुख संरचनात्मक सुधार को सक्षम करता है, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक योजनाओं और परियोजनाओं को एक अनुवीक्षणीय उत्पादन-परिणाम ढांचे के तहत लाना है।

2017-18 के बाद से, बजट दस्तावेज़ में इंगित की जा रही मंत्रालयों की योजनाओं की वित्तीय रूपरेखा के अलावा, योजनाओं के अपेक्षित निर्गम और परिणाम भी बजट सहित समेकित परिणामी बजट दस्तावेज में प्रस्तुत किए जा रहे हैं।

सरकारी योजनाओं और परियोजनाओं के निष्पादन में शामिल एजेंसियों को अधिक जवाबदेह बनाने के लिए इन परिव्ययों, उत्पादनों और परिणामों को संसद में माप्य रुप में प्रस्तुत किया जा रहा है। परिव्यय वह राशि है जो बजट में किसी योजना या परियोजना के लिए प्रदान की जाती है; जबकि उत्पादन(निर्गम) कार्यक्रम संबंधी कार्यों के प्रत्यक्ष और माप्य उत्पाद को संदर्भित करता है, जिसे अक्सर भौतिक शब्दों या इकाइयों में व्यक्त किया गया है। परिणाम का आशय इन सेवाओं के वितरण में सामूहिक परिणाम या गुणात्मक सुधार से है।

परिणाम बजट में (क) वर्ष 2019-20 के लिए वित्तीय परिव्यय (ख) के साथ स्पष्ट रूप से परिभाषित उत्पादन और परिणाम (ग) माप्य उत्पादन और परिणाम संकेतक और (घ) वित्त वर्ष 2019-20 के लिए विशिष्ट उत्पादन और परिणाम लक्ष्य प्रस्तुत किए गए हैं। इससे सरकार की विकास कार्यसूची की पारदर्शिता, पूर्वानुमेयता और समझने में आसानी बढ़ जाएगी।

सरकार का लक्ष्य इस अभ्यास के माध्यम से शासन की एक खुली, जवाबदेह, सक्रिय और उद्देश्यपूर्ण शैली को बढ़ावा देने के लिए महज नतीजों पर ध्यान न देकर परिणामोन्मुख उत्पादन और परिणामों पर अधिक ध्यान दिया जाना है। इस प्रयास से मंत्रालयों को योजना के उद्देश्यों पर नज़र रखने और उनके द्वारा निर्धारित विकास लक्ष्यों की दिशा में काम करने में सुविधा होगी।

यहाँ प्रस्तुत किया जा रहा दस्तावेज़ परिणाम बजट 2019-20 का एक उद्धरण है और इसमें वित्त वर्ष 2019-20 के लिए 500 करोड़ रु. से अधिक परिव्यय वाली मुख्य सीएस और सीएसएस योजनाओं के लिए उत्पादन-परिणाम फ्रेमवर्क शामिल है। अतः यह दस्तावेज़ परिणाम बजट 2019-20 में कवर की जाने वाली 163 योजनाओं (जिनमें कुल सीएस / सीएसएस बजट का 95% शामिल है) अथवा 591 सीएस / सीएसएस योजनाओं को कवर करता है।

अभिस्वीकृतियाँ

उत्पादन-परिणाम अनुवीक्षण फ्रेमवर्क, विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में विभिन्न हितधारकों की सहकारिता, टीमवर्क और सहयोग का परिणाम है।

सभी मंत्रालयों और विभागों के सचिवों के नेतृत्व में उनके नोडल अधिकारियों तथा विभिन्न सीएस और सीएसएस योजनाओं के प्रभारी प्रभागाध्यक्षों की अथक मदद और समर्थन के बिना इस संपूर्ण फ्रेमवर्क को उपलब्ध कराना संभव नहीं होता।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार और नीति आयोग के सीईओ श्री अमिताभ कांत के नेतृत्व में तथा डॉ. शेखर बोनू, डीजी, डीएमईओ की अध्यक्षता में विकास अनुवीक्षण और मूल्यांकन कार्यालय (डीएमईओ) में विषय वस्तु वर्टिकलों और उनकी टीम द्वारा प्रदान की गई सहायता से इस फ्रेमवर्क को व्यापक रूप से लाभ हुआ है।

इसके अलावा, मैं आर्थिक कार्य विभाग के बजट प्रभाग के सभी अधिकारियों को इस फ्रेमवर्क को तैयार करने के संबंध में उनके दृढ़ समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा।

इसके अलावा, मैं व्यय विभाग में अपनी टीम के सभी सदस्यों और विशेष रूप से मंत्रालयों और विभागों में वित्तीय सलाहकारों द्वारा इस दस्तावेज के संबंध में उनका आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने इस दस्तावेज में अपना विश्वास पुन: व्यक्त किया है।

उत्पादन-परिणाम अनुवीक्षण फ्रेमवर्क के कार्य में वित्त सचिव श्री सुभाष चंद्र गर्ग की अंतर्दृष्टि और सुझावों से बहुत अधिक लाभ मिला है।

और अंत में, मैं माननीय वित्त मंत्री, श्रीमती निर्मला सीतारामन और माननीय वित्त राज्य मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर का विशेष रूप से धन्यवाद करूंगा जिन्होंने पारदर्शी और जवाबदेह व्यय प्रबंधन के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में हमें इस महत्वपूर्ण कदम को आगे बढ़ाने में सक्षम बनाने के लिए अपना मार्गदर्शन प्रदान किया।

श्री गिरीश चंद्र मुर्मू
(सचिव, व्यय विभाग)
वित्त मंत्रालय
भारत सरकार

बजट 2019-20 के लिए अनुदान मांगों की सूची

क्र.सं.	मंत्रालय	विभाग	मांग सं.	पृष्ठ सं.
1	कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय	कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग	1	1
2	कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय	कृषि, अनुसंधान और शिक्षा विभाग	2	20
3	आयुष मंत्रालय	लागू नहीं	4	24
4	रसायन और उर्वरक मंत्रालय	उर्वरक विभाग	6	26
5	कोयला मंत्रालय	लागू नहीं	9	27
6	वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय	वाणिज्य विभाग	10	28
7	वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय	उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग	11	30
8	संचार मंत्रालय	डाक विभाग	12	34
9	संचार मंत्रालय	दूरसंचार विभाग	13	39
10	उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय	उपभोक्ता मामले विभाग	14	42
11	उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय	खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग	15	44
12	पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय	लागू नहीं	22	46
13	इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	लागू नहीं	24	51
14	पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय	लागू नहीं	25	53
15	वित्त मंत्रालय	आर्थिक कार्य विभाग	27	60
16	वित्त मंत्रालय	वित्तीय सेवा विभाग	29	61
17	मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय	मत्स्य पालन विभाग	39	64
18	पशुपालन और डेयरी मंत्रालय	पशुपालन और डेयरी मंत्रालय	40	69
19	खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय	लागू नहीं	41	70
20	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग	42	78
21	भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय	भारी उद्योग विभाग	44	104
22	गृह मंत्रालयः गृह मामले	लागू नहीं	46	106
23	गृह मंत्रालयः पुलिस	लागू नहीं	48	112
24	आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय	लागू नहीं	56	128
25	मानव संसाधन विकास मंत्रालय	स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग	57	140

क्रं.सं.	मंत्रालय	विभाग	मांग सं.	पृष्ठ सं.
26	मानव संसाधन विकास मंत्रालय	उच्चतर शिक्षा विभाग	58	144
27	जल शक्ति मंत्रालय	जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग	60	150
28	जल शक्ति मंत्रालय	पेयजल और स्वच्छता विभाग	61	158
29	श्रम और रोजगार मंत्रालय	लागू नहीं	62	160
30	विधि और न्याय मंत्रालय	विधि और न्याय विभाग	63	164
31	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय	लागू नहीं	66	165
32	अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय	लागू नहीं	68	169
33	नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय	लागू नहीं	69	178
34	पंचायती राज मंत्रालय	लागू नहीं	70	180
35	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय	लागू नहीं	74	183
36	विद्युत मंत्रालय	लागू नहीं	76	189
37	रेल मंत्रालय	लागू नहीं	82	196
38	सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय	लागू नहीं	83	203
39	ग्रामीण विकास मंत्रालय	ग्रामीण विकास विभाग	84	207
40	ग्रामीण विकास मंत्रालय	भूमि संसाधन विभाग	85	213
41	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग	86	214
42	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	87	225
43	पोत परिवहन मंत्रालय	लागू नहीं	89	236
44	कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय	लागू नहीं	90	238
45	सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय	सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग	91	245
46	अंतरिक्ष विभाग	अंतरिक्ष विभाग	93	248
47	सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय	लागू नहीं	94	251
48	वस्त्र मंत्रालय	लागू नहीं	96	252
49	पर्यटन मंत्रालय	लागू नहीं	97	256
50	जनजातीय कार्य मंत्रालय	लागू नहीं	98	257
51	महिला और बाल विकास मंत्रालय	लागू नहीं	99	259
52	युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय	लागू नहीं	100	277

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय **मांग सं. 1**

कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग

1. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
14000.00	1. कवरेज में वृद्धि	1.1. ऋण आवेदनों में % वृद्धि	10% वृद्धि	1. कवर किए गए किसानों के लिए बेहतर जोखिम न्यूनीकरण	1.1 बीमित धनराशि में प्रतिशत वृद्धि	10%
		1.2. गैर-ऋण आवेदनों में % वृद्धि	10% वृद्धि			
		1.3 फसल क्षेत्र के कवरेज में वृद्धि	10 % (प्रत्येक मौसम में खरीफ और रबी के निवल फसल क्षेत्र में 10% वृद्धि)			
	2. कृषि बीमा फर्मों का प्रभावी दावा कार्रवाई तंत्र	2.1 अधिसूचित इकाई क्षेत्रों में देय दावों का प्रतिशत।	80%[1]	2.समय पर प्रसंस्करण तथा दावों का निपटान	2.1 कवर किए गए किसानों की संख्या जिन्हों ने दावाकृत लाभ प्राप्त किए	28%[2]
		2.2 दावों के भुगतान के लिए औसत टर्न अराउंड समय (दावों के भुगतान तक राज्यों द्वारा प्रस्तुत फील्ड डेटा से)	30 दिन		2.2 दावों के भुगतान सहित किसानों का प्रतिशत जिन्होंने लाभ प्राप्त किया है	80 प्रतिशत लाभार्थियों को निर्धारित अवधि में दावों का भुगतान किया

[1] प्राकृतिक आपदा की सम्भव्यता / गंभीरता पर निर्भर करता है। लक्षित नहीं किया जा सकता। हालाँकि, यह प्रस्तावित है कि *80%* से अधिक स्वीकार्य दावों का भुगतान संबंधित राज्य सरकार के द्वारा स्पष्ट उपज आंकड़ों की प्राप्ति से एक महीने के भीतर किया जाना चाहिए।

[2] प्राकृतिक आपदा की सम्भव्यता / गंभीरता पर निर्भर करता है। लक्षित नहीं किया जा सकता। हालांकि, *2016-17* और *2017-18* के आंकड़ों के आधार पर यह उम्मीद की जाती है कि मानसून के अनुकूल होने की स्थिति मे कुल बीमित किसानों का लगभग *28%* को विमा दावे प्राप्त हो सकते हैं।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
						जा सकता हैं
					2.3 नुकसान लागत का अनुपात (भुगतान योग्य दावे/बीमित धनराशि)	10%[3]

2. किसानों को लघु अवधि ऋण पर ब्याज में छूट (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
18000	1. नया खाता खोलना	1.1 लघु अवधि ऋण लेने वाले किसानों के नए खातों की संख्या.-	30.18 लाख	1. ऋण तक पहुंच	1.1 पीआरआई खातों तथा आईएस लाभ पाने वाले किसानों के खातों की संख्या।	4.23 करोड़
		1.2 एसएमएफ कवर किए गए नए खातों की संख्या -	21.72 लाख		1.2 वितरित की गई ऋण राशि -	3.09 लाख करोड़
		1.3 जम्मू-कश्मीर, एनईआर और सर्विस्ड क्षेत्र के तहत नए खातों की संख्या.-	2.17 लाख			

3. बाजार हस्तक्षेप योजना और मूल्य समर्थन योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
3000	1. उत्पादों की खरीद में उन्नति	1.1 तिलहन की खरीदी गई कुल मात्रा, लाख मीट्रिक टन में	4.23 एलएमटी	1. उत्पादों की खरीद में वृद्धि	1.1 एक वित्तीय वर्ष में कुल उत्पादन का तिलहन के खरीद (%)	1.15 %[4]
		1.2 दलहन की खरीदी गई कुल मात्रा, लाख मीट्रिक टन में	8.08 एलएमटी		1.2 एक वित्तीय वर्ष में कुल उत्पादन का दलहन के खरीद (%)	3.19 %[5]

[3] प्राकृतिक आपदा की सम्भव्यता / गंभीरता पर निर्भर करता है। हालांकि, *2016-17* और *2018-19* के आंकड़ों के आधार पर यह लगभग *10* % रहने की उम्मीद है .

[4] पीएसएस के तहत लक्ष्य पिछले *10* वर्षों की खरीद (*2009-19*) पर आधारित है। लक्ष्य राज्य सरकार से प्राप्त बाजार परिदृश्य और अनुरोध पर निर्भर करेगा।

[5] पीएसएस के तहत लक्ष्य पिछले *10* वर्षों की खरीद (*2009-19*) पर आधारित है। लक्ष्य राज्य सरकार से प्राप्त बाजार परिदृश्य और अनुरोध पर निर्भर करेगा।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		1.3 पीएसएस के अंतर्गत, उत्पाद प्राप्त होने के पश्चात किसानों को भुगतान करने में औसत विलंब, दिनों में	10 दिन			

4. प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण योजना (पीएम-आशा) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
1500	1. किसानों के कवरेज में वृद्धि	1.1 मूल्य ह्रास भुगतान योजना (पीडीपीएस) के तहत पंजीकृत तिलहन किसानों की कुल संख्या	13.19 लाख[6]	1. किसानों को उनके उत्पाद का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करना	1.1 पीएसएस के तहत शामिल प्रत्येक वस्तु के लिए एमएसपी/ खरीद मूल्य और बाजार मूल्य के बीच औसत मूल्य अंतर (%)	6%[7]
		1.2 उपज प्राप्त होने के बाद किसानों को किए गए भुगतान में औसत देरी	30 दिन[8]		1.2 पीडीपीएस के तहत भुगतान प्राप्त करने वाले पंजीकृत किसानों का %	0%[9]
	2. निजी खरीद एवं स्टॉकिस्ट स्कीम (पीपीएसएस)	2.1 निजी स्टॉकिस्ट की भागीदारी वाले चयनित जिलों/जिलों के एपीएमसी में शुरु किए गए पायलट की संख्या	2[10]	2. खरीदारी में भागीदारी की वृद्धि	2.1 इस पहल के अंतर्गत निजी क्षेत्र की कुल खरीद का प्रतिशत मात्रा	0.11 %[11]

[6] लक्ष्य *2018-19* के दौरान मप्र में लागू पीडीपीएस के आधार पर है। राज्य सरकार से प्राप्त बाजार परिदृश्य और अनुरोध पर निर्भर करता है।

[7] बाजार के परिदृश्य और राज्य सरकार से प्राप्त अनुरोध पर निर्भर करता है।

[8] पीडीपीएस दिशानिर्देश के अनुसार, मूल्य अंतर का भुगतान राज्य सरकार द्वारा किया जाना है। निर्धारित पद्धति के अनुसार मासिक आधार पर। भविष्य के संचालन के लिए लक्षित नहीं किया जा सकता है क्योंकि यह राज्य सरकार पर निर्भर करता है। इसे लागू करने के लिए

[9] 2018-19 के दौरान मप्र में सोयाबीन के लिए लागू पीडीपीएस के आधार पर। यह अनुमान नहीं लगाया जा सकता है कि 2019-20 में कितने किसान खुद को पंजीकृत करेंगे, इसलिए% की गणना नहीं की जा सकती। यह पूरी तरह से बाजार के परिदृश्य और संबंधित राज्य सरकार के अभियोगात्मक पर निर्भर करता है। हालांकि, सरकार द्वारा लागू सोयाबीन पीडीपीएस के लिए। मध्य प्रदेश के लगभग 53% पंजीकृत किसान पीडीपीएस के अंतर्गत आते हैं।

[10] लक्षित लक्ष्य। राज्य सरकार से प्राप्त बाजार परिदृश्य और अनुरोध पर निर्भर करता है। हालांकि, राज्य सरकार द्वारा कोई पायलट शुरू नहीं किया गया था। वर्ष 2018-19 के दौरान। योजना के अनुसार, पहले पायदान के आधार पर 8 पायलट योजना के कार्यान्वयन का प्रावधान प्रस्तावित है।

[11] PPSS के तहत लक्षित खरीद और PSS के तहत तिलहन की कुल खरीद के आधार पर गणना की गई। राज्य सरकार से प्राप्त बाजार परिदृश्य और अनुरोध पर निर्भर करता है। हालांकि, राज्य सरकार द्वारा कोई पायलट शुरू नहीं किया गया था। वर्ष 2018-19 के दौरान।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		2.2 निजी खरीदारों द्वारा खरीदी गई कुल मात्रा, लाख मीट्रिक टन में	500 एमटी[12]		2.2 पीपीएसएस के माध्यम से कुल एपीएससी खरीद का प्रतिशत	2%[13]

[12] लक्षित लक्ष्य। यह राज्य सरकार से प्राप्त बाजार परिदृश्य और अनुरोध पर निर्भर करता है। हालांकि, वर्ष 2018-19 के दौरान कोई खरीद नहीं की गई थी।

[13] टारगेट मान लिया। राज्य सरकार से प्राप्त बाजार परिदृश्य और अनुरोध पर निर्भर करता है।

5. कल्याणकारी स्कीमों के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को दलहन का वितरण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
800	1 दलहन के वितरण में वृद्धि	1.1 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र को वितरित दलहन की कुल मात्रा, लाख मीट्रिक टन में	4.00 एलएमटी[14]	1.पीडीएस, एमडीएम, आईसीडीएस आदि में दलहन की उपलब्धता में वृद्धि	1.1 केन्द्र द्वारा वितरित कुल मात्रा का कल्याणकारी स्कीमों में दलहन की उपलब्धता प्रतिशत	100 %[15]
		1.2 कल्याणकारी स्कीमों जैसे पीडीएस, एमडीएम, आईसीडीएस आदि के माध्यम से राज्य/संघ राज्य क्षेत्र द्वारा वितरित दलहन की कुल मात्रा	4.00 एलएमटी[16]			
	2. भंडारण क्षमता तक पहुंच	2.1 दलहन के लिए वेयर हाउस क्षमता तथा भंडारण उपलब्धता, लाख मीट्रिक टन में	एनए[17]	2. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को दलहन की वितरण कुशलता	2.1 एक वित्तीय वर्ष में दलहन की वितरित मात्रा का नुकसान प्रतिशत	रु. 15/कि.ग्रा.[18]

[14] राज्य सरकार पर निर्भर करता है। पीएसएस के तहत दलहन की उपलब्धता और उपलब्धता। राज्य / केन्द्र शासित प्रदेश सरकार द्वारा कार्यान्वित पीडीएस, एमडीएम, आईसीडीएस आदि जैसी योजना के तहत भारत सरकार द्वारा वितरित सभी दालें।

[15] अनुमानित। यह राज्य सरकार पर निर्भर करेगा। पीएसएस के तहत दलहन और दाल की उपलब्धता। हालाँकि, 10 अप्रेंटिस राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों को महीने 2018 से मार्च 2019 तक यानी महीने में 1.34 LMT के लिए आवंटित लगभग 8 मीट्रिक टन दालों की मात्रा। इसके अलावा, यह योजना सितंबर 2019 तक वैध है या पहले केएमएसएस 2018-19 के लिए खरीदे गए पीएसएस दालों की उपलब्धता जो भी पहले हो। प्रति माह औसत आवंटन और विभिन्न राज्यों द्वारा दालों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए, यह अनुमान है कि 2019-20 के शेष महीनों में दाल का एलएमटी आवंटित किया जाएगा।

[16] अनुमानित लक्ष्य।

[17] इस योजना के तहत जो दालें वितरित की जा रही हैं, उन्हें पिछले वर्षों में PSS के तहत खरीदा गया था और पहले से ही CWC / SWC गोदामों में संग्रहीत किया गया था।

[18] इसमें दालों के निर्गम मूल्य पर प्रति किलोग्राम 15 / - रु का फ्लैट छूट दिया जाता है

6. फसल अवशेषों के इन-सीटू प्रबंधन के लिए कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
600	1. यंत्रीकृत इन-सीटू फसल अवशेष प्रबंधन का प्रचार	इन-सीटू फसल अवशेष प्रबंधन मशीनरी की कस्टम हायरिंग के लिए फार्म मशीनरी बैंकों की संख्या	3400	1. किसानों के बीच इन-सीटू फसल अवशेष प्रबंधन को अधिक से अधिक अपनाना	इस योजना के तहत मशीनरी के माध्यम से इन-सीटू प्रबंधित फसल के अवशेषों की मात्रा (एमटी में)	23.01
		1.2 सब्सिडी पर वितरित इन-सीटू फसल अवशेष प्रबंधन मशीनरी की संख्या	17500		भूमि की मात्रा (लाख हेक्टेयर में) इस योजना के तहत इन-सीटू फसल अवशेष प्रबंधन को अपनाया गया	40.85

7. आय समर्थन स्कीम (पीएम-किसान) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
75000	1. स्कीम का कवरेज प्रतिशत	1.1 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा चिन्हित पात्र लाभार्थियों की संख्या	10.0 करोड़	1. छोटे एवं सीमांत किसानों को आय समर्थन आश्वासन	1.1. प्रत्येक 4 महिने में 2000 रू. का वित्तीय लाभ प्रदान किए गए पात्रलाभार्थियों का प्रतिशत अर्थात् उनके बैंक खातों में 6000 रू. प्रतिवर्ष	*[19]
	2. पीएम-किसान के बारे में किसानों की जागरूकता में वृद्धि	2.1 पीएम-किसान पोर्टल पर अपलोड किए गए छोटे एवं सीमांत किसान (एसएमएफ) का विवरण	4,76,29,549 (10/03/2019 तक)			
			लक्ष्य-10.0 करोड़ लाभार्थी			
	3. भुगतान व्यवस्था में सुधार	3.1 राज्य/संघ राज्य क्षेत्रसे प्राप्त पूर्णत: डिजीटल रूप से हस्ताक्षरित निधि अंतरण आदेशों (एफटीयू) को जारी किए गए संस्वीकृति आदेश का प्रतिशत	स्याही हस्ताक्षरित (100%)			
			लक्ष्य- डिजीटल हस्ताक्षरित (100%)			

[19] *01/12/2018* से प्रभावी हो गई है। आज *25* जून, *2019* तक पहली किस्त *12.05* करोड़ लाभार्थियों के लक्ष्य के मुकाबले *25.05*% यानी *31,354,953* लाभार्थियों को हस्तांतरित की गई है और दूसरी किस्त *10.00* करोड़ लाभार्थियों के संशोधित लक्ष्य के विरूद्ध *26.75* % यथा *26,5752,708* लाभार्थियों को सफलतापूर्वक हस्तांतरित की गई है.

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		3.2 प्रायोजक बैंक द्वारा नियत बैंक को अंतरित कुल निधि, करोड़ रू. में	75000 करोड़			
		3.3 कुल लेन-देन का विफल/अप्रसंस्कृत लेन-देन का प्रतिशत, जिसका समाधान तथा पुनः प्रसंस्करण किया गया	100 %			
	4. शिकायत निवारण का प्रावधान	4.1 राज्य तथा जिला स्तरीय शिकायत निवारण समिति द्वारा विधिवत निवारण किए गए शिकायतों की संख्या	राज्य / जिला स्तरीय शिकायत निपटान के लिए कोई केंद्रीय निगरानी तंत्र नहीं है। DARPG का CP-GRAMS पोर्टल केंद्र सरकार द्वारा प्राप्त शिकायतों के लिये केंद्रीय तंत्र के रुप में काम करता है।			

8. प्रधान मंत्री किसान पेंशन योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निर्गम*	*संकेतक*	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	*संकेतक*	लक्ष्य 2019-20
900	यह वित्त वर्ष 2019-20 के भाग के रूप में शुरू की गई एक नई स्कीम है।					

9. प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) - प्रति बूंद अधिक फसल (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
3500	1. जल के युक्तियुक्त उपयोग और सुव्यवस्थित जल व्यवस्था एप उपकरण यथा - स्प्रिंकलर, ड्रिप, पिवट, रेन गन आदि	1.1 सूक्ष्म सिंचाई के तहत शामिल क्षेत्र	14.00 लाख है.	1. वृद्धिकृत फसल उत्पादकता और किसानों की बढ़ी हुई आय	1.1 एमआई के तहत कृषिकृत क्षेत्र में उपज में वृद्धि (किलोग्राम/हेक्टेयर)	20%
		1.2 एमआई (सूक्ष्म सिंचित क्षेत्र) के अंतर्गत कवर किए गए निवल कृषिकृत क्षेत्र का %	9.17%		1.2. एमआई का उपयोग करने वाले किसानों के आय स्तर में वृद्धि	15%
		1.3 एमआई अंगीकृत करने वाले किसानों की संख्या	4 लाख	2. समुन्नत जल उपयोग कौशल	2.1 जल उपयोग कौशल में वृद्धि	25%
	2. जल सघन फसलों यथा- गन्ने, केले आदि के संबंध में एमआई के कवरेज का विस्तार करना।	2.1 जल सघन फसलों में एमआई के तहत शामिल क्षेत्र (है.)	80000 है.	3. कृषि को सूखे से संरक्षण	3.1 संरक्षित सिंचाई क्षेत्र	0.80 लाख
	3. वर्षा सिंचित कृषि क्षेत्र में संरक्षात्मक सिंचाई सुविधाओं की व्यवस्था	3.1 सृजित किए जाने वाले सूक्ष्मजल-फसलोपरांत अवसंरचनाओं की संख्या	35000			
	4. जल बचत, प्रौद्योगिकी, क्षमता निर्माण, वैज्ञानिक आर्द्रता संरक्षण से संबंधित जागरूकता अभियान	4.1 संचालित किए गए वैज्ञानिक ज्ञानार्जन और जागरूकता अभियानों की संख्या (प्रशिक्षण)	90			

10. हरित क्रांति: राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
3745	1. कृषि और संबद्ध योजनाओं के नियोजन और निष्पादन में राज्यों को छूट और स्वायत्ता प्रदान करना	1.1. आरकेवीवाई योजनाओं का उपयोग करने वाले राज्यों की संख्या	29 राज्य	1. किसानों के प्रयासों को सुदृढ़ करने, जोखिम को कम करने और कृषि-व्यवसाय उद्यमिता को बढ़ावा देने के माध्यम से कृषि को लाभकारी आर्थिक कार्यकलाप बनाना	1.1 राज्यों द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं की क्षेत्रवार संख्या	900[20]
	2. कृषि-जलवायु परिस्थितियों के आधार पर जिलों और राज्यों के लिए कृषि योजनाओं की तैयारी सुनिश्चित करना	2.1. डीएपी और एसएपी वाले 100% जिलों के साथ राज्यों की संख्या	29 राज्य			
	3. वित्तीय संसाधन आवंटन में राज्यों के अंश पर संगति	3.1 आरकेवीवाई योजनाओं के लिए पात्र राज्यों की संख्या	29 राज्यों			

11. हरित क्रांति: राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन - अन्य फसलें (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2018-19***
2000	1. खेती के तहत अतिरिक्त क्षेत्र	1.1 खाद्यान्न की खेती के लिए चिह्नित जिलों में अतिरिक्त सकल फसलित क्षेत्र	1.8 मिलियन हेक्टेयर	1. खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता विशेषकर दलहन के मामले में।	1.1 चावल, गेहूं, दलहन और मोटे अनाज का अतिरिक्त उत्पादन	चावल का 1.7 मीट्रिक टन, गेहूं 1.0 मीट्रिक टन, दलहन का 1.0 मीट्रिक टन और मोटे अनाज का 0.70 मीट्रिक टन अतिरिक्त उत्पादन
					1.2 कुल खाद्यान्न उत्पादन (एमटी)	5.5 एमटी के अतिरिक्त खाद्यान्न उत्पादन का ***लक्ष्य***
	2. उपज/उत्पादकता में वृद्धि	2.1 परियोजना क्षेत्र में खाद्यान्न उत्पादन की उपज (उत्पादन प्रति हेक्टेयर) में परिवर्तन	चावल-2580 किग्रा/है.गेहूं- 3300 किग्रा/हे. दलहन- 845			

[20] राज्यों को उनकी आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के अनुसार योजना के कार्यान्वयन के लिए परियोजनाओं को मंजूरी देने का अधिकार है। इस प्रकार, योजना के तहत राज्यों द्वारा उठाए गए परियोजनाओं की क्षेत्रवार वास्तविक संख्या राज्यों की योजना के तहत धन के आवंटन की वार्षिक हिस्सेदारी पर निर्भर करती है जो डीएसी और एफडब्ल्यू द्वारा आवंटन मानदंडों और आकार और लागत के आधार पर तय की जाती है। राज्यों द्वारा उठाए गए प्रत्येक परियोजनाओं के। इसलिए, डीएसी और एफडब्ल्यू ने राज्यों के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया है। हालांकि, पिछले रुझानों को देखते हुए, राज्यों से *2019-20* के दौरान कुल *900* परियोजनाओं को मंजूरी देने और लागू करने की उम्मीद है

			किलोग्राम/ हेक्टेयर पोषक युक्त मोटे अनाज - 1900 किग्रा/हे.			

12. हरित क्रांति: राष्ट्रीय बागवानी मिशन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
2225	1. जल स्रोतों का सृजन	1.1 सृजित जल स्रोतों की संख्या।	4000	1. बागवानी फसलों के क्षेत्र में वृद्धि	1.1 बागवानी के तहत लाया गया अतिरिक्त क्षेत्रफल (लाख हेक्टेयर में)	1,23,000
		1.2 जल स्रोतों के सृजन के कारण बागवानी के अंतर्गत लाया गया क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	20,000	2. बागवानी फसलों का उच्च उत्पादन और उत्पादकता	2.1 उत्पादकता में % वृद्धि (और मृदा की गुणवत्ता में सुधार)।	1%
	2. समेकित पोषक प्रबंधन, कीट प्रबंधन, जैविक खेती उपयोग	2.1 आईपीएम, आईएनएम तथा जैविक खेती के माध्यम से सहायता प्राप्त लाभार्थियों की संख्या	आईपीएम - 15,000 जैविक खेती - 12		2.2 बागवानी उत्पादों का कुल उत्पादन। (एमटी में)	314
		2.2 इन लाभार्थियों के माध्यम से खेती के अंतर्गत क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	आइपीएम: - 60,000 जैविक खेती: - 50			
	3. लाभार्थी की पहचान और प्रशिक्षण / विस्तार / जागरूकता	3.1 अनुसंधान एवं विकास आधारित गतिविधियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण/अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन की संख्या	किसानों का प्रशिक्षण: 4000	3. बागवानी में अति प्रशिक्षित मानव संसाधन पूल	3.1 बगावानी कार्यों में तथा प्रशिक्षित और लाभ के लिए नियोजित व्यक्तियों की संख्या	1,00,000
		3.2 कवर किए गए किसानों की संख्या	100000			
	4. पौधशालाओं की बढ़ी हुई क्षमता।	4.1 नई उच्च तकनीक और विकसित छोटी पौधशालाओं की संख्या	उच्च तकनीक: - 10 छोटी: -50			
		4.2 इन नई पौधशालाओं के माध्यम से पौधों के संदर्भ में क्षमता संवर्धन	उच्च तकनीक: - 500000 छोटी: -12,50,000			
	5. टीसी इकाइयों की संख्या तथा क्षमता में वृद्धि	5.1 विकसित किए गए नये टिशू कल्चर केन्द्रों की संख्या;	10			
		5.2 इन नए टिशू कल्चर केन्द्रों	2,50,00,000			

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*	परिणाम	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*
		के माध्यम से पौधों की संख्या के संदर्भ में क्षमता संवर्धन				
	6. सब्जियों के बीज उत्पादन इकाइयों में वृद्धि	6. सब्जियों के बीज उत्पादन के लिए संवर्धित क्षेत्र	2,500			
	7. एफपीओ/एफआईजी तैयार करना	7. तैयार किये गये एफआईजी/एफपीओ की संख्या	10			
	8. खेती क्षेत्र में वृद्धि	8.1 नए बागानों के माध्यम से खेती के अंतर्गत संवर्धित कुल क्षेत्र	1,23,000			
	9. पुनरूद्धार किए गए जराग्रस्त पौधों के तहत क्षेत्र	9.1 खेती के तहत कुल क्षेत्र जहां जराग्रस्त पौधों का पुनरूद्धार किया गया। (है.)	13,500			
	10. संरक्षित खेती	10.1 खेती के अंतर्गत कुल क्षेत्र जहां संरक्षित खेती की जाती है (है.)	40,000			
	11. फसलोपरांत प्रबंधन में वृद्धि	11.1 जीएपी अनुपालक कृषि कार्य के तहत लाया गया क्षेत्र (है.)	1000			
		11.2 सहायताकृत समेकित फसलोपरांत प्रबंधन इकाईयों की संख्या और क्षमता	शीतागार (एमटी): - 500 हजार (5 लाख एमटी)			
			राइपनिंग चैंबर्स (संख्या): - 50			
			पैक हाउस (संख्या): - 2000			
	12 वृद्धिकृत शीत श्रृंखला सुविधाएं	12.1 शीत श्रृंखला व्यवस्था की संख्या	शीतगृह (एमटी): - 500 हजार			
		12.2 शीत श्रृंखला व्यवस्था की क्षमता (किग्रा)	राइपनिंग चैंबर्स (संख्या): - 50			
			पैक हाउस (संख्या): - 2000			
	13. वृद्धिकृत विपणन सुविधाएं	13.1 कृषिगत विपणन अवसंरचना व्यवस्था की सं.	300			

13. हरित क्रांति: कृषि विस्तार उप मिशन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
950	1. एमटीसी, ईईआई और एसटीआरवाई, कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के माध्यम से राज्य विस्तार कार्मिकों के ज्ञान और कौशल का उन्नयन	1.1.आयोजित किए जाने वाले मॉडल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (एमटीसी) की संख्या	70	1. कृषि विस्तार कार्मिकों की क्षमता निर्माण के माध्यम से अपनाए गए प्रौद्योगिकी में संवर्धन	1.1 प्रशिक्षित किए जाने वाले विस्तार कर्मियों की संख्या	1400
		1.2 ईईआई द्वारा आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की संख्या	200		1.2 प्रशिक्षित किए जाने वाले विस्तार कर्मियों की संख्या	4000
		1.3 आयोजित किए जाने वाले कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की संख्या (एसटीआरवाई)	200		1.3 प्रशिक्षित किए जाने वाले ग्रामीण युवकों, किसानों और महिला किसानों की संख्या	3000
		14 एनएसडीएम के तहत आयोजित किए जाने वाले कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की संख्या	1000		1.4 प्रशिक्षित किए जाने वाले ग्रामीण युवकों और किसानों की संख्या	20000
	2. एटीएमए के तहत किसानों का प्रशिक्षण और विस्तार सहायता	2.1 किसानों के प्रशिक्षण के लिए कार्य दिवस की संख्या	1796000	2. किसानों के प्रशिक्षण एवं विस्तार सहायता मे वृद्धि	2.1 खेती प्रशिक्षण के तहत लाभार्थियों की संख्या	1579000
		2.2 प्रदर्शनों की संख्या	339900		2.2 प्रदर्शन के तहत लाभार्थी किसानों की संख्या	339900
		2.3 किसान मेला/गोष्ठियां/ किसान-वैज्ञानिक बातचीत के लिए कार्यक्रमों की संख्या	10000		2.3 किसान मेला/गोष्ठियां/ किसान-वैज्ञानिक बातचीत के लिए आगुंतको की संख्या	2057000
		2.4 आयोजित किए जाने वाले फार्म स्कूलों की संख्या	17500		2.4 फार्म स्कूलों के तहत लाभार्थियों की संख्या	437500
	3. मैनेज के तहत विस्तार प्रशिक्षण	3.1 मैनेज के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	200	3. लाभार्थियों के प्रशिक्षण में वृद्धि	3.1 मैनेज के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम के लाभार्थियों की सं.	5000
	4. कृषि उद्यम एवं कृषि आदान	4.1 एसी और एबीसी योजना के तहत कृषि	186	4. कृषि उद्यम / कृषि	4.1 प्रशिक्षण दिए जाने वाले कृषि	6500

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20				परिणाम 2019-20			
2019-20	निर्गम	संकेतक		लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक		लक्ष्य 2019-20
	डीलरों का प्रशिक्षण	उद्यम प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या			आदान डीलरों के प्रशिक्षण में वृद्धि	उद्यमों की संख्या 4.2 एसी और एबीसी प्रशिक्षित कृषि उद्यमों द्वारा स्थापित किए जाने वाले कृषि उद्यम की कुल संख्या		3250
		4.2 आदान डीलरों के लिए कृषि विस्तार सेवाएं (डीएईएसआई) में डिप्लोमा के लिए बैचों की संख्या।		270		4.3 प्रशिक्षण देने वाले इनपुट डीलरों की कुल संख्या		10800
	5.किसानों के लिए प्रसार कार्यक्रम	5.1 स्थापित किये जाने वाले किसान कॉल केन्द्रों की संख्या		21	5. किसानों के लिए आउटरीच कार्यक्रमों में वृद्धि	5.1 किसान कॉल केन्द्रों का उपयोग करते हुए कॉल सेवाओं की कुल संख्या		65 लाख
		5.2 डीडी और आकाशवाणी के माध्यम से प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों की कुल संख्या	5.2 क डीडी	5460		5.2 डीडी और आकाशवाणी के माध्यम से प्रसारित किए जाने वाले कार्यक्रम	5.2 क डीडी	5460
			5.2. ख आकाशवाणी	30264			5.2. ख आकाशवाणी	30264

14. हरित क्रांति: कृषि यांत्रिकीकरण पर उप मिशन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*	परिणाम	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*
1000	1. कृषि उपकरणों की खरीद एवं किराए पर लेने के लिए किसानों को वित्तीय सहायता	1.1 कृषि यंत्रों / उपकरणों की खरीद के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले किसानों / लाभार्थियों की संख्या	34000	1. लक्षित लाभार्थियों के बीच कृषि यंत्रीकरण की पहुंच में वृद्धि	1.1 फसलित क्षेत्र की प्रति इकाई खेत को बिजली उपलब्धता में वृद्धि	1.5 किलोवाट / हेक्टेयर
	2. कृषि उपकरणों की खरीद एवं किराए पर लेने के लिए किसानों को वित्तीय सहायता	2.1 स्थापित सीएचसी हब की संख्या)	3500	2. उन्नत लाभार्थी/ हितधारक जागरुकता	2.1 यंत्रीकृत कृषक प्रणालियों के तहत लाया गया कुल क्षेत्र (है.)	100000 है
		2.2 स्थापित हाई-टेक हब की संख्या	140			
		2.3. स्थापित सीएचसी का % क्षमता उपयोग (% समग्र उपकरण/ कुल/ट्रैक्टर)	50			
		2.4. स्थापित सीएचसी का % क्षमता उपयोग (% समग्र उपकरण/ कुल/ट्रैक्टर)	50			
	3 लाभार्थियों और अन्य हितधारकों के बीच जागरूकता बढ़ाना	3.1 प्रशिक्षित किसानों और अन्य हितधारकों की संख्या तथा गांव की संख्या भी जहां कृषि उपकरण प्रदान किए गए	10000			
		3.2 गाँवों की संख्या जहाँ कृषि उपकरणों को बढ़ावा मिला	3000			
	4. कृषि उपकरण जांच एवं	4.1. उत्पाद जांच और प्रमाणन	32			

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
	प्रमाणन क्षमता में वृद्धि	संचालन करने वाले संस्थानों की संख्या				.
		4.2. जांच की गई और प्रमाणित मशीनों और उपकरणों की संख्या और प्रकार	165			
	5. फसलोपरांत इकाईयों का संवर्धन और अभिसरण	5.1. स्थापित फसलोपरांत इकाइयों की संख्या	लागू नही किया जायेगा			
	6. यंत्रीकृत प्रदर्शनों के लिए वित्तीय सहायता	6.1 ऐसे क्षेत्र जिसके लिए यंत्रीकृत प्रदर्शन हेतु वित्तीय सहायता दी गई	5000			

15. हरित क्रांति: कृषि विपणन पर एकीकृत योजना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
600	1) उप-योजना: उद्यम पूंजी सहायता					
	1. कृषि व्यवसाय उद्यम की स्थापना।	1.1. कृषि व्यवसाय वीसीए परियोजनाओं की संख्या	**250 वीसीए परियोजनाएं**	1. कृषि व्यवसाय उद्यम की स्थापना।	1.1. उन मामलों की संख्या जिनमें वीसीए राशि की पूरी वसूली की गई है	210
	2) उप योजना कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई)					
	2. विपणन अवसंरचना (गैर-भंडारण	2.1 पूर्ण की गई विपणन अवसंरचनाओं की संख्या	(क) 350	2.कृषि विपणन अवसंरचना का विकास / सुदृढ़ीकरण	2.1. उप-योजना के तहत शामिल की गई कुल	350

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
	परियोजनाएं) और भंडारण परियोजनाओं को बढ़ाना	(क) (गैर भंडारण परियोजनाएं) (ख) भंडारण परियोजनाएं	(ख) **40 लाख**		गैर-भंडारण परियोजनाएं	
	3) उप-स्कीम एगमार्क ग्रेडिंग सुविधा का सुदृढ़ीकरण (एसएजीएफ)					
	3. ग्रेडिंग, छंटाई और पैकेजिंग अवसंरचनाओं की व्यापक क्षमता	3.1 अधिसूचित कृषि जिंसों के मानकों की संख्या 3.2. विश्लेषित किए गए जांच नमूनों की संख्या 3.3. विश्लेषित किए गए अनुसंधान नमूनों की संख्या	2 10,000 **500**	3. राज्य द्वारा एनएएम से जुड़े परिचालन क्षेत्रों / मंडियों के तहत वैज्ञानिक भंडारण क्षमता का निर्माण।	3.1 उप-योजना के तहत बढ़ाई गई कुल भंडारण क्षमता (एमटी)	40.00 लाख एमटी
	4) उप-योजना: राष्ट्रीय कृषि मंडी (एनएएम)					
	4. ई-एनएएम के माध्यम से अधिक जानकारी को साझा करना	4.1 ई-एनएएम के माध्यम से जुड़े बाजारों की संख्या	215 कोई तिमाही लक्ष्य नहीं है	4. ग्रेडिंग, छँटाई और पैकेजिंग अवसंरचना की उन्नत उपलब्धता	4.1 एगमार्क ग्रेडिंग में वृद्धि। एगमार्क प्रमाणन का प्रभावी अनुपालन	2

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
	5. ई-एनएएम के बारे में किसानों आदि के बीच जागरूकता बढ़ाना।	5.2 (क) कार्यनीति सहयोगियों (एसपी) द्वारा आयोजित जागरुकता अभियान की संख्या (ख) एसपी द्वारा आयोजित जागरूकता अभियानों में भाग लेने वाले अपेक्षित किसानों, व्यापारियों और अन्य हितधारकों की संख्या (ग) ई-एनएएम के तहत प्रशिक्षित किसानों की संख्या (घ) बेहतर मूल्य लाभ के लिए ई-एनएएम के माध्यम से कृषि-जिंसों का ऑनलाइन व्यापार	400 47750 15 लाख कुल किसान का 10 %	5. जिन वस्तुओं के लिये घरेलू व्यापार और निर्यात के लिये ग्रेड मानक अधिसूचित किये जाते हैं, उनके लिए कार्यक्रम	5.1 रणनीतिक सहयोगियों (एसपी) द्वारा वास्तविक तौर पर आयोजित कैम्पों की संख्या 5.2 एसपी द्वारा आयोजित जागरूकता अभियानों में भाग लेने वाले किसानों, व्यापारियों और अन्य हितधारकों की संख्या 5.3 ई-एनएएम के माध्यम से व्यापार किए गए उत्पाद की मात्रा	400 47750 116.00 लाख एमटी

कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग

1. फसल विज्ञान (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
701.53	1. मूल्यांकित जनन-द्रव्य तथा प्रजनन वंशक्रम	1.1 मूल्यांकित जनन-द्रव्यों तथा प्रजनन वंशक्रमों की कुल संख्या	33000	1. फसलों की संभाव्य पैदावार में अपेक्षित वृद्धि	1.1 पैदावार संभाव्यता में वृद्धि प्रतिशत	2%
	2. दीर्घकालीन भंडारण के लिए संरक्षित जनन-द्रव्य	2.1 दीर्घकालीन भंडारण के लिए संरक्षित जनन-द्रव्यों की कुल संख्या	5000			
	3. सूक्ष्म -जैविक (माइक्रोबायल) आनुवंशिक संसाधनों का संरक्षण	3.1 संरक्षित किए गए सूक्ष्म -जैविक आनुवंशिक संसाधनों की कुल संख्या	250			
	4. विलक्षण विशिष्ट गुणों के लिए पहचाने गए तथा पंजीकृत जेनोटाइप्स	4.1 विलक्षण विशिष्ट गुणों के लिए पहचाने गए तथा पंजीकृत जेनोटाइप्स की कुल संख्या	50	2. फसल विज्ञान के अंतर्गत कृषि तकनीकों को अपनाने में वृद्धि	2.1 फसल विज्ञान योजना के अंतर्गत किसानों के समक्ष प्रदर्शित की गई प्रौद्योगिकी को अपनाने वाले किसानों की संख्या	10000
	5. क्लोन किए गए एवं लक्षण-वर्णन वाले जीन	5.1 क्लोन किए गए एवं लक्षण-वर्णन वाले जीन्स की कुल संख्या	12			
	6. एआईसीआरपी के बहु-स्थानिक परीक्षणों में परीक्षित प्रविष्टियां	6.1 एआईसीआरपी के बहु-स्थानिक परीक्षणों में परीक्षित प्रविष्टियों की संख्या	2500			
	7. एआईसीआरपी की किस्म पहचान समितियों द्वारा पहचानी गई किस्में	7.1 एआईसीआरपी की किस्म पहचान समितियों द्वारा पहचानी गई कुल क़िस्मों की संख्या	62			
	8. उत्पा्दित प्रजनक बीज	8.1 उत्पादित प्रजनक बीजों की कुल मात्रा	60000			
	9. विकसित एवं परीक्षित की गई नई प्रौद्योगिकियां	9.1 विकसित एवं परीक्षित की गई नई प्रौद्योगिकियों की कुल संख्या	50			
	10. आयोजित अग्र-पंक्ति प्रदर्शन	10.1 आयोजित अग्र-पंक्ति प्रदर्शनों की कुल संख्या	10000			
	11. आयोजित किसान प्रशिक्षण	11.1 आयोजित किसान प्रशिक्षणों की कुल संख्या	250			
	12. मानव संसाधन विकास	12.1 प्रदान की गई मास्टर्स एवं डॉक्टोरल	175			

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		उपाधियों की कुल संख्या				

2. कृषि विश्विद्यालय और संस्थान (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
565.51	1. छात्र सुविधाओं और संकाय सुविधाओं का सृजन	1.1 उन संस्थानों की कुल संख्या जहां ऐसी सुविधाएं सृजित की गई हैं	62	1. विद्यार्थियों के नामांकन में वृद्धि का प्रतिशत	1.1 विद्यार्थियों के नामांकन में वृद्धि का प्रतिशत	10
	2. ज्ञान सृजन और क्षमता निर्माण के लिए उत्कृष्टता के विशिष्ट क्षेत्र संबंधी मॉड्यूल का विकास	2.1 विकसित मॉड्यूल की कुल संख्या	16 चल रहे और नए	2. कृषि वैज्ञानिकों और अनुसंधानकर्ताओं की गुणवत्ता में वृद्धि	2.1 व्यवसायियों का प्रशिक्षण: नेटवर्किंग कार्यशालाएं	7
	3. स्टूडेंट रेडी प्रायोगिक शिक्षण के लिए मॉडलों का विकास तथा पूर्व स्नातक (यूजी) विद्यार्थियों के लिए आरएडब्ल्यूई/व्यावहारिक (इन-प्लांट) प्रशिक्षुता	3.1 प्रशिक्षुता के लिए लक्षित विद्यार्थियों की कुल संख्या	15000 विद्यार्थी		2.2 नीति कार्यशालाएं	5
	4. पूर्व स्नातक (यूजी) विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय प्रतिभा छात्रवृत्ति	4.1 प्रदान की गई छात्रवृत्तियों की कुल संख्या	4000		2.3 संस्थान नीति प्रकाशन एवं सरकार के लिए पॉलिसी इनपुट के प्रमुख क्षेत्र	2
	5. स्नातकोत्तर (पीजी) विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय प्रतिभा छात्रवृत्ति	5.1 स्नातकोत्तर (पीजी) विद्यार्थियों को प्रदान की गई छात्रवृत्तियों की कुल संख्या	3500		2.4 सांख्यिकीय विधियों/टूल/ विकसित/उन्नयन की गई तकनीकों की संख्या	2
	6. पुस्तकालयों का डिजीटाइजेशन	6.1 डिजीटाइजेशन किए गए पुस्तकालयों की संख्या	10		2.5 दर्ज/प्रदान किए गए कॉपीराईट की संख्या	8

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	7. विश्वविद्यालयों में ऑन लाइन पद्धतियों का विकास	7.1 ऑन लाइन पद्धति वाले विश्वविद्यालयों की संख्या	15	3. • कृषि-विकास में नीति अनुसंधान; बाजार; प्रौद्योगिकी एवं टिकाऊ विकास • नेटवर्किंग एवं क्षमता निर्माण योजना प्रकाशन एवं सरकार के लिए इनपुट	3.1 उच्च प्रभाव कारक वाले जर्नलों में प्रकाशनों की कुल संख्या	32
	8. नए कृषि विश्वविद्यालयों की स्थापना	8.1 स्थापित किए गए नए कृषि विश्वविद्यालयों की संख्या	01		3.2 प्रकाशनों की कुल संख्या में से उच्च प्रभाव कारक प्रकाशनों का %	5%
	9. कृषि नीति पर इन-हाउस एवं सहयोगात्मक अनुसंधान अध्ययन	9.1 आयोजित इन-हाउस एवं सहयोगात्मक अनुसंधान अध्ययनों की संख्या	18			
	10. कृषि अनुसंधान की गुणवत्ता को सुधारने के लिए सांख्यिकीय पद्धतियों का विकास	10.1 विकसित नई सांख्यिकीय पद्धतियों की कुल संख्या	09			

आयुष मंत्रालय

मांग सं. 4

1. राष्ट्रीय आयुष मिशन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-2020		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
506.00	1. आयुष सेवाओं का प्रावधान	1.1 उन राज्यों की कुल संख्या जहाँ अनिवार्य औषध परीक्षण प्रयोगशालाएं हैं	32	1. आयुष स्वास्थ्य पद्धति सुदृढ़ करना	1.1 न्यूनतम मानकों को पूरा करने वाले सरकारी/ सरकारी सहायता प्राप्त आयुष शिक्षा संस्थानों की संख्या	136
		1.2 500 या अधिक नमूनों की जांच कर रही औषध प्रयोगशालाओं की कुल संख्या	20		1.2 आयुष इकाइयों की कुल संख्या जो मौजूदा प्राथमिक स्वास्थ्यकेंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, और जिला अस्पतालों के साथ सहस्थापित हैं	12521
		1.3 जांचे गए औषध नमूनों की कुल संख्या	10000		1.3 परिचालित अतिरिक्त 50 बिस्तर तक के एकीकृत आयुष अस्पतालों की संख्या	10
		1.4 50 बिस्तर तक के अतिरिक्त एकीकृत आयुष अस्पतालों की कुल संख्या जिनके लिए निधिजारी की गईं।	80		1.4 परिभाषित आम बीमारियों के लिए औषधियों को उपलब्ध कराने वाले केंद्रों की संख्या	15000
		1.5 विशेष/एकमात्र सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त आयुष अस्पतालों और आयुष औषधालयों की कुल संख्या जिनके उन्नयन के लिए निधियांजारी की गईं। (i) आयुष अस्पताल (ii) आयुष औषधालय	5043		1.5 गुणवत्ता मानकों को पूरा करने वाले परीक्षित औषधियों के नमूनों की कुल संख्या	10000

		1.6 अतिरिक्त आयुष शैक्षिक संस्थान (स्नातक /स्नातकोत्तर /फार्मेसी/ अर्धचिकित्सीय पाठ्यक्रम) जिनके उन्नयन औरनई स्थापना के लिए निधियां जारी की गईं। (i) उन्नयन (ii) नया सेट-अप	107		1.6 सरकारी आयुष सुविधाओं के अंतर्गत देखे गए रोगियों की संख्या	13.50 लाख प्रति माह
		1.7 स्वास्थ्यसुविधाओं में सहस्थापित अतिरिक्त आयुष इकाईयां (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और जिला अस्पताल) जिनके लिए निधियांजारी की गईं। (i) प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (ii)सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (iii) जिला अस्पताल	703			
		1.8 जहाँ पर राज्य/सार्वजनिक क्षेत्र फार्मेसियां कार्यरत हैं, उन राज्यों की कुल संख्या।	15			

उर्वरक विभाग

1. यूरिया राजसहायता (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
53629	1. संस्थापित यूरिया उत्पादन सुविधा में वृद्धि	1.1 यूरिया उत्पादन की कुल संस्थापित क्षमता (एलएमटी में)	207	1. खुदरा स्तर पर उर्वरकों की उपलब्धता	1.1 राज्य स्तर पर उपलब्ध यूरिया की कुल मात्रा	316
	2. लागत पर राजसहायता प्रदान करके बढ़ा हुआ उत्पादन	2.1 यूरिया के लिए कुल उत्पादन आंकड़े (एलएमटी में)	253		1.2 स्टॉक न होने की प्राप्त शिकायतों की संख्या	शून्य
		2.2 यूरिया के लिए कुल प्रेषण आंकड़े (एलएमटी में)	316	2. किसानों को पर्याप्त मात्रा में और समय पर यूरिया की उपलब्धता	2.1 वेयरहाउस में न्यूनतम मांग के स्तर से स्टॉक कितनी बार नीचे चला गया	शून्य
					2.2 किसानों को यूरिया की कुल बिक्री (एलएमटी में)	316

2. पोषकतत्व आधारित राजसहायता (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
26367	1. *स्वदेशी पीएंडके का* बढ़ा हुआ उत्पादन	1.1 *पीएंडके उर्वरकों का कुल स्वदेशी उत्पादन लाख मीट्रिक टन में*	156	1. *किसानों को उर्वरकों की सहज उपलब्धता*	1.1 किसानों की मांगों की तुलना में आपूर्ति किए गए स्वदेशी पीएंडके उर्वरकों की कुल मात्रा लाख मीट्रिक टन	156
					1.2 **किसानों को पीएंडके उर्वरकों की कुल बिक्री (एलएमटी में)**	233

कोयला मंत्रालय

मांग सं. 9

1. कोयला और लिग्नाइट का अन्वेषण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
937	1. कोयला ब्लाकों में संवर्धनात्मक (क्षेत्रीय) अन्वेषण	1.1ड्रिलिंग की लंबाई (लाख मीटर में)	1.9	1. नया संसाधन जोड़ा जाना है।	1.1 मात्रा बिलियन टन में	1.75
	2. गैर-सीआईएल कोयला ब्लॉकों में विस्तृत अन्वेषण	2.1ड्रिलिंग की लंबाई (लाख मीटर में)	4.1	2. प्रमाणिक श्रेणी में संसाधन जोड़ा जाना है।	2.1 जोड़े गए प्रमाणिक भंडार बिलियन टन में	1.50

वाणिज्य विभाग

1. ईसीजीसी में निवेश (निर्यातऋण गारंटी निगम) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
500	1. ईसीजीसी की इक्विटी में वृद्धि को वित्तपोषण करना ताकि उचित रूप से भारतीय निर्यातकों को पर्याप्त बीमा कवर प्रदान करने के लिए पूंजी पर्याप्तता मानदंडों को पूरा किया जा सके	1.1. जारी नवीन नीतियों की संख्या	5700	1. भुगतान जोखिम के खिलाफ निर्यातकों को बीमा सुरक्षा	1.1. अधिकतमदेयता(रु।करोड़में)	109000
		1.2. नेट प्रीमियम अर्जित (रु करोड़ में)	827		1.2. सहायता प्राप्त निर्यात का मूल्य (रु. करोड़ में)	359,700
		1.3. जोड़े गए नए खरीदार की संख्या	18250		1.3. सहायता प्राप्त राष्ट्रीय निर्यात का हिस्सा (कुल जोखिम मूल्य/ भारत का माल निर्यात)	15%
		1.4. औसत शुद्ध मूल्य के लिए पीएटी का अनुपात	5.8%			
		1.5. कवर किए गए कुल जोखिम मूल्य के लिए किए गए दावे के अनुपात	0.36%		1.4. पूंजीअनुपातकोजोखिम	20 बार

2. ब्याज समकरण योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निर्गम*	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*	*परिणाम*	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*
2910	1. एमएसएमई के सभी निर्यातकों और 416 टैरिफ लाइनों के लिए प्रदान की ब्याज समकारी की दर 3%	1.1. निर्यातकों द्वारा दायर दावों की संख्या।	सभी निर्माता निर्यातकों को एमएसएमई सेक्टर के लिए ब्याज बराबरी की 5% दर w.e.f. 2.11.2018 और निर्दिष्ट 416 टैरिफ लाइनों के निर्यातकों के लिए ब्याज बराबरी की 3% दर।	1. एमएसएमईके सभी निर्यातकों और 416 टैरिफ लाइनों को सस्ता ऋण उपलब्ध कराना	1.1. पिछले वर्ष की तुलना दावों के कवरेज में % परिवर्तन । विगत वर्ष की तुलना में दावों की कवरेज में % परिवर्तन अनुबंध-। पर दिया गया है ।	एमएसएमई और 416 टैरिफ लाइनों के सभी निर्यातकों को सस्ता क्रेडिट
		1.2. इसे हटा दिया जाए क्योंकिइस स्कीम के प्रचालनकर्ता आरबीआई के पास आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं । भारतीय रिर्जव बैंक द्वारा अन्य बैंकों को प्रतिपूर्ति			1.2. समर्थित निर्यात का कुल मूल्य (रु. करोड़ में) इसे हटा दिया जाए क्योंकि अपेक्षित सूचना आरबीआई के पास नहीं है ।	

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निर्गम*	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*	*परिणाम*	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*
		दावों की संख्या अनुबंध-। और ।। पर दी गई है				

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग

1. **राष्ट्रीय औद्योगिक कोरिडोर विकास और कार्यान्वयन न्यास***

अनुमोदित वित्तीय परिव्यय 2019-20 (करोड़ रु.)	*निर्गम* 2019-20			*परिणाम* 2019-20		
	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	*परिणाम*	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
850	1. धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र (डीएसआईआर), शेंद्रा बिदकिन औद्योगिक क्षेत्र (एसबीआईए), दिघी बंदरगाह औद्योगिक क्षेत्र, एमएमएलएच, नांगल चौधरी, विक्रम उद्योगपुरी, आईआईटी ग्रेटर नोएडा और एमएमएलएच और एमएमटीएच ग्रेटर नोएडा में सड़क और सेवा, प्रशासनिक और व्यापार केंद्र, जल शोधन संयंत्र, सामान्य बहिःस्राव शोधन संयंत्र और सीवेज शोधन संयंत्र आदि सहित मुख्य बुनियादी ढांचे के विकास का पर्याप्त रूप से पूरा करना। विवरण **अनुबंध 1** पर।	1.1 मूल्यांकन की गयी परियोजनाओं की संख्या	**निम्नानुसार 09 परियोजनाएँ**	1. इस क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं के विकास से ग्रीनफील्ड औद्योगिक क्षेत्र के विकास के मार्ग खुलेंगे और इस क्षेत्र के आगे के विकास के लिए प्रेरणा मिलेगी। विवरण **अनुबंध 1** पर है।	1.1 आवंटित किए गए औद्योगिक भूखंडों की संख्या और क्षेत्र;	**अप्रैल, 2019 तक 182.5 हेक्टेयर के 64 भूखंड आवंटित किए गए**
		1.2 अनुमोदित और स्वीकृत परियोजनाओं की सं.	**निम्नानुसार 07 परियोजनाएँ**			
		1.3 पूर्ण की गई परियोजनाओं की संख्या	**निम्नानुसार 23 पैकेज**		1.2 (प्रत्यक्ष) सृजित रोजगार की कुल सं.-	**लगभग 5,000 रोजगार**
		1.4 औद्योगिक इकाइयों को भूखंडों के आवंटन की संख्या -	**350 हेक्टेयर**		1.3 (अप्रत्यक्ष) सृजित रोजगार की कुल सं.	**लगभग 8000 रोजगार**

* राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास और कार्यान्वयन ट्रस्ट (एनआईसीडीआईटी), अमृतसर कोलकाता औद्योगिक गलियारा परियोजना (एकेआईसी), चेन्नई बेंगलुरु औद्योगिक गलियारा (सीबीआईसी), बेंगलुरु मुंबई औद्योगिक गलियारा (बीएमआईसी), विजाग चेन्नई औद्योगिक गलियारा (वीसीआईसी) शामिल हैं।

2. **प्रदर्शनी-सह-सम्मेलन केन्द्र द्वारका**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	*निर्गम* 2019-20			*परिणाम* 2019-20		
2019-20	*निर्गम*	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	*परिणाम*	संकेतक	लक्ष्य 2019-20

500.11*	1. प्रदर्शनी-सह-सम्मेलन केन्द्र, द्वारका	1.1 02 प्रदर्शनी हॉल - सम्मेलन केन्द्र - सेवा और उपयोगिता के साथ मुख्य अवसंरचना - प्रदर्शनी हॉल के तहत सर्विस बेसमेंट	चरण- I में गैर-पीपीपी घटकों का निर्माण कार्य 100% पूरा होने की उम्मीद है	1. प्रदर्शनी-सह-सम्मेलन केन्द्र, द्वारका	1. निर्माण एजेंसी बड़ी संख्या में कुशल / अर्ध-कुशल / कार्यकारी कर्मचारियों को रखेगी	सृजित होने वाले रोजगार की कुल सं. - 5000 से 6000 (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष)
					2. निर्माण एजेंसी बड़ी संख्या में कुशल / अर्ध-कुशल / कार्यकारी कर्मचारियों को रखेगी	

* 500.10 करोड़ रुपये की निधियन राशि आईआईसीसी लिमिटेड को जारी की गई है।

3. पूर्वोत्तर औद्योगिक निवेश संवर्धन नीति (एनईआईआईपी)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	*निर्गम* 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निर्गम*	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
776.84	1. पूर्वोत्तर राज्यों की पात्र इकाइयों को राजसहायता का संवितरण।	1.1 पूंजीगत निवेश राजसहायता के तहत सहायता प्राप्त इकाइयों की संख्या और उनकी संवर्धित क्षमता।	500 **	पूर्वोत्तर राज्यों में औद्योगीकरण को बढ़ावा देना	1.1 पूर्वोत्तर क्षेत्र में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना में % बढ़ोतरी।	***
		1.2 पूंजीगत निवेश राजसहायता के तहत संस्थापित, उन्नत और आधुनिकीकृत औद्योगिक इकाइयों की संख्या और उनकी संवर्धित क्षमता।	***		1.2 पूर्वोत्तर क्षेत्र में औद्योगिक इकाइयों में रोजगाररत व्यक्तियों की संख्या।	
		1.2 मा कवर वाली औद्योगिक इकाइयों और मशीनरी की संख्या	***			
		1.4 द्योगिक इकाइयों के बकाया दावों की संख्या जिनका भुगतान किया जाना है (दिनांक 31.01.2018 के अनुसार)	169 **			

* परिवहन/मालभाड़ा राजसहायता स्कीम का पूर्वोत्तर औद्योगिक निवेश संवर्धन नीति में विलय हो गया है।

** उपर्युक्त आंकड़े गतिशील हैं जिनमें समय-समय पर परिवर्तन हो सकता है।

*** इस संकेतक के लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता क्योंकि यह एक मांग आधारित स्कीम है।

4. **पूर्वोत्तर क्षेत्र और हिमालय राज्यों में औद्योगिक इकाइयों को केन्द्रीय और एकीकृत जीएसटी रिफंड**

वित्तीय परिव्यय 2019-20 (करोड़ रु.)	*निर्गम* 2019-20			परिणाम 2019-20		
	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
1700	1. सिक्किम, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थित इकाइयों को बजटीय सहायता प्रदान करना।	1.1 इस योजना के तहत पंजीकृत सभी शेष इकाइयों का निरीक्षण।	सहायता प्राप्त इकाइयों की संख्या - 2110 अब तक 1919 इकाइयों का निरीक्षण किया गया	1. सद्भावना उपाय के रूप में इकाइयों के लिए बजटीय सहायता के रूप में अतिरिक्त तरलता शामिल करने से इकाइयों की प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार होगा, और उन्हें जीएसटी व्यवस्था में परिवर्तित करने में सक्षम बनाएगा।	1.1 इस योजना के तहत आवंटित पूरे बजट का संवितरण। इस योजना के तहत पंजीकृत सभी शेष इकाइयों का निरीक्षण।	*
		1.2 इस योजना के तहत आवंटित सभी बजट का प्राधिकरण और संवितरण	अब तक 353.21 करोड़ रुपये का व्यय।			

*संख्यात्मक लक्ष्यों को निर्धारित करने के लिए संकेतक का स्वबरूप जवाबदेह नहीं है

डाक विभाग

1. डाक प्रचालन (केंद्रीय क्षेत्र)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
773.47	1. वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित (एलडब्ल्यूई) जिलों सहित उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में शाखा डाकघर खोलना,	1.1 अधिक राजस्व अर्जन के उद्देश्य से प्रक्रियाओं और संवितरण नेटवर्क की बेहतर उत्पादकता के माध्यम से ग्राहकों को और अधिक सुविधाएं मुहैया कराना	शाखा डाकघर खोलना - 185 (वित्त 11 करोड़ रु.)	1. ग्रामीण व्यवसाय में बढ़ोतरी, डाक नेटवर्क तक बेहतर पहुंच और ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना	1.1 वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित (एलडब्ल्यूई) जिलों में शाखा डाकघर खोलकर डाक नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा। आईटी सुविधा से युक्त शाखा डाकघरों और नेटवर्क कोर बैंकिंग, हस्तचालित उपकरणों पर पीएलआई और सीएसआई एप्लीकेशन की उपलब्धता से ग्रामीण व्यवसाय में बढ़ोतरी होगी। वित्तीय समावेशन सेवाएं ऑनलाइन माध्यम से देश के उन क्षेत्रों में उपलब्ध होंगी, जो फिलहाल बैंकिंग की सुविधा से वंचित हैं।	*
		1.2 फ्रैंचाइजी आउटलेट खोलना,	फ्रैंचाइजी आउटलेट खोलना - 100 (वित्त 0.1 करोड़ रु.)			
		1.3 नई तथा बेहतर किस्म की पत्र-पेटिकाएं और संकेत-चिह्न संस्थापित करना,	नई तथा बेहतर किस्म की पत्र-पेटिकाएं संस्थापित करना - 9875 और संकेत चिह्न संस्थापित करना - 14800 (वित्त 3.85 करोड़ रु.)			
		1.4 अतिरिक्त विभागीय शाखा डाकघरों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर और तिजोरियां लगाना	अतिरिक्त विभागीय डाकघरों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर -1475 (वित्त 5.5 करोड़ रु.) तिजोरियां लगाना - 3400 (वित्त 5.22 करोड़ रु.)			
	2. डाक प्रचालन और सेवाओं का उन्नयन	2.1 स्पीड पोस्ट के लिए अवसंरचना	स्पीड पोस्ट के लिए अवसंरचना को अपग्रेड करना - 29 (वित्त 22	2.1 स्पीड पोस्ट डाक वस्तुओं की प्रोसेसिंग की क्षमता को बढ़ाना।	2.1 नेटवर्क इष्टतम परियोजना में वृद्धि और सेवाओं में सुधार	30

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
			करोड़ रु.)			
		2.2 मानकीकृत बैंगों के प्रापण सहित बंद बैगों की सुरक्षा के लिए प्लास्टिक सील और लेबल	केंद्रीय रजिस्ट्री एवं बीएनपीएल केंद्र - 16 एवं बंद थैलों की सुरक्षा के लिए प्लास्टिक सील - 1 करोड़ एवं लेबल - 1 करोड़, मानकीकृत थैलों की खरीद - 60000 (वित्त 6.5 करोड़ रु.)			
		2.3 सड़क परिवहन का विकास और ई-कामर्स/पार्सल बुकिंग / अंतर्राष्ट्रीय व्यापार केंद्रों की स्थापना	43 मार्ग ई-कॉमर्स केंद्रों की स्थापना - 4 एवं आईबीसी - 5 तथा एनडीसी - 30			
	3.1 केंद्रीय प्रोसेसिंग केंद्रों की संख्या बढ़ाना	सीपीसी सेटअप की कुल संख्या	3	3.1 ग्राहक संतुष्टि तथा लेन-देन कार्य में सुविधा	लेन-देन की संख्या में वृद्धि	*
	3.2 चिप समर्थित एटीएम/डेबिट कार्ड प्रदान किया जाना	जारी किए गए चिप समर्थित डेबिट कार्ड की कुल संख्या	24 लाख एटीएम/डेबिट कार्ड (वित्त 11 करोड़ रु.)			
	4. डाक जीवन बीमा प्रचालन,	बेचे गए बीमा उत्पादों का कुल मूल्य	13,000/- करोड़ रू. (पीएलआई/ आरपीएलआई पॉलिसियों के लिए बीमित राशि)	4.1 अधिक उत्पादों की बिक्री से राजस्व में वृद्धि	4.1 पीएलआई और आरपीएलआई के अंतर्गत कुल प्रीमियम आय सुनिश्चित करना।	पीएलआई के अंतर्गत 10000 करोड़ रूपए प्रीमियम आय और आरपीएलआई के अंतर्गत 3000 करोड़ रूपए
	4.2 बीमा उत्पादों का प्रचार	पोस्टल स्टाफ हेतु आयोजित	विपणन/सर्कल कार्यालय के		4.2 पीएलआई और	15 लाख

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		प्रशिक्षण सत्रों की संख्या	कार्मिकों को प्रशिक्षण - 100		आरपीएलआई दोनों के अंतर्गत और अधिक लोगों का जीवन बीमा करना।	अतिरिक्त जीवन बीमा सुनिश्चित करना।
	4.3 विपणन/सर्कल कार्यालय के कार्मिकों को प्रशिक्षण।	बीमा उत्पादों का प्रचार	**			
	5. व्यापार संवर्धन, विपणन अनुसंधान और उत्पाद विकास	5.1 विज्ञापन अभियानों की संख्या।	मीडिया हाउस की नियुक्ति - 1 परियोजना सोशल मीडिया एजेंसी की नियुक्ति - 1 परियोजना। ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण और नए उत्पाद विकास - 1 परियोजना।	5.1 विभिन्न मीडिया विकल्पों नामत: टीवी, इलेक्ट्रॉनिक, रेडियो, प्रिंट, आउटडोर आदि अवव द लाइन अभियान और साथ ही बिलो द लाइन गतिविधियों के माध्यम से संवर्धन कार्य	डाक उत्पादों और सेवाओं के लिए अधिक जानकारी लाते हुए वार्षिक विभागीय व्यय का 1%-4% खर्च करके डाक उत्पादों और सेवाओं का प्रचार। इसे 3000 करोड़ का ब्रांड बनाने के लिए स्पीड पोस्ट पर विज्ञापन अभियान जारी रखा।	
	6.1 शौक और अभिरूचि के रूप में फिलैटली से अधिक राजस्व अर्जित करना।	6.1 फिलैटली का संवर्धन और प्रचार	विज्ञापन और प्रचार अभियान - 19 राज्य/जिला स्तर पर प्रदर्शनियों का आयोजन-40 फिलैटली संबंधी सेमिनार और प्रश्नोत्तरी-40	6.1 संवर्धन और प्रचार अभियान (सभी प्रकार का मीडिया) तथा बाजार अनुसंधान ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण	राजस्व में वृद्धि हेतु ग्राहक आधार को बढ़ाना।	
	6.2 फिलैटली और पत्र लेखन के संबंध में नौजवानों के मन में अधिक जागरूकता उत्पन्न करना। 6.3 अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, डाक-टिकटों की गुणवत्ता और भारतीय फिलैटली के क्षेत्र के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करना।	6.2 माय स्टैंप सहित नए उत्पादों का विकास और उनका विस्तार और संवर्धन 6.3 फिलैटली ब्यूरो का उन्नयन	ढाई आखर पत्र लेखन प्रतियोगिता - 1 दीनदयाल स्पर्श छात्रवृत्ति कायर्क्रम - 1 माई स्टैम्प काउंटरों को विकसित किया जाना - 12 5			
	7.1 देशभर के बड़े डाकघरों में	7.1 सेवा वितरण उत्कृष्टता	नया सेवोत्तम प्रमाणन - 4	7.1 सभी सर्कलों में बड़े	गुणवत्ता आश्वासन और सेवा	**

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	डाक प्रक्रियाओं के लिए आईएसओ गुणवत्ता प्रमाणन को सुनिश्चित किया जाएगा।	(डाकघरों के लिए प्रमाणन प्राप्त करना) - गुणवत्ता आश्वासन	प्रधान डाकघर	डाकघरों में लगने वाली लंबी लाइनों और कार्यभार प्रबंधन में सुधार होगा।	में सुधार	
		7.2 प्रमाणन का नवीकरण	10 एचपीओ			
	7.2 डायनमिक क्यू मैनेजमेंट सिस्टम से सभी सर्कलों में बड़े डाकघरों में लगने वाली लंबी लाइनों और कार्यभार प्रबंधन में सुधार होगा।	7.3 प्रधान डाकघरों में डीक्यूएमएस की स्थापना।	60			

* इस संकेतक के लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता क्योंकि यह एक मांग आधारित स्कीम है।

** संख्यात्मक लक्ष्यों को निर्धारित करने के लिए संकेतक का स्वबरूप जवाबदेह नहीं है

संचार मंत्रालय **मांग सं. 13**

दूरसंचार विभाग

1. रक्षा स्पेक्ट्रम - रक्षा सेवाओं के लिए ऑप्टिकल फाइबर केबल आधारित नेटवर्क (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रू. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	*लक्ष्य 2019-20*	परिणाम	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*
4725	1. ओएफसी बिछाना	1.1 पूरी परियोजना के लिए निष्पादित की गई कुल कि.मी. ओएफसी बिछाए जाने वाले कार्य में से बिछाई गई ओएफसी का कुल %	95%	1. राष्ट्रव्यापी सुरक्षित, बहु-सेवा और बहु प्रॉटोकॉल अभिसरित अगली पीढ़ी नेटवर्क	1.1 पूरी परियोजना के लिए शुरू किए गए ओएफसी लिंक्स की संख्या	91%
	2. क्रय आदेश देना	2.1 उपकरण घटकों का कुल प्रतिशत जिसके लिए पूरी परियोजना के दौरान क्रय आदेश दिए गए	100 %		1.2 पूरी परियोजना के लिए विभिन्न घटकों की आपूर्ति, संस्थापना, परीक्षण और शुरूआत (एसआईटीसी)	60%

2. दूरसंचार अवसंरचना का सृजन और संवर्धन करने के लिए सेवा प्रदाताओं को क्षतिपूर्ति (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	*लक्ष्य* 2019-20	परिणाम	संकेतक	*लक्ष्य* 2019-20
8350	1. पूर्वोत्तर क्षेत्रों में कवर न किए गए गांवों का कवरेज	1.1 शुरू किए जाने वाले मोबाइल टावरों की कुल संख्या (संचयी)	1,500	1. कवर न किए गए गांवों में मोबाइल सेवाओं का प्रावधान	1.1 मोबाइल सेवाओं से कवर किए जाने वाले गांवों की कुल संख्या (संचयी)	1,400
	2. ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क के माध्यम से हाई स्पीड ब्रॉडबैंड सेवाओं से जुड़ी ग्राम पंचायतें	2.1 ऑप्टिकल फाइबर / रेडियो / सैटेलाइट के माध्यम से जुड़ी ग्राम पंचायतों की संख्या (संचयी)	2,00,000	2. भारत नेट इंफ्रास्ट्रक्चर का उपयोग	2.1 बैंडविड्थ उपयोग (संचयी)	900 जीबी
					2.2 डार्क फाइबर उपयोग (संचयी)	30,000 किमी.
		2.2 ओएफसी का कुल किमी (संचयी)	5,00,000		2.3 ग्राम पंचायतों में वाई-फाई प्रदान करना (संचयी)	50,000 ग्राम पंचायतें
	3. अंडमान और निकोबार में 2 जीबीपीएस से 4 जीबीपीएस तक के उपग्रह बैंडविड्थ का विस्तार	3.1 बढ़ाई गई कुल बैंडविड्थ	*	3. अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में दूरसंचार की उन्नत कनेक्टिविटी	3.1 उपभोग किए गए डाटा की कुल मात्रा	*
					3.2 % अपटाइम	**
					3.3 बैंडविड्थ उपयोग में समग्र वृद्धि	*
	4. लक्षद्वीप में उपग्रह बैंडविड्थ को 318 एमबीपीएस से बढ़ाकर 1.71 जीबीपीएस किया जाना	4.1 बढ़ाई गई कुल बैंडविड्थ	*	4. अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में दूरसंचार की उन्नत कनेक्टिविटी	4.1 उपभोग किए गए डाटा की कुल मात्रा	*
					4.2 % अपटाइम	**
					4.3 बैंडविड्थ उपयोग में समग्र वृद्धि	*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	*लक्ष्य* 2019-20	परिणाम	संकेतक	*लक्ष्य* 2019-20
	5. मुख्य भूमि (चैन्नई) और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के बीच सबमरीन ओएफसी कनेक्टिविटी	5.1 जून 2020 में पनडुब्बी ओएफसी की शुरूआत 5.2 अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में आठ द्वीपों का मुख्यभूमि से जुड़ना	*	5. अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 100 जीबीपीएस बैंडविड्थ का प्रावधान	5.1 अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में दूरसंचार अवसंरना में वृद्धि 5.2 पर्यटन, बैंक, उद्योग, ई-अभिशासन आदि में वृद्धि। 5.3 अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में मोबाइल टेली घनत्व में वृद्धि	* * *
	6. कवर न किए गए गांवों में मोबाइल कनेक्टिविटी (2G+4G) और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में राष्ट्रीय राजमार्ग 223 पर निर्बाध कवरेज	6.1 शुरू किए गए मोबाइल टावरों की कुल संख्या 6.2 कवर किए गए गांवों की कुल संख्या	*	6. अंडमान निकोबार द्वीप समूह में मोबाइल सेवाओं की व्याप्ति में वृद्धि	6.1 अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में टेली घनत्व में वृद्धि 6.2 मोबाइल सेवाओं से कवर किए गए की कुल संख्या	* * *

* इस संकेतक के लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता क्योंकि यह एक मांग आधारित स्कीम है।

** संख्यात्मक लक्ष्यों को निर्धारित करने के लिए संकेतक का स्वबरूप जवाबदेह नहीं है

उपभोक्ता मामले विभाग

1. उपभोक्ता संरक्षण- मूल्य स्थिरीकरण कोष (पी.एस.एफ.) स्कीम (केंद्रीय योजना)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
2000	1. फॉर्म गेट/मंडी पर कृषकों/एफ.पी.ओ. से वस्तुओं का प्रत्यक्ष अधिप्रापण	1.1. अधिप्राप्त की गई कृषि-बागवानी वस्तुओं की मात्रा (वस्तु वार) (मीट्रिक टन में)	1. पी.एस.एस., कृषि, सहाकारिता और किसान कल्याण विभाग से 10 लाख मीट्रिक टन दालों का हस्तांतरण (वर्तमान स्टॉक और नए अधिप्रापणों दोनों को मिलाकर) 2. स्टॉक में बढ़ोत्तरी, यदि कोई हो, प्रो0 रमेश चंद, नीति आयोग की अध्यक्षता वाली समिति की सिफारिशों के आधार पर की जानी है। 3. कमी के मौसम के दौरान, 50,000 मीट्रिक टन प्याज की बफर इसकी उपलब्धता तथा सामान्य कीमतों पर सुनिश्चित करने के लिए सृजित करना।	1. मूल्य निगरानी कक्ष द्वारा संसूचित की गई कीमतों के संबंध में पी.एस.एफ. के तहत अधिसूचित कृषि-बागवानी वस्तुओं की कीमतों के स्तर और उतार-चढ़ाव में कमी	1.1. पी.एस.एफ. के तहत सुदृढ़ बफर का सृजन अर्थात् सितम्बर, 2016 से पहले रिकॉर्ड की गई अधिकतम मासिक औसत कीमतों को लिया गया।	मासिक औसत कीमत सीमा को सितम्बर, 2016 तक रिकॉर्ड की गई अधिकतम मासिक कीमत के 20% के भीतर रखना।
	2. मूल्य स्थिरीकरण को बनाए रखने के लिए वस्तुओं का आयात	2.1. कृषि-बागवानी वस्तुओं का आयात (मीट्रिक टन में)	दालों का बफर, पी.एस.एस., कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग से दालों के हस्तांतरण के माध्यम से सृजित किया जाएगा। तथापि, दालों की घरेलू उपलब्धता में यदि कमी आ जाती है तो दालों के बफर के अनुशंसित स्तर के निर्वहन के लिए आयात पर विचार			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
			किया जा सकता है। • प्याज के बफर का सृजन घरेलू अधिप्राप्ण से किया जाएगा।			
	3. संगत कीमतों पर वस्तुओं के स्टॉक की अंशांकित रिलीज और समय पर उनका वितरण	3.1. खुला बाजार बिक्री सहित अधिकृत माध्यमों के जरिए निपटाई गई कृषि-बागवानी वस्तुओं की मात्रा	लगभग 9 लाख मीट्रिक टन की बिक्री से लगभग 3,150 करोड़ रूपये अर्जित किए जाएंगे।			

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग

1. खाद्य राजसहायता- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत भारतीय खाद्य निगम को खाद्य राजसहायता (सीएस)

2. खाद्य राजसहायता- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत खाद्यान्नों की विकेन्द्रीकृत खरीद हेतु खाद्य राजसहायता (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
1. 151000 (एफसीआई) 2. 33000 (डीसीपी)	1. पात्र परिवारों को खाद्यान्नों का वितरण (मिलियन टन में)	1.1 वितरित खाद्यान्नों की मात्रा (मिलियन टन में)	55 मिलियन टन	1. लक्षित आबादी को वितरित किए गए राजसहायता प्राप्त खाद्यान्नों के वितरण के माध्यम से लोगों की खाद्य सुरक्षा	1.1 खाद्यान्न के आवंटन के प्रतिशत के रूप में वितरित किया गया खाद्यान्न (%)	100%

3. एनएफएसएस के अंतर्गत खाद्यान्नों के राज्य के भीतर संचलन और एफपीएस डीलरों की मार्जिन हेतु राज्य एजेंसियों को सहायता (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
4102.21	1. खाद्यान्नों की सुपुर्दगी	1.1 सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से खाद्यान्नों की मात्रा (मिलियन टन में)	549.33 लाख टन खाद्यान्न	1. उचित दर दुकानों के माध्यम से खाद्यान्नों का सुचारू रूप से वितरण सुनिश्चित करना	1.1 खाद्यान्नों की सुपुर्दगी का प्रतिशत (आवंटन की तुलना में)	100%

4. 2018-19 मौसम के लिए चीनी मिलों को सहायता संबंधी स्कीम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
1000	1. चीनी मौसम 2018-19 के दौरान 50 लाख टन चीनी के निर्यात हेतु मिलवार न्यूनतम संकेतात्मक निर्यात कोटे (एमआईईक्यू) में से संबंधित चीनी मिल द्वारा कोटे का निर्वहन	1.1 निर्यातित चीनी की मात्रा	एमआईईक्यू के अंतर्गत 50 लाख टन चीनी का निर्यात	1. चीनी मिलों को किसानों का गन्ना मूल्य /बकाया का भुगतान करने में समर्थ बनाने के लिए उनकी नकदी की स्थिति में सुधार	1.1 इस स्कीम के अंतर्गत चीनी मिलों को दी गई सहायता, जो किसानों के गन्ना मूल्य बकाया के भुगतान हेतु प्रयुक्त की गई	1000

5. आंतरिक परिवहन, मालभाड़े, हैंडलिंग एवं निर्यात पर अन्य प्रभार पर किए गए व्यय के भुगतान हेतु स्कीम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
500	1. निर्यात को सुगम बनाने के लिए चीनी मिलों को आंतरिक परिवहन, मालभाड़े, हैंडलिंग एवं निर्यात पर अन्य प्रभार वित्तीय सहायता प्रदान करना	1.1 निर्यातित चीनी की मात्रा	चीनी मिलों द्वारा 50 लाख टन के एमआईईक्यू का निर्वहन	1. चीनी मिलों को किसानों का गन्ना मूल्य /बकाया का भुगतान करने में समर्थ बनाने के लिए उनकी नकदी की स्थिति में सुधार करना	1.1 इस स्कीम के अंतर्गत चीनी मिलों को दी गई सहायता, जो किसानों के गन्ना मूल्य बकाया के भुगतान हेतु प्रयुक्त की गई	500

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय

मांग सं. 22

1. पूर्वोत्तर परिषद (एनईसी) की स्कीम और विशेष विकास परियोजना के घटक (केंद्रीय स्कीम)[22]

वित्तीय परिव्यय (रूपये करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	***निर्गम***	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
885.18	1. क्षेत्रीय पर्यटन : पूर्वोत्तर क्षेत्र में थीम आधारित पर्यटन सर्किट के लिए सहायता	1.1 पूर्ण की गई अवसंरचना परियोजनाओं की संख्या (पीआईडीसीसी स्कीम के तहत).	15	1. पर्यटन अवसंरचना में सुधार	1.1 पर्यटकों के लिए आवासीय सुविधाओं में बढ़ोतरी	15 304
	2. पिछड़े क्षेत्रों में उच्चतर शिक्षा, तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल (स्वास्थ्य शिक्षा सहित) एवं विशेष हस्तक्षेप	2.1 पूर्ण की गई परियोजनाओं की संख्या	खेल के तहत 79 एवं शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र के तहत 87	2. शैक्षणिक सुविधाओं का विकास और रोजगार अवसरों का सृजन	2.1 लाभान्वित छात्रों की संख्या	
	3. कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र	3.1 पूर्ण की गई परियोजनाओं की संख्या	121 चालू परियोजनाएं	2. इन उत्पादों के उत्पादन में आत्मनिर्भता प्राप्त करने के लिए कारीगरों, किसानों की आजीविका, रोजगार संवर्धन और आय में बढ़ोतरी	3.1 लक्षित लाभार्थियों की आय में 15-20% की बढ़ोतरी होगी	121 चालू परियोजनाएं पूर्ण की जाएंगी 450 भागीदार
	4. पूर्वोत्तर क्षेत्र का संवर्धन : पूर्वोत्तर क्षेत्र में जागरूकता, विज्ञापन और संवर्धन के लिए सहायता	4.1 सहायता प्राप्त कार्यक्रमों की संख्या	सहायता के लिए 30 काय्रक्रमों को प्रस्ताव	4. साहित्य, संस्कृति आदि परिणामों के संदर्भों से इन केंद्रों में सीखने के माध्यम से पूर्वोत्तर क्षेत्र में जागरूकता/ विज्ञापन / संवर्धन में सुधार	4.1 कार्यक्रमों में भागीदार	
		4.2 विज्ञापनों की संख्या	20 विज्ञापन	5. साहित्य, संस्कृति आदि परिणामों के संदर्भों से इन केंद्रों में सीखने के	5.1 विभिन्न जर्नलस्/पत्रिकाओं /समाचार पत्रों में	20 विज्ञापन

वित्तीय परिव्यय (रूपये करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निर्गम*	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*	परिणाम	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*
				माध्यम से पूर्वोत्तर क्षेत्र में जागरूकता/ विज्ञापन / संवर्धन में सुधार	विज्ञापनों की संख्या	
		4.3 वित्तपोषित परियोजनाओं की संख्या	22 चालू परियोजनाएं	6. संग्रहालय/ पुरातत्वों का निर्माण/संरक्षण	6.1 पूर्वोत्तर राज्यों में पूर्ण की गई परियोजनाओं की संख्या	चालू 5 परियोजनाओं के वित्तीय वर्ष 2019-20 तक पूर्ण होने की संभावना

22 उत्तर पूर्व परिषद (उत्तर पूर्व परिषद की योजना और एनईसी योजना - विशेष विकास परियोजनाएं) के दो बजट शीर्षों के निर्गम परिणाम रूपरेखा का उपरोक्त तालिका में विलय किया गया है और परिभाषित किया गया है।

2. उत्तर पूर्व और सिक्किम के लिए अव्यपगत केंद्रीय संसाधन पूल (एनईएसआईडीएस और एचएडीपी सहित) (*सीएस*)

वित्तीय परिव्यय (रूपये करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
531.10	1. सड़कों का निर्माण एवं उन्नयन	1.1 फारमेशन कटिंग की किमी में लंबाई	36	1. गांवों/पर्वतीय कस्बों की संपर्कता में सुधार	1.1 पूर्ण होने पर लक्षित जनसंख्या (संख्या में)	27 लाख (लगभग)
		1.2 डब्ल्यूबीएम की किमी में लंबाई	160			
		1.3 कारपेटिंग की किमी में लंबाई	160			
	2. उपस्टेशनों/वितरण लाइनों की स्थापना/उन्नयन	2.1 निर्मित/उन्नयन किए गए उपस्टेशनों की संख्या	4	2. विद्युत उपलब्धता में सुधार	2.1 पूर्ण होने पर लक्षित जनसंख्या (संख्या में)	11 लाख (लगभग)
	3. प्राथमिक एवं माध्यमिक स्वास्थ्य क्षेत्र अवसंरचना का निर्माण/ उन्नयन	3.1 निर्मित/उन्नयन किए गए अस्पताल भवनों/स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या	1	3. स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में सुधार	3.1 पूर्ण होने पर लक्षित जनसंख्या (संख्या में)	0.3 लाख (लगभग)
	4. प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा क्षेत्र अवसंरचना का निर्माण/उन्नयन	4.1 निर्मित/ उन्नयन की गई स्कूली परियोजनाओं की संख्या	12 4	4. स्कूली शिक्षा तक पहुंच में सुधार	4.1 सृजित की जाने वाली लक्षित सीटों की संख्या (संख्या में)	2640 1.62 लाख (लगभग)
	5. जलापूर्ति परियोजनाएं	5.1 पूर्ण की गई जलापूर्ति परियोजनाओं की संख्या		5. पेयजल आपूर्ति में सुधार	6.1 पूर्ण होने पर लक्षित जनसंख्या (संख्या में)	

3. एनईएसआरआईपी -उत्तर पूर्वी सड़क क्षेत्र विकास स्कीम (एनईआरएसडीएस)(एडीबी सहायता) (केंद्रीय स्कीम) के ईएपी घटक

वित्तीय परिव्यय (रूपये करोड़ में)	निर्गम 2019-20	परिणाम 2019-20

2019-20	*निर्गम*	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*	परिणाम	*संकेतक*	*लक्ष्य* 2019-20
666.17	1. सड़कों का निर्माण/उन्नयन	1.1 फोरमेशन कटिंग की किमी में लंबाई	195	1. गांवों/ पर्वतीय कस्बों की संपर्कता में सुधार	1.1 अतर-राज्यीय सड़कों से जुड़े गांवों और कस्बों की संख्या। (चूंकि यह योजना अंतर-राज्यीय सड़कों को जोड़ती है)।	10
		1.2 डब्ल्यूबीएम की किमी में लंबाई	143			
		1.3 कारपेटिंग की किमी में लंबाई	65			

4. उत्तर पूर्वी विशेष अवसंरचना विकास स्कीम – कार्यक्रम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य* 2019-20**	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य* 2019-20**
694.65	1. सड़कों का निर्माण और उन्नयन	1.1 तारकोल वाली सड़कों की कि.मी. में लंबाई (50% काम पूरा कर लिया जाएगा)	180.45	1. गाँवों / पहाड़ी नगरों की बेहतर कनेक्टिविटी।	1.1 कार्य पूरा होने पर लक्षित जनसंख्या (संख्या में)	5.7 लाख (लगभग)
	2. सब-स्टेशन / ट्रांसमिशन लाइनों की स्थापना / उन्नयन	2.1 निर्मित / उन्नत सब स्टेशनों की संख्या (50% काम पूरा कर लिया जाएगा)	2	2. बेहतर विद्युत उपलब्धता	2.1 कार्य पूरा होने पर लक्षित जनसंख्या (संख्या में)	1.5 लाख (लगभग)
	3. प्राथमिक और माध्यमिक स्वास्थ्य क्षेत्र के बुनियादी ढांचे का निर्माण / उन्नयन	3.1 निर्मित / अपग्रेड किए गए अस्पताल भवनों / स्वास्थ्य केंद्रों की परियोजनाओं की संख्या। (50% काम पूरा कर लिया जाएगा)	3	3. स्वास्थ्य सेवाओं तक बेहतर पहुंच।	3.1 कार्य पूरा होने पर लक्षित जनसंख्या (संख्या में)	4.6 लाख (लगभग)
	4. प्राथमिक और माध्यमिक क्षेत्र शिक्षा के बुनियादी ढांचे का निर्माण / उन्नयन	4.1 निर्मित / उन्नत किए गए स्कूलों की परियोजनाओं की संख्या (50% काम पूरा कर लिया जाएगा)	3	4. स्कूली शिक्षा तक बेहतर पहुंच	4.1 सृजित की जाने वाली लक्षित सीटों की संख्या (संख्या में)	320
	5. 5. जल आपूर्ति परियोजनाएं	5.1 पूरी की गई जल आपूर्ति परियोजनाओं की संख्या । (50% काम पूरा कर लिया जाएगा)	10	5. पेयजल की बेहतर आपूर्ति।	5.1 कार्य पूर्ण होने पर लाभान्वित होने वाली जनसंख्या (सं.)	1.24 लाख (लगभग)

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

मांग सं. 24

1. डिजिटल इंडिया कार्यक्रम - इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी हार्डवेयर विनिर्माण को प्रोत्साहन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	*संकेतक*	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	*संकेतक*	लक्ष्य 2019-20
986.00	1. उद्योगों को वित्तीय सहायता और प्रोत्साहन।	संशोधित विशेष प्रोत्साहन पैकेज योजना (एम-सिप्स) के तहत पूंजीगत व्यय पर दिए गए प्रोत्साहन की कुल राशि	500.00 करोड़ रु	1. घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना जिसके फलस्वरूप, आयात पर निर्भरता में कमी आई है।	1.1 20% की दर से इलेक्ट्रॉनिकी के घरेलू उत्पादन में वृद्धि।	➢ इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण में निवेश आकर्षित करके इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण को बढ़ावा देना, जिसके फलस्वरूप इलेक्ट्रॉनिकी उत्पादन को अनुमानित रूप से 5,50,000 तक बढ़ाएगा।
		प्राप्त / स्वीकृत निवेश प्रस्तावों की कुल संख्या	शून्य / 125			
	2. इलेक्ट्रॉनिकी क्षेत्र में अवसंरचना विकास के लिए अनुदान।	जिन ईएमसी को अनुदान स्वीकृत है, उनकी संख्या	10			
	3. ईएसडीएम क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए ईडीएफ के जरिए उद्यम निधि में निवेश को बढ़ावा देने के लिये ईडीएफ के जरिए उद्यम निधि में निवेश	वेंचर फंड की संख्या जिसमें ईडीएफ और उसकी राशि के माध्यम से निवेश किया जाता है।	10 वेंचर फंड 100.00 करोड़ रु			

2. **योजना: डिजिटल भुगतान को बढ़ावा (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	सूचक	लक्ष्य 2019-20
600	1. डेबिट कार्ड / भीम यूपीआई/एईपीएस द्वारा कम मूल्य (<2000 रुपये) के लेनदेन के लिए प्रोत्साहन योजनाओं और एमडीआर प्रतिपूर्ति योजना द्वारा डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना	1 छोटे व्यापारियों द्वारा डिजिटल (डेबिट कार्ड/भीम यूपीआई/एईपीएस) मोड के माध्यम से कम मूल्य के भुगतान की स्वीकृति में वृद्धि।	➢ पिछले वर्ष की तुलना में 20% की वृद्धि हुई है।	1. डिजिटल लेनदेन का विकास।	डिजिटल लेनदेन की संख्या में वृद्धि।	➢ डिजिटल भुगतान लेनदेन की संख्या में 1000 करोड़ से 4000 करोड़ तक की वृद्धि।

3. पीएमजि दिशा

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य* 2019-20**	***परिणाम***	***संकेतक***	***लक्ष्य* 2019-20**
518	यह वित्त वर्ष 2019-20 के बजट के भाग के रूप में शुरू की गई नई योजना है।					

1 (क). बाघ परियोजना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य
770	1. शिविरों, गश्त सहित शिकार-रोधी कार्यकलापों की रोकथाम.	1.1. शिकार रोधी की रोकथाम के लिए निर्मित की जाने वाली आधारभूत परिसंपत्तियों की संख्या	70	1. गंभीर रूप से संकटापन्न, फ्लैगशिप और अन्य प्रजातियों की संख्या का उनके पर्यावासों में स्थिरकरण	1.1. बाघों की संख्या	*
		1.2. वन्य जीव अपराध में बाघों के संबंध में की गई जब्ती की संख्या	*			
		1.3 शिकार चोरी रोकने हेतु कार्मिकों की तैनाती	6500			
	2. बाघ रिजर्वों (नए बाघ रिजर्वों सहित) के भीतर अवसंरचना का सुदृढ़ीकरण	2.1 निगरानी के लिए निर्मित किए जाने वाले हाईवाच टावरों की संख्या	25	2. योजना के तहत कवर किए गए पीए का विस्तार	2.1. बाघ संरक्षित क्षेत्रों की संख्या में वृद्धि	01
		2.2 निर्माण किए जाने वाले पुलों/पुलियों की संख्या	15		2.2 बाघ संरक्षित क्षेत्रों के तहत क्षेत्र में वृद्धि	1,000 वर्ग किमी
		2.3 निर्माण किए जाने वाले तालाबों/ डैमों की संख्या	20		2.3 संरक्षित क्षेत्र और/ या बाघ संरक्षित क्षेत्र के रूप में नामित किए जाने वाले क्षेत्र की प्रतिशतता में वृद्धि	1.3%
		2.4 निर्माण किए जाने वाले फायर वाच टावरों की संख्या	15			
		2.5 निर्माण किए जाने वाले स्टाफ क्वॉटरों की संख्या	150			
		2.6. निर्मित किए जाने वाले कार्यालयों की संख्या	10			
	3. पर्यावास सुधार (संवर्धन, वृक्षारोपण, मृदा/ आर्द्रता संरक्षण, जल संचय, अग्नि/बाढ़ सुरक्षा	3.1. घास स्थल विकास के तहत कवर किया जाने वाला क्षेत्रफल (हे.)	4,500	3. पीए प्रबंधन का सुदृढ़ीकरण और समेकन	3.1. प्रबंधन प्रभावकारिता मूल्यांकन में सकारात्मक परिवर्तन दर्शाने वाले बाघ रिजर्वों की संख्या	7
		3.2. घास स्थल से अनावश्यक पौधों को हटाने सहित आक्रमक	5,000		3.2 कोर और बफर जोन में एकरूप नियंत्रण वाले बाघ	3

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य
		रूप से बढ़ने वाले पौधों को हटाने संबंधी कार्यकलापों में कवर किया गया क्षेत्रफल			रिजर्वों की संख्या	
	4.आजीविका में सहयोग	4.1. आजीविका प्रदान किए जाने वाले श्रम-दिवसों की संख्या	8.00 लाख	4. कॉरिडोरों जैसे महत्वपूर्ण वन्यजीव पर्यावासों और मैनग्रोव जैसे गंभीर रूप से संकटापन्न पर्यावासों को सुरक्षित रखना	4.1 नामित वन्यजीव कॉरिडोरों के भीतर वन क्षेत्र में बढ़ोत्तरी	500 वर्ग किमी.
	5.बाघ संरक्षित क्षेत्रों में अतिक्रमण रोकने हेतु कोर/महत्वपूर्ण बाघ पर्यावासों से गांवों को स्वैच्छिक रूप से अन्यत्र बसाना	5.1 अन्यत्र बसाए गए गांवों की संख्या.	1,500	5. मनुष्यों और जानवरों के बीच संघर्ष में कमी	5.1 मनुष्यों और जानवरों के बीच संघर्ष के कारण मारे गए लोगों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता
		5.2.अन्यत्र बसाए गए परिवारों की संख्या	10		5.2 संघर्ष के कारण होने वाली मृत्यु के मामले में संदत्त अनुग्रह राशि	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता
		5.3 अन्यत्र बसाकर अतिक्रमण से मुक्त किया जाने वाला क्षेत्रफल (हे.)	1,000			
	6 प्रबंधन, योजना, अनुसंधान सुदृढ़ीकरण, और जागरुकता, क्षमता निर्माण	6.1 मौजूदा बाघ संरक्षण योजनाओं (टीसीपी)/ सांकेतिक बाघ संरक्षण योजना (जहां बाघ संरक्षण योजना अनुमोदित नहीं है) को महत्व देना।	5	6. बाघ रिजर्वों में प्रबंधन हस्तक्षेप में कानूनी प्रबंधन	6.1 अनुमोदित की जाने वाली बाघ संरक्षण योजनाओं की संख्या	5
		6.2 आयोजित की जाने वाली कार्यशालाओं का प्रचार-प्रसार	100			
		6.3 आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षणों की संख्या	150			
		6.4 अच्छी कार्यरीतियों के मूल्यांकन हेतु अध्ययन दौरे	50			
				7. सक्रिय प्रबंधन में शामिल संबंधित हितधारकों के लिए वन अधिकारियों की तैयारी में वृद्धि	7.1 संवेदनशील लोगों की संख्या	1,000
				8. वन/अन्य विभागों के कर्मचारियों की दक्षता में वृद्धि	8.1. प्रशिक्षित लोगों की संख्या	1,500
				9. बेहतर प्रबंधन अभ्यासों की पुनरावृत्ति	9.1 उन बाघ रिजर्वों की संख्या जहां बेहतर प्रबंधन अभ्यास किए जाएंगे	5
1 (ख) हाथी परियोजना (सीएसएस)						
	1. प्रबंधन आयोजना,	1.1 आयोजित की जाने वाली	12	1. गंभीर रूप से संकटापन्न,	1.1 हाथियों की संख्या	29964

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य
	अनुसंधान और जागरूकता सुदृढ़ीकरण, क्षमता निर्माण	कार्यशालाओं/सेमिनार/प्रशिक्षणों/सम्मेलनों की संख्या		महत्वपूर्ण और अन्य प्रजातियों की आबादी का उनके पर्यावासों में स्थिरीकरण		
	2. पर्यावास सुधार (पौधा रोपण संवर्धन, मृदा/नमी संरक्षण, जल संचयन, आग/बाढ़ से सुरक्षा)	2.1 वृक्ष/चारा पौधरोपण के तहत बेहतर किया जाने वाला क्षेत्र	200 हे.	2. भूदृश्य-स्तर के हस्तक्षेपों और सीमापारीय पीए पहलों के माध्यम से एकीकृत संरक्षण	2.1 अग्निशमन रोकथाम और नियंत्रण के तहत फायर लाइन की लंबाई	615 किमी
		2.2 आक्रामक पौधों को हटाने संबंधी कार्यकलापों के अंतर्गत शामिल किया जाने वाला क्षेत्र	130 हे.		2.2 सृजित किए जाने वाले हाथी अवरोधकों की संख्या	65 किमी
		2.3 सृजित जल कुंडों की संख्या	130		2.3 सृजित किए जाने वाले सॉल्ट लिक्स की संख्या	20
	3. शिविरों, वाचटॉवरों, गश्तिदल, कानूनी सहायता, राइफल्स/बंदूक/गोला-बारूद और जीपीएस, फायर पटाखों आदि जैसी अवसंरचना के प्रापण सहित अवैध शिकार रोधी कार्यकलाप के लिए	3.1 सृजित किए जाने वाले अवैध शिकार-रोधी शिविरों/शेडों की संख्या	70	3. गलियारों जैसे महत्वपूर्ण वन्यजीव पर्यावासों की सुरक्षा करना	3.1 सृजित किए जाने वाले हाथी रिज़र्वों की संख्या	30
		3.2 सृजित किए जाने वाले अवैध शिकार रोधी दस्तों की संख्या	12		3.2 हाथी गलियारों में पारिविकास कार्य पर खर्च की जाने वाली राशि	26 लाख रु.
		3.3 सृजित किए जाने वाले वाच टॉवरों की संख्या	20			
		3.4 सृजित/अनुरक्षित किए जाने वाले गश्त मार्ग का विस्तार	610 किमी			
1(**ग**). **वन्यजीव पर्यावासों का विकास (सीएसएस)**						
	1. प्रबंधन आयोजना, अनुसंधान और जागरूकता सुदृढ़ीकरण, क्षमता निर्माण	1.1 कवर किए जाने वाले पीए की कुल संख्या	700 पीए	1. गंभीर रूप से संकटापन्न, महत्वपूर्ण और अन्य प्रजातियों की आबादी का उनके पर्यावासों में स्थिरीकरण	1.1 शामिल की गई प्रजातियों की संख्या	20
		1.2 प्रबंधन योजना वाले पीए की संख्या	400		1.2. प्रजाति गणना - शेर	2017-18 तक 523, परिवर्तन का अनुमान नहीं लगाया जा सका
		1.3 सक्रिय की जाने वाले प्रबंधन योजना सहित संरक्षित क्षेत्रों की संख्या	400		1.3 प्रजाति गणना - मणिपुर ब्रो-एन्टीलेर्ड हिरण	2017-18 तक 260, परिवर्तन का अनुमान नहीं लगाया जा सकता

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य
		1.4 आयोजित की जाने वाली क्षमता निर्माण कार्यशालाओं/ सेमिनार/ प्रशिक्षणों की संख्या	600		1.4 प्रजाति गणना - नीलगिरी तहर	2017-18 तक 2000-2500, परिवर्तन का अनुमान नहीं लगाया जा सकता
		1.5 आयोजित किए जाने वाले जागरूकता कार्यक्रमों/ हितधारक परामर्शों की संख्या	600		1.5 प्रजाति गणना - गेंडा	2017-18 तक 2913, परिवर्तन का अनुमान नहीं लगाया जा सकता
					1.6 गत वर्ष में घोषित विलुप्त प्रजातियों की संख्या	2016-17 या 2017-18 में कोई भी प्रजाति विलुप्त घोषित नहीं की गई है। 2018-2019 का अनुमान नहीं लगाया जा सकता
	2. गांवों का विस्थापन	2.1 विस्थापित आबादी का आकार	250 परिवार	2. भूदृश्य-स्तर के हस्तक्षेपों और सीमापारीय पीए पहलों के माध्यम से एकीकृत संरक्षण	2.1 आग से सुरक्षा के तहत शामिल किए जाने वाला क्षेत्र	20,000 वर्ग किमी
		2.2 विस्थापन कार्यक्रमों द्वारा शामिल किए जाने वाले पीए की संख्या	4 पीए		2.2 सीमा सुरक्षा के अंतर्गत लाए जाने वाला क्षेत्र	20,000 वर्ग किमी
					2.3 चहलकदमी	5,000 वर्ग किमी
	3. पीए के बाहर उच्च मूल्य की जैव विविधता वाले क्षेत्रों के लिए परियोजनाओं सहित	3.1 पीए के बाहर शुरू की जाने वाली परियोजनाओं का संयुक्त क्षेत्र	6000 वर्ग किमी	3. योजना के अंतर्गत शामिल किए गए पीए का विस्तार	3.1 वनावरण के अंतर्गत क्षेत्र का प्रतिशत	24.39%
					3.2 संरक्षित क्षेत्र के रूप में निर्दिष्ट किए जाने वाले राष्ट्रीय क्षेत्रीय क्षेत्र का प्रतिशत	4.93%
	4. पर्यावास सुधार (रोपण संवर्धन, मृदा/नमी	4.1 वृक्षारोपण के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र	1000 हे.			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य
	संरक्षण, जल संचयन, आग/बाढ़ से सुरक्षा)	4.2 हटाए गए आक्रामक पौधे (हेक्टेयर में क्षेत्र)	1500 हे.			
		4.3 सृजित किए जाने वाले जल कुंडों की संख्या	1500			
		4.3 अनुरक्षित किए जाने वाले जल कुंडों की संख्या	3500			
	5. शिविर, वाचटॉवरों, गश्त लगाने, कानूनी सहायता, राज्य अपराध प्रकोष्ठों सहित अवैध शिकार रोधी कार्यकलाप	5.1. बनाए जाने वाले वाचटॉवरों की संख्या	15			
		5.2. गश्त द्वारा कवर की जाने वाली दूरी	15,000 किमी.			
		5.3. मारे जाने वाले छापों की संख्या	1500			
		5.4. ऐसे लोगों की संख्या जिन्हें कानूनी सहायता प्रदान करनी है	150 पीए			
		5.5. बनाया जाने वाला सूचना नेटवर्क	200 पीए			
	6. वैकल्पिक आजीविका, लघु वन उत्पाद, पारि-पर्यटन में सहायता करना	6.1 वैकल्पिक आजीविका के साथ प्रदान की गई एचएच की संख्या	500 एचएच			
	7. भूदृश्य-स्तर के हस्तक्षेपों और सीमापारीय पीए पहलों के माध्यम से एकीकृत संरक्षण	7.1. अग्नि बचाव कार्यकलापों के तहत शामिल होने वाले क्षेत्र	20,000 वर्ग किमी.			
		7.2. संरक्षित सीमा के तहत आने वाला क्षेत्र	20,000 वर्ग किमी.			
		7.3. चहलकदमी	5000 वर्ग किमी.			

* संख्यात्मक लक्ष्यों को निर्धारित करने के लिए संकेतक का स्वबरूप जवाबदेह नहीं है

** *वार्षिक आधार पर घटाया जाएगा।*

वित्त मंत्रालय **मांग सं. 27**

आर्थिक कार्य विभाग

1. **आईडीईए योजना: एग्जिम बैंक को ब्याज समकारी सहायता (सी.एस.)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
779.41	1. एग्जिम बैंक को ब्याज समकारी सहायता (आई.ई.एस) ताकि इसे रियायती शर्तों पर विकासशील देशों को उधार देने के लिए समर्थ बनाया जा सके।	1.1. एक्जिम बैंक को दी गई ब्याज समकारी सहायता की राशि (रु.में)	2443.12 करोड़ रुपये (i) पिछले तीन वर्षों के आईईएस से संबंधित बकाया राशि (ii) वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए ही ब्याज समकारी सहायता प्रदान करने के लिए भारतीय एक्जिम बैंक का पूर्वानुमान	1. एक उभरती हुई आर्थिक शक्ति, निवेशक देश और विकासशील देशों के लिए भागीदार के रूप में यह स्थिति निर्धारित करके विदेश में भारत के सामरिक राजनीतिक और आर्थिक हित को बढ़ावा देने के लिए। अन्य देशों के साथ सद्भावना उत्पन्न करने तथा दीर्घकालिक साझेदारी का निर्माण करने के लिए।	1.1 योजना के तहत सहायता प्राप्त देशों की संख्या	62
		1.2. प्रदान की गई ऋण श्रृंखलाओं की संख्या	*23			
		1.3. प्रदान की गई ऋण श्रृंखलाओं की राशि (यूएस $ में)				
		1.4. विभिन्न देशों को प्रदान की गई ऋण श्रृंखलाओं के अंतर्गत सहायता प्राप्त परियोजनाओं की संख्या				
		1.5. आई.ई.एस.के भुगतान के लिए निधियों का उपयोग (%)	100%			

23 *कोई विशेष लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता है क्योंकि एलओसी के तहत वित्तपोषित परियोजनाओं का चयन विभिन्न विकासशील देशों से प्राप्त राजनयिक विचारों और अनुरोधों को ध्यान में रखकर किया जाता है।*

वित्त मंत्रालय **वित्तीय सेवाएं विभाग** **मांग सं. 29**

1. **वित्तीय संस्थानों को सहायता: राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) (सीएस) की चुकता पूंजी के लिए अभिदान**

वित्तीय विवरण (करोड़ रुपए में)	निर्गम *2019-20*			परिणाम *2019-20*		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य *2019-20***	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य *2019-20* @**
1500	1. नाबार्ड का पूंजीकरण	वर्ष 2019-20 के दौरान जारी की जाने वाली प्रस्तावित राशि	1500	1. चुकता पूंजी के अभिदान के माध्यम से नाबार्ड की उधार देने की क्षमता में वृद्धि	1.1 वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान (भारत सरकार की विभिन्न निधियों/योजनाओं को लागू करने के लिए) जुटाई जाने वाली प्रस्तावित निधियां (उसकी निवल स्वामित्व निधियों का 10 गुना)	15000 करोड़
	2. भारत सरकार की विभिन्न निधियों/योजनाओं के तहत परियोजनाओं का वित्तपोषण	2.1 वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए नाबार्ड द्वारा चलाई जा रही भारत सरकार की विभिन्न निधियों/योजनाओं के तहत स्वीकृत की जाने वाली प्रस्तावित ऋणों की राशि	18000	2. नाबार्ड द्वारा चलाई जा रही भारत सरकार की विभिन्न निधियों/योजनाओं के तहत परिचालन	2.1 वित्तीय वर्ष 2019-20 में नाबार्ड द्वारा चलाई जा रही भारत सरकार की विभिन्न निधियों/योजनाओं के तहत प्रस्तावित निधियन की मात्रा	28400

टिप्पणी: @ भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के लिए धन जुटाने के लिए पूंजी के रिलीज का 10 गुना लाभ मिलेगा, तथापि, वास्तविक धन जुटाना संवितरण की मांग पर निर्भर करेगा।

2. भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्जिम बैंक) (सीएस) की चुकता पूंजी के लिए अभिदान

वित्तीय विवरण (करोड़ रुपए में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य *2019-20***	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य *2019-20***
950*	एक्जिम बैंक में इक्विटी पूंजी निवेश	वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान एक्जिम बैंक को 1500 करोड़ रुपए की राशि प्रदान की गई	एक्जिम बैंक की पूंजी पर्याप्तता को बनाए रखना तथा उधार देने की क्षमता को बढ़ाना	उधार देने की क्षमता में वृद्धि	विगत वर्ष में एक्जिम बैंक द्वारा निवल ऋण बकाया की क्षमता में प्रतिशत वृद्धि	**
				अपेक्षित पूंजी पर्याप्तता बनाए रखना	विनियामकीय अपेक्षा का पालन करना	न्यनतम विनियामकीय अपेक्षा के समान या उससे अधिक पूंजी पर्याप्तता

*** पूंजी निवेश के लिए 950 करोड़ रुपए, 550 करोड़ रुपए पुनर्पूंजीकरण बांड के माध्यम से जुटाए गए।**

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता क्योंकि यह एक मांग आधारित स्कीम है।

3. वित्तीय संस्थाओं को सहायता: भारत इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लि. (आईआईएफसीएल) (सीएस) को इक्विटी सहायता

वित्तीय विवरण (करोड़ रुपए में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम *2019-20***		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
500	भारत सरकार द्वारा आईआईएफसीएल में इक्विटी निवेश	आईआईएफसीएल में 500 करोड़ रूपए का इक्विटी निवेश	पूंजी निवेश से आईआईएफसीएल को पूंजी पर्याप्तता को बनाए रखने में मदद मिलेगी तथा अतिरिक्त उधार क्षमता में भी वृद्धि होगी	1. अपनी स्वत्व निधियों के 7 गुना की दर से ऋण जुटाना	राशि (रूपए में) के लिए ऋण जुटाना	पूंजी पर्याप्तता बनाए रखना और निवल ऋण बकाया में सुधार करना
				2. अवसंरचना परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण में वृद्धि	पिछले वर्षों की तुलना में अवसंरचना परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण में % वृद्धि	

***** इस संकेतक के लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता क्योंकि यह एक मांग आधारित स्कीम है।

4. ऋण गारंटी निधियां: प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) (एनसीजीटीसी के माध्यम से)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	**निर्गम 2019-20**	**परिणाम 2019-20**

2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
500	पीएमएमवाई के अंतर्गत मंजूर किए गए ऋणों के लिए अधिदेश के अनुसार आनुपातिक राशि की गारंटी देना	वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान तीन श्रेणियों अर्थात् शिशु, किशोर एवं तरूण के अंतर्गत जारी गारंटियों की संख्या	सदस्य उधारदात्री संस्थाओं के लिए ऋण जोखिम को कम करते हुए कवरेज को बढ़ाना और 1,000 करोड़ रुपए तक के सकल ऋणों की निवेश सूचनी का समर्थन करते हुए पात्र उधारकर्ताओं को संपार्श्विक रहित ऋण उपलब्ध कराना	पात्र उधारकर्ताओं के लिए संपार्श्विक रहित औपचारिक उधार	वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान तीन श्रेणियों अर्थात् शिशु, किशोर एवं तरूण के अंतर्गत जारी गारंटियों की संख्या	उपलब्धियों के लिए लक्ष्य लागू नहीं हैं।

* इस संकेतक के लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता क्योंकि यह एक मांग आधारित स्कीम है।

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय

मांग सं. 39

मत्स्य पालन विभाग

1. नीली क्रांति: मत्स्य पालन एकीकृत विकास और प्रबंधन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
560	1. पूर्व, फसल और कटाई के बाद के बुनियादी ढांचे में निवेश में वृद्धि	1.1. कुल निवेश (स्वीकृत सभी डीपीआर का मौद्रिक मूल्य) नीली क्रांति योजना (करोड़ रुपये) के माध्यम से मत्स्य क्षेत्र में जुटाया गया।	260.00	1. उन्नत मछली फार्म आय, जीवन स्तर; भोजन / पोषण संबंधी सुरक्षा; फिशर सुरक्षा और सुरक्षा	1.1. मछुआरों और मछली किसानों की औसत आय (रु.)	88000-143357/-
					1.2. मछुआरा दुर्घटनाओं और संबंधित हताहतों की संख्या	0
	2. पूर्व, फसल और कटाई के बाद के बुनियादी ढांचे में प्रौद्योगिकी प्रगति और क्षमता निर्माण में वृद्धि	2.1. विकसित की गई नई तकनीकों की संख्या, अपनायी गई नई तकनीक, नई तकनीकों का उपयोग कर मछली किसानों का %	3	2. मछली पालन क्षेत्र की बढ़ी मछली उत्पादन, उत्पादकता, निर्यात और विकास दर	2.1. मत्स्य विकास दर के आंकड़े (%)	9.40%
	3. मछली पकड़ने की गतिविधियों के लिए रसद समर्थन और एमसीएस हस्तक्षेप बढ़ाया	3.1. प्रशिक्षण कार्यशालाओं / संगोष्ठियों की संख्या	2400		2.1. मछली निर्यात के कारण विदेशी मुद्रा की कमाई ($)	8 अरब ($)
		3.2. जारी आईडी की संख्या	2000		2.3. कुल मछली उत्पादन (मिट्रिक टन)	मछली उत्पादन में 150 लाख टन की वृद्धि

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		3.3. पहचान पत्र के साथ मछुआरों का %	100%		2.4. वैश्विक मछली उत्पादन और व्यापार में भारत की हिस्सेदारी (%)	7.3% व्यापार (%)- 4
		3.4. मत्स्य-नौका की संख्या।	5000 (मांग संचालित)	3. बेहतर कोल्ड स्टोरेज, परिवहन, विपणन - कम लागत, बेहतर मूल्य निर्धारण	3.1. कुल मछली उत्पादन का % में अपव्यय (मिट्रिक टन)	5% तक के बाद के घाटे को कम करना
		3.5. कुल पंजीकृत जहाजों का %	10%		3.2. गोदामों से बाजारों तक परिवहन का औसत समय (दिन)	2 से 4 बजे
		3.6. नकल, पहचान धोखाधड़ी की संख्या	0		3.3. मछली उत्पादों का शेल्फ जीवन (दिन)	6 महीने
		3.7. आईयूयू मछली पकड़ने के मामलों की संख्या	0			
	4. मछली / झींगा हैचरी, ब्रूडबैंक, फीड मिल, तालाब / टैंक, रेसवे, खेती की इकाइयों की स्थापना	4.1. ब्रूड बैंकों की संख्या	5	4. ऊर्जा-कुशल प्रथाओं के माध्यम से जैव-सुरक्षा और पर्यावरण संबंधी चिंताओं का समाधान	4.1 बैटरी चालित नावों की संख्या	भारत में मशीनीकृत, मोटर चालित और पारंपरिक नावें चल रही हैं और बैटरी चालित नावें नहीं चल रही हैं
		4.2. हैचरियों की संख्या	130		4.2. बैटरी चालित नावों का उपयोग करने वाले मछली किसानों का %	अनुपलब्ध
		4.3. स्वस्थ महिला के प्रति किलो लार्वा की संख्या				

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		4.4. मछली आहार मिलों की संख्या	30			
		4.5. उत्पादित मछली की कुल मात्रा (किग्रा.)	12000 टन			
	5. संभव इनपुट (बीज, फ़ीड), प्रोत्साहन खरीद एफआरपी नौकाओं पर, एचएसडी पर छूट, ऑप वेसल की। सिस्टम	5.1. औसत मछली की उपज प्रति यूनिट लागत।	3.5 टन / हेक्टेयर / वर्ष			
		5.2. प्रति मछुआरे को इनपुट लागत	80 रुपये / - / किग्रा			
		5.3. समर्थित एफआरपी नावों की संख्या।	850			
		5.4. समर्थित इंसुलेटेड मछली और बर्फ पकड़े बक्से की संख्या	800			
		5.5.समुद्री मछुआरों को एचएसडी पर दी गई छूट की मात्रा (रु.)	0			
		5.6. प्रति वर्ष प्रति मछुआरे को मछली पकड़ने पर मिलने वाली छूट की मात्रा (रु.)	0			
	6. फसल कटाई के बाद का इन्फ्रा. - बर्फ के पौधे, कोल्ड स्टोरेज,	6.1. हिम संयंत्र की संख्या और कोल्ड स्टोरेज	60 सं.			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	कंटेनर, रिटेल फिश आउटलेट, फिश हार्बर	6.2. हिम संयंत्र की संख्या और कोल्ड स्टोरेज (मीटरिकटन) की कुल क्षमता	3000 मिट्रिक टन/दिन			
		6.3. इंसुलेटेड और रेफ्रिजरेटर कंटेनरों / ट्रकों की संख्या	85 सं.			
		6.4. इंसुलेटेड और रेफ्रिजरेटर कंटेनर / ट्रक (मीटरिकटन) की कुल क्षमता	8500 मिट्रिक टन			
		6.5.आइस-बॉक्स वाली साइकिल का समर्थन नहीं किया गया	21			
		6.6. खुदरा मछली बाजारों की संख्या	170 सं.			
		6.7. मछली बंदरगाह और मछली लैंडिंग केंद्रों की संख्या	50सं.			
	7. उचित आवास, पीने का पानी, आकस्मिक बीमा, मूल्यांकन सर्वेक्षण और जीआईएस मैपिंग	7.1. आवास, पेयजल, बिजली और स्वच्छता सुविधाओं की संख्या	3000			
		7.2. दुर्घटना बीमा के अंतर्गत आने वाले मछुआरों की संख्या	30 लाख			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		7.3. बीमा कवरेज के माध्यम से लाभान्वित होने वाले परिवारों की संख्या	0			
		7.4. समुद्री मत्स्य जनगणना की समय पर चालन (Y / N)	Y			
		7.5. अंतर्देशीय मत्स्य पालन के कैच आकलन और नमूना सर्वेक्षणों की संख्या	20			
		7.6. मछली पकड़ने के लिए जीआईएस मैपिंग के तहत कवर किया गया कुल क्षेत्र	1,00,000 (यह 4 तिमाहियों का संचयी नहीं है)			
		7.7. मछली पकड़ने की गतिविधियों की योजना के लिए जीआईएस का उपयोग करने वाले मछली किसानों की संख्या	100,000			

मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी विभाग

मांग सं. 40

1. राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम खुर और मुंह के रोग (एफएमडी) और ब्रुसेलोसिस के लिए

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य* 2019-20**	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य* 2019-20**
500	यह वित्त वर्ष 2019-20 के बजट के भाग के रूप हाल ही में शुरू की गई नई योजना है।					

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय

मांग सं. 41

1. प्रधानमंत्री किसान सम्पदा योजना (सी. एस.)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
1101	**क. मेगाफूड पार्क स्कीम**					
	1. अभिवृद्ध उत्पादन और मूल्यवर्धन क्षमता, कच्चे माल/प्रौद्योगिकियों की उपलब्धता (मेगा फूड पार्क में)।	1.1. कार्यशील खाद्य पार्कों की कुल संख्या	08	1. अभिवृद्ध प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन सुविधा के कारण अधिक उत्पादन, रोजगार और कृषक स्तर पर प्रभाव (मेगाफूड पार्क)	1.1. मेगाफूड पार्क से कुल वास्तविक उत्पादन(मूल्य और मात्रा में) (i) परिरक्षण (मि.ट.) (ii) प्रसंस्करण (मि.ट.)	परिरक्षणः 519980 मीट्रिक टन एवं 1299.95 करोड़ प्रसंस्करणः 114067 मीट्रिकटन एवं 285.17 करोड़
		1.2. मेगा फूड पार्कों की कुल उत्पादन क्षमता(मूल्य और मात्रा में) (i) परिरक्षण.....मि.ट. (ii) प्रसंस्करण .....मि.ट.	परिरक्षणः 519980 मीट्रिक टन एवं 1299.95 करोड़ प्रसंस्करणः 114067 मीट्रिकटन एवं 285.17 करोड़		1.2. मेगाफूड पार्क से लाभान्वित किसानों की कुल संख्या	2,00,000
		1.3. मेगाफूड पार्कों में स्थापित लघु और सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण यूनिटों की संख्या	82		1.3. मेगाफूड पार्क में स्थापित यूनिटों में सृजित कुल रोजगार	40,000
	ख. कृषि प्रसंस्करण क्लस्टर अवसंरचना स्कीम					
	1. अभिवृद्ध उत्पादन और मूल्यवर्धन क्षमता, कच्चे माल/ प्रौद्योगिकियों की उपलब्धता (कृषि प्रसंस्करण क्लस्टर)	1.1. कार्यशील किए गए कृषि प्रसंस्करण क्लस्टरों की कुल संख्या	50	1. अभिवृद्ध प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन सुविधा के कारण अधिक उत्पादन, रोजगार और कृषक स्तर पर प्रभाव (कृषि प्रसंस्करण क्लस्टर)	1.1. कृषि प्रसंस्करण क्लस्टरों से कुल वास्तविक उत्पादन(मूल्य और मात्रा में)	मात्राः 30 लाख मीट्रिक टन मूल्यः 10 करोड़ रु
		1.2. कृषि प्रसंस्करण क्लस्टरों की की कुल उत्पादन क्षमता(मूल्य और मात्रा में)	1,00,000 मि.ट.		1.2. कृषि प्रसंस्करण क्लस्टरों से लाभान्वित किसानों की कुल संख्या	2,00,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
					1.3. कृषि प्रसंस्करण क्लस्टरों में स्थापित यूनिटों में सृजित कुल रोजगार	50,000
		1.3. कृषि प्रसंस्करण क्लस्टरों में स्थापित लघु और सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण यूनिटों की संख्या	250		1.4. देश के कुल बागवानी और गैर-बागवानी उत्पादों के प्रतिशत के रूप में सृजित खाद्य प्रसंस्करण क्षमता (सभी उप-स्कीमें)	माप के साधनों को विकसित करने की आवश्यकता है; वास्तविक प्रगतिकी सूचना दी जाएगी |
	ग. एकीकृत कोल्ड चेन एवं वैल्यू एडिशन अवसंरचना स्कीम					
	1. सृजन/नई यूनिटों को सहायता के माध्यम से अभिवृद्ध शीतागार क्षमता	1.1. स्थापित शीतागारों की कुल संख्या	62	1. वृहत्तर भंडारण क्षमता, शीतागार सुविधाओं की पहुंच वाले किसानों को अधिक रोजगार एवं लाभ	1.1. स्थापित शीतागार यूनिटों का उपयोग करते हुए भंडारित/परिरक्षित कृषि उपज की कुल राशि (मूल्य और मात्रा में)	मूल्य - 5446 करोड़ रु मात्रा- 1998232 मीट्रिक टन
		1.2. स्थापित शीतागारों की कुल क्षमता	दुग्ध प्रसंस्करण- 37.45 लाख लीटर प्रतिदिन शीतागार - 1.12 लाख मीट्रिकटन आईक्यूएफ- 60.30 मि.ट. प्रति घंटा रीफर ट्रक- 362		1.2. शीतागार यूनिटों से लाभान्वित किसानों की कुल संख्या	2,02,000
					1.3. शीतागार यूनिटों से स्थापित यूनिटों में सृजित कुल रोजगार	37, 200
	घ. खाद्य प्रसंस्करण एवं परिरक्षण सृजन/विस्तार स्कीम					
	1. अभिवृद्ध खाद्य प्रसंस्करण एवं परिरक्षण क्षमता सृजन	1.1. सृजित/विस्तारित खाद्य प्रसंस्करण/परिरक्षण यूनिटों की संख्या	185	1. बढ़ा हुआ कृषि उपज प्रसंस्करण तथा उससे जुड़ा परिरक्षण एवं रोजगार सृजन	1.1. इस स्कीम के अंतर्गत प्रसंस्कृत एवं परिरक्षित कृषि उपज की कुल राशि (मूल्य और मात्रा में)	मात्रा: 19.4 लाख मीट्रिक टन मूल्य: 5781 करोड़ रु

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		1.2. स्वीकृत की गई खाद्य प्रसंस्करण/परिरक्षण यूनिटों की संख्या	215		1.2. खाद्य प्रसंस्करण एवं परिरक्षण यूनिटों के सृजन/विस्तार के कारण सृजित हुआ कुल रोजगार	10, 500
	ङ. बैकवर्ड एवं फारवर्ड लिंकेज सृजन स्कीम					
	1. बैकवर्ड तथा फारवर्ड लिंकेज के साथ नई परियोजनाओं की स्थापना	1.1. बैकवर्ड तथा फारवर्ड लिंकेज सृजन के लिए शुरू की गई यूनिटों/परियोजनाओं की संख्या	69	1. बढ़ा हुआ कृषि उपज प्रसंस्करण तथा उससे जुड़ा परिरक्षण एवं रोजगार सृजन	1.1. इस स्कीम के अंतर्गत प्रसंस्कृत एवं परिरक्षित कृषि उपज की कुल राशि (मूल्य और मात्रा में)	वर्ष 2019-20 में इस स्कीम के अतंर्गत लगभग 5 लाख मि.ट. कृषि उपज प्रसंस्करण तथा लगभग 100 लाख मि.ट. कृषि उपज परिरक्षण प्रति वर्ष की कुल क्षमता सृजित होने की संभावना है
		1.2. बैकवर्ड तथा फारवर्ड लिंकेज के साथ स्वीकृत की गई यूनिटों/परियोजनाओं की संख्या	69		1.2. खाद्य प्रसंस्करण एवं परिरक्षण यूनिटों के सृजन/विस्तार के कारण सृजित हुआ कुल रोजगार	12,000
	च. खाद्य संरक्षा एवं गुणवत्ता आश्वासन अवसंरचना स्कीम					
	1. नई खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना/ खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं की संवर्द्धन क्षमता	1.1. अनुमोदित नई खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं की संख्या	13	1. बढ़ा हुआ गुणवत्ता आश्वासित खाद्य उत्पाद	1.1. संचालित नई खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं की संख्या	05
		1.2. पूरी हो चुकी खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं की संख्या	8		1.2. एफटीएल में उत्पन्न रोजगार (कार्यरत व्यक्तियों की संख्या)	110
		1.3. एनएबीएल प्रत्यायित खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं की संख्या	9			
		1.3. एचएसीसीपी/आईएस	26			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		ओ प्रमाणन के लिए सहायता प्राप्त यूनिटों की कुल संख्या				
	छ. मानव संसाधन एवं संस्थान स्कीम					
	1. खाद्य क्षेत्र में बढ़ा हुआ आर एण्ड डी कार्यकलाप	1.1. अनुमोदित परियोजनाओं की संख्या	35	1. विकसित नई प्रौद्योगिकियों का अभिवृद्ध वाणिज्यकरण	1.1. वाणिज्यीकृत नई प्रौद्योगिकियों की संख्या	शून्य
		1.2. विकसित नई प्रौद्योगिकियों की संख्या	8			
	2. खाद्य प्रसंस्करण तथा इसकी संभावना के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए कार्यकलाप	2.1. आयोजित की गईं कार्यशालाएं/सेमिनार/ आयोजन	100	2. खाद्य प्रसंस्करण तथा इसकी संभावना के बारे में पणधारियों के बीच अभिवृद्ध जागरुकता	2.1. आयोजन/कार्यशालाओं/ सेमिनारों में भागीदारों की संख्या	10,000
		2.1. शुरू किए गए अध्ययनों की संख्या	01		2.2. पूरे हो चुके प्रकाशनों/अध्ययनों की संख्या	01
	ज. ऑपरेशन ग्रीन्स- टमाटर, प्याज तथा आलू (टीओपी) मूल्य श्रृंखला के एकीकृत विकास के लिए एक स्कीम					
	1. एफपीओज, कृषि - लॉजिस्टिक्स, प्रसंस्करण सुविधाओं तथा पेशेवर प्रबंधन को प्रोत्साहित करना	1.1. प्रचुरता की परिस्थिति में रिक्तीकृत टीओपी फसलों की मात्रा (मि.ट.)	**	1. टीओपी उत्पादन क्लस्टरों एवं उनके एफपीओज को सुदृढ करने के लिए तय किए गए हस्तक्षेपों द्वारा टमाटर, प्याज तथा आलू (टीओपी) के किसानों को अभिवृद्ध मूल्य की अनुभूति, खाद्य प्रसंस्करण क्षमताओं में वृद्धि तथा	1.1. किसानों के लिए स्थिर आय	**
					1.2. क्लस्टरों में एफपीओज का सुदृढीकरण	35
					1.3. प्रसंस्करण/ दोहरी किस्म के उत्पादन में वृद्धि	**
					1.4. क्लस्टर में बर्बादी में कमी	**
					1.5. प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्द्धन के स्तर में वृद्धि	**
		1.2. प्रचुरता की परिस्थिति	**		1.6. वैकल्पिक बागवानी विपणन का	**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		में रिक्तीकृत टीओपी फसलों की मात्रा (करोड रुपए)		टीओपी मूल्य श्रृंखला में मूल्यवर्द्धन ।	विकास	
		1.3. एफपीओज तथा उनके कृषक सदस्यों को दिये जाने वाले प्रशिक्षण की संख्या	500		1.7. क्लस्टर में किसानों को लाभ	7,00,000
		1.4. सुनिश्चित मूल्यों पर किसानों के साथ दीर्घावधिक खरीद-फरोख्त (किसानों की संख्या)	40,000		1.8. परियोजना के कारण अतिरिक्त सृजित रोजगार	1,02,700
		1.5. सुनिश्चित मूल्यों पर किसानों के साथ दीर्घावधिक खरीद-फरोख्त (टीओपी फसल की मात्रा मि.ट.में)	7,00,000		1.9. उपभोक्ता की तरफ से मूल्य स्थिरीकरण	**
		1.6. खेत पर/ ग्राम स्तर पर सृजित किए गए भंडारण की संख्या	50			
		1.7. खेत पर/ ग्राम स्तर पर सृजित किए गए भंडारण की क्षमता (मि.ट.)	50,000			
		1.8. स्थापित की गईं प्राथमिक प्रसंस्करण यूनिटों की संख्या	45			
		1.9. स्थापित की गईं प्राथमिक प्रसंस्करण यूनिटों की क्षमता (मि.ट./दिन)	2,500			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		1.10. स्थापित की गईं द्वितीयक प्रसंस्करण यूनिटों की संख्या	8			
		1.11. स्थापित की गईं द्वितीयक प्रसंस्करण यूनिटों की क्षमता (मि.ट./दिन)	350			
		1.12. स्थापित की गईं कृषि-लॉजिस्टिक्स की संख्या	70			
		1.13. स्थापित की गईं कृषि-लॉजिस्टिक्स की क्षमता (मि.ट.)	600			
		1.14. स्थापित किए गए नए विपणन यार्डों/खदरा आउटलेट की संख्या	50			
		1.15. स्थापित किए गए नए विपणन यार्डों/खदरा आउटलेट की क्षमता (मि.ट.)	2,500			
		1.16. स्थापित किए गए बडे पैमाने के मालगोदाम केन्द्रों की संख्या	10			
		1.17. स्थापित किए गए बडे पैमाने के मालगोदाम केन्द्रों की क्षमता (मि.ट.)	40,000			

* इस संकेतक के लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता क्योंकि यह एक मांग आधारित स्कीम है।

** संख्यात्मक लक्ष्यों को निर्धारित करने के लिए संकेतक का स्वबरूप जवाबदेह नहीं है

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

मांग सं. 42

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग

1. प्रधान मंत्री स्वास्थ्य सुरक्षायोजना (पीएमएसएसवाई) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20
4000	1. एम्स व एम्स जैसे संस्थानों तक वर्धित पहुंच	1.1 संपूर्ण व विशेषज्ञता/ अति विशेषज्ञता वार स्कीम के क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न नए/ मौजूदा संस्थानों में पलंगों की संख्या/बढ़ाई गई पलंग क्षमता	8 एम्स में 6000	लागू नहीं	1.1 6 कार्यशील एम्स में जाने वाले रोगियों की औसत संख्या: आईपीडी/ओपीडी रोगी /माह एवं ओपीडी रोगी/दिन (एक साथ छह एम्स)	12000 आईपीडी रोगी/माह 15000 ओपीडी रोग प्रतिदिन
		1.2 स्कीम के क्षेत्र के अंतर्गत सभी नए व मौजूदा संस्थानों में जोड़े गए विशेषज्ञता विभागों की संख्या	8 एम्स में 240	लागू नहीं	1.2. 1वर्ष में स्नातक करने वाले मेडिकल स्नातकों की संख्या (संपूर्ण के साथ-साथ विशेषज्ञता/अति विशेषज्ञता वार)	1000
		1.3 सीटों की संख्या में वृद्धि: (क) यूजी (ख) पीजी (ग) नर्सिंग (बी.एससी) आदि	(क) 14 एम्स में 1000 यूजीसी सीटें (6 एम्स में प्रत्येक 100+ नागपुर, गुंटूर में प्रत्येक 50 + 6 नए एम्स में प्रत्येक 50) (ख) 6 एम्स में 750 पीजी सीट (ग) कोई परिवर्तन नहीं।		1.3 पलंगों का उपयोग (बेड ऑक्यूपेंसी)	80%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20
	2.वहनीय/विश्वसनीय तृतीयक परिचर्या व चिकित्सा शिक्षा की उपलब्धता	2.1 जीएमसी / राज्य सरकार द्वारा निम्नलिखितकी वृद्धि को सुविधा जनक बनाने के लिए चिकित्सा उपकरण, फर्नीचर आदि के साथ भौतिक अवसरंचना का सृजन (क). अति विशेषज्ञता विभाग,	53 जीएमसी में 300 अति विशेषज्ञताएं			
		(ख) पीजी सीटें	53 जीएमसी में 800 पीजी सीटें			
		(ग) ऑपरेशन थियेटर (ओटी)	53 जीएमसी में 300 ओटी			
		(घ) पलंग	53 जीएमसी में 10000 अस्पताल के पलंग			

2. राष्ट्रीय एड्स व एसटीडी नियंत्रण कार्यक्रम: केन्द्रीय क्षेत्र योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20
2500	1. लक्ष्य निर्धारित क्रिया-कलापों के माध्यम से उच्च् जोखम समूह की कवरेज(महिला सेक्स वर्कर,	1.1 लक्ष्य निर्धारित कार्यकलापों के माध्यम से कवर की गई उच्च जोखिम समूह व ब्रिज जनसंख्या	62.52लाख	1. एचआईवी ग्रस्त लोग जिन्हें अपना एचआईवी स्तर पता है|	1.1 एचआईवी ग्रस्त लोग जिन्हें अपना एचआईवी स्तर पता है|	85%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20
	आदमी के साथ यौन संबंध बनाने वाले आदमी, हिजड़ा/ ट्रांसजेंडर लोग, इंजेक्टिंग ड्रग यूजर) व ब्रिज जनसंख्या (ट्रक चालक व प्रवासी)	(तिमाही)			(प्रतिशत)	
	2. लिंक वर्कर स्कीम (एलडब्ल्यूएस) के माध्यम से उच्च जोखिम समूह व संवदेन- शील जनसंख्या की कवरेज	2.1एलडब्ल्यू एस के माध्यम से कवर की गई उच्च जोखिम समूह की संख्या व संवदेनशील जनसंख्या (तिमाही)	18.53 लाख(संचयी)	2. एचआईवी ग्रस्त लोग जिन्हें अपना एचआईवी स्तर पता है और एआरटी परहै।	2.1 एचआईवी ग्रस्त लोग जिन्हें अपना एचआईवी स्तर पता है और एआरटी पर है। (प्रतिशत)	80%
	3. एचआईवी हेतु जनरल क्लाइंट्स की जांच	3.1एचआईवी हेतु जांच किए गए जनरल क्लांइट्स की संख्या (तिमाही)	230.00लाख			
	4. एचआईवी हेतु गर्भवती महिलाओं की जांच	4.1. एचआईवी हेतु जांच की गई गर्भवती महिलाएं (तिमाही)	230.00 लाख			
	5. नाको समर्थितरक्त बैंकों में रक्त यूनिटों का संग्रहण	5.1 नाको समर्थित रक्त बैंकों में संग्रहित रक्त यूनिट की संख्या (तिमाही)	80लाख			
	6. स्वयं सेवी रक्त दाताओं के माध्यम से रक्त यूनिटों का संग्रहण	6. 1 सव्यं सेवी रक्त दान के माध्यम से संग्रहित रक्त यूनिटों की संख्या (तिमाही)	71.00लाख			
	7.एसटीआई/आरटीआई रोगियों का प्रबंधन	7.1उपचार किए गए एसटीआई /आरटीआई रोगियों की संख्या (तिमाही)	100.00लाख			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20
	8. एआरटी पर एचआईवी ग्रस्त लोग (पीएलआईवी)	8.1एआरटी पर पीएलएचआईवी की संख्या (संचयी) (तिमाही)	15.50लाख			

3. परिवार कल्याण योजनाएं: केन्द्रीय क्षेत्र योजना

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	(I) **जनसंख्या अनुसंधान केन्द्र**					
	1. पीआरसी द्वारा पूरे किए गए अनुसंधानों की संख्या	1.1 पीआरसी द्वारा पूरे किए गए अनुसंधानों की संख्या	96	-	-	-
	(ii) **गर्भनिरोधकों का नि:शुल्क वितरण**					
700	1.गर्भनिरोधकों की खरीद और परिवार नियोजन कार्यक्रम की आवश्यकनुसार राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों को आपूर्ति	.1. गर्भनिरोधकों का नि:शुल्क वितरण-कंडोम-एमपीसीएस	378.115490 कंडोम- एमपीसीएस	1. परिवार नियोजन 2020 लक्ष्य की प्राप्ति हेतु	1.1 गर्भनिरोधकों की खरीद और परिवार नियोजन कार्यक्रम की आवश्यकनुसार राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों को आपूर्ति	378.115490 कंडोम-एमपीसीएस
		2.1 गर्भनिरोधकों का नि:शुल्क वितरण- ओसीपी- लाख चक्र	591.64562-— ओसीपी लाख चक्र			591.64562 ओसीपी -लाख चक्र
		3.1 गर्भनिरोधकों का नि:शुल्क वितरण -आईयूसीडी- लाख पीस	87.73422- आईयूसीडी - लाख पीस			87.73422 आईयूसीडी- लाख पीस
		4.1 गर्भनिरोधकों का नि:शुल्क वितरण -ट्यूबल रिंग्स् -लाख जोड़े	18.80240- ट्यबबल रिंग्स- लाख जोड़े			18.80240 ट्यूबल रिंग्स् -लाख जोड़े
		5.1 गर्भनिरोधकों का नि:शुल्क वितरण -ईसी गोलियां-लाख पैक	195.75047- ईसी गोलियां लाख पैक			195.75047 ईसी ईसी गोलियां-लाख पीस
		6.1 गर्भनिरोधकों का नि:शुल्क वितरण-पीटी किट-लाख किट्स	293.2790 पीटी किट्स-लाख किट्			293.2790 पीटी किट-लाख किट्स

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		7.1 गर्भनिरोधकों का नि:शुल्क वितरण -सुई से देने वाले गर्भनिरोधक-लाख खुराक	31.54371 लाख खुराक			31.54371 लाख खुराक
		8.1 गर्भनिरोधकों का नि:शुल्क वितरण -सेंटक्रोमन गर्भनिरोधक -लाख स्ट्रिप्स	142.25404			142.25404 सेंटक्रोमन गर्भनिरोधक -लाख स्ट्रिप्स
	(iii) **स्वास्थ्य सर्वेक्षण एवं अनुसंधान अध्याय**					
	1. चरण -I राज्यों में एनएफएचएस -5 मुख्य फील्ड कार्य सर्वेक्षण की समाप्ति	1.1 चरण-1 राज्यों में मुख्य फील्ड कार्य सर्वेक्षणकीसमाप्ति (हां/नहीं)	हां	1. चरणबद्ध तरीके से एनएफएचएस-5 के आंकड़े जारी करना	1.1 वित्त वर्ष 2019-20 में चरण-I के राज्यों/संघ राज्यों के संदर्भ में चरणबद्ध तरीके से एनएफएचएस-5 के आंकड़े जारी करना (हां/नहीं)	हाँ
	2. ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी 2018-19 का विमोचन	2.1 ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी 2018-19 का विमोचन (हां/नहीं)	हां	2. ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी 2018-19 का विमोचन (अक्तूबर,2019)	2. भारत के ग्रामीण और जन-जाति क्षेत्रों को सार्वजनिक पटल पर उपलब्ध कराया जाना है।	
	(iv) आईईसी (सूचना, शिक्षा एवं सम्प्रेरण) (स्वस्थ नागरिक अभियान के रूप में नया नाम दिया गया है) (एसएनए)					
	1. मीडिया अभियान आयोजनों की संख्या में 5% की बढ़ोतरी	1.1 मीडिया अभियान आयोजनों की संख्या में % बढ़ोतरी	5%	1. जागरूकता स्तर में वृद्धि	1.1. जागरूकता स्तर में वृद्धि	जागरूकता स्तर में वृद्धि
	(v) गर्भनिरोधकों का सामाजिक विपणन					
	1. गर्भनिरोधकों की खरीद और परिवार नियोजन कार्यक्रम की आवश्यकनुसार राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों को आपूर्ति	2.1 गर्भनिरोधों का सामाजिक विपणन - कंडोम-एमपीसीएस	550 एमसीएस	1. गर्भनिरोधकों की खरीद और परिवार नियोजन कार्यक्रम की आवश्यकनुसार राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों को आपूर्ति	1.1 एसएमओ को उनकी आवश्यकता अनुसार गर्भनिरोधकों की खरीद एवं आपूर्ति	550 कंडोम-एमपीसीएस
	2. गर्भनिरोधकों की खरीद और परिवार नियोजन कार्यक्रम की आवश्यकनुसार राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों को आपूर्ति	2.1 गर्भनिरोधों का सामाजिक विपणन - ओसीपी-लाख चक्र का विपणन	198 ओसीपी-लाख चक्र			198 ओसीपीएस-लाख चक्र

4. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन: केन्द्र प्रायोजित योजना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	(i) एनआरएचएम के तहत स्वास्थ्य प्रणाली का सुदृढ़ीकरण					
27039.00	1. स्वास्थ्य एवं आरोग्य केन्द्र (एचडब्ल्यूसी) द्वारा प्रदत्त प्राथमिक परिचर्या सेवाओं के क्षेत्र का विस्तार किया गया	1.1. परिचालित एचडब्लूसी (एसएचसी, पीएचसी और यूपीएचसी) की संख्या	संचयी लक्ष्य 40000	1. प्राथमिक परिचर्या सेवाओं के उपयोग और एनसीडी की जांच और प्रबंधन में सुधार हुआ	1.1. एनसीडी के लिए जांच की गई 30 से अधिक आयु वाली जनसंख्या की संख्या	एनसीडी के लिए 1.5 करोड़ जनसंख्या की जांच की ग
	2. सार्वजनिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर निःशुल्क औषधियों की व्यवस्था के लिए आईटी प्रणाली समर्थित खरीद प्रबंधन और लॉजिस्टिक प्रणाली का कार्यान्वयन	2.1. निःशुल्क औषधि सेवा पहल के तहत आईटी प्रणाली समर्थित खरीद प्रबंधन और लॉजिस्टिक प्रणाली का कार्यान्वयन करने वाले राज्यों की संख्या	1. 30 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र दिनांक 31 मार्च, 2019 की स्थितिनुसार 29 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र निःशुल्क औषधि सेवा पहल के तहत आईटी प्रणाली समर्थित खरीद प्रबंधन और लॉजिस्टिक प्रणाली का कार्यान्वयन कर चूके हैं।	2. सार्वजनिक सुविधा केन्द्रों पर औषधियों और निदानों की उपलब्धता में बढ़ोतरी हुई है।	2.1. सार्वजनिक सुविधा केन्द्रों में वार्षिक गति में बढ़ोतरी (ओपीडी और आईपीडी की संख्या)	वित्त वर्ष 2019-20 में वित्त वर्ष 2018-19 (एचएमआईएस) की तुलना में सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों पर (ओपीडी और आईपीडी की संख्या) वार्षिक गति में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी करना
	3. प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों पर एनएचएम निःशुल्क नैदानिक सेवा पहल का कार्यान्वयन	3.1. निःशुल्क नैदानिक सेवा पहल का कार्यान्वयन करने वाले राज्यों की संख्या	33 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र (दिनांक 31 मार्च, 2019 की स्थितिनुसार 31 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र निःशुल्क औषधि सेवा पहल का कार्यान्वयन कर चूके हैं)	3. सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों के उपयोग में सुधार हुआ है	3.1. सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों में स्वास्थ्य संबंधी ओओपीई में कमी (परोक्ष-शिशु जन्म)	वित्त वर्ष 2019-20 में वित्त वर्ष 2018-19 की तुलना में निःशुल्क औषधि एवं निदानों के चलते स्वास्थ्य संबंधी ओओपीई में 5 प्रतिशत की कमी करना (परोक्ष-शिशु जन्म, लक्ष्य 7.7.31[21])
	4. आईपीएचएस मानदंडों के अनुसार पीएचसी का परिचालन	4.1. आईपीएचएस मानदंडों के अनुसार परिचालित पीएचसी की संख्या	वित्त वर्ष 2019-20 में वित्त वर्ष 2018-19 की तुलना में आईपीएचएस			

[21] **वित्त वर्ष 2019-20 में सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों में बच्चे के जन्म के दौरान ओओपीई में 5% की कमी के लिए गणना का आधार:*
लक्ष्य: 707.31 रु (वित्त वर्ष 2018-19 में एमसीटीएफसी की रिपोर्ट के अनुसार बच्चे के जन्म के दौरान औसत ओओपीई 0.95 (.744.54 x 0.95 रु.) से गुणा किया गया। 2018-19 के आंकड़ों के लिए बेसलाइन की गणना वर्ष 2017-18 में शिशु जन्म के दौरान औसत ओओपीई में 5% की कमी करके की गई है अर्थात् 783.73 रु., क्योंकि वर्तमान में, वर्ष 2017-18 के लिए एमसीटीएफएस से आंकड़े उपलब्ध नहीं है)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
			मानदंडों के अनुसार परिचालित पीएचसी की संख्या में 10 प्रतिशत बढ़ोतरी। {दिनांक 31.03.2019 (की स्थिति अनुसार आईपीएचएस मानदंडों के अनुसार परिचालित पीएचसी की संख्या (आरएचएस 2018 के अनुसार 3052) 1.1 गुना है = 3357, 305 पीएचसी की बढोतरी}			
	5. एनक्यूएएस / लक्ष्य प्रमाणित सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केन्द्र	5.1. एनक्यूएएस / लक्ष्य प्रमाणित सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों की संख्या	वित्त वर्ष 2018-19 की तुलना में वित्त वर्ष 2019-20 में एनक्यूएएस / लक्ष्य प्रमाणित सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों की संख्या में 50% की वृद्धि (31.03.2019 की स्थिति अनुसार एनक्यूएएस / लक्ष्य प्रमाणित सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की संख्या 1.5 गुना है)	5. गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य परिचर्या सेवाएं प्रदान करने के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण एनक्यूएएस / लक्ष्य प्रमाणित सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों और एफआरयू के उपयोग में सुधार हुआ 1.	5.1. एनक्यूएएस / लक्ष्य प्रमाणित सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों और एफआरयू में वार्षिक गति में बढ़ोतरी (ओपीडी और आईपीडी की संख्या)	1. वित्तीय वर्ष 2018-19 (एचएमआईएस) की तुलना में वित्त वर्ष 2019-20 में एनक्यूएएस / लक्ष्य प्रमाणित सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों और एफआरयू में वार्षिक गति (ओपीडी और आईपीडी की संख्या) में 10% की वृद्धि

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2019-20
	6. प्रथम रेफरल इकाइयों (एफआरयू) का परिचालन	6.1. परिचालित एफआरयू की संख्या	दिनांक 31.03.2019 को परिचालित एफआरयू की संख्या 50 से अधिक है	6. आपातकालीन प्रसूति परिचर्या सेवाओं की पहुंच में सुधार हुआ	6.1. आपातकालीन प्रसूति देखभाल सेवाओं हेतु पहुँच प्रदान करने वाले एफआरयू की संख्या में वृद्धि	50 अतिरिक्त एफआरयू आपातकालीन प्रसूति परिचर्या सेवाओं तक पहुँच प्रदान कर रहे हैं
	7 नि: शुल्क डायलिसिस सेवाओं के तहत आयोजित डायलिसिस सत्र	7.1. सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों पर डायलिसिस सत्रों की संख्या में% वृद्धि	1. नि: शुल्क डायलिसिस सेवाओं के तहत आयोजित डायलिसिस सत्रों की संख्या में पिछले वर्ष की तुलना में 10% की वृद्धि हुई है	7. मरीज नि:शुल्क डायलिसिस परिचर्या प्राप्त कर रहे हैं	7.1. नि: शुल्क डायलिसिस परिचर्या प्राप्त करने वाले मरीजों में प्रतिशत वृद्धि	नि: शुल्क डायलिसिस परिचर्या प्राप्त करने वाले मरीजों में 10% की वृद्धि
	(ii) नियमित प्रतिरक्षण कार्यक्रम, पल्स पोलिया प्रतिरक्षण कार्यक्रम, राष्ट्रीय आयोडीन अल्पता विकार नियंत्रण कार्यक्रम आदि सहित आरसीएच फ्लैक्सीबल पूल (राष्ट्रीय निवेश निधियों से सहायता)					
	1. उन गर्भवती महिलाओं की संख्या में वृद्धि हुई है जिन्होने वर्ष 2017-18 से 4 एएनसी प्राप्त किए हैं	1.1 गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत जिन्होंने कुल पंजीकृत एएनसी में से 4 एएनसी प्राप्त किए हैं।	2018-19 से 2 प्रतिशत की वृद्धि	1. 2022 तक एमएमआर में 90 तक कमी लाना	1.1 मातृ मृत्यु दर (एमएमआर)	2020 तक 100
	2. एसबीए प्रसूतियों में 2016-17 से प्रति वर्ष बढ़ोतरी करना (67 प्रतिशत)	2.1 कुल पंजीकृत एएनसी में से एसबीए प्रसूतियों (कौशल जन्म परिचर) का प्रतिशत	2018-19 से 1 प्रतिशत की वृद्धि	2. 2022 तक एमएमआर को घटाकर 100 तक लाना	2.1 मातृ मृत्यु दर (एमएमआर)	2020 तक 100
	3. पूर्ण प्रतिरक्षण कवरेज में 90 प्रतिशत की वृद्धि	3.1 पूर्ण प्रतिरक्षण कवरेज (एफआईसी)	चालू वर्ष में आधार रेखा वर्ष एनएफएचएस-4 की तुलना में एफआईसी में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी करना	3. पूर्ण प्रतिरक्षण कवरेज में 90 प्रतिशत की वृद्धि	3.1 पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर (यू5एमआर)	2020 तक प्रति 1000 जीवित जन्मों पर 33

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	4. आधुनिक विधि गर्भनिरोधक व्याप्तता दर (एमसीपीआर) में वृद्धि	4.1 गर्भ निरोधक के आधुनिक तरीकों का उपयोग	आधार रेखा से 0.5% की वृद्धि	4. 2020 तक कुल प्रजनन दर में 2.1 तक की कमी लाना	4.1 कुल प्रजनन दर (टीएफआर)	2.2
	राष्ट्रीय ओयोडीन अल्पता विकार नियंत्रण कार्यक्रम (एनआईडीडीसीपी)					
	1. एनआईडीडी सीपी के कार्यान्वयन की समीक्षा	1.1 कार्यक्रम कार्यान्वयन के लिए समीक्षा किए गए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या .	20 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की समीक्षा की जानी है	1. सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में एनआईडीडीसीपी के कार्यान्वयन की गुणवत्ता में सुधार	1.1 समूचे देश में एनआईडीडीसीपी का कार्यान्वयन	देश के 36 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में एनआईडीडीसीपी को कार्यान्वित किया जाएगा
	2. सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र में पर्याप्त रूप से आयोडिन युक्त नमक की उपलब्धता और खपत की निगरानी	2.1 देश में पर्याप्त रूप से आयोडिन युक्त नमक की उपलब्धता (उत्पादन स्तर पर >30 पीपीएम, खपत स्तर पर >15 पीपीएम	पर्याप्त रूप से आयोडीन युक्त 60 लाख मीट्रिक टन से अधिक नमक (>30 पीपीएम) का उत्पादन और सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को उसकी आपूर्ति की गई	2. राज्यो/संघ राज्य क्षेत्रों में पर्याप्त रूप से आयोडीन युक्त नमक की उपलब्धता में वृद्धि और लोगों द्वारा उसका उपयोग करना	2.1 राष्ट्रीय/राज्य स्तर पर लोगों द्वारा उपयोग किए गए मानकों की पुष्टि करते हुए ओयोडीन युक्त नमक (आयोडीन अवयन >15 पीपीएम)	देश में कम से कम 85 प्रतिशत आबादी द्वारा पर्याप्त रूप से आयोडीन युक्त नमक (>15पीपीएम) की खपत
	iii. रोग नियंत्रण कार्यक्रम					
	क. राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम					
	1. मलेरियाः मामलों की संख्या में कमी	1.1 पिछले वर्ष में तदनुरूप अवधि की तुलना में मामलों की संख्या में कमी का प्रतिशत	12% की कमी लाना	1. मलेरियाः एपीआई में कमी	1.1 राष्ट्रीय स्तर पर एपीआई में कमी का प्रतिशत	12% की कमी लाना
	2 काला अजारः पीकेडीएल मामलों की कमी	2.1 पिछले वर्ष की तुलना में पीकेडीएल मामलों में प्रतिशत कमी	50% कमी लाना	2. काला अजारः काला अजार उन्मूलन	2.1 ब्लॉक स्तर पर महामारी ब्लॉकों की रिपोर्टिंग संख्या में कमी >1 केए मामला /10000 जनसंख्या	54 ब्लॉक
	3. जापानी इन्सेफलाइटिस (जेई)/राष्ट्रीय स्तर पर नियमित प्रतिरक्षण में जेई का कवरेज	3.1 नियमित प्रतिरक्षण के तहत कवर की गई आबादी का प्रतिशत	90%	3. जेईः जेई मामलों में कमी	3.1 जेई मामलों में कमी का प्रतिशत	20% की कमी
	4. लिम्फेटिक फिलारियासिसः एलएफ महामारी जिलों में व्यापक औषधि प्रदानगी (एमडीए) द्वारा आबादी की	4.1 पात्र आबादी में एमडीए का पता लगाने वाले एलएफ महामारी जिलों की संख्या	140 जिले	4. लिम्फेटिक फिलारियासिसः टीएएस (संचरण आकलन सर्वेक्षण) सत्यापन के माध्यम से महामारी	4.1 टीएएस द्वारा सत्यापित <1% की एमएमदर प्राप्त एलएफ महामाही जिलों की	22 जिले

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	सुरक्षा			जिलों में एमडीए को रोकना	संख्या	
	ख. राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम					
	1 (क) हेपेटाइटिस सी - कार्यक्रम के तहत कार्यरत प्रयोगशालाओं की रिपोर्टिंग	वायरल हेपेटाइटिस सी की जांच हेतु किए गए सेरोलॉजी परीक्षणों की संख्या	100000	हेपेटाइटिस सी हेतु नि: शुल्क उपचार उपलब्ध	2019-20 में एचसीवी का पूर्ण उपचार कराने वाले नए रोगियों की संख्या	45,000
	1 (ख) हेपेटाइटिस सी - कार्यक्रम के तहत कार्यात्मक उपचार स्थानों की रिपोर्टिंग	हेपेटाइटिस बी का उपचार प्राप्त करने वाले नए रोगियों की संख्या	50000			
	2 (क) हेपेटाइटिस बी - कार्यक्रम के तहत कार्यरत प्रयोगशालाओं की रिपोर्टिंग	वायरल हेपेटाइटिस बी की जांच हेतु किएगए सेरोलॉजी परीक्षणों की संख्या	100000	हेपेटाइटिस बी हेतु नि: शुल्क उपचार उपलब्ध	वर्ष 2019-20 में उपचार लेने वाले और उपचार जारी रखने वाले रोगियों की संख्या	900
	2 (ख) हेपेटाइटिस बी - कार्यक्रम के तहत कार्यात्मक उपचार स्थानों की रिपोर्टिंग	हेपेटाइटिस सी का उपचार प्राप्त करने वाले नए रोगियों की संख्या	1000			
				हैपेटाइटिस बी टीकाकरण के जन्म खुराक की बढ़ी हुई कवरेज	संस्थागत प्रसुतियों की तुलना में हैपेटाइटिस बी टीकाकरण का जन्म खुराक की % कवरेज	संस्थागत प्रसूतियों का ≥ 75%
	ग. राष्ट्रीय कुष्ठ रोग उन्मूलन कार्यक्रम					
	1. नए मामलों के बीच ग्रेड-II दिव्यांगता (जी2डी) मामलों की प्रतिशतता में गिरावट	1.1 राष्ट्रीय स्तर पर निदान के समय नए मामलों के बीच नए ग्रेड-II (जी2डी) दिव्यांगता मामलों की पहचान की प्रतिशतता में गिरावट	2.5 प्रतिशत अथवा उससे नीचे तक कमी लाना है	1. कुष्ठ रोग के कारण ग्रेड-II दिव्यांगता (जी2डी) का उन्मूलन	1.1 राष्ट्रीय स्तर पर प्रति मिलियन आबादी पर ग्रेड-II दिव्यांगता (जी2डी)	प्रति मिलियन आबादी पर 2.25 मामला अथवा उससे नीचे तक की कमी लाना
	घ. संशोधित राष्ट्रीय क्षयरोग नियंत्रण कार्यक्रम (आरएनटीसीपी)					
	1. क्षय रोग मामलों की अधिसूचना में वृद्धि	1.1 क्षय रोग मामला अधिसूचना (सरकारी और प्राइवेट) में 2018 से वृद्धि का प्रतिशत	8 % 23.22 लाख नए मामले	1. वर्ष 2018 में मालूम चले मरीजों का सफलतापूर्वक उपचार	1.1 मरीजों का प्रतिशत जिनके परिणाम सफल हैं (उनमें से जिनके परिणामों की सूचना दी गई है)	>85%
	2. टीबी के लिए रेपिड मॉलिक्यूलर निदानों का विस्तार	2.1 रेपिड मॉलिक्यूलर निदानों के साथ ब्लॉकों की संख्या	1500	2. औषधि प्रतिरोधी टीबी मामलों का पता चलने में बढ़ोतरी हुई है	2.1 वर्ष 2018 से डीआर-टीबी मामलों की प्रतिशत में बढ़ोतरी	15%
		1.2 राइफेमपिकिन प्रतिरोध हेतु जाँच किए गए पात्र टीबी मरीजों	70 %			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		का प्रतिशत				
	ङ. एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी)					
	1. रोग के प्रकोपों का पता लगाने और उस पर कार्रवाई करने के लिए जिलों की उन्नत क्षमता	1.1 महामारी संभावित रोगों के निदान/परीक्षण हेतु जिला जन स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं (डीपीएचएल) को सुदृढ़ बनाया गया	महामारी संभावित रोगों के निदान/परीक्षण हेतु 300 डीपीएचल का सुदृढ़ीकरण किया गया	आईईडीएसपी के तहत प्रकोप सम्भावित रोगों की प्रयोगशाला पुष्टि	आईडीएसपी के तहत प्रयोगशाला द्वारा सृजित किए (प्रयोगशाला) प्रपत्र की संख्या	70%
	iv. गैर-संचारी रोग कार्यक्रम					
	क. कैंसर, , मधुमेह, हृदवाहिका रोग और अभिघात की रोकथाम और नियंत्रण हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस)					
	1. जिला अस्पतालों में 50 अतिरिक्त एनसीडी क्लिनिक स्थापित किए जाने हैं	1.1 जिला अस्पतालों में एनसीडी क्लिनिक स्थापित किए जाने हैं।	जिला अस्पतालों में 50 अतिरिक्त एनसीडी क्लिनिक स्थापित किए जाने हैं।	1. 2020 तक (2010 की आधार रेखा) हृदवाहिका रोगों, कैंसर, मधुमेह, चिरकालिक श्वास रोगों से होने वाली समग्र मौतों में 10 प्रतिशत की सापेक्ष कमी	1.1 मौतों में सापेक्ष कमी	
	2.सीएचसी में अतिरिक्त एनसीडी क्लिनिक स्थापित किए जाने हैं।	2.1 सीएचसी में एनसीडी क्लिनिक स्थापित किए जाने हैं	सीएचसी में 300 अतिरिक्त एनसीडी क्लिनिक स्थापित किए जाने हैं।			
	3. उच्च रक्तचाप और उच्च ब्लड शुगर की जाँच करना	3. 1 उच्च रक्त चाप और उच्च ब्लड शुगर के लिए जाँज किए गए व्यक्तियों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 10 प्रतिशत की वृद्धि	उच्च रक्त चाप और उच्च ब्लड शुगर की जाँच करना - पिछले वर्ष की तुलना में 10 प्रतिशत की वृद्धि	उच्च रक्तचाप और उच्च रक्त शर्करा का पहले पता चलना	उच्च रक्तचाप और उच्च रक्त शर्करा वाले व्यक्तियों की जांचे की गईं	उच्च रक्तचाप और उच्च रक्त शर्करा के साथ निदान हेतु जांच किए गए व्यक्तियों का प्रतिशत
	राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम					
	1. जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (डीएमएचपी) के तहत मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का प्रावधान	2.1 जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम वाले जिलों की संख्या	630	1. मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की कवरेज में सुधार	1.1 जिला मानसिक स्वास्थ्य इकाइयों में मानसिक विकारों से पीड़ित व्यक्तियों के पंजीकरण में बढ़ोतरी	5%
		1.2 कार्यशील बनाई गई जिला मानसिक स्वास्थ्य इकाइयों की संख्या	590			
	राष्ट्रीय दृष्टिहीनता नियंत्रण कार्यक्रम					
	1. जिला स्तर और नीचे स्तर पर प्राईमरी, सेकेण्डरी स्तर पर	1.1 मोतियाबिन्द शल्य चिकित्साएं	मोतियाबिंद की 67 लाख शल्य	1. समुचित पहलों के द्वारा ग्लुकोमा सहित मोतियाबिन्द,	1.1 दृष्टिहीनता की व्यापकता में कमी	

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	एनपीसीबी और वीआई के तहत उपलब्ध कराई गई नेत्र परिचर्या सेवाएं		चिकित्साएं	आपवर्तक भ्रांतियों और अन्य रोगों के कारण दृष्टिहीनता के मामलों में कमी। शल्य चिकित्सा कौशलों और गुणवत्ता में सुधार।		
		1.2 कॉर्निया प्रत्यारोपण के लिए दान किए गए नेत्रों का एकत्रण	70,000 कॉर्निया का एकत्रण	.3 प्रशिक्षित चिकित्सा अधिकारियों और पीएमएओ की संख्या में बढ़ोतरी	1.2 प्रशिक्षित चिकित्सा अधिकारियों और नेत्र सहायकों की संख्या	5000 (4000 चिकित्सा अधिकारी और 1000 नेत्र सहायक)
		1.3 पूर्ववर्ती महामारी वाले राज्यों में ट्रेकोमा उन्मूलन के लिए जागरुक प्रशिक्षण सत्रों की संख्या	250 प्रशिक्षण सत्र (चिकित्सा अधिकारियों और पराचिकित्सा नेत्र सहायकों के लिए)			
	1. जिला अस्पताल और निचले स्तर पर प्राईमरी और सैकेण्डरी जराचिकित्सा स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं का प्रावधान	1.1 जराचिकित्सा ओपीडी सेवाओं वाले जिला अस्पतालों की संख्या	425	1. जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर उपलब्ध जराचिकित्सा मराजों की संख्या	1.1 जिला अस्पतालों में जरा चिकित्सा ओपीडी, अंतरंग रोगी परिचर्या, फिजियोथेरेपी और प्रयोगशाला सेवाएं प्राप्त करने वाले जराचिकित्सा रोगियों की संख्या में वृद्धि का प्रतिशत	
		1.2 वृद्ध रोगियों के लिए कम से कम 10 पलंग आरक्षित करने वाले जिला अस्पतालों की संख्या	425		1.2 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में जराचिकित्सा ओपीडी, फिजियोथेरेपी सेवाएं प्राप्त करने वाले जराचिकित्सा रोगियों की संख्या में वृद्धि	
	घ राष्ट्रीय वृद्धजन स्वास्थ्य परिचर्या कार्यक्रम					
	1. जिला अस्पताल और निचले स्तर पर प्राईमरी और सैकेण्डरी जराचिकित्सा स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं का प्रावधान	1.1 जराचिकित्सा ओपीडी सेवाओं वाले जिला अस्पतालों की संख्या	425	1. जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर उपलब्ध जराचिकित्सा मराजों की संख्या	1.1 जिला अस्पतालों में जरा चिकित्सा ओपीडी, अंतरंग रोगी परिचर्या, फिजियोथेरेपी और प्रयोगशाला सेवाएं प्राप्त	10 %

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
					करने वाले जराचिकित्सा रोगियों की संख्या में वृद्धि का प्रतिशत	
		1.2 वृद्ध रोगियों के लिए कम से कम 10 पलंग आरक्षित करने वाले जिला अस्पतालों की संख्या	425		1.2 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में जराचिकित्सा ओपीडी, फिजियोथेरेपी सेवाएं प्राप्त करने वाले जराचिकित्सा रोगियों की संख्या में वृद्धि	10 %
		1.3 फिजियोथेरेपी सेवाओं वाले जिला अस्पतालों की संख्या	425			
		1.4 प्रयोगशाला सेवाओं के साथ जिला अस्पतालों की संख्या	425			
		1.5 जराचिकित्सा ओपीडी सेवाओं के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की संख्या	1200			
		1.6 जरा चिकित्सा फिजियोथेरेपी सेवाओं के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की संख्या	1200			
	2. जिला अस्पताल और उससे नीचे तृतीयक जराचिकित्सा स्वास्थ्य परिचर्या का प्रावधान	चयनित चिकित्सा कॉलेजों में क्षेत्रीय जराचिकित्सा केन्द्रों की स्थापना	19	2. जराचिकित्सा ओपीडी का प्रावधान, 30 बिस्तर वाला वार्ड, अनुसंधान क्रियाकलाप, प्रशिक्षण प्रदान करना, प्रशिक्षण सामग्री का विकास और जराचिकित्सा औषधि में 2 पीजी सीटें निर्मित करने के लिए अवसंरचना का सृजन	आरजीसी में बिस्तरों की संख्या	500 (संचयी)
					जराचिकित्सा औषधि में पीजी सीटों की संख्या	0 (एमसीआई ने वर्ष 2019-20 में पीजी सीटों के लिए 2 आरजीसी के प्रस्ताव को निरस्त कर दिय है।
	3. एनसीए पर तृतीयक जराचिकित्सा स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं का प्रावधान	एम्स दिल्ली में एमएमसी चेन्नई में एनसीए की स्थापना	02	प्रत्येक एनसीए में स्पेशल ओपीडी के साथ जराचिकित्सा स्वास्थ्य परिचर्या डिलीवरी, 200 बिस्तर, स्वास्थ्य व्यावसायियों के लिए शिक्षण और प्रशिक्षण की सुविधा, अनुसंधान	एनसीए चेन्नई में बिस्तरों की संख्या	100
					जराचिकित्सा औषधि में पीजी सीटों की संख्या	0

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
				क्रियाकलाप, जराचिकित्सा औषधि में 15 पीजी सीटों के विकास की व्यवस्था होगी		
	ङ. तंबाकू नियंत्रण और नशामुक्ति कार्यक्रम					
20.00 करोड़ रु.	1. तम्बाकू छोड़ने संबंधी सेवाओं की उपलब्धता में वृद्धि	1.1 तंबाकू मुक्ति केन्द्रों वाले अतिरिक्त जिलों की संख्या समाप्ति केंद्र	60	1. तम्बाकू मुक्ति सेवाओं के लिए बेहतर पहुंच	1.1 वर्ष 2019-20 में तंबाकू मुक्ति सेवाओं का लाभ उठाने वाले लोगों की संख्या	13,00,000
45.00 करोड़ रु.	2. नशा मुक्ति उपचार हेतु सुविधाओं में वृद्धि	2.1 आईपीडी सुविधाओं के साथ नई औषधि निर्भरता उपचार केंद्रों की संख्या	3	2. औषधि निर्भरता उपचार सेवाओं तक बेहतर पहुंच	1.1 वर्ष 2019-20 में उपचार सेवाओं का लाभ उठाने वाले लोगों की संख्या	नया पंजीकरण = 40,000 अनुवर्ती मामले = 2,00,000 आईपीडी = 2500
		1.2 ओपीडी सेवाओं के साथ नई औषधि उपचार क्लीनिक की संख्या	10			

* संख्यात्मक लक्ष्यों को निर्धारित करने के लिए संकेतक का स्वबरूप जवाबदेह नहीं है

5 राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन - फ्लेक्सीबल पूल (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	2019-20 लक्ष्य	परिणाम	संकेतक	2019-20 लक्ष्य
950	1. शहरी भारत में हेल्थकेयर तक पहुंच में सुधार	1.1 पर्याप्त स्टाफ के साथ व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करने वाले यूपीएचसी और यूसीएचसी की संख्या।	शहरी पीएचसी और उप-केंद्रों सहित 25000 पीएचसी व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा परिचर्या सेवाएं प्रदान करेंगे।	शहरी भारत में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल के लिए बेहतर पहुंच	सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में वार्षिक ओपीडी में प्रतिशत वृद्धि।	पिछले वित्तीय वर्ष से 5% की वृद्धि
		1.2 शहरी भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों पर की गई ओपीडी की संख्या	पिछले वर्ष से 5 प्रतिशत बढ़ोतरी	सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का बढ़ता उपयोग।		
	2. शहरी भारत में गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना	2.1 सभी शहरी स्वास्थ्य सुविधाओं में कम से कम 4 एएनसी प्राप्त करने वाली महिलाओं की संख्या	पिछले वर्ष से 2 प्रतिशत बढ़ोतरी	मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) में कमी	मातृ मृत्यु दर (एमएमआर)	एनएचएम के तहत
		2.2 सभी शहरी स्वास्थ्य सुविधाओं में पूर्ण टीकाकरण प्राप्त करने वाले बच्चों की संख्या	पिछले वर्ष से 2 प्रतिशत बढ़ोतरी	शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) में कमी	शिशु मृत्यु दर (आईएमआर)	एनएचएम के तहत
		2.3 यूएचएनडीएस (शहरी स्वास्थ्य और पोषण दिवस) की संख्या यूपीएचसी द्वारा संचालित आउटरीच / स्पेशल आउटरीच	पिछले वर्ष से 2 प्रतिशत बढ़ोतरी			

6. स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा हेतु मानव संसाधन: केन्द्रीय क्षेत्र योजना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ में रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेत	लक्ष्य 2019-20
	(I) जिला अस्पताल - राज्य सरकार मेडिकल कॉलेजों का उन्नयन (पीजी सीटें)					

वित्तीय परिव्यय (करोड़ में रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेत	लक्ष्य 2019-20
4250	1. जिला अस्पताल - राज्य सरकारी मेडिकल कॉलेजों का उन्नयन (पीजी सीटें)	1.1 पीजी सीटों की संख्या	1000 पीजी सीटें	1. विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता में वृद्धि हेतु	1.1 सृजित पीजी सीटों की संख्या[22]	1000 पीजी सीटें
					1.2 सभी पीजी सीटों की कुल संख्या	पीजी सीटों / पाठ्यक्रमों की अनुमति वैधानिक प्रावधानों के अनुसार दी गई है। वर्तमान में देश में लगभग 45,000 पीजी सीटें हैं जिनमें डीएनबी, आईएनआई, सीपीएस शामिल हैं।
					1.3 सभी प्रवेश प्राप्त पीजी छात्रों की कुल संख्या	*
	(ख) सरकारी मेडिकल कॉलेजों (यूजी सीटें) और केन्द्र सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों का सुदृढ़ीकरण					
	सरकारी मेडिकल कॉलेजों (यूजी सीटें) और केन्द्र सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों का सुदृढ़ीकरण	1.1 10क के तहतएमबीबीएस सीटें	800 एमबीबीएस सीटें	1. डॉक्टरों की उपलब्धता में वृद्धि हेतु	1.1 सृजित एमबीबीएस सीटो की संख्या	800 एमबीबीएस सीटें
					1.2 सभी एमबीबीएस सीटों की कुल संख्या	सांविधिक प्रावधानों के अनुसार एमबीबीएस सीटों / पाठ्यक्रमों की अनुमति दी जाती है। वर्तमान में देश में 70,412 एमबीबीएस सीटें हैं।
					1.3 सभी नामांकित पीजी छात्रों की कुल संख्या	*
	iii) नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना (जिला अस्पतालों का उन्नयन)					

[22] *5 पीजी और यूजी सीटों का सृजन एक समय लेने वाली प्रक्रिया है और संबंधित कॉलेजों द्वारा सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद आईएमसी अधिनियम, 1956 की धारा 10क के तहत अनुमति दी जाती है। 26 इसलिए, यह सूचना अग्रिम रूप से उपलब्ध कराना व्यवहार्य नहीं है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ में रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेत	लक्ष्य 2019-20
	1. नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना (जिला अस्पतालों का उन्नयन)	1.1 योजना के तहत शामिल किए गए नए मेडिकल कॉलेजों की संख्या	15 मेडिकल कॉलेज	1. मेडिकल सीटों की उपलब्धता में वृद्धि हेतु	1.1 योजना के तहत शामिल की गई यूजी सीटों की संख्या	• 15 मेडिकल कॉलेज • 1500 सीटें • तृतीयक स्तर सेवाएं • मेडिकल सीटों की उपलब्धता में वृद्धि
	(Iv) नर्सिंग सेवाओं का उन्नयन /सुदृढ़ीकरण (एएनएम / जीएनएम)					
	1. 40 एएनएम / जीएनएम स्कूलों को कार्यरत करने हेतु। एएनएम / जीएनएम स्कूलों की स्थापना हेतु राज्य सरकार को वित्तीय सहायता प्रदान कराने हेतु	1.1 एएनएम / जीएनएम स्कूलों की स्थापना हेतु राज्य सरकार को वित्तीय सहायता प्रदान कराने हेतु। कार्यरत एएनएम/जीएनएम की संख्या	25 एएनएम / जीएनएम स्कूल	1. स्वास्थ्य परिचर्या हेतु नर्सों की संख्या में वृद्धि हेतु	1.1 एएनएम/जीएनएम स्कूलों के परिचालन हेतु	50 एएनएम / जीएनएम स्कूल का परिचलित किए जाने हैं।
	(V) राज्यों में राज्य पैरा मेडिकल विज्ञान संस्थानों तथा पैरा मेडिकल शिक्षा कॉलेजों की स्थापना					
	1. संबद्ध स्वास्थ्य विषय में यूजी तथा पीजी सीटों का सृजन	1.1 संबद्ध स्वास्थ्य विषय में यूजी तथा पीजी सीटें	130 यूजी तथा पीजी सीटें	1. संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवरों की उपलब्धता में वृद्धि हेतु	1.1 यूजी/पीजी सीटों का सृजन	130 यूजी/पीजी सीटें

* इस संकेतक के लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता क्योंकि यह एक मांग आधारित स्कीम है।

7. आयुष्मान भारत- प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना (सीसीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
6400.00	1. अस्पताल मे प्रवेश	1.1 अस्पताल मे प्रवेश (संचयी)	50 लाख (अनुमानित)	1. स्वास्थ्य खर्चों मे कटोती	1.1 विपत्तिपूर्ण स्वास्थ्य व्यय के कारण परिवारों का अनुपात	*
	2. लाभरथी की पहचान	2.1 व्यक्तियों के लाभार्थियों को गोल्डन कार्ड के मुद्दों की अनुमानित संख्या	5 करोड़ (अनुमानित)		1.2 लाभार्थियों द्वारा किए गए स्वास्थ्य पर अपनी जेब से किया गया व्यय का प्रतिशत	
	3. भुगतान का दावा करें	3.1 दावों को प्रस्तुत करने के बाद 30 दिनों के भीतर निपटाने का दावा किया जाता है	4000 करोड़		1.3 लाभार्थियों द्वारा किए गए स्वास्थ्य पर अपनी जेब से किया गया औसतन व्यय	

	4. अस्पतालों को सूचीबद्धि करना	4.1 सूचीबद्धि सार्वजनिक और निजी अस्पतालों की कुल संख्या	16,500			

* यह हाल ही में शुरू की गई योजना है।

8. केन्द्रीय क्षेत्र कार्यक्रम (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
	i. राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम					
	1. मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर कवरेज	1.1 2019-20 में मानसिक स्वास्थ्य विशेषता में स्नातक के साथ स्नातकोत्तर करने वाले छात्रों की संख्या	1211	1. मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों की उपलब्धता में वृद्धि	1.1 मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों की उपलब्धता में वृद्धि	2%
	ii. ट्रामा केंद्रों की क्षमता निर्माण के लिए सहायता : 1. ट्रॉमा केंद्र , 2. बर्न इंजरी की रोकथाम					
550	1. अभिज्ञात ट्रॉमा केयर सुविधाएं (स्तर I, II, III) को कार्यात्मक बनाना	1.1 कार्यात्मक बनायी गयी ट्रॉमा केयर सुविधाओं की संख्या (स्तर I, II, III)	10 और टीसीएफ को कार्यात्मक बनाया जाएगा	1. बर्न यूनिटों और ट्रॉमा केयर सुविधाओं को सुदृढ़ बनाना है ताकि अभिघात और बर्न पीड़ितों को उच्च गुणवत्ता-युक्त परिचर्या मिल सके।	1.1 मृत्यु और दिव्यांगता को कम करके आघात के पीड़ितों को गुणवत्ता सेवाओं का प्रावधान	10 टीसीएफ में गुणवत्ता सेवाएं प्रदान करना
	2. तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों में बर्न यूनिट का विकास करना।	2.1 स्थापित की जाने वाली कुल इकाइयों में से विकसित बर्न इकाइयों की संख्या	10 और बर्न इकाइयां विकसित और कार्यात्मक बनाई जाएंगी		1.2 मौतों और दिव्यांगता को कम करके, बर्न चोटों के पीड़ितों को गुणवत्ता सेवाओं का प्रावधान	10 बर्न इकाइयों में गुणवत्ता की सेवाएं प्रदान करना
	3. राष्ट्रीय चोट निगरानी ट्रामा रजिस्ट्री और क्षमता निर्माण केंद्र का विकास करना	3.1 राष्ट्रीय चोट निगरानी ट्रामा रजिस्ट्री और क्षमता निर्माण केंद्र को कार्यात्मक बनाया गया	राष्ट्रीय चोट निगरानी ट्रामा रजिस्ट्री और क्षमता निर्माण केन्द्र को कार्यात्मक बनाया गया		1.3 अस्पतालों में बर्न रजिस्ट्री की स्थापना	15 अस्पताल
	iii. बुजुर्गों की स्वास्थ्य देखभाल के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम					
	1. क्षेत्रीय जरावस्था केंद्रों में तृतीयक जरा	1.1 चयनित चिकित्सा कॉलेजों में क्षेत्रीय जरावस्था केन्द्रों की	19	1. जरावस्था मेडिसिन में 2 पीजी सीटें सक्षम बनाने	1.1 आरजीसी में बिस्तर	530 संचयी

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	देखभाल सेवाओं का प्रावधान	स्थापना		हेतु जरावस्था ओपीडी, 30 बिस्तर वाले वार्ड, अनुसंधान कार्यकलापों का प्रावधान, प्रशिक्षण प्रदान करना, प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना तथा अवसंरचना सृजित करना।	1.2 जरा चिकित्सा विज्ञान में पीजी सीटों की संख्या	ओ (एमसीआई ने वर्ष 2019-20 में दो आरजीसी में पीसी सीटों के प्रस्ताव को अस्वीकृत किया)
	2. एनसीए में तृतीयक जरावस्था परिचर्या सेवाओं का प्रावधान तथा प्रशिक्षण का विकास	2. एम्स, दिल्ली और एमएमसी चेन्नई में राष्ट्रीय वृद्धावस्था केंद्र स्थापित करना	2	2. प्रत्येक एनसीए में स्पेशियलिटी ओपीडी, 200 बिस्तरों, स्वास्थ्य व्यावसायिकों के शिक्षण और प्रशिक्षण सुविधाओं, अनुसंधान कार्यकलापों, जरावस्था चिकित्सा में 15 पीजी सीटों के विकास सहित जरावस्था स्वास्थ्य परिचर्या प्रदानगी का प्रावधान होगा।	2.1 राष्ट्रीय वृद्धावस्था केंद्र में बिस्तरों की संख्या	200
					2.2 वृद्धावस्था चिकित्सा में स्नातकोत्तर सीटें	5
	iv. राष्ट्रीय दृष्टिहीनता नियंत्रण कार्यक्रम					
	1. क्षेत्रीय नेत्र-विज्ञान संस्थान (आरआईओ), केन्द्रीय सरकार के अस्पाताल तथा राज्यों के चिकित्सा कॉलेज, नेत्र सर्जनों के प्रशिक्षण, देश के विभिन्न सरकारी नेत्र बैंकों को एमके मीडियम (कार्नियल स्टोरेज मीडियम) की आपूर्ति का सुदृढ़ीकरण।	1.1 नेत्र शल्य चिकित्सकों का प्रशिक्षण	20 प्रशिक्षण सत्र	1. सर्जिकल दक्षताओं तथा गुणवत्तापूर्ण नेत्र परिचर्या सुविधाओं में विकास ताकि वर्ष 2020 तक नेत्रहीनता में 0.3 प्रतिशत की कमी लाई जा सके।	1.1 मोतिया -बिंद के प्रशिक्षित नेत्र सर्जनों वाले जिला अस्पतालों की संख्या	ऐसे जिलों को प्राथमिकता दी जाए, जहां नेत्र सर्जन मोतियाबिंद सर्जरी में प्रशिक्षित नहीं हैं ताकि 650 जिला अस्पतालों में प्रशिक्षित नेत्र सर्जनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।
	2. ट्रेकोमा से पहले प्रभावित राज्यों में ट्रेकोमा उन्मूलन केलिए जागरुकता प्रशिक्षण सत्रों की संख्या	2.1. राज्य और जिला कार्यक्रम अधिकारियों और नेत्र विशेषज्ञों का प्रशिक्षण सत्र	14 प्रशिक्षण सत्र	2. प्रशिक्षित एसपीओ ओर नेत्र विशेषज्ञों की संख्या में वृद्धि	2.1. राज्य और जिला कार्यक्रम अधिकारियों और नेत्र विशेषज्ञों की सखंया	250 राज्य और जिला कार्यक्रम अधिकारियों और नेत्र विशेषज्ञों की सखंया

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	v. टेलीमेडिसीन					
	1. नेशनल मेडिकल कॉलेज नेटवर्क (एनएमसीएन) : विशेषज्ञ परामर्श के लिए डॉक्टारों की उपलब्धता। टेली-शिक्षा के लिए आईसीटी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता	1.1 टेली-मेडिसिन, टेलीशिक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ मेडिकल कॉलेजों की संख्या	50 मेडिकल कॉलेजों से सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) के लिए 1000 लेक्चरर, 50 मेडिकल कॉलेजों से राष्ट्रीय चिकित्सा कॉलेज नेटवर्क (एनएमसीएम) से 100 लाइव सर्जरी ट्रांसमिशन। इन 50 कॉलेजों के 5000 विद्यार्थियों को टेली-शिक्षा सेवाएं तथा अन्य मेडिकल कॉलेजों से विद्यार्थियों के लिए एनएमसीएम वेबसाइट पर ऑनलाइन सुग्राहीकरण।	1. बेहतर स्वास्थ्य परिचर्या सेवा प्रदान करने, पहुंच और सामर्थ्य, छात्रों द्वारा मेडिकल कॉलेजों में टेली-शिक्षा सेवाओं का अंगीकरण।	1.1 मेडिकल कॉलेजों में टेली-शिक्षा सेवाओं का उपयोग करने वाले छात्रों की संख्या	1. सरकारी चिकित्सा कॉलेजों के एक लाख मेडिकल छात्रों के लिए कभी भी और कहीं भी ई-कंटेंट की उपलब्धता, विद्यार्थी के अनुसार शिक्षण, लाइव सर्जरी वीडियो और लेक्चरों की उपलब्धता। 2. आशा, एएनएम इत्यादि जैसे क्षेत्रीय स्तर पर काम करने वाले कर्मचारियों की दक्षता को बढ़ाने के लिए अल्पावधि कोर्स तथा फील्ड स्तर के डॉक्टरों के लिए सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमए)
	2. छात्र/डाक्टरों के लिए ई-अध्ययन सामग्री की उपलब्धता	2.1 टेली शिक्षा सेवा में टेली-परामर्शों और व्याख्यानों की संख्या	ऑनलाइन/ऑफलाइन लेक्चरों सहित छात्रों के लिए ऑनलाइन मेडिकल एजुकेशन पोर्टल का विकास तथा फील्ड में काम करने वालों के लिए अल्पावधि कोर्स।			
	vi. तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम एवं औषधि दुर्व्यसन निवारण कार्यक्रम					
	1. तंबाकू मुक्ति सेवाओं की उपलब्धता में वृद्धि	1.1 तंबाकू मुक्ति केंद्रों सहित अतिरिक्त जिले	60	1. तंबाकू मुक्ति सुविधाओं तक पहुँच में वृद्धि	1.1 2019-20 में तंबाकू मुक्ति सुविधाएं प्राप्त करने वाले लोगों की संख्या	13,00,000
	2. नशे की लत के उपचार हेतु केन्द्रों में वृद्धि	2.1 आईपीडी सुविधा के साथ नए औषधि दुर्व्यसन उपचार केन्द्रों की संख्या	03	2. औषधि दुर्व्यसन उपचार केन्द्रों तक पहुँच में वृद्धि	2.1 उपचार सुविधाएं प्राप्त करने वाले लोगों की संख्या	नए पंजीकरण= 40,000 फॉलो अप मामले= 2,00,000 आईपीडी= 2,500
		2.3 18 ओपीडी सेवा के साथ नए औषधि उपचार क्लिनिकों की संख्या	10			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	vii. एनपीसीडीसीएस					
	1. राज्य कैंसर संस्थानों (एससीआई) की स्थापना के लिए मंजूरी	1.1 राज्य कैंसर संस्थानों की स्थापना	1.1 राज्य कैंसर संस्थानों (एससीआई) की स्थापना के लिए मंजूरी-04	1. रेडियोथैरेपी मशीनों की उपलब्धता में वृद्धि	1.1 रेडियोथैरेपी मशीनों की उपलब्धता	6 सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों में स्वास्थ्य परिचर्या रेडियोथैरेपी मशीनों में वृद्धि

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय

मांग सं. 44

भारी उद्योग विभाग

1. ऑटोमोबाइल उद्योग का विकास: भारत में (हाइब्रिड और) इलेक्ट्रिक वाहनों का तीव्र अंगीकरण और विनिर्माण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (₹ करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
500	1. मांग प्रोत्साहनों के माध्यम से एक्सईवी के सहज अंगीकरण को बढ़ावा देना।	1.1. मांग प्रोत्साहनों के माध्यम से चालू वर्ष में सहायता किए जाने वाले एक्सईवी की संख्या: इलेक्ट्रिक बसों पर	1650	1. इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों के अंगीकरण में वृद्धि	1.1. बेचे गए नए वाहनों की कुल संख्या में एक्सईवी का हिस्सा (प्रतिशत में)	0.52%
		1.2. मांग प्रोत्साहनों के माध्यम से चालू वर्ष में सहायता किए जाने वाले एक्सईवी की संख्या: चौपहिया (ईवी) पर	1650	2. एक्सईवी उद्योग में भारत की वैश्विक स्थिति में सुधार	2.1. रोजगार सृजन (व्यक्तियों की संख्या के संदर्भ में)	3.4 लाख
		1.3. मांग प्रोत्साहनों के माध्यम से चालू वर्ष में सहायता किए जाने वाले एक्सईवी की संख्या: ई-रिक्शा सहित तिपहिया (इलेक्ट्रिक) पर	16500		2.2. बाजार में एक्सईवी मॉडलों की वृद्धि का %	10%
		1.4. मांग प्रोत्साहनों के माध्यम से चालू वर्ष में सहायता किए जाने वाले एक्सईवी की संख्या: दुपहिया (इलेक्ट्रिक) पर	33000	3. उत्सर्जन को कम करना और ईंधन की बचत में वृद्धि	3.1. बचाया गया कुल ईंधन (बिलियन लीटर)	1.68
		1.5. प्रतिपूर्ति किए जाने वाले मांग प्रोत्साहन	₹. 271.26 करोड़		3.2. कुल उत्सर्जन कटौती (000 टन कार्बन डाइ ऑक्साइड)	765
	2. एक मिलियन से अधिक की आबादी वाले शहरों, राज्य की	2.1. चालू वर्ष में स्थापित किए जाने वाले चार्जिंग स्टेशनों की संख्या: शहरों में	330			

वित्तीय परिव्यय (₹ करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	राजधानियों, नामित स्मार्ट शहरों और राजमार्गों पर चार्जिंग स्टेशनों के नेटवर्क की स्थापना।	2.2. चालू वर्ष में स्थापित किए जाने वाले चार्जिंग स्टेशनों की संख्या: राजमार्गों पर	66			
		2.3. आज की तारीख तक स्थापित कुल चार्जिंग स्टेशनों की प्रतिशतता के रूप में प्रचालनरत चार्जिंग स्टेशनों की संख्या	100%			
	3. आईईसी गतिविधियों के माध्यम से स्टेकहोल्डर जागरूकता और हित का सृजन	3.1. चालू वर्ष में आयोजित की जाने वाली आईईसी गतिविधियों की संख्या	3			
		3.2. आईईसी गतिविधियों की अनुमानित पहुँच (व्यक्तियों की संख्या में)	16500			
	4. योजना के तहत ओईएम का पंजीकरण	4.1. योजना के तहत पंजीकरण किए जाने वाले ओईएम की कुल संख्या	5			
		4.2. योजना के तहत अनुमोदित किए जाने वाले एक्सईवी मॉडलों की कुल संख्या	9			

गृह मंत्रालय

मांग सं. 46

1. प्रवासियों और प्रत्यावासियों के लिए राहत और उनका पुनर्वास

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20
842.44	1. भारत तथा बांग्लादेश के बीच एन्क्लेवों के आदान-प्रदान के बाद पुनर्वास पैकेज और बांग्लादेशी एन्क्लेवों और कूच बिहार जिले की अवसंरचना का अपग्रेडेशन: भारत में पहले के 51 बांग्लादेशी एन्क्लेवों में लाभार्थियों को बुनियादी अवसंरचना और सुविधाओं का प्रावधान	1.1. लौटने वाले कुल लोगों में से उन लाभार्थियों की संख्या जिनको सुविधाएं प्रदान की गईं।	तिमाही **1-** 201 लौटने वाले परिवार तिमाही **2-** 201 लौटने वाले परिवार तिमाही **3-** 201 लौटने वाले परिवार तिमाही **4-** 201 लौटने वाले परिवार	1. एन्क्लेवों से लौटने वालों का पुनर्वास	1.1. लौटने वालों की संख्या जिनको पक्के मकान प्रदान किए गए	तिमाही **1 -0** तिमाही **2-** 143 लौटने वाले परिवार तिमाही 3- 58 लौटने वाले परिवार तिमाही **4 -0**
		1.2. निर्मित किए गए पक्के मकानों की संख्या	तिमाही **1 - 0** तिमाही **2 - 0** तिमाही **3-** दिनहटा में 58 फ्लैटों वाले क्लस्टर्स का कार्य पूरा किया जाएगा। तिमाही **4 - 0**	2. एन्क्लेवों में अवसंरचना के निर्माण का कार्य शुरू किया गया	2.1. शुरू किए गए कुल कार्यों में से पूरा किए गए अवसंरचना संबंधी विकास कार्यों की संख्या	तिमाही 1- **01** (दिनहटा सब-डिवीजनल हॉस्पिटल को 250 बिस्तर से 300 बिस्तर वाला किया गया) तिमाही **2- 02** (दिनहटा और माताभंगा में कम्पोजिट बस टर्मिनल का निर्माण पूरा किया जाएगा) तिमाही **3 - 0** तिमाही **4 - 0**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20
		1.3. शुरू किए गए अवसंरचना संबंधी विकास कार्यों की संख्या (जैसे पुलों, बस टर्मिनल का निर्माण, राजमार्ग तथा अस्पतालों और पुलिस सुविधाओं का अपग्रेडेशन	तिमाही *1*- दिनहटा सब डिवीजनल हॉस्पिटल को 250 बिस्तर से 300 बिस्तर का किए जाने संबंधी अपग्रेडेशन का कार्य पूरा किया जाएगा तिमाही **2** माताभंगा में कम्पोजिट बस टर्मिनल के निर्माण और कूच बिहार - दिनहटा-गीतलडाह सड़क के अपग्रेडेशन का काम पूरा किया जाएगा। तिमाही 3- दिनहटा में क्लस्टर के निर्माण का कार्य पूरा किया जाएगा तिमाही 4 -तीस्ता नदी पर पुल के निर्माण का काम पूरा किया जाएगा।			
	2. जम्मू और कश्मीर में बसे जम्मू और कश्मीर तथा छम्ब के पाकिस्तान अधिकृत क्षेत्रों के लगभग 36384/- विस्थापित परिवारों को एक बारगी वित्तीय सहायता	2.1 कुल लाभार्थी परिवारों में से इस वित्त वर्ष में वित्तीय सहायता प्रदान किए गए लाभार्थियों की संख्या	2000	3. जम्मू एवं कश्मीर में बसे जम्मू और कश्मीर तथा छम्ब के पाकिस्तान अधिकृत क्षेत्रों के लगभग 36384 विस्थापित परिवारों की सहायता करना और छोटे व्यवसाय चलाकर अथवा अन्य भू-आधारित क्रियाकलापों के माध्यम से उनकी मासिक आय को ठीक-ठाक करना	3.1 पाकिस्तान अधिकृत जम्मू और कश्मीर तथा छम्ब के शेष विस्थापित परिवारों को प्राप्त वित्तीय सहायता	100.00 करोड़
	3. तमिलनाडु और ओडिशा में स्थित शिविरों में ठहरे हुए श्रीलंकाई शरणार्थियों को राहत सहायता	3.1 सहायता प्रदान किए गए श्रीलंकाई लाभार्थियों की संख्या	तिमाही 1- शिविरों में रह रहे 61953 शरणार्थी तिमाही 2- शिविरों में रह रहे 61953 शरणार्थी तिमाही 3- शिविरों में रह रहे	4.तमिलनाडु और ओडिशा में शिविरों में रह रहे विस्थापित परिवारों का पुनर्वास	4.1 तमिलनाडु और ओडिशा में शिविरों में रह रहे विस्थापित परिवारों का पुनर्वास	**तिमाही** 1- शिविरों में रह रहे 22 और 61931 परिवारों को राहत सहायता ओडिशा और तमिलनाडु राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाती है और तत्पश्चात

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20
			61953 शरणार्थी तिमाही 4- शिविरों में रह रहे 61953 शरणार्थी			उसकी प्रतिपूर्ति संबंधित राज्य सरकारों द्वारा की जाती है। अत: कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता। **तिमाही** 2- राहत सहायता तमिलनाडु और ओडिशा राज्य सरकारों द्वारा प्रदान की जाती है और बाद में इसकी प्रतिपूर्ति संबंधित राज्य सरकारों द्वारा की जाती है। अत: कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता। Q3 राहत सहायता तमिलनाडु और ओडिशा राज्य सरकारों द्वारा प्रदान की जाती है और बाद में इसकी प्रतिपूर्ति संबंधित राज्य सरकारों द्वारा की जाती है। अत: कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता। Q4 राहत सहायता तमिलनाडु और ओडिशा राज्य सरकारों द्वारा प्रदान की जाती है और बाद में इसकी प्रतिपूर्ति संबंधित राज्य सरकारों द्वारा की जाती है। अत: कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20
	4. भारतीय भू-भाग में आतंकवादी /साम्प्रदायिक/वामपंथी उग्रवादी हिंसा तथा सीमा पार से होने वाली गोलीबारी और बारूदी सुरंग /आईईडी विस्फोट के सिविलियन पीड़ितों/पीड़ितों के परिवार के लिए केन्द्रीय सहायता योजना	4.1 सहायता प्रदान किए गए लाभार्थियों की संख्या	*	5.योजना का प्रभावी कार्यान्वयन और पीड़ितों को समय पर प्रदान की गई राहत	5.1.प्रतिपूर्ति में लगा समय	1 सप्ताह
	5. 3.7.2018 को हस्ताक्षरित करार के अनुसार 5407 ब्रू परिवारों का पुनर्वास	5.1 ब्रू परिवारों को नकद सहायता और उनका पुनर्वास	5407 ब्रू परिवारों के पुनर्वास के लिए 440 करोड़ रु. (लगभग) की राशि अनुमोदित की गई है। मिजोरम और त्रिपुरा के लिए वित्त वर्ष 2019-20 का अनुमोदित परिव्यय क्रमश: 171.62 करोड़ रु. और 28.38 करोड़ रु. है	6. त्रिपुरा से मिजोरम में 5407 ब्रू परिवारों का पुनर्वास जहां से इनको 1997 में विस्थापित किया गया था और तब से ये अस्थायी रूप से शिविरों में रह रहे हैं	6.1 ब्रू परिवारों का पुनर्वास	त्रिपुरा में अस्थायी शिविरों में रह रहे 5407 शेष ब्रू परिवार जिनका पुनर्वास किया जाना है।

* संख्यात्मक लक्ष्यों को निर्धारित करने के लिए संकेतक का स्वबरूप जवाबदेह नहीं है

2. स्वतंत्रता सेनानी (पेंशन और अन्य लाभ) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2018-19	परिणाम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20
952.81	1. निधि का समय पर संवितरण	1.1 लाभार्थियों को निधियों के संवितरण में हुआ औसत विलंब (दिनों की सं.)	Q1 0 Q2 0 Q3 0 Q4 0	1. स्वतंत्रता सेनानियों, शहीदों और उनके परिवारों को वित्तीय सहायता तथा सम्मान प्रदान करना	1.1 लाभार्थियों को निधियों के संवितरण में हुआ औसत विलंब (दिनों की सं.)	Q1 0 Q2 0 Q3 0 Q4 0
	2. स्वतंत्रता सेनानियों और उनके परिवारों को पारिश्रमिक का भुगतान	2.1 पेंशन प्रदान किए गए लोगों की श्रेणी-वार संख्या (स्वतंत्रता सेनानी, विधवा/विदुर, अविवाहित पुत्री)	30798			

कोई विलंब नहीं हुआ क्योंकि पेंशन बैंकों द्वारा मासिक आधार पर संवितरित की जाती है

1. सीमा अवसंरचना और प्रबंधन (सीएस):

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	आउटपुट्स 2019-20			आउटकम्स 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20
	1. भारत-चीन सीमा पर अवसंरचना का विकास (चरण -I & II सड़क)	1.1 बजट उपयोग	100% बजट उपयोग	1. सीमा रक्षक बलों की क्षमता में वृद्धि से, सीमा-पार से होने वाली घुसपैठ और अपराधों को रोकने के लिए, प्रभावी सीमा प्रबंधन होगा	1.1 बजट उपयोग	100% बजट उपयोग
	2. भारत नेपाल सीमा पर सड़कों का विकास	2.1 बजट उपयोग	100% बजट उपयोग		1.2 बजट उपयोग	100% बजट उपयोग
	3. भारत भूटान सीमा पर सड़कों का विकास	3.1बजट उपयोग	100% बजट उपयोग		1.3 बजट उपयोग	100% बजट उपयोग
	4. भारत-बांग्लादेश सीमा पर निर्माण कार्य	4.1 बजट उपयोग	100% बजट उपयोग		1.4 बजट उपयोग	100% बजट उपयोग
	5. भारत-पाकिस्तान सीमा पर निर्माण कार्य	5.1 बजट उपयोग	100% बजट उपयोग		1.5 बजट उपयोग	100% बजट उपयोग
	6. भारत-बांग्लादेश सीमा और भारत-पाकिस्तान सीमा पर बीओपी	6.1 बजट उपयोग	100% बजट उपयोग		1.6 बजट उपयोग	100% बजट उपयोग
	7. सीमा चौकियों का निर्माण	7.1 बजट उपयोग	100% बजट उपयोग		1.7 बजट उपयोग	100% बजट उपयोग
2128.93	**तटीय सुरक्षा योजना**					
	1. विभिन्न तटीय राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में तटीय पुलिस की परिसंपत्तियों और अवसंरचना का प्रावधान	1.1 तटीय पुलिस थानों का निर्माण	इस योजना के अंतर्गत स्वीकृत 131 तटीय पुलिस थानों में से 116 तटीय पुलिस थानों का निर्माण किया जा चुका है तथा शेष 15 का निर्माण अभी किया जाना है। तथापि, अब 127 तटीय पुलिस थाने कार्य कर रहे हैं।	1.तटीय सुरक्षा को सुदृढ़ बनाना	1. 1 सुदृढ़ तटीय सुरक्षा के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को तटीय पुलिस थाने, जेट्टी और नौकाएं मुहैया कराई जाएंगी।	तटीय सुरक्षा योजना के चरण-।। के अंतर्गत तटीय राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को 131 तटीय पुलिस थाने, 60 जेट्टी और 225 नौकाएं स्वीकृत की गई हैं।
		1.2 जेट्टी का निर्माण	स्वीकृत 60 जेट्टियों में से 30 जेट्टियों का निर्माण किया जाना है			
		1.3 नौकाओं का प्रापण	तटीय राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों अथवा केन्द्रीय			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	आउटपुट्स 2019-20			आउटकम्स 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20
			समुद्री पुलिस बल के लिए नौकाओं के प्रापण संबंधी निर्णय को अभी अंतिम रूप दिया जाना है			
	2. पेट्रोल, तेल और स्नेहक प्रभारों तथा तटीय सुरक्षा योजना के अंतर्गत प्रदान की गई नौकाओं की अनुरक्षण लागत की प्रतिपूर्ति	2.1. गश्त के लिए नौकाओं की उपलब्धता	इस योजना के चरण-1 के अंतर्गत तटीय राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को प्रदान की गई 204 नौकाओं में से प्रत्येक नौका द्वारा प्रतिवर्ष 1800 घंटे तक की गश्त	2.तटीय सुरक्षा को सुदृढ़ बनाना और तटीय क्षेत्रों में अपराधों को रोकना	2.1 गश्त के लिए नौकाओं की निरंतर उपलब्धता	कुल 204 नौकाओं में से प्रत्येक नौका द्वारा प्रतिवर्ष 1800 घंटे तक की गश्त की शर्त में गृह मंत्रालय द्वारा ढील दी गई है। उपर्युक्त के बावजूद सभी तटीय राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया था कि प्रादेशिक समुद्र में विशेष रूप से तट के निकट उथले समुद्र में गश्त और चौकसी के वांछित उद्देश्य को पूरा करने के लिए नौकाओं का इष्टतम प्रयोग किया जाए।
	3. तटीय पुलिस को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए मेराइन पुलिस प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना	3.1 इस प्रशिक्षण संस्थान को मौजूदा कैम्पस से क्रियाशील बनाना	नए कैम्पस का निर्माण वित्त वर्ष 2022-23 में पूरा किया जाना	3. तटीय पुलिस कार्मिकों की क्षमता में वृद्धि करने के लिए विभिन्न तटीय राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के तटीय पुलिस कार्मिकों का प्रशिक्षण	3.1 विभिन्न तटीय राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की तटीय पुलिस की प्रशिक्षण आवश्यकता को पूरा करने के लिए तटीय पुलिस कार्मिकों का प्रशिक्षण	एक वित्त वर्ष में अस्थायी कैम्पस से 200 अधिकारियों (लगभग) को प्रशिक्षित किया जाएगा।

2. **पुलिस अवसंरचना**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	आउटपुट्स 2019-20			आउटकम्स 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20
4.1 केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की भवन निर्माण परियोजना (केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस)						
4756.77	1. केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीमा सुरक्षा बल, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, सशस्त्र सीमा बल और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस), असम राइफल्स और राष्ट्रीय सुरक्षा गारद) की सुरक्षा और प्रशासनिक अवसंरचना (कार्यालय भवन) का प्रावधान सुनिश्चित करना	1.1. निर्मित की जाने वाली बैरकों की संख्या	असम राइफल्स- 42 सीमा सुरक्षा बल- 21 केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल- 03 केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल- 34 सशस्त्र सीमा बल- 20 भारत-तिब्बत सीमा पुलिस- 48 राष्ट्रीय सुरक्षा गारद- 01 कुल- 169	1. बेहतर आवास संतुष्टि स्तर	1.1 बैरकों की ओक्युपेंसी दर	88.4% (सभी बलों के लिए कम्बाइंड)
		1.2. निर्मित किए जाने वाले कार्यालय भवनों की सं.	असम राइफल्स - 43 सीमा सुरक्षा बल - 35 केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल - 56 केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल - 18 सशस्त्र सीमा बल - 126 भारत-तिब्बत सीमा पुलिस - 04 राष्ट्रीय सुरक्षा गारद - 03 कुल- 285	2 निर्मित किए गए अस्पताल से केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की चिकित्सा सुविधाओं में वृद्धि होगी	लाभार्थियों की संख्या	31820
		1.3. इस योजना के अंतर्गत शुरू किए गए अस्पतालों की संख्या	असम राइफल्स- 01 केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल- 02 सशस्त्र सीमा बल- 06		नियुक्त किए चिकित्सकों की संख्या	28

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	आउटपुट्स 2019-20			आउटकम्स 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20
			भारत-तिब्बत सीमा पुलिस - 03 कुल- 12		अस्पताल की ओक्युपेंशी दर	80.00
	2. केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीमा सुरक्षा बल, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, सशस्त्र सीमा बल और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस), असम राइफल्स और राष्ट्रीय सुरक्षा गारद) की आवासीय अवसंरचना का प्रावधान सुनिश्चित करना	2.1 आवास प्रदान करने के लिए निर्मित किए जाने वाले मकानों और क्वार्टरों की संख्या	असम राइफल्स- 363 सीमा सुरक्षा बल- 3109 केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल- 2295 केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल- 4663 सशस्त्र सीमा बल- 3100 भारत-तिब्बत सीमा पुलिस- 1897 राष्ट्रीय सुरक्षा गारद- 252 कुल- 15679		1.4. आवास आबंटित किए गए कार्मिकों में आवास संतुष्टि	अथोराइजेशंस के संदर्भ में आवास संतुष्टि स्तर को 39 से बढ़ाकर 46 प्रतिशत करना
					1.5. वर्ष के अंत में आवासीय भवनों (कम्युलेटिव) की ओक्युपेंशी दर	100%
					1.6. वित्त वर्ष में निर्मित मकानों में से वर्ष के अंत में आवासीय भवनों की ओक्युपेंशी दर	100%
केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल आयुर्विज्ञान संस्थान						
	1. सुरक्षा और प्रशासनिक अवसंरचना का प्रावधान सुनिश्चित करना	1.1. निर्मित बैरकों की संख्या	450	1. बेहतर आवास संतुष्टि स्तर	1.1. आवास आबंटित किए गए कार्मिकों में आवास संतुष्टि	0 निर्माण की प्रक्रिया चल रही है और इसे मार्च 2021 तक पूरा कर लिया जाएगा
		1.2. निर्मित किए गए भवनों की संख्या	03 (100 सीट वाला मेडिकल कॉलेज 60 सीट वाला नर्सिंग कॉलेज और 300 सीट वाला पैरामेडिक्स स्कूल)		1.2. वर्ष के अंत में आवासीय भवनों (कम्युलेटिव) की ओक्युपेंशी दर	100%
		1.3. इस योजना के अंतर्गत शुरू किए गए अस्पतालों की संख्या	01 (800 बिस्तर वाला अस्पताल (500 बिस्तर वाला जनरल हॉस्पिटल और 300 बिस्तर वाला सुपर स्पेसिएलिटी हॉस्पिटल, ओपीडी, वार्ड, ओटी,		1.3. वित्त वर्ष में निर्मित किए गए मकानों में से वर्ष के अंत में आवासीय भवनों की ओक्युपेंशी दर	100 %

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	आउटपुट्स 2019-20			आउटकम्स 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20
			आईसीयू, सीसीयू, एनआईसीयू सुविधाओं तथा इमेजिंग, डायग्नोस्टिक्स और लेबोरेटरी जैसी अन्य आवश्यक सेवाओं से युक्त)			
	2.आवासीय बुनियादी सुविधाओं का प्रावधान सुनिश्चित करना	2.1 आवास प्रदान करने के लिए निर्मित मकानों और क्वार्टरों की सं.	451 परिवार क्वार्टर (T/IV- 118, T/IVS- 118, T/V-174 और T/V- 41)			

3.पुलिस बलों का आधुनिकीकरण [23]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	आउटपुट्स 2019-20			आउटकम्स 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20
3462.30	**क. सीसीटीएनएस (सीएसएस)**					
	1. सीसीटीएनएस प्रोजेक्ट के अंतर्गत शामिल पुलिस थानों और उच्चतर कार्यालयों में कम्प्यूटरीकरण और कोर एप्लीकेशंस सॉफ्टवेयर लागू करना	1.1. सीसीटीएनएस में एफआईआर सहित 100 प्रतिशत निर्धारित फॉर्म वाले पुलिस थानों की संख्या	100% पुलिस थाने ( )	1. राष्ट्रीय स्तर के अपराध और आपराधिक रिकॉर्डों की त्वरित खोज	1.1. राष्ट्रीय स्तर पर अपराध और आपराधिक रिकॉर्डों की खोज में लिया गया समय	2 मिनट से कम
		1.2. सीसीटीएनएस में सभी पुलिस थानों में एफआईआर सहित 100 प्रतिशत निर्धारित फॉर्म वाले राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या	100% ()		1.2. अपराध और आपराधिक डाटाबेस के बारे में राष्ट्रीय स्तर की खोजों की संख्या	~ 1500

[23] *इस योजना में इन चीजों के लिए कम आबंटन भी शामिल हैं: केन्द्रीय अधिनियम और विनियम लागू करना (1.00 करोड़ रु.); विदेशी नागरिकों का पंजीकरण और निगरानी (5.00 करोड़ रु. तथा नागरिकता अधिनियम को लागू करने के लिए राज्यों को प्रतिपूर्ति (1.00 करोड़ रु.) जिनके लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	आउटपुट्स 2019-20			आउटकम्स 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20
		1.3. राष्ट्रीय डाटा केन्द्र में आने वाले रिकॉर्ड की संख्या	100% ()			
	2. पिछले 10 वर्ष के अपराध और आपराधिक रिकॉर्डस का डाटा डिजीटाइजेशन	2.1. पिछले 10 वर्ष के अपराध और आपराधिक रिकॉर्ड का 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन (Y/N)	Y	2. स्पष्ट पोलिसी इंटरवेशंस के लिए राज्य और केन्द्रीय स्तर पर अपराध और आपराधिक रिपोर्टें तेजी से तैयार करना	2.1. डाटा कट-ऑफ की तारीख और इंडिया पब्लिकेशन में अपराध की रिलीज की तारीख के बीच दिनों/महीनों की संख्या	3 माह
	3. डाटा के आदान-प्रदान, अपराध और अपराधियों की खोज और रिपोर्ट तैयार करने के लिए नेशनल डाटा सेंटर की स्थापना	3.1. अपराध और आपराधिक डाटाबेस पर जितनी बार राष्ट्रीय स्तर की खोज की गई और रिपोर्ट तैयार की गईं उनकी संख्या	~2000		2.2. राज्य और केन्द्रीय स्तर पर जेनरेट की गई रिपोर्टों की संख्या	~ 5 लाख
	4. नागरिक सेवाएं प्रदान करने के लिए ऑनलाइन पोर्टल	4.1. सिटीजन सर्विस पोर्टल्स के माध्यम से निर्धारित नौ सेवाएं प्रदान करने वाले राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या	36	3.ऑनलाइन कम्प्लेन रिपोर्टिंग और पुलिस सत्यापन अनुरोध के प्रयोग द्वारा बेहतर रिपोर्टिंग	3.1. ऑनलाइन दर्ज की गई शिकायतों और सत्यापन अनुरोध की संख्या	> 5000
	5. डिजिटल पुलिस पोर्टल का प्रयोग करने के लिए जागरूकता अभियान	5.1. डिजिटल पुलिस पोर्टल पर नागरिकों पंजीकरणों की संख्या	>4000			
		5.2. पोर्टल	>1लाख			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	आउटपुट्स 2019-20			आउटकम्स 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20
		जितनी बार देखा गया वह संख्या				
	ख. ई-प्रिजंस का कार्यान्वयन[24]					
	1. देश की सभी जेलों में जेल रिकॉर्ड का डिजिटाइजेशन तथा जेल प्रबंधन प्रक्रियाओं का कम्प्यूटरीकरण	1.1. डिजिटाइज्ड किए गए जेल रिकॉर्ड का प्रतिशत	60%	1. कैदियों के रिकॉर्ड के ऑनलाइन डाटा तक निर्दिष्ट एजेंसियों की पहुंच	1.1. उन कैदियों का प्रतिशत जिनके डाटा तक विधि प्रर्वतन एजेंसियों की ऑनलाइन पहुंच है।	70%
		1.2 सभी राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों में कैदियों की संख्या जहां कैदियों के रिकॉर्ड के डिजिटाइजेशन तथा प्रिजन मेनेजमेंट ऑप्रेशन का ऑटोमेशन चल रहा है	1400	2. प्रजन ऑप्रेशन के ऑटोमेशन से और कैदी लाभान्वित होंगे	2.1 मिलने के लिए आने वाले कैदियों के संबंधियों से प्राप्त अनुरोधों में प्रतिशत वृद्धि	50%
				3. रिकॉर्ड/इवेंट्स में अधिक पारदर्शिता, शुद्धता और जेल प्रशासन तथा इसके ऑप्रेशन को त्वरित/द्रुत बनाना	3.1 निपटाए गए कैदियों के अनुरोधों में प्रतिशत वृद्धि	50%
					3.2 किसी कैदी के अनुरोध को पूरा करने में लिए जाने वाले औसत समय में प्रतिशत कमी	60%
	ग. पुलिस आधुनिकीकरण के लिए राज्यों को सहायता					
	पुलिस बलों के आधुनिकीकरण के लिए निधि प्रदान करना	इस योजना के अंतर्गत राज्यों द्वारा नवीनतम हथियारों और प्रशिक्षण उपकरणों, उन्नत संचार और फोरेंसिक उपकरणों आदि की प्रतिशत खरीद	Q1 0% Q2 0% Q3 10% Q4 10%	कानून और व्यवस्था बनाए रखने में (आतंकवाद/वामपंथी उग्रवाद/आम चुनाव अथवा राज्य के चुनाव आदि को छोड़कर) केन्द्रीय पुलिस बलों की तैनाती पर राज्य पुलिस की निर्भरता में कमी	कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती हेतु राज्यों की मांग में प्रतिशत कमी	Q1 0.5% Q2 1% Q3 1.5% Q4 2%
	घ. पुलिस सुविधाओं को अपग्रेड करने संबंधी विशेष परियोजना/कार्यक्रमों के लिए राज्यों को सहायता					

[24]इस प्रोजेक्ट को 3 वर्ष में पूरा किए जाने के लिए मंत्रिमंडल का अनुमोदन प्रदान किया गया है। इसे 2021 तक पूरा कर लिया जाएगा

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	आउटपुट्स 2019-20			आउटकम्स 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20
	1 विशेष परियोजनाओं/कार्यक्रमोंको निम्न प्रकार निधियां प्रदान करना: क. गुजरात फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी का अपग्रेडेशन, - केन्द्रीय हिस्सा- :180 करोड़ रु. (वित्त वर्ष- 2017-20).	1.1 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और नए संस्थानों (इन कैम्पस संस्थानों, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय केन्द्रों) की स्थापना के लिए उपकरणों का प्रतिशत अधिग्रहण	Q1 20% Q2 20% Q3 20% Q4 20%	क. गुजरात फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी का नए कार्यक्रमों के साथ अपग्रेडेशन करने से तत्कालीन समाज की मांग पूरी होगी और ये भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए बेहतर तरीके से सुसज्जित होंगे। यूनिवर्सिटी का प्रस्ताव 15 नए संस्थान/रिसोर्स सेंटर स्थापित करने का है जिससे इन कार्यक्रमों की संचयी संख्या मौजूदा 28 से बढ़कर 45 हो जाएगी। इससे साइबर और होमलैंड सुरक्षा, वाइल्ड लाइफ फोरेंसिक, धोखाधड़ी का पता लगाने, ड्रग रेगुलेशंस, विस्फोटकों के परीक्षण जैसे क्षेत्रों में समाज को बहुत मदद मिलेगी। इससे जांच एजेंसियों तथा न्यायपालिका की पेशेवर दक्षता भी बढ़ेगी।	1.1 फोरेंसिक इंवेस्टीगेशन/विश्लेषण के लिए गुजरात फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी को भेजे गए मामलों में प्रतिशत वृद्धि	Q1 0% Q2 0% Q3 0% Q4 0%
	2. जयपुर, राजस्थान में ''सरदार पटेल ग्लोबल सेंटर फॉर सिक्युरिटी, काउंटर टेरोरिज्म एंड एंटी इंमरजेंसी'' की स्थापना केन्द्रीय हिस्सा: 165 करोड़ रु. (वित्त वर्ष 2017-20)	2.1 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन काउंटर टेरोरिज्म एंड एंटी इंमरजेंसी की स्थापना करने के लिए उपकरणों का प्रतिशत अधिग्रहण	Q1 20% Q2 20% Q3 20% Q4 20	**1.** सरदार पटेल यूनिवर्सिटी ऑफ पुलिस के भाग के रूप में सरदार पटेल ग्लोबल सेंटर और सिक्युरिटी, काउंटर टेरोरिज्म एंड एंटी इंसरजेसी की स्थापना। यह सेंटर आतंकवाद का मुकाबला करने में राज्य और केन्द्रीय पुलिस संगठनों की क्षमता निर्माण को बढ़ाने तथा दंड न्याय प्रणाली को सुदृढ़ बनाने में सहायक होगा। इससे अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं की और अधिक	2.1 इमरजेंसी कॉल्स में कार्रवाई करने में लगने वाले औसत समय में प्रतिशत सुधार (पूर्वोत्तर राज्यों में पुलिस द्वारा)	Q1 0% Q2 0% Q3 0% Q4 0%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	आउटपुट्स 2019-20			आउटकम्स 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20
				प्रभावी तरीके से सुरक्षा करने के लिए सुप्रशिक्षित पुलिस और अर्धसैनिक बलों के कार्मिक तैयार करने में भी मदद मिलेगी।.		
	3. अमरावती, आंध्र प्रदेश में नए हाइटैक स्टेट एफएसएल की स्थापना केन्द्रीय हिस्सा 152.00 करोड़ रु. (वित्त वर्ष - 2017-20).	3.1. नई हाइटैक स्टेट फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की स्थापना के लिए भवनों के निर्माण और उपकरणों के अधिग्रहण का प्रतिशत	Q1 20% Q2 20% Q3 20% Q4 20	3. आंध्र प्रदेश के विभाजन के बाद हैदराबाद में स्थित अनेक राज्य स्तरीय संस्थान तेलंगाना को आबंटित कर दिए गए। अमरावती में नई हाईटैक स्टेट फोरेंसिक लेबोरेटरी की स्थापना से आपराधिक मामलों को सुलझाने में राज्य सरकार को मदद मिलेगी तथा इससे विभाजित राज्य की अन्य फोरेंसिक जरूरतें पूरी होंगी।	3.1 फोरेंसिक जांच के लिए आंध्र प्रदेश से बाहर भेजे गए राज्य पुलिस के मामलों में प्रतिशत कमी	Q1 0% Q2 0% Q3 0% Q4 0%
	D. पुलिस अवसंरचना, प्रशिक्षण संस्थानों, जांच सुविधाओं आदि को अपग्रेड करने संबंधी विशेष परियोजनाओं/कार्यक्रमों के लिए पूर्वोत्तर राज्यों को सहायता - केन्द्रीय हिस्सा: 90 करोड़ रु. (वित्त वर्ष - 2017-20).	इस योजना के अंतर्गत पूर्वोत्तर राज्यों द्वारा फोरेंसिक, सूचना प्रौद्योगिकी, संचार, प्रशिक्षण संबंधी उपकरणों का प्रतिशत अधिग्रहण	Q1 0 Q2 0 Q310% Q4 10%	D पूर्वोत्तर राज्यों में पुलिस अवसंरचना, प्रशिक्षण संस्थाओं और जांच सुविधाओं के उन्नयन से उन्हें सीमा पार के आतंकवाद से निपटने, कानून एवं व्यवस्था की स्थिति में सुधार करने में मदद मिलेगी। इससे पूर्वोत्तर राज्यों के औद्योगिक और अवसंरचना विकास में भी मदद मिलेगी जिससे उन्हें मुख्य धारा में लाया जा सकेगा।	इमरजेंसी कॉल्स में कार्रवाई करने में लगने वाले औसत समय में प्रतिशत सुधार (पूर्वोत्तर राज्यों में पुलिस द्वारा)	Q1 0.5% Q2 0.5% Q3 0.5% Q4 0.5%
	ड. वामपंथी उग्रवाद से निपटने के लिए केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता					
	1. वामपंथी उग्रवाद से निपटने के लिए केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता	1.1. आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	आबंटित बजट का 100 प्रतिशत व्यय	1. इससे केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के सुरक्षा कार्मिकों की प्रचालन क्षमता और उनके कल्याण में वृद्धि होगी	1.1. आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	आबंटित बजट का 100 प्रतिशत व्यय
	च. वामंपथी उग्रवाद से सर्वाधिक रूप से प्रभावित 35 जिलों को विशेष केन्द्रीय सहायता					
	1. वामंपथी उग्रवाद से सर्वाधिक रूप से प्रभावित	1.1. आबंटित बजट का प्रतिशत	आबंटित बजट का 100 प्रतिशत व्यय	1. लोक अवसंरचना से संबंधित ऐसी गंभीर कमियों को पूरा	1.1 आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	आबंटित बजट का 100 प्रतिशत व्यय

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	आउटपुट्स 2019-20			आउटकम्स 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20
	35 जिलों को विशेष केन्द्रीय सहायता	व्यय		किया जाएगा जो तात्कालिक प्रकृति की हैं।		
	छ. एसआरई: वामपंथी उग्रवाद					
	1. वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों को सुरक्षा संबंधी व्यय की प्रतिपूर्ति	1.1. आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	आबंटित बजट का 100 प्रतिशत व्यय	1. इस योजना से वामपंथी उग्रवाद की समस्या से प्रभावी तरीके से निपटने में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों की क्षमता में वृद्धि होगी	1.1. आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	आबंटित बजट का 100 प्रतिशत व्यय
	ज. एसआरई: पूर्वोत्तर					
	1. पूर्वोत्तर राज्यों को सुरक्षा संबंधी व्यय की प्रतिपूर्ति	1.1 आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	आबंटित बजट का 100 प्रतिशत व्यय	1. इस योजना से पूर्वोत्तर में विद्रोह का मुकाबला करने के लिए सुरक्षा बलों की संभारतंत्र संबंधी आवश्यकता पूरी होगी और इससे पुलिस स्थापनाएं भी सुदृढ़ होगी तथा इससे उग्रवादी गुटों में शामिल होने वाले गुमराह युवाओं को समर्पण-सह-पुनर्वास नीति के माध्यम से मुख्य धारा में लाया जाएगा।	1.1 आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	आबंटित बजट का 100 प्रतिशत व्यय
	झ. एसआरई: जम्मू एवं कश्मीर (आर एंड आर)[25]					
	1. राज्य सरकार को की गई मासिक प्रतिपूर्ति	1.1. आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	100%	1. एसआरई (आर आर) पर व्यय	1.1. आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	100%
	ञ. एसआरई (जम्मू एवं कश्मीर): पुलिस [26]					

25

26 *जम्मू और कश्मीर सरकार: राहत और पुनर्वास पर जम्मू और कश्मीर सरकार द्वारा किए गए सुरक्षा संबंधी व्यय की प्रतिपूर्ति। एसआरई (आरएण्डआर) स्कीम के मुख्य घटक जम्मू प्रवासियों और कश्मीरी प्रवासियों को नकद सहायता, आतंकवादी हिंसा/कानून एवं व्यवस्था की घटनाओं में मारे गए सुरक्षा बलों के संबंध में अनुग्रह राहत, पैकेज के अंतर्गत रोजगार, नियुक्त किए गए कश्मीरी प्रवासियों को रोजगार, घाटी में 6000 ट्रांजिट आवासों का निर्माण और पैकेज के अन्य घटक*

[6] *प्र मुख मदें जिन पर वर्ष 2017-18 में व्यय किया गया: विशेष पुलिस अधिकारियों को मानदेय, आवास का किराया, लीज/बोर्ड/लॉज सिक्युरिटी जोन, सैनिकों को लाना-ले जाना, नजरबंदियों पर व्यय, 14वीं जेकेपी बटालियन, डीएआर 95 कंपनी, सुरक्षा बलों के लिए वैकल्पिक आवास, पुलिस के लिए सुरक्षा निर्माण कार्य, चुनाव संबंधी व्यय, बाढ़ से क्षतिग्रस्त अवसंरचना का पुनरुत्थान (रखरखाव और मरम्मत, एमएंडएस तथा वाहनों की खरीद), प्रधानमंत्री का पैकेज, 2005 (उच्च स्तरीय सुरक्षा, कानून एवं व्यवस्था), और 5 नई बटालियनों का गठन*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	आउटपुट्स 2019-20			आउटकम्स 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20
	1. एसआरई (जे एंड के) : पुलिस पर सुरक्षा संबंधी व्यय	1.1. आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	100%	1. एसआरई (जे एंड के): पुलिस पर सुरक्षा संबंधी व्यय	1.1. आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	100%
	ट. वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों में 250 फोर्टीफाइड पुलिस थानों के निर्माण सहित विशेष अवसंरचना योजना					
	1. विशेष बलों के अपग्रेडेशन और गंभीर किमयों को पूरा करने हेतु अवसंरचना, प्रशिक्षण, हथियार और वाहनों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों को सहायता, और विशेष आसूचना शाखाओं को सहायता तथा वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में 250 पुलिस थानों का निर्माण	1.1. आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	आबंटित बजट का 100 प्रतिशत व्यय	1. वामपंथी उग्रवाद के खतरे का प्रभावी तरीके से मुकाबला करने के लिए वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों का क्षमता निर्माण	1.1. आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	आबंटित बजट का 100 प्रतिशत व्यय
	ठ. वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों में नागरिक कार्रवाई कार्यक्रम और मीडिया प्लान					
	1. वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों में नागरिक कार्रवाई योजना: नागरिक क्रियाकलाप चलाने के लिए वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में तैनात केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों/सेना को निधियां मुहैया कराई जाएंगी। वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों में मीडिया एक्शन प्लान: वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में रेडियो जिंगल्स/स्पॉट्स और डॉक्युमेंट्री फिल्मों के प्रसारण के लिए एनवाईकेएस, दूरदर्शन, आकाशवाणी और डीएवीपी को निधियां प्रदान की जाती हैं,	1.1 आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	आबंटित बजट का 100 प्रतिशत व्यय	1. इस योजना से सशस्त्र बलों का मनोबल बढ़ेगा और विद्रोह/उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में उनकी तैनाती के दौरान आम लोगों के मन में उनकी अच्छी छवि बनेगी तथा इससे स्थानीय लोगों में उनके प्रति विश्वास बढ़ेगा। वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों में सरकार के विरुद्ध वामपंथी उग्रवादी कॉडरों के दुष्प्रचार का मुकाबला करने के लिए सरकार की विकास और कल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों को अवगत कराया जाता है।	1.1. आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	आबंटित बजट का 100 प्रतिशत व्यय

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	आउटपुट्स 2019-20			आउटकम्स 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20
	समाचार पत्र, मैग्जीन, पोस्टर और पैम्फ्लैट, नुक्कड़ नाटक, सोशल मीडिया तथा वार्षिक ट्राइबल यूथ एक्सेंज प्रोग्राम आदि आयोजित करने के लिए भी निधियां प्रदान की जाती हैं					
	ड. जम्मू एवं कश्मीर के युवाओं को अन्य गतिविधियों में शामिल करने संबंधी विभिन्न कार्यक्रमों					
	1. जम्मू एवं कश्मीर के युवाओं को अन्य गतिविधियों में शामिल करने संबंधी विभिन्न कार्यक्रमों, जैसे भारत दर्शन भ्रमण/वतन को जानो टूअर जैसे विभिन्न कार्यक्रमों तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना करके जम्मू एवं कश्मीर की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और जम्मू एवं कश्मीर पुलिस को निधियां प्रदान की जाती हैं।	भारत दर्शन टूअर/वतन को जानो टुअर/अन्य गतिविधियों की सं.	100	1. स्थानीय लोगों विशेष रूप से युवाओं के दिल को जीतना तथा उन्हें रचनात्मक कार्यों में लगाना और स्थानीय जनता तथा केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के बीच मधुर संबंधी स्थापित करना	आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	भारत दर्शन/वतन को जानो तथा समाज और जम्मू एवं कश्मीर के युवाओं के कल्याण के लिए केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों को 100 प्रतिशत धनराशि जारी की जाएगी
		एसआरई के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने वाले लाभार्थियों की सं.	भारत दर्शन टुअर/वतन को जानो टुअर के लिए 5000 युवाओं को ले जाया जाएगा			
		इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षित महिलाओं की सं.	जम्मू एवं कश्मीर की महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए स्थापित केन्द्रों में 750 महिलाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रशिक्षण दिया जाना है।	2. देश के अन्य भागों में हो रहे सांस्कृतिक तथा सामाजिक-आर्थिक विकास के बारे में जम्मू और कश्मीर के युवाओं और बच्चों को अवगत कराना		

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

मांग सं. 56

1. स्मार्ट सिटीज़ मिशन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
6450	1. परिवहन क्षेत्र संबंधी कार्यक्रम	1.1. स्मार्ट सड़क, गली की पुनर्रचना और स्मार्ट पार्किंग संबंधी आरंभ की गई/पूर्ण की जा चुकी परियोजनाओं की संख्या।	51	1. पर्यावरण-अनुकूल गैर-मोटरीकृत परिवहन, पैदल पार-पथ एवं चौराहे पर बेहतर सुविधाओं के जरिए सुरक्षा में सुधार	1.1 किलोमीटर में पूर्ण की गई स्मार्ट सड़कें	90
		1.2. आरंभ की गई/पूर्ण की जा चुकी सार्वजनिक बाइक शेयरिंग परियोजनाओं की संख्या।	21	2. बाइक/साइकिल का सार्वजनिक परिवहन के रूप में बढ़ता प्रयोग, पर्यावरण-अनुकूल गैर-मोट्रीकृत परिवहन को बढ़ावा, बेहतर अंतिम मील संयोजकता	2.1 बनाए गए साइक्लिंग ट्रिप्स के लिए क्षमता	प्रति दिन 27,000
	2. शहरी शासन	2.2. निर्माणाधीन/पूर्ण की जा चुके एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्रों की संख्या।	40	3. यातायात और कानून प्रवर्तन संबंधी शासन एवं प्रबंधन की बढ़ती क्षमता, बेहतर नागरिक शिकायत निवारण, शहरों की सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर आपराधिक घटनाओं में कमी, यातायात नियमों के उल्लंघन में कमी, वायु गुणवत्ता प्रबंधन के साथ-साथ ठोस/तरल अपशिष्ट प्रबंधन, जल एवं अपजल प्रबंधन में बेहतर क्षमता	3.1 उत्पादित सौर्य ऊर्जा की मात्रा	14 एमडब्ल्यूपी
	3. सार्वजनिक खुले स्थान और पार्क	3.1 सार्वजनिक क्षेत्रों, जिनमें विरासत क्षेत्र भी शामिल हैं, के विकास और नवीकरण संबंधी आरंभ की गई/पूर्ण की जा चुकी परियोजनाओं की संख्या	53	4. सर्वत्र सुलभ हरित स्थानों की बढ़ती उपलब्धता, सार्वजनिक मनोरंजक स्थानों की उपलब्धता, अधिक जीवंत सामुदायिक जीवन	4.1 प्रभावित परिवारों की संख्या	1,14,000
	4. सार्वजनिक स्थान - जल निकाय	4.1 जल निकायों के नवीकरण और नदी तटाग्र के विकास संबंधी आरंभ की गई/पूर्ण की जा चुकी परियोजनाओं की संख्या	47	5. नागरिकों के मनोरंजन एवं शारीरिक क्रियाकलापों के लिए तटीय स्थानों की बेहतर गुणवत्ता, बेहतर भूजल पुनर्भरण, वनस्पति और जीव का संरक्षण	5.1 तैयार की गई अपजल शोधन क्षमता की एमएलडी	77 एमएलडी
	5. सौर्य ऊर्जा परियोजनाएं	5.1 आरंभ की गई/पूर्ण की जा चुकी सौर्य ऊर्जा परियोजनाओं की संख्या	21	6. ऊर्जा प्रयोग हेतु जीएचजी उत्सर्जन में कमी, जीवाश्म ईंधन ऊर्जा पर निर्भरता में कमी और एबीडी में अक्षय ऊर्जा प्रयोग का बढ़ा हुआ भाग	*	

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	6. स्मार्ट जल	6.1 आरंभ की गई/पूर्ण की जा चुकी स्मार्ट जल परियोजनाओं की संख्या	43	7. गैर-राजस्व जल (एनआरडब्ल्यू) में कमी और बेहतर जल उपलब्धता	*	
	7. अपजल प्रबंधन और पुन:प्रयोग	7.2. आरंभ की गई/पूर्ण की जा चुकी स्मार्ट अपजल पुन:प्रयोग परियोजनाओं की संख्या	44	8. स्वच्छता एवं जन-स्वास्थ्य में सुधार, अपजल पुनर्चक्रण के जरिए जल संरक्षण	*	
	8. संस्थागत संरचना	8.2. बनाए जाने वाले एसपीवी की संख्या	100[31]	9. एकीकृत आयोजना और स्मार्ट शहरों के विकास की स्थिरता के लिए संस्थागत संरचना का निर्माण	*	

* संख्यात्मक लक्ष्यों को निर्धारित करने के लिए संकेतक का स्वबरूप जवाबदेह नहीं है

[31] *सभी 100 स्मार्ट शहरों में एसपीवी बनाए गए हैं, अत: वर्ष 2019-20 के लिए कोई लक्ष्य प्रस्तावित नहीं है।*

2. स्कीम: स्वच्छ भारत मिशन- शहरी (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में)	आऊटपुट 2019-20			आऊटकम 2019-20		
2019-20	आऊटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	आऊटकम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
2650	**खुले में शौच मुक्त** 1. व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों का निर्माण	1.1 निर्मित घरेलू शौचालयों की कुल संख्या (चौथी तिमाही की अनुमानित उपलब्धि और 31 मार्च, 2019 के अनुसार प्रगति= 56,97,000)	प्र01: 4,72,600 प्र02: 4,72,620 प्र03: लागू नहीं प्र04: लागू नहीं	1. इसका आऊटकम कस्बों को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) बनाना है I ओडीएफ स्तर के कारण शहरों व कस्बों में बेहतर स्वच्छता एवं सफाई संबंधी परिदृश्य होंगे और नागरिकों के सम्मान को बनाए रखते हुए अतिसारजनक व अप्रत्यक्ष रोगों की घटनाओं में कमी आएगी I (चौथी तिमाही की अनुमानित उपलब्धि और 31 मार्च, 2019 के अनुसार प्रगति= 4144)	1.1 खुले में शौच मुक्त घोषित किए गए कस्बों की संख्या	प्र01: 115 प्र02: 119
	2. सामुदायिक/ सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण	2.1 निर्मित सामुदायिक और सार्वजनिक शौचालयों/मूत्रालयों की कुल संख्या (चौथी तिमाही की अनुमानित उपलब्धि और 31 मार्च, 2019 के अनुसार प्रगति= 4,75,000)	प्र01: 16,300 प्र02: 16,288 प्र03: लागू नहीं प्र04: लागू नहीं			
	ठोस अपशिष्ट प्रबंधन 3 घर-घर जाकर 100% संग्रहण वाले वार्डों की संख्या (संचयी)	3.1 घर-घर जाकर 100% संग्रहण करने वाले वार्डों की कुल संख्या (चौथी तिमाही की अनुमानित उपलब्धि और 31 मार्च, 2019 के अनुसार प्रगति= 76,100)	प्र01: 4,170 प्र02: 4,150 प्र03: लागू नहीं प्र04: लागू नहीं	2. इसका आऊटकम, सभी कस्बों का अपशिष्ट प्रसंस्करण ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम - 2016 के अनुसार करना है I इससे कंपोस्ट, आरडीएफ, कूड़ा उठाने वालों के लिए ऊर्जा और साथ-ही-साथ उच्च आजीविका संभावनाएं, समाज के निम्न वर्गों के लिए अधिक उद्यमी संभावनाएं तथा रहने योग्य स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराया जा सकेगा I	2.1 उत्पादित अपशिष्ट का प्रसंस्करण (चौथी तिमाही की अनुमानित उपलब्धि और 31 मार्च, 2019 के अनुसार प्रगति= 77,360) (2018-19)	प्र01: 34,040 प्र02: 34,041
	4. 100% स्रोत पृथक्करण वाले वार्डों की संख्या (संचयी)	4.1 100% पूर्ण स्रोत पृथक्करण वाले वार्डों की संख्या (चौथी तिमाही की अनुमानित उपलब्धि और 31 मार्च, 2019 के अनुसार प्रगति= 53,000)	प्र01: 15,720 प्र02: 15,700 प्र03: लागू नहीं प्र04: लागू नहीं			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में)	आऊटपुट 2019-20			आऊटकम 2019-20		
2019-20	आऊटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	आऊटकम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	आईईसी/बीसीसी 5. जन स्वास्थ्य में स्वच्छता के महत्व पर विशेष रूप से ध्यानाकर्षित करते हुए जन जागरूकता एवं आईसी अभियान	5.1 रेडियो, टीवी, सोशल मीडिया और ई-लर्निंग प्रशिक्षण कार्यशालाओं में अभियान	विषयगत अभियान (मासिक) - 6	3. इसका लक्ष्य जन स्वास्थ्य में सफाई व स्वच्छता के महत्व के साथ-साथ जागरूकता फैलाना और व्यवहार में बदलाव है I यह आऊटकम पूर्णत: मात्रात्मक नहीं है, हालांकि प्रभावी वार्तालाप और जागरूकता, शहरों को कूड़ा मुक्त व खुले में शौच मुक्त बनाने तथा स्वच्छ भारत मिशन को एक 'जनांदोलन' बनाने में जनता व नागरिकों की भागीदारी को बढ़ावा देगा I	3.1 कूड़ा मुक्त शहरों, स्वच्छ मंच, स्वच्छता एप डाउनलोड करने इत्यादि के लिए स्टार रेटिंग प्रोटोकॉल में प्रतिभागी नागरिकों की संख्या	

* संख्यात्मक लक्ष्यों को निर्धारित करने के लिए संकेतक का स्वबरूप जवाबदेह नहीं है

3. एमआरटीएस और मेट्रो परियोजनाएं (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रू. में)	निर्गम 2019-20			आऊटकम 2019-20		
2019-20	आऊटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	आऊटकम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
19152	1. नई मेट्रो लाइनों का निर्माण	1.1. स्वीकृत नई परियोजनाओं की संख्या	5	1. बेहतर परिवहन और हवा की गुणवत्ता के संबंध में रहन सहन की बेहतर स्थिति संबंधी परिणाम	1.1. समय लागत बचत (करोड़ रू. में)	339.76
					1.2. वाहन प्रचालन लागत बचत (करोड़ रू. में)	298.54
		1.2. प्रचालित/शुरू की जाने वाली नई मेट्रो लाइनों की किमी0 की संख्या	40.822 किमी		1.3. उत्सर्जन बचत लागत (करोड़ रू. में)	46.78
					1.4. दुर्घटना में कमी संबंधी लागत (करोड़ रू. में)	193.02
					1.5. अवसरंचना अनुरक्षण लागत बचत (करोड़ रू. में)	57.94
	2.क्षेत्रीय द्रुत परिवहन प्रणाली लाइनों की स्वीकृति	2.1 106.60 किलोमीटर लंबे नेटवर्क वाला दिल्ली-गुरूग्राम - एसएनबी (शाहजहाँपुर-नीमराणा-बहरोड) आरआरटीएस कॉरीडोर	1	2. इससे दिल्ली में भीड़ कम होगी और प्रदूषण में कमी आएगी	2.1 एनसीआरटीसी द्वारा परियोजना की डीपीआर को अंतिम रूप दिया जा रहा है।	
	3. शहरी परिवहन आयोजना और क्षमता निर्माण स्कीम	3.1 परियोजनाओं को निष्पदित करने वाली एजेंसियों की संवर्धित क्षमता (आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण सत्रों की संख्या)	2	3 बेहतर प्रशिक्षित क्षमता (मानवीय)	3.1 प्रशिक्षित अधिकारियों की संख्या	80

4. अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में)	आऊटपुट 2019-20			आऊटकम 2019-20		
2019-20	आऊटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	आऊटकम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
7300	1. मिशन शहरों में जल आपूर्ति की सार्वभौमिक कवरेज	1.1. आरंभ की गई/पूर्ण की जा चुकी जल आपूर्ति परियोजनाओं की संख्या	आरंभ की गई : 184 पूरी की गई : 173 कुल : 357	1.सभी मिशन शहरों में 2020 तक जल आपूर्ति की सार्वभौमिक कवरेज	1.1. प्रदान किए गए नए घरेलू जल टैप कनेक्शनों की संख्या।	35 लाख नए कनेक्शन
	2. नेटवर्क युक्त सीवरेज प्रणाली, और सीवेज शोधन प्लांट (एसटीपी), जल का पुनर्चक्रण /पुन:प्रयोग	2.1. आरंभ की गई/पूर्ण की जा चुकी सीवरेज और सेप्टेज प्रबंधन परियोजनाओं की संख्या।	आरंभ की गई : 227 पूरी की गई : 46 कुल : 273	2 मिशन शहरों में सीवरेज और सेप्टेज सुविधाओं में सुधार	2.1 प्रदान किए गए नए घरेलू सीवरेज कनेक्शनों की संख्या/परिवारों को कवर करना	40 लाख नए कनेक्शन
				3 अपशिष्ट जल पुन:चक्रण/पुन:प्रयोग क्षमता की सीवेज शोधन क्षमता में सुधार	3.1 सीवेज शोधन क्षमता में वृद्धि (मिलियन ली0 प्रतिदिन में) अपशिष्ट जल पुन:चक्रण क्षमता (मिलियन ली0 प्रतिदिन)	
	3 हरित स्थलों और पार्कों का विकास	3.1 शुरू की गई/पूरी की जा चुकी हरित स्थलों और पार्कों के विकास की परियोजनाओं की संख्या	आरंभ की गई : 414 पूरी की गई : 298 कुल : 712	4 मिशन शहरों में दिव्यांग बाल अनुकूल विशेषताओं युक्त गुणवत्ता वाले हरित स्थल व पार्क प्रदान करना।	4.1 बेहतर हरित कवर क्षेत्र तथा गुणवत्ता पूर्ण सार्वजनिक स्थल / पार्क विकसित किए (वर्ग किलोमी0 में)	
	4 मिशन शहरों में बरसाती जल निकासी की व्यवस्था	4.1 आरंभ की गई/पूर्ण की जा चुकी वर्षा जल निकासी के अंतर्गत परियोजनाओं की संख्या।	आरंभ की गई : 101 पूरी की गई : 53 कुल : 154	5 शहरी बाढ़ में कमी आई है।		
	5 गैर मोटरीकृत परिवहन को प्रोत्साहन	5.1. आरंभ की गई/पूर्ण की जा चुकी गैर मोटर चालित शहरी परिवहन के तहत परियोजनाओं की संख्या।	आरंभ की गई : 96 पूरी की गई : 38 कुल : 134	6 फुटपाथ/पैदल पथ, पार्श्व पथ, पैदल पुल, मल्टीलेवल पार्किंग की उपलब्धता में वृद्धि तथा साइकिलों को प्रोत्साहन।		
	6. मिशन शहरों में सुधारों का क्रियान्वयन	6.1 सभी 500 मिशन शहरों के लिए किए गए सुधारों की निगरानी और मूल्यांकन, जिसमें क्रेडिट रेटिंग, नगरपालिका बांड जारी करना, भवन उप-नियमों की समीक्षा, ई-गवर्नेंस, ऑनलाइन बिल्डिंग परमिशन सिस्टम (ओबीपीएस), ऊर्जा	विजेताओं की पहचान करना और उनको सुधार प्रोत्साहन जारी करना (दिशानिर्देशों के अनुसार वित्तीय वर्ष के लिए बीई का 10% सुधार प्रोत्साहन के रूप में निर्धारित किया जाता है)।	7.नागरिक सेवाओं की बेहतर डिलीवरी, सेवा वितरण की लागत में कमी, संसाधनों को बढाकर और पारदर्शिता लाकर शहरी स्थानीय निकाय की वित्तीय स्थिति में सुधार आदि।	7.1.ऑनलाइन बिल्डिंग परमिशन सिस्टम (ओबीपीएस) वाले शहरों की संख्या	48 शहर
					7.2.मिशन शहरों की क्रेडिट रेटिंग (शहरों की संख्या)	19 शहर
					7.3 नगरपालिका बांड जारी करके अतिरिक्त संसाधन जुटाना (करोड रू. में)	मिशन शहरों में 500 करोड़ रुपये के म्युनिसिपल बांड।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में)	आऊटपुट 2019-20			आऊटकम 2019-20		
2019-20	आऊटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	आऊटकम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		संरक्षण के उपाय, प्रयोक्ता प्रभार लगाने और उसके संग्रहण में सुधार आदि शामिल हैं				
	7. क्षमता निर्माण गतिविधि	7.1 प्रशिक्षित नगरपालिका अधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों की संख्या	मिशन लक्ष्य को पहले ही प्राप्त कर लिया गया (मिशन लक्ष्य के प्रति 45,000 अधिकारियों और 47,024 निर्वाचित प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण दिया गया है)।	8.नगरपालिका के अधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों की क्षमता में वृद्धि	8.1 गुणात्मक संकेतक: नागरिक सेवाओं को प्रदान करने के लिए शहरों की क्षमताओं में सुधार, अधिक कुशल शासन और वित्तीय प्रक्रियाओं की शुरुआत।	

** संख्यात्मक लक्ष्यों को निर्धारित करने के लिए संकेतक का स्वबरूप जवाबदेह नहीं है*

5. प्रधान मंत्री आवास योजना - ऋण संबद्ध राजसहायता स्कीम

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में।)	आऊटपुट 2019-20			आऊटकम 2019-20		
2019-20	आऊटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2018-19	आऊटकम	संकेतक	लक्ष्य 2018-19
1000*	1. इडब्ल्यूएस, एलआईजी और एमआईजी लाभार्थियों को सब्सिडी प्रदान करना। लगभग 5 लाख इडब्ल्यूएस/ एलआईजी और मध्य आय वर्ग लाभार्थियों को आवास ऋण सब्सिडी का संवितरण।	1.1 सहायताप्राप्त इडब्ल्यूएस/ एलआईजी और मध्य आय वर्ग के लाभार्थियों की संख्या(लाख में)	5.0	1. मिशन में सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के शहरी गरीब लाभार्थी शामिल है। आवास के स्वामित्व के द्वारा मालिकाना हक और महिला सशक्तिकरण। पर्याप्त भौतिक और सामाजिक अवसंरचना के साथ जल, किचन, विधुत और शौचालय जैसी बुनियादी सेवाओं वाली सभी मौसम अनुकूल स्वामित्व वाली आवासीय ईकाइयां प्रदान करके शहरी लाभार्थियों ईडब्ल्यूएस/एलआईजी और एमआईजी) के लिए गरिमामयी रहने की स्थिति। संगत सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) प्राप्त करना।	1.1 प्रतिशत में आवासों का अधिभोग	75 प्रतिशत

6. प्रधानमंत्री आवास योजना (अन्य घटक) -एएचपी, आईएसएसआर और बीएलसी

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	आऊटपुट 2019-20			आऊटकम 2019-20		
2019-20	आऊटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	आऊटकम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
5853.26*	1. राज्यों द्वारा अनुमोदित 19.2 लाख आवासों को केंद्रीय सहायता की मंजूरी 35 लाख आवासों को पूरा करने के लिए धनराशि जारी की जानी हैं। राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा 20 लाख आवासों को पूरा किया गया| 75 प्रतिशत आवासों का अधिभोग (%)	1.1. मंजूर आवासों की संख्या (सं. लाख में)	19.62	1. मिशन में सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के शहरी गरीब लाभार्थी शामिल है। आवास के स्वामित्व के द्वारा मालिकाना हक और महिला सशक्तिकरण। पर्याप्त भौतिक और सामाजिक अवसंरचना के साथ जल, किचन, विधुत और शौचालय जैसी बुनियादी सेवाओं वाली सभी मौसम अनुकूल स्वामित्व वाली आवासीय ईकाइयां प्रदान करके स्लम पुनर्वास सहित शहरी लाभार्थियों (ईडब्ल्यूएस/एलआईजी औरएमआईजी)गरिमामयी रहने की स्थिति। संगत सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) प्राप्त करना।	1.1.प्रतिशत में आवासों का अधिभोग (%)	75%
		1.2. आवासों की संख्या जिनके लिए राशि जारी की (लाख में)	35			
		1.3 पर्याप्त बुनियादी सेवाओं और अवसंरचना के साथ निर्माण किए गए आवासों की संख्या(	20			

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	आऊटपुट 2019-20			आऊटकम 2019-20		
2019-20	आऊटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	आऊटकम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		लाख में)				
		1.4. अधिभोग किए गए आवासों की संख्या (लाख में)	4.2			

* *ईबीआर के माध्यम से जुटाए गए ऋणों के लिए 3000 करोड़ रुपए का ब्याज भुगतान शामिल है।*

7. राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	आऊटपुट 2019-20			आऊटकम 2019-20		
2019-20	आऊटपुट	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	आऊटकम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
750	1.रोजगारोन्मुखी कौशल विकास प्रशिक्षण और स्वयं सहायता समूह के साथ सूक्ष्म उद्यमिता के लिए सहायता	1.1. कौशल प्रशिक्षण प्रदान किए गए व्यक्तियों की संख्या (अल्पसंख्यकों के लिए अलग-अलग डेटा के साथ)	525000	1 शहरी गरीबों की बेहतर आजीविका।	1.1. नियोजित कौशल प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या (अल्पसंख्यकों के लिए अलग-अलग डेटा के साथ)	सफलतापूर्वक प्रशिक्षित उम्मीदवारों का 70%।
		1.2. सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना करने में सहायता प्रदान किए गए व्यक्तियों की संख्या (अल्पसंख्यकों के लिए अलग-अलग डेटा के साथ)	52500	2. लाभार्थियों की आय अर्जन क्षमता में सुधार	2.1 लाभार्थियों की आय में परिवर्तन	*
		1.3. गठित किए गए स्वयं सहायता समूहों की संख्या	60000			
		1.4. अपफ्रन्ट आवर्ती कोष (आरएफ) प्रदान किए गए स्वयं सहायता समूहों की संख्या।	45000			
		1.5. बैंक लिंकेज कार्यक्रम के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों को ऋणों की संख्या।	52500			
	3. शहरी बेघरों के लिए आश्रय का प्रावधान	2.1 संचालित आश्रयों की संख्या	60	3. शहरी बेघरों लोगों के लिए एक सम्मानजनक रहने योग्य स्थान वाले आश्रयों की उपलब्धता''।	3.1. पहचान किए गए शहरी बेघरों के प्रतिशत के रूप आश्रयों की क्षमता।	*
	4. शहरी पथ विक्रेताओं को सहायता उपलब्ध कराना	4.1 शहरों को पथ विक्रेताओं का सर्वेक्षण पूरा करना है	150	4. पथ विक्रेताओं की आजीविका के संरक्षण के लिए पथ विक्रेता अनुकूल शहरी आयोजना	4.1 पहचान पत्र जारी किए गए पथ विक्रेताओं की संख्या	*

* संख्यात्मक लक्ष्यों को निर्धारित करने के लिए संकेतक का स्वबरूप जवाबदेह नहीं है

8. सामान्य पूल आवास रिहाइशी (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संसूचक (एस)	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संसूचक (एस)	लक्ष्य 2019-20
1552.58	1. सामान्य पूल आवास अवसंरचना विकास का निर्माण	1.1 संस्वीकृत परियोजनाओं और निर्माणाधीन परियोजनाओं की संख्या 1.2 संस्वीकृत और आयोजना अधीन, डिजाइन और निपटान स्तरपर परियोजनाओं की संख्या 1.3 संस्वीकृति के लिए प्राप्त प्रस्तावों/ प्राक्कलनों की संख्या 1.4 पूरी कर ली गई परियोजनाओं की संख्या	3 6 9 1	1. उचित आधारभूत सेवाओं सहित सरकारी आवासों की उपलब्धता में वृद्धि	1.1 प्रदान किए गए नए रिहायशी यूनिटों की संख्या	322 यूनिट
				2. सरकारी कर्मचारियों में संतुष्टि स्तर में वृद्धि	2.1 पूरे किए गए रिहाइशी मांग गैप का प्रतिशत (%में)	325/**22527= 0.014** 'लगभग 1.44%'

9. सामान्य पूल आवास: गैर-रिहायशी (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संसूचक (एस)	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संसूचक (एस)	लक्ष्य 2019-20
1333.95	1. सामान्य पूल आवास अवसंरचना विकास का निर्माण	1.1 संस्वीकृत परियोजनाओं और निर्माणाधीन परियोजनाओं की संख्या	3	1. उचित आधारभूत आपूर्ति सहित सरकारी कार्यालय परिसरों की उपलब्धता में वृद्धि	1.1 केंद्र सरकार के विभागों और मंत्रालयों को प्रदान किए गए कार्यालय स्थल (वर्ग^{2}में)	23147 मीटर^2
		1.2 संस्वीकृत और आयोजना अधीन, डिजाइन और निपटान स्तर पर परियोजनाओं की संख्या	2			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संसूचक (एस)	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संसूचक (एस)	लक्ष्य 2019-20
		1.3 संस्वीकृति के लिए प्राप्त प्रस्तावों/ प्राक्कलनों की संख्या	10		1.2 पूरे किए गए रिहाइशी मांग अनुपलब्धता का प्रतिशत (कुल मांग का%)[27]	23147/945797 = 0.024' लगभग '2.5%'
		1.4 पूरी कर ली गई परियोजनाओं की संख्या	3			

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

मांग सं. 57

स्कूल और साक्षरता विभाग

1. समग्र शिक्षा अभियान (सीएसएस)

वित्तीय विवरण (करोड़ रुपए में)	निर्गम *2019-20*			परिणाम *2019-20*		
2019-20	निर्गम	संकेतक	2019-20	निर्गम	संकेतक	2019-20
36322	1. पहुंच, रिटेंशन और अवसंरचना	1.1 उच्च प्राथमिक	2	1. आरटीई अधिनियम, 2009 के प्रावधानों के तहत प्रोत्साहन के रूप में अवसंरचना और अन्य सुविधाएं प्रदान कर पहुंच, रिटेंशन, अंतरण बढ़ाना और स्कूल छोड़ने की दर कम करना।	1.1 प्रारंभिक स्तर पर कुल नामांकन अनुपात (एनईआर)	92%
		1.2 माध्यमिक	10		1.2 माध्यमिक स्तर पर सकल नामांकन अनुपात (जीईआर)	83.30%
		1.3 माध्यमिक से उच्च माध्यमिक में उन्नयन	10		1.3 वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर सकल नामांकन अनुपात (जीईआर)	62%
		1.4 अतिरिक्त स्ट्रीम सहित उच्चतर माध्यमिक	10		1.4 प्राथमिक से उच्च प्राथमिक स्तर तक अंतरण दर	93%
		1.5 सुदृढ़ीकरण के तहत कवर स्कूलों की संख्या (अतिरिक्त कक्षा-कक्षों सहित)	8668		1.5 अंतरण दर (कक्षा 8 से 9) अंतरण दर (कक्षा 10 से 11)	94.50% 74%
		1.6 खोले गए नए रिहायशी स्कूल/हास्टलों की संख्या	6		1.6 माध्यमिक स्तर पर सकल पहुंच अनुपात (जीएआर)	89.92%
		1.7 स्कूल से बाहर के बच्चों की संख्या जिन्हें विशेष प्रशिक्षण दिया गया (प्रारंभिक	689077		1.7 प्रारंभिक स्तर पर मुख्यधारा में लाए गए स्कूल के बाहर के बच्चे	100% पीएबी लक्ष्य

[27] *वर्तमान में, कार्यालय परिसर मांग अनुपलब्धता लगभग 945797 मीटर² है, जिसमें से 23147 मीटर² स्थानों का निर्माण किया जाएगा।मांग और आपूर्ति में उत्तर परिवर्तनशील हैं क्योंकि इसमें स्कीम से इतर विभिन्न कारणों से परिवर्तन हो सकता है।*

वित्तीय विवरण (करोड़ रुपए में)	निर्गम *2019-20*			परिणाम *2019-20*		
2019-20	निर्गम	संकेतक	2019-20	निर्गम	संकेतक	2019-20
		स्तर पर)				
		1.8 परिवहन और स्कार्ट सुविधा प्रदत्त बच्चों की संख्या	242305		1.8 धारा 12 (1) (ग) के अंतर्गत नामांकित बच्चों की संख्या	100% पीएबी लक्ष्य
		1.9 धारा 12(1)(ग) के तहत कवर किए गए बच्चों की संख्या (आरटीई अधिनियम 12(1)(ग) के तहत प्रवेश के 25 प्रतिशत हेतु किए गए व्यय संबंधी प्रतिपूर्ति	1858254			
	2. गुणवत्ता	2.1 नि:शुल्क वर्दी प्राप्त बच्चों की संख्या	63059448	2. गुणवत्ता शिक्षा में सुधार करना और छात्रों के निष्कर्ष अधिगम को बढ़ाना	2.1 विषयवार और ग्रेडवार निष्कर्ष अधिगम प्राप्त करने वाले बच्चों के प्रतिशत में वृद्धि (लक्ष्य केवल तभी निर्धारित किया जा सकता है जब आकलन किया जाता है); ड्रॉपआउट कम करना	प्रारंभिक स्तर पर 3.6% तक और माध्यमिक स्तर पर 14.06 % तक वार्षिक ड्रापआउट दर को कम करना
		2.2 नि:शुल्क पाठ्यपुस्तकें प्राप्त बच्चों की संख्या	59756579			
		2.3 उपचारी शिक्षा प्रदत्त बच्चों की संख्या	21526810			
		2.4 पुस्तकालय सुविधा प्रदत्त स्कूलों की संख्या	682906			
		2.5 खेल उपकरण सुविधा प्रदत्त स्कूलों की संख्या	678111			
	3. आईसीटी और डिजिटल पहलें	3.1 आईसीटी और डिजिटल पहलों के तहत कवर किए गए स्कूलों की संख्या	1868			
	4. शिक्षक शिक्षा	4.1 नए डाइट की स्वीकृत संख्या	2	3. शिक्षक शिक्षा संस्थाओं की विभिन्न गतिविधियों की सम्पूर्ण गुणवत्ता में सुधार करना और उनकी कार्यपद्धित का सुदृढ़ीकरण करना	3.1 शिक्षक व्यवसायिक विकास में सुधार करना	
		4.2 प्रशिक्षित शिक्षक प्रशिक्षकों की संख्या	391			
		4.3 सेवाकालीन प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षकों की संख्या	3526892			
		4.4 प्रधानाध्यापकों सहित प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शैक्षिक प्रशासकों की संख्या	3745			
	5. कौशल विकास	5.1 व्यावसायिक शिक्षा के तहत शामिल नए स्कूलों की संख्या	760	4. शिक्षा के व्यवसायीकरण को बढ़ावा देना	4.1 जीईआर में समग्र सुधार, शिक्षा की गुणवत्ता और स्कूल छोड़ने की दर को कम करना	*

वित्तीय विवरण (करोड़ रुपए में)	निर्गम *2019-20*			परिणाम *2019-20*		
2019-20	निर्गम	संकेतक	2019-20	निर्गम	संकेतक	2019-20
	6. महिला पुरूष	6.1 नए कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) की सं.	0*	5. बालिकाओं पर विशेष ध्यान देते हुए स्कूल शिक्षा में सामाजिक और लिंग अंतराल को कम करना और एससी, एसटी, अल्पसंख्यक और सीडब्ल्यूएसएन से संबंधित बच्चों के लिए सभी स्तरों पर न्यायोचित और समावेशी शिक्षा सुनिश्चित करना - छात्रों की स्कूल छोड़ने की दर को कम करना	5.1 प्राथमिक स्तर पर लिंग समानता सूचकांक (जीपीआई	1
		6.2 कक्षा VIII से कक्षा X तक प्रोन्नयन किए गए कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) संख्या	207		5.2 माध्यमिक स्तर पर महिला-पुरुष अंतराल	1
		6.3 कक्षा VIII से कक्षा XI। तक प्रोन्नयन कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) की संख्या	183		5.3 वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर लिंग अंतराल	1
		6.4 छात्राओं के लिए अलग शौचालय की व्यवस्था	9608			
		6.5 छात्राओं के लिए आत्म-रक्षा प्रशिक्षण प्रदान करने वाले स्कूलों की संख्या	165453			
	7. समानता और समावेशी शिक्षा	7.1 छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाली विशेष आवश्यकता वाली छात्राओं (सीडब्ल्यूएसएन) की संख्या	534166		5.4 सीडब्ल्यूएसएन छात्राओं के नामांकन में सुधार	0.5%
		7.2 वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले विशेष प्रशिक्षकों की संख्या	20000			

* संख्यात्मक लक्ष्यों को निर्धारित करने के लिए संकेतक का स्वबरूप जवाबदेह नहीं है

2. स्कूलों में मध्याह्न भोजन का राष्ट्रीय कार्यक्रम (सीएसएस)

वित्तीय विवरण (करोड़ रुपए में)	निर्गम *2019-20*			परिणाम *2019-20*		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य *2019-20*	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य *2019-20*
11000	1. पात्र स्कूलों में बच्चों को मुफ्त भोजन का प्रावधान।	1.1 वास्तविक लाभार्थी	9.52 Cr	1. उपस्थिति में सुधार करना।	1.1 100 % पीएबी अनुमोदन के रूप में औसत आधार पर मिड डे मील का लाभ उठाने वाले बच्चों की संख्या।	100% पीएबी का अनुमोदन
	2. एनपी-एमडीएमएस 2019	2.1 एनपी-एमडीएमएस के	सभी पात्र	2. शिक्षा में महिला-पुरूष	2.1 प्रारंभिक शिक्षा में एनईआर	92%

वित्तीय विवरण (करोड़ रुपए में)	निर्गम *2019-20*			परिणाम *2019-20*		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य *2019-20***	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य *2019-20***
	दिशानिर्देश	अनुरूप पाए गए कुल स्कूलों की संख्या	विद्यालय (11.34 लाख स्कूल)	और सामाजिक अंतर में कमी।	में वृद्धि।	
	3. खाद्यान्न का पर्याप्त आवंटन	3.1 एमडीएम के लिए एफसीआई के पास उपलब्ध कुल खाद्यान्न स्टॉक	27 लाख एमटी	3. सभी पात्र विद्यालयों में भोजन तैयार करना।	3.1 उपयोग किए गए खाद्यान का प्रतिशत।	95%
	4. स्कूलों में अवसंरचना का प्रावधान	4.1 रसोई-सह-स्टोर की कुल 10.06 लाख इकाई	सभी पात्र विद्यालय	4. सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण में भोजन तैयार करना जहां किसी तरह की कोई घटना ना हो।	4.1 किचन कम स्टोर वाले 100% स्कूल और घटनाओं रहित वातावरण में भोजन को तैयार करना	किचन कम स्टोर वाले 100% स्कूल
	5. स्कूल पोषण गार्डन	5.1 स्कूल पोषण गार्डन वाले स्कूलों की संख्या	11.34 लाख स्कूल	5. सभी पात्र स्कूलों की संख्या	5.1 स्कूल पोषण गार्डन वाले स्कूलों का प्रतिशत	%100पात्र स्कूल

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

मांग सं. 58

उच्चतर शिक्षा विभाग

1.. उच्चतर शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी [हेफा] (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रू. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2019-20
2100	1. अत्याधुनिक अनुसंधान प्रयोगशाला और अन्य अवसंरचना का सृजन करने के लिए वित्त पोषित शैक्षिक संस्थानों	1.1. वर्ष के दौरान अवसंरचना में सुधार के लिए निधियन प्राप्त केंद्रीय शैक्षिक संस्थाओं की संख्या	80	1. प्रबल शिक्षण और अनुसंधान सुविधाओं वाले प्रमुख संस्थाओं के रूप में उभरने वाली संस्थाएं	1.1. केंद्रीय शैक्षिक संस्थाओं० (सीईआई) की संख्या जिन्होंने अपनी रैंकिंग में सुधार किया है।	0*
		1.2. स्वीकृत ऋण की संख्या	रू. 20,000 करोड़	2. अवसंरचना के लिए बजटीय निधियन में कमी	2.1. अवसंरचना के लिए सरकारी बजटीय सहायता में % कमी	***

				3. पीएचडी की संख्या में वृद्धि, विदेशी विश्वविद्यालय में पीएचडी में प्रवेश लेने वाले छात्र, पेटेंट, प्रकाशन, अनुवाद संबंधी अनुसंधान और सामाजिक प्रासंगिकता	3.1. सहकर्मी समिक्षित विदेशी पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध दस्तावेजों की सं./ पेटेंट। सामाजिक रूप से प्रासंगिक क्षेत्रों में प्राप्त एप्लीकेशन और क्षेत्र परियोजनाओं में वृद्धि।	0**

* इस जानकारी का आकलन करना और इसे प्रदान करना 3 वर्षों के बाद संभव होगा (परिसर का निर्माण होने और कार्यात्मक होने के बाद परिलक्षित किया जाएगा)

**लक्ष्य दिया जाना संभव नहीं जब तक परियोजना के पूरा होने के बाद संकाय और छात्रों की व्यवस्था न हो।

*** इस संकेतक के लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता क्योंकि यह एक मांग आधारित स्कीम है।

2. गारंटी निधियों के लिए ब्याज सब्सिडी और अंशदान (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रू. में)	**निर्गम** 2019-20			**परिणाम** 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2019-20	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2019-20
1900	1. योजना के तहत ब्याज सब्सिडी दावों की विमुक्ति	1.1. छात्रों को ब्याज सब्सिडी दावों की सं. जो योजना (नई/नवीकृत) के तहत कवर हैं	5 लाख	1. व्यावसायिक/ तकनीकी पाठ्यक्रमों तक अधिक पहुंच	1.1. छात्रों की सं. जिन्होंने उच्चतर शिक्षा का दिया गया स्तर सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है (व्यावसायिक/तकनीकी पाठ्यक्रम) (नवीकरण)	3.5 लाख
	2. "शिक्षा ऋण के लिए ऋण गारंटी निधि".	2.1. गारंटीकृत किए जाने वाले छात्रों की खातों की कुल सं.	1.2 लाख	2. ऋण देने वाले बैंकों पर एनपीए बोझ में कमी जिससे उनके भीतर अधिक पात्र छात्रों को कवर करने का विश्वास बढ़ेगा।	2.1. गारंटी निधि के तहत कवर ऋणों की संख्या में वृद्धि।	1.2 लाख

3. भारत सरकार का तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (ईएपी) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रू.करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
950	1. इंजीनियरिंग छात्रों के लिए गेट परीक्षा जैसी निर्गम परीक्षा का कार्यान्वयन	1.1 फ़ोकस वाले राज्यों में सहभागिता करने वाले संस्थाओं का प्रतिशत जो अंतिम वर्ष के इंजीनियरिंग छात्रों को एक्ज़िट परीक्षा (जैसे गेट आदि) देने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करते हैं	कम से कम 70 प्रतिशत विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने वाले 60% संस्थाएं	1. छात्र अधिगम निष्कर्षों और नियोजना वृद्धि	1.1 छात्रों के औसत अंक में वृद्धि	5% की वृद्धि
					1.2 प्रतिभागी संस्थानों (फोकस वाले राज्यों में) में प्रथम वर्ष से दूसरे वर्ष में में जाने वाले इंजीनियरिंग छात्रों की अंतरण दर	फोकस राज्यों में 60%
					1.3 प्रतिभागी संस्थानों (बिना फोकस वाले राज्यों में) में प्रथम वर्ष से दूसरे वर्ष में में जाने वाले इंजीनियरिंग छात्रों की अंतरण दर	बिना फोकस वाले राज्यों में 77%
	2. संस्थानों द्वारा प्रकाशित वार्षिक रिपोर्ट	2.1 निर्धारित प्रारूप में वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित करने वाले संस्थानों की संख्या	85%	2. अनुसंधान और संकाय को सुदृढ़ करने के माध्यम से इंजीनियरिंग संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा को बढ़ाना	2.1 प्रतिभागी संस्थानों में इंजीनियरिंग विषयों में कुल नामांकन में पीएचडी छात्रों का %	3.20%
	3. फोकस वाले राज्यों में इंजीनियरिंग शिक्षा संस्थान जहाँ परियोजना में भागीदारी हेतु समर्थकारी तंत्र मौजूद हैं	3.1 फोकस वाले राज्यों में इंजीनियरिंग शिक्षा संस्थान tgka परियोजना में भागीदारी हेतु समर्थकारी तंत्र मौजूद हैं	87		2.2 ए आई सी टी इ के मानदंडों (फोकस वाले राज्यों में) के अनुसार सहभागी संस्थानों में अनुबंध, नियमित या अनुबंध संकाय द्वारा भरे गए स्वीकृत संकाय पदों का%	फोकस वाले राज्यों में 85%
	4. नए डिज़ाइन किए गए अनुसंधान-केंद्र से संबंधित गतिविधियों में भाग लेने वाले संबद्ध संस्थान	4.1 अनुसंधान-केंद्र से संबंधित गतिविधियों में भाग लेने वाले संबद्ध संस्थानों की संख्या	30		2.3 एआईसीटीई मानदंडों (बिना - फोकस वाले राज्यों में) के अनुसार सहभागी संस्थानों में अनुबंध, नियमित या अनुबंध संकाय द्वारा भरे गए स्वीकृत संकाय पदों का%	बिना-फोकस वाले राज्यों में 85%
	5. विषय क्षेत्र शिक्षाशास्त्र, या प्रबंधन में सहभागी संस्थानों के प्रशिक्षित संकाय	5.1 विषय क्षेत्र शिक्षाशास्त्र, या प्रबंधन में सहभागी संस्थानों के प्रशिक्षित संकाय की संख्या	2500		2.4 संस्थान के कुल राजस्व के संबंध में बाह्य वित्त पोषित परियोजनाएं / परामर्शी कार्यों का %	7%
	6. कार्यक्रम में संस्थानों की	6.1 सहभागी संस्थानों	175			

वित्तीय परिव्यय (रू.करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	भागीदारी	की संख्या				

4. राष्ट्रीय उच्चवार शिक्षा अभियान (रूसा) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रू.करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
2,100	1. मौजूदा स्वायत्त कॉलेजों के उन्नयन के माध्यम से विश्वविद्यालय का निर्माण	1.1. मौजूदा स्वायत्त कॉलेज के उन्नयन के माध्यम से बनाये गए विश्वविद्यालय कुल संख्या, जिसके लिए 2019-20 में केंद्रीय अनुदान जारी किया गया है	7	1. स्वायत्त कॉलेजों के उन्नयन के माध्यम से संस्थान की गुणवत्ता में वृद्धि	1.1. प्रारम्भ किये गए अवर स्नातक/ स्नात्तकोत्तरण पाठ्यक्रमों की संख्या	3
					1.2 प्रारम्भ किये गए नवाचारी पाठ्यक्रमों की संख्या	2
					1.3 पीएचडी / अनुसंधान कार्यक्रमों की संख्या	1
	2. कॉलेजों के समूहन द्वारा विश्वविद्यालयों का निर्माण	2.1 कॉलेजों के क्लस्टरिंग द्वारा बनाए गए विश्वविद्यालयों की कुल संख्या जिसके लिए 2019-20 में केंद्रीय अनुदान जारी किया गया है	7	2. क्लस्टर विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता	2.1 प्रारम्भ किये गए अवर स्नातक/ स्नात्तकोत्तरण पाठ्यक्रमों की संख्या	3
					2.2 प्रारम्भ किये गए नवाचारी पाठ्यक्रमों की संख्या	2
					2.3। पीएचडी / अनुसंधान कार्यक्रमों की संख्या	1
	3. नए व्यावसायिक कॉलेज	3.1 व्यावसायिक कॉलेजों की कुल संख्या जिसके लिए 2019-20 में केंद्रीय अनुदान जारी किया गया है	25	3. पहुंच और समानता में वृद्धि	3.1 नामांकित छात्रों की संख्या	300
					3.2 नामांकित छात्राओं की संख्या	180

वित्तीय परिव्यय (रू.करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	4. मॉडल कॉलेजों का डिग्री कॉलेजों में उन्नयन	4.1 मॉडल कॉलेजों में अपग्रेड किए गए डिग्री कॉलेजों की संख्या जिसके लिए 2019-20 में केंद्रीय अनुदान जारी किया गया है	80	4. पहुंच और समानता में सुधार	4.1 2018-19 की तुलना में नामांकित छात्रों की संख्या में वृद्धि	200
					4.2 2018-19 की तुलना में नामांकित छात्राओं की संख्या में वृद्धि	80
					4.3 उन कॉलेजों का प्रतिशत जिनमे विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली शुरू की गयी	100%
	5. अनुसंधान, नवाचार और गुणवत्ता में सुधार हेतु अनुदान	5.1 उन राज्यों की संख्या जहां से अनुसंधान प्रस्तावों को स्वीकार किया गया और नवाचारों को मंजूरी दी गयी जिसके लिए 2019-20 में केंद्रीय अनुदान जारी किया गया है	15	5. अनुसंधान की गुणवत्ता में वृद्धि	5.1 पीएचडी / पोस्ट डॉक्टरेट पूरा कर चुके छात्रों की संख्या	000
					5.2 किये गए विदेशी सहयोग की संख्या	10
					5.3 लाभार्थी संस्थानों की संख्या जिसमें पाठ्यचर्या सुधार किया गया	5
	6. नए मॉडल कॉलेज (सामान्य)	6.1 नए मॉडल कॉलेजों की कुल संख्या जिसके लिए 2019-20 में केंद्रीय अनुदान जारी किया गया है	80	6. पहुंच और समानता में वृद्धि	6.1 नामांकित छात्रों की संख्या	300
					6.2 नामांकित छात्राओं की संख्या	180
	7. विश्वविद्यालयों में अवसंरचना सुधार	7.1 अवसंरचना में सुधार के माध्यम से प्रोन्नत किये गए विश्वविद्यालयों की संख्या जिसके लिए 2019-20 में केंद्रीय अनुदान जारी किया गया है	115	7. विश्वविद्यालयों में मौजूदा सुविधाओं की गुणवत्ता में सुधार	7.1 विश्वविद्यालयों में बनायीं गयी डिजिटल / स्मार्ट कक्षाओं की संख्या	15
					7.2 भाषा प्रयोगशालाओं की संख्या	5
					7.3 बनाए गए छात्रावासों की संख्या	10
					7.4 2018-19 के दौरान प्रत्यायित संस्थानों को लाभार्थियों के आयु % में वृद्धि	10%
	8. कॉलेजों के बुनियादी ढांचे में सुधार	8. बुनियादी ढांचे में सुधार के माध्यम से उन्नत कॉलेजों की संख्या जिसके	1000	कॉलेजों में मौजूदा सुविधाओं की गुणवत्ता में वृद्धि	8.1 डिजिटल / स्मार्ट कक्षाओं की संख्या	5
					8.2 भाषा प्रयोगशालाओं की संख्या	5

वित्तीय परिव्यय (रू.करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		लिए 2019-20 में केंद्रीय अनुदान जारी किया गया है			8.3 बनाए गए छात्रावासों की संख्या	25
					8.4 2018-19 के दौरान प्रत्यायित संस्थानों को लाभार्थियों के आयु % में वृद्धि	5%
	संकाय / शिक्षकों / प्रशासकों के लिए व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण (आवश्यकता आधारित) के अवसर	9.1 रूसा के तहत स्वीकृत एचआरडीसी की संख्या	8	9. शैक्षिक प्रशासकों का गुणवत्ता संवर्धन	9.1. शैक्षणिक प्रशासकों का एक पूल तैयार करना	700

जल शक्ति मंत्रालय

मांग सं. 60

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

1 राष्ट्रीय नदी संरक्षण कार्यक्रम- (केंद्र क्षेत्र स्कीम):

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निर्गम*	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*	*परिणाम*	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*
1220	गंगा में गंदे पानी को सीधे गिरने से रोककर गंगा नदी की सुरक्षा, स्थिरता और संरक्षण	सीवेज परिशोधन संयंत्रों की संख्या	90 (2018-19 के लक्ष्य समेत)	2022 तक स्नान के लिए निर्धारित मानकों को प्राप्त करने हेतु जल गुणवत्ता में सुधार	बेहतर जल गुणवत्ता	बीओडी की कमी और डीओ में वृद्धि के रूप में जल गुणवत्ता में सुधार किया जाना है।
		सीवेज परिशोधन क्षमता (एमएलडी)	1500 (2018-19 के लक्ष्य सहित)			

2. राष्ट्रीय गंगा योजना और घाट निर्माण कार्य - नमामि गंगे (केंद्र क्षेत्र स्कीम)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	*लक्ष्य 2019-20*
750						

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	*लक्ष्य 2019-20*
	1. गंगा में औद्योगिक कचरे के प्रत्यक्ष निस्सरण के विनियमन द्वारा प्रदूषण में कमी और जल गुणवत्ता की निगरानी के	अनुपालन न करने वाले सकल प्रदूषणकारी उद्योगों की संख्या में कमी	150	2022 तक स्नान के लिए निर्धारित मानकों को प्राप्त करने हेतु जल गुणवत्ता में सुधार	बीओडी की मात्रा में परिवर्तन	≤ 3 मिग्रा/ली
		स्थापित जल गुणवत्ता निगरानी केंद्रों की संख्या (मैनुअल और तत्काल समय)	40 तत्काल जल गुणवत्ता निगरानी केंद्र		डीओ की मात्रा में परिवर्तन	≥ 5 मिग्रा/ली
	1. गंगा में गंदे पानी को सीधे गिरने से रोककर गंगा नदी की सुरक्षा, स्थिरता और संरक्षण	सीवेज परिशोधन संयंत्रों की संख्या	40 (2018-19 के लक्ष्य समेत)	2022 तक स्नान के लिए निर्धारित मानकों को प्राप्त करने हेतु जल गुणवत्ता में सुधार	बेहतर जल गुणवत्ता	बीओडी की कमी और डीओ में वृद्धि के रूप में जल गुणवत्ता में सुधार किया जाना है।
		सीवेज परिशोधन क्षमता (एमएलडी)	1000 (2018-19 के लक्ष्य सहित)			
	3. नदी के किनारों पर सफाई बनाए रखना और सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यों के लिए बेहतर अवसंरचना	घाटों का निर्माण/ आधुनिकीकरण	85 (वर्ष 2018-19 के 75 के लक्ष्य समेत)	जन सहभागिता के लिए सामाजिक पहुंच को बढ़ाना और स्वास्थ्यकर तथा स्वच्छ पद्धतियों को बढ़ावा।	घाटों और मोक्ष धामों में लोगों की आवाजाही को बढ़ाना	लोगों को गंगा नदी के अधिक करीब लाने के लिए घाटों और मोक्ष धामों पर लोगों की आवाजाही में सुधार
	4. अंतिम संस्कार, गंगा नदी में अधजले शरीरों को बहाने से रोकने हेतु बेहतर अवसंरचना।	शवदाहगृहों का निर्माण/विकास करना।	36 (2018-19 के लक्षित 26 सहित)			
	5. आईईसी कार्यकलाप।	मेला/सामूहिक स्नान/प्रदर्शनियों/ प्रतियोगिताओं/ विज्ञापनों में आईईसी कार्यकलाप/सोशल मीडिया का उपयोग तथा निरंतर चलने वाले कार्यकलाप।	पूरे वर्ष में 15 दिनों के सामूहिक जागरूकता कैंपेनों सहित (गंगा स्वच्छता पखवाड़ा, स्वच्छता ही सेवा तथा वृक्षारोपण अभियान आदि) में लगभग 50 कार्यकलाप, स्थानीय त्योहारों तथा अवसरों के दौरान विभिन्न आयोजन (कांवड़ यात्रा, चार धाम यात्रा, गढ़मुक्तेश्वर मेला, माघ मेला, कुंभ मेला, दीप दीपावली तथा कार्तिक	आईईसी कार्यकलापों के माध्यम से जागरूकता तथा व्यवहार में परिवर्तन लाना।	जनता के बीच बढ़ती हुई जागरूकता।	सहभागिता की दृष्टि से विभिन्न कार्यकलापों में बढ़ती हुई जागरूकता।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	*लक्ष्य 2019-20*
			पूर्णिमा आदि) (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले, अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक त्योहार), प्रतियोगिताओं आदि के दौरान प्रदर्शनियां।			
	6. जैव-विविधता संरक्षण तथा गंगा पुनरूद्धार।	स्थानीय समुदायों की मदद से जख्मी जानवरों को कम से कम पकड़कर चयनित जलीय प्रजातियों में जोखिम को कम करना। (विवरण: यह माना जाता है कि स्थानीय समुदायों को शामिल करके बेहतर संरक्षण प्रयासों के द्वारा जलीय प्रजातियों को होने वाली क्षति की घटनाओं को कम किया जा सकेगा। अतः क्षतिग्रस्त जानवरों की संख्या संरक्षण कार्यक्रम की सफलता का एक संकेतक है।)	1. अन्य अभिकरणों हेतु पुनरावृत्ति हेतु मॉडल रेस्क्यू के संस्थापन तथा केन्द्र के पुनर्वास के लिए कार्ययोजना तैयार करना। 2. संरक्षण और पुनरूद्धार योजनाओं में स्थानीय समुदायों को शामिल करना। (विवरण: तस्करी आदि के द्वारा होने वाली क्षति को कम करना स्थानीय समुदाय को एक साथ करने का लक्ष्य है। इसके अतिरिक्त, क्षतिग्रस्त प्रजातियों का बचाव तथा केन्द्र का पुनर्वास करना मददगार होगा।)	प्रतिष्ठित प्रजातियों की उपलब्धता में वृद्धि तथा गंगा नदी की वितरण रेंज में सुधार।	वितरण रेंज में साइटिंग में वृदधि।	*
		संरक्षण हेतु प्रजातिवार स्ट्रेचेज का पता लगाना।	सभी संभव स्ट्रेचेज का पता लगाना जहां पर प्रतिष्ठित प्रजातियों को संरक्षित किया जाना है।	विशिष्ट प्रजातियों के लिए अच्छी तरह से परिभाषित स्ट्रेचेज को विकसित करना।	जनता की स्वस्थ रूप से भागीदारी तथा अकादमिक हित।	**
		गैंगेटिक कॉर्पस, महाशीर तथा हिल्सा मछली की उपलब्धता में बढ़ोत्तरी।	गंगा नदी के चयनित 18 स्टेशनों में मछली की उपलब्धता में अभूतपूर्व वृद्धि।	किफायती कीमतों पर उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करना।	एक वर्ष की अवधि के दौरान मछली के मूल्य में मानक विचलन।	**
				गंगा नदी के लिए बेहतर मतस्य जैव-विविधता। मछली पकड़ने वाले समुदायों के बीच मछली के संरक्षण के संबंध में बढ़ी हुई जागरूकता।	सर्वश्रेष्ठ पद्धतियों के लिए अपनायी जाने वाली दर (%)	*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	*लक्ष्य 2019-20*
	7. वनरोपण	डीपीआर के अनुसार वनरोपण (हेक्टेयर में) के अंतर्गत कवर किया गया क्षेत्र।	गंगा नदी के तट के किनारे के राज्यों अर्थात उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल राज्यों में लगभग 16 हजार हेक्टेयर। भूमि को वनरोपित किया जाना है।	वर्षा की गुणवत्ता और मात्रा में सुधार, जिससे कि नदी तथा अविरल धारा की समग्रता में सुधार करने के उद्देश्य में मदद मिलेगी।	गंगा नदी के पास वनों में कवर किया गया क्षेत्र	16000 हेक्टेयर क्षेत्र वनरोपित किया जाना है।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	*लक्ष्य 2019-20*	निर्गम	संकेतक	*लक्ष्य 2019-20*
	1. सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यकलापों हेतु नदी किनारों पर स्वच्छता की व्यवस्था करना तथा बेहतर अवसंरचना।	घाटों का निर्माण /आधुनिकीकरण	50 (2018-19 के लक्षित 12 सहित)	1. जैसी कि परिकल्पना की गई है बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं।	1.1 सार्वजनिक सर्वेक्षणों से प्राप्त संतुष्टि स्तर	***
	2. अंतिम संस्कार के लिए बेहतर अवसंरचना, गंगा नदी में अधजले शरीरों को बहाने से रोकना हेतु बेहतर अवसंरचना।	शवदाहगृहों का निर्माण/विकास	6 (2018-19 के लक्षित 5 सहित)			

* संख्यात्मक लक्ष्यों को निर्धारित करने के लिए संकेतक का स्वबरूप जवाबदेह नहीं है

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता क्योंकि यह एक मांग आधारित स्कीम है।
*** बेस लाइन निर्धारित की जानी है।

3 (A) प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) -त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (एआईबीपी) - (केंद्र प्रायोजित स्कीम):

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निर्गम*	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*	*परिणाम*	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*
1994.00*	1. 48 परियोजनाओं के एआईबीपी निर्माण कार्यों का कार्यान्वयन	कुल 68 एआईबीपी परियोजनाएं प्रगति पर हैं।	कुल मिलाकर पूर्ण-34	अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का सृजन	पीएमकेएसवाई-एआईबीपी के जरिए सृजित कुल अतिरिक्त सिंचाई क्षमता (हे.)	जून, 2019 तक 10 लाख हे. और सभी परियोजनाएं के पूरा होने पर 34.5 लाख हे.
					1.2 पीएमकेएसवाई-एआईबीपी के जरिए सृजित	सीएडीडब्ल्यूएम, कृषि विस्तार कार्यों आदि के पूरा होने पर 100

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	***निर्गम***	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	***परिणाम***	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
	तीव्र किया गया। 03/19 तक 31 परियोजनाएं पूर्ण/लगभग पूर्ण हो चुकी हैं।				अवसंरचना के माध्यम से उपयोग की गई सिंचाई क्षमता का % (लाख हे.)	
		पूर्ण होने वाली संभावित एआईबीपी परियोजनाओं की संख्या	कुल मिलाकर पूर्ण-65 (दिसंबर, 2019 तक)	परिणाम स्वरूप फसलों की पैदावार और किसानों की आय में बढ़ोत्तरी, भूमिजल पुनर्भरण तथा अन्य प्रयोगों के लिए जल की उपलब्धता बढ़ाना।	2.1 पीएमकेएसवाई-एआईबीपी द्वारा बढ़ी हुई सिंचाई से फसल पैदावार बढ़ना।	**
					2.2 पीएमकेएसवाई-एआईबीपी के परिणाम स्वरूप भूमिजल स्तर में वृद्धि	**

* पीएमकेएसवाई के तहत नाबार्ड से ऋण के लिए ब्याज भुगतान शामिल है।

** बेस लाइन निर्धारित की जानी है।

3 (ख). प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) - हर खेत को पानी (केंद्र प्रायोजित स्कीम)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
1069.55	1. चिह्नित प्राथमिकृत परियोजनाओं में सीएडीडब्ल्यूएम कार्य जारी रहेंगे। स्कीम के आरआरआर/एसएमआई घटकों की प्रगति को तेज करना	1.1 कवर किया गया कृषि कमान क्षेत्र (हे.)	10 लाख हे. शेष कृषि कमान क्षेत्र (सीसीए) में सीएडी निर्माण कार्य	1. 1 सृजित सिंचाई क्षमता और उपयोग की गई सिंचाई क्षमता के अंतर को कम करना।	1.1. अतिरिक्त कृषि कमान क्षेत्र में सिंचाई क्षमता का उपयोग (हे.)	10 लाख हे. सीसीए
		1.1 सृजित जल प्रयोक्ता संघों की संख्या	2000	1.2. सहभागी सिंचाई प्रबंधन का सुदृढकीकरण	1.2 निर्मित जल प्रयोक्ता संघों के जरिए सहभागी सिंचाई प्रबंधन के लिए शामिल कमान क्षेत्र	10 लाख हे.
		1.2. पूरी की जाने वाली आरआरआर एवं एसएमआई परियोजनाओं की संख्या	100 परियोजनाएं/ जल निकाय	2. अतिरिक्ति सिंचाई क्षमता का सृजन	2. सृजित अतिरिक्त सिंचाई क्षमता (लाख हे.)	0.50 लाख हे.

4. प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) - बाढ़ प्रबंधन एवं सीमा क्षेत्र कार्यक्रम (एफएमबीएपी) - (केंद्र प्रायोजित स्कीम):

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निर्गम*	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*	*परिणाम*	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*
700	1. गंभीर क्षेत्रों में नदी प्रबंधन, कटावरोधन, बाढ़ नियंत्रण, क्षतिग्रस्त बाढ़ नियंत्रण कार्यों का पुनरुद्धार और समुद्री कटावरोधी निर्माण कार्यों का निर्गम	1.1. चल रही 99 परियोजनाओं में पूर्ण हुए बाढ़ प्रबंधन निर्माण कार्यों की कुल संख्या	99	1. चुनिंदा नदी जल ग्रहण क्षेत्रों में बाढ़, नदी कटाव से होने वाली क्षति में कमी।	1.1. कार्यकलापों के तहत लाभान्वित कुल आबादी	78.3 लाख
					1.2. नए निर्माण कार्यों से सुरक्षित कुल क्षेत्र	10.51 लाख हे.
	2. भारत और नेपाल दोनों द्वारा पंचेश्वर बहुउद्देश्यीय परियोजना की	2.1. भारत और नेपाल दोनों द्वारा पंचेश्वर बहुउद्देश्यीय परियोजना की	हां.	2. चुनिंदा नदी जल ग्रहण क्षेत्र में बाढ़, नदी कटाव से होने वाली क्षति में कमी और पीएमपी के संबंधित निर्माण	2.1. पंचेश्वर बहुउद्देश्यीय परियोजना का जब निर्माण हो जाएगा और यह कार्य करना शुरू कर	चूकिं परियोजना डीपीआर/अन्वेषण चरण में है अतः परिणाम की गणना नहीं की गई है।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निर्गम*	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*	*परिणाम*	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*
	डीपीआर को जल्दी अंतिम रूप देना, पंचेश्वर बहुउद्देश्यीय परियोजना के संबंधित निर्माण पूर्व कार्य और सप्तकोशी उच्च बांध एवं सनकोशी डायवर्जन स्कीम की डीपीआर तैयार करना तथा सीमा क्षेत्र परियोजनाओं में अन्य बाढ़ प्रबंधन निर्माण कार्य	डीपीआर को अंतिम रूप देना (हां/नहीं)		पूर्व कार्य	देगी तो निम्नलिखित लाभ होंगे: विद्युत: 5040 मेगावाट (भारत को 2520 मेगावाट, नेपाल को 2520 मेगावाट) सिंचाई: 0.43 मि.हे. (भारत को 0.26 मि.हे. + नेपाल को 0.17 मि. हे.) ग. बाढ़ नियंत्रण लाभ	
		2.2. सप्तकोशी उच्च बांध एवं सनकोशी डायवर्जन स्कीम की डीपीआर तैयार करने की कार्रवाई (हां/नहीं)	हां.			
		2.2. नेपाल के हिस्से में कोशी एवं गंडक नदी के तटबंधों का रख-रखाव।	निरंतर प्रक्रिया, निर्माण कार्य संबंधी निर्णय गंडक एवं कोशी उच्च स्तरीय समितियों द्वारा लिया जाना है।			

जल शक्ति मंत्रालय

मांग सं. 61

पेयजल और स्वच्छता विभाग

1. राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम (एनआरडीडब्ल्यूपी)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
10000.66	1. ग्रामीण परिवारों हेतु पेयजल उपलब्ध कराने के लिए निर्मित वास्तविक अवसंरचना	1.1 जांचे गए सभी पेयजल स्रोतों की प्रतिशतता	22% (लगभग 27 लाख स्रोत जिनकी प्रयोगशालाओं में जांच की जानी है)	1. सभी ग्रामीण परिवारों की सुरक्षित और स्थायी पेयजल तक पहुंच है और वे इनका उपयोग करते हैं।	1.1 पाइपयुक्त जलापूर्ति के माध्यम से पारिवारिक कनेक्शनों वाले पेयजल की पहुंच वाले परिवारों की प्रतिशतता	19.5%
		1.2 पाइपयुक्त ग्रामीण जलापूर्ति स्कीम द्वारा कवर की गई बसावटों की संख्या	7000 बसावटें		1.2 ग्राम पंचायत को पाइपयुक्त जल आपूर्ति की उपलब्धता की प्रतिशतता (जिन्होंने खुले में शौच मुक्त की स्थिति प्राप्त की है।	57%
					1.3 पब्लिक नल के माध्यम से पेयजल की पहुंच वाले परिवारों की प्रतिशतता	62%
		1.3 पारिवारिक पाइपयुक्त	मंत्रालय द्वारा कोई लक्ष्य		1.4 (क) आर्सेनिक से मुक्त स्वच्छ पेयजल वाले	2200

		जल आपूर्ति द्वारा कवर किए गए ग्रामीण परिवारों की संख्या	सूचित नहीं किया गया है। इन संकेतक को समाप्त किया जाए।		पेयजल संसाधनों की संख्या	
					1.4 (ख) फ्लोराइड से मुक्त स्वच्छ पेयजल वाले पेयजल संसाधनों की संख्या	3800

2. स्वच्छ भारत मिशनः एसबीएम ग्रामीण (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	निर्गम	संकेतक	निर्गम	संकेतक
9994	1. स्वच्छ पारिवारिक तथा सामुदायिक शौचालयों का निर्माण 2. स्वच्छता हेतु व्यवहार परिवर्तन लाने हेतु क्रियान्वयन एजेंसियों की क्षमताओं को सुदृढ करना	1.1 निर्मित किए गए वैयक्तिक पारिवारिक शौचालयों की संख्या	90 लाख	1. स्वच्छता, सफाई को बढ़ावा देने और खुले में शौच की परंपरा को समाप्त करके ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की सामान्य गुणवत्ता में सुधार।	1.1 स्वच्छता कवरेज	100%
					1.2 खुले में शौच मुक्त गांवों का %	100%
		1.2 निर्मित किए गए सामुदायिक स्वच्छता परिसरों की संख्या	3000 सीएससी		1.3 कम कचरे वाले गांवों का %	93%
					1.4 कम जल जमाव वाले गांवों का प्रतिशत	96%

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय

मांग सं. 62

1. कर्मचारी पेंशन योजना, 1995 (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक(कों)	लक्ष्य 2019-20
4500	1. पेंशन के प्रावधान	1.1. लाभार्थी सदस्य पेंशनरों की संख्या	123729	-	-	-
		1.2. निःशक्तजन	39			
		1.3. विधवा/ विधुर	48873			
		1.4. माता-पिता	1453			
		1.5. नामांकित	53			
		1.6. बाल	29389			
		1.7. अनाथ	699			
		1.8. जीवन प्रमाण-पत्र आधारित डिजिटल आधार के माध्यम से लाभार्थियों को प्रदान किए गए जीवन प्रमाण-पत्र का प्रतिशत।	75%			

2. रोजगार सृजन कार्यक्रम (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
4583.79	**क. अजा/अजजा के लिए राष्ट्रीय कैरियर सेवा (एनसीएस) केन्द्र (पूर्व में अजा, अजजा तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए कोचिंग एवं मार्गदर्शन)**					
	1. जॉब ढूंढने वाले अजा/अजजा की रोजगारपरकता में वृद्धि	1.1. उन लाभार्थियों की संख्या जिन्हें रोजगारपरक मार्गदर्शन और कैरियर परामर्श सेवाएं दी गई है।	140000	1. जॉब ढूंढने वाले अजा/अजजा अभ्यर्थियों की रोजगारपरकता में वृद्धि	1.1. अजा/अजजा अभ्यर्थियों की संख्या जिनकी रोजगारपरकता में वृद्धि हुई।	1000
		1.2. जॉब ढूंढने वाले उन अजा/अजजा अभ्यर्थियों की संख्या जिन्हें टाइपिंग और शार्टहैंड का प्रशिक्षण दिया गया है।	11000			
		1.3. अजा/अजजा अभ्यर्थियों की संख्या जिन्हें विशेष कोचिंग योजना के अंतर्गत भर्ती पूर्व प्रशिक्षण दिया गया।	1300			
		1.4. अजा/अजजा अभ्यर्थियों की संख्या जिन्हें कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया गया	1050			
	ख. दिव्यांगजनों के लिए राष्ट्रीय कैरियर सेवा (पूर्व में रोजगार वृद्धि योजना)					
	1. वीआरसी के माध्यम से दिव्यांगजनों के लिए पुनर्वास सेवाएं	1.1 दिव्यांगजन अभ्यर्थियों की संख्या जिन्हें पुनर्वास सेवा के लिए परामर्श दिया गया।	3,2000	1. दिव्यांगजनों का आर्थिक पुनर्वास	1.1 दिव्यांगजन अभ्यर्थियों की संख्या जिनका आर्थिक रूप से पुनर्वास किया गया।	11,500
		1.2 उपयुक्तता का आकलन करने के लिए मूल्यांकित दिव्यांगजन अभ्यर्थियों की संख्या	31,000			
	ग. प्रधानमंत्री रोजगार प्रोत्साहन योजना					
	1. प्रतिष्ठानों, कर्मचारियों और सहायक वित्तीय प्रक्रमणों को पहचान देना	1.1 पीएमआरपीवाई के अंतर्गत लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या	*	1. रोजगार सृजन और नौकरियों की संख्या में बढ़ोतरी के लिए नियोजकों को प्रोत्साहन देना।	1.1 पीएमआरपीवाई के अंतर्गत लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या	*
		1.2 पीएमआरपीवाई के अंतर्गत लाभ पाने के लिए पंजीकृत प्रतिष्ठानों की संख्या				
		1.3 पीएमआरपीवाई के अंतर्गत लाभान्वित प्रतिष्ठानों की संख्या				
	घ. राष्ट्रीय कैरियर सेवा					
	1. नियोजकों और नौकरी के इच्छुक व्यक्तियों के लिए डिजिटल मंच उपलब्ध कराना।	1.1 पंजीकृत नौकरी के इच्छुकों की संख्या	30 लाख	1. राष्ट्रीय कैरियर सेवा: राष्ट्रीय कैरियर सेवा परियोजना एक डिजिटल पोर्टल की परिकल्पना देती है जो नौकरी को इच्छुकों और नियोजकों को गतिशील, कुशल और प्रतिक्रियात्मक रूप में नौकरी के मिलान के लिए नौकरी के इच्छुकों और नियोजकों के लिए राष्ट्र-व्यापी ऑनलाइन मंच प्रदान	1.1. जुटाई गईं नौकरियों की संख्या	12 लाख
		1.2 पंजीकृत नियोजकों की संख्या	2000			
		1.3 जुटाई गईं रिक्तियों की संख्या	12 लाख			
		1.4 वेबसाइट पर विशिष्ट हिटों की संख्या	2.00 करोड़			
		1.5 आयोजित किए गए नौकरी मेलों की संख्या	1,000			

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
				करता है।		

* लाभार्थियों के पंजीकरण की अंतिम तारीख 31 मार्च, 2019 थी। 31/03/2019 के आगे स्कीम के विस्तार के प्रस्ताव के अनुमोदन के बाद ही लक्ष्य दिया जा सकता है।

3. प्रधानमन्त्री श्रम योगी मानधन

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
500	यह वित्त वर्ष 2019-20 के बजट के भाग के रूप में शुरू की गई नई योजना है।					

4. प्रधान मंत्री कर्मयोगी मानधन

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
750	यह वित्त वर्ष 2019-20 के बजट के भाग के रूप में शुरू की गई नई योजना है।					

1 **न्याय पालिका के लिए अवसंरचनात्मक सुविधाएं (केंद्रीय प्रायोजित योजना (सीएसएस))**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम (2019-20)			परिणाम (2019-20)		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
720	1 600 कोर्ट हॉलों का निर्माण / पुनर्निर्माण	1.1. बनाए जाने वाले कोर्ट हॉलों की संख्या	600*	1. कोर्ट हॉलों का प्रवर्तन/प्रकार्यात्मकता	1.1. चालू किए जाने / प्रकार्यात्मक बनाए जाने के लिए कोर्ट हॉलों की संख्या	400*
	2 जिला और अधीनस्थ न्यायालयों के न्यायिक अधिकारियों के लिए 350 आवासीय एककों का निर्माण / पुनर्निर्माण	2.1. जिला और अधीनस्थ न्यायालयों के न्यायिक अधिकारियों के लिए बनाए गए आवासीय एककों की संख्या	350*	2. आवासीय इकाइयों को पूरा करना / उनका निर्माण करना।	2.1. पूरे किए गए आवासीय एककों की संख्या	225*

* निर्भरता कारक : राज्य सरकारें / उच्च न्यायालय और कार्यान्वयन एजेंसियां।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) मांग सं. 66

1. प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	आउट्पुट 2019-20			आउट्कम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
2327.10	1. मौजूदा पीएमईजीपी योजना 73241 परियोजनाएं स्थापित की जायेगी - पीएमईजीपी योजना के अंतर्गत 5.80 लाख व्यक्ति लाभांवित होंगे 2. उन्नयन के लिए दूसरा ऋण -1000 परियोजनाएं स्थापित की जायेगी - 0.10 लाख व्यक्ति लाभांवित होंगे जागरूकता शिविर, प्रदर्शनी, बैंकर्स के साथ मिटींग और प्रचार इत्यादि	i) स्थापित किए जाने वाली परियोजनाओं की संख्या (संख्या में) ii) रोजगार सृजन (व्यक्ति लाख में) जागरूकता शिविरों, प्रदर्शनी, बैंकर्स के साथ मिटींग और प्रचार इत्यादि की कुल संख्या	i) ग्रामीण और शहरी लक्षित लाभार्थियों के वेतन आय की क्षमता को बढ़ाना ii) बेहतर आय और सतत रोजगार अवसर	i) 80% स्थापित इकाईयां 3 वर्षों से अधिक काम करेगी जिससे अगले 3-5 वर्षों में स्थायी रोजगार प्रदान करने की आशा है। ii) पिछडे क्षेत्रों सहित राज्य वार लक्ष्य निर्धारित किया जायेगा और उपलब्धियों की तदनुसार निगरानी की जायेगी | कुल बजट का 10% से अधिक पूर्वोतर क्षेत्र के लिए आवंटित किया जायेगा iii) 80% से अधिक इकाइयाँ ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित की जाएंगी, ग्रामीण पलायन को रोका जायेगा	i) सतत और स्थायी रोजगार ii) पूर्वोतर क्षेत्रों सहित पिछडे राज्यों में योजना का प्रदर्शन iii) ग्रामीण युवाओं के पलायन को रोकना	1. सूक्ष्म उद्यम स्थापित किए जायेंगे- 73241 संख्या 2. रोजगार प्रदान- 5.8. लाख व्यक्ति 3 सूक्ष्म उद्यमों का लघु उद्यमों में उन्नयन -1000 संख्या 4. लाभांवित व्यकित - 0.10 लाख उन्नयन के माध्यम से

* इस संकेतक के लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता क्योंकि यह एक मांग आधारित स्कीम है।

2. ऋण सहायता कार्यक्रम (सीएस)						
वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	**आउट्पुट 2019-20**			**आउट्कम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
597	1. समर्थन के लिए ऋण संबंधी प्रस्ताव अनुमोदन के लिए ऋण गारंटी	1.1 समर्थित ऋण प्रस्तावों की कुल संख्या	300000	1. ऋण गारंटी योजना के अंतर्गत उद्यमियों, महिला ऋण प्राप्तकर्ताओं और अन्य पात्र लाभानुभोगियों द्वारा नई एमएसई की स्थापना	1.1 ऋण प्राप्त करने के पश्चात लक्षित समूह द्वारा चालू की गई कार्यात्मक यूनिटों की कुल संख्या	नई : 1,20,000 महिला: 45,000
	2. बैंक, एमएसई उद्योग संघों, एमएसई क्षेत्र में सीजीटीएमएसई द्वारा क्षमता विकास	2.1 संचालित कार्यशालाओं की कुल संख्या	30	सीजीटीएमएसई से संबंधित जानकारी का व्यापक प्रसार	गुणात्मक	गुणात्मक (न कि मात्रात्मक)
	3. कर्मचारियों को प्रशिक्षण	3.1 विभिन्न जिला/राज्य/ राष्ट्रीय फोरम पर संचालित संगोष्ठियों की कुल संख्या	10	भारी संख्या में प्रशिक्षणार्थी	संपूर्ण वर्ष में प्रशिक्षणार्थियों की संख्या	1000

3. योजना-प्रौद्योगिकी उन्नयन एवं गुणवत्ता प्रमाणन: राष्ट्रीय विनिर्माण प्रतिस्पर्धात्मकता (एनएमसीपी)						
वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	**आउट्पुट 2019-20**			**आउट्कम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
जेड योजना						
705.78	जेड प्रमाणन योजना के तहत पंजीकृत एमएसएमई की संख्या	जेड प्रमाणन योजना के तहत एमएसएमई इकाइयों का पंजीकरण	15000 एमएसएमई पंजीकृत की जाएगी	जेड रेटिड एमएसएमई इकाइयों की संख्या	जेड रेटिड एमएसएमई इकाइयां	1300 एमएसएमई इकाइयों का मूल्यांकन/रेटिंग
डिजिटल एमएसएमई						
	डिजिटल एमएसएमई प्लेटफार्म	वेब पोर्टल पर पंजीकृत एमएसएमई इकाइयों की संख्या	7000 एमएसएमई इकाइयां लाभान्वित होंगी	सेवाओं के लिए चयनित एमएसएमई	प्राप्त की गई डिजिटल सेवाएं	7000 एमएसएमई इकाइयों को डिजिटली सशक्त बनाया गया
इंक्यूबेटर योजना						
	इंक्यूबेटर स्थापना का प्रस्ताव प्राप्त	इंक्यूबेटर स्थापना के लिए प्रस्ताव अनुमोदित	60 इंक्यूबेटर की स्थापना की गई	विचारों के विकास के लिए प्रस्ताव प्राप्त	विचारों के विकास के लिए प्रस्ताव अनुमोदित	250 विचार विकसित किए गए
लीन विनिर्माण प्रतिस्पर्धा योजना						
	एसपीवी (स्पेशल परपज व्हिकल) की संख्या	नए निर्मित एसपीवी की संख्या	40 एसपीवी	प्रतिस्पर्धात्मकता और उत्पादकता में वृद्धि	अपशिष्ट में कमी एवं लीन विनिर्माणन के माध्यम से बचत	अलग-अलग इकाइयों में 5-20% भिन्न होगा
	डिजाईन क्लिनिक योजना					
	सेमिनार/जागरूकता कार्यक्रम और डिजाईन परियोजनाएं	सेमिनार/जागरूकता कार्यक्रमों की संख्या डिजाईन परियोजनाओं की संख्या	75 100	उन्नत एवं नूतन उत्पादों का विकास	जागरूकता कार्यक्रमों की संख्या डिजाईन परियोजनाओं की संख्या	25 50
बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र (आईपीएफसी)						

	1. जागरुकता कार्यक्रमों, कार्यशालाओं प्रशिक्षण की संख्या 2. प्रतिपूर्ति मामलों की संख्या 3. सहायता प्राप्त आईपीएफसी की संख्या	1. जागरुकता कार्यक्रमों, कार्यशालाओं प्रशिक्षण की संख्या 2. प्रतिपूर्ति मामलों की संख्या 3. सहायता प्राप्त आईपीएफसी की संख्या	1. 100 जागरुकता कार्यक्रम 2. 350 प्रतिपूर्ति मामलें 3. आईपीएफसी द्वारा 5 आईपीआर दर्ज/सहायता प्राप्त	दर्ज आईपीआर की संख्या एवं प्रतिपूर्ति मामलों की संख्या	1. प्रतिभागियों/प्रशिक्षुओं की संख्या 2.प्रतिपूर्ति मामलों की संख्या 3. आईपीएफसी द्वारा दर्ज/सहायता प्राप्त आईपीआर की संख्या	400 आईपीआर एवं प्रतिपूर्ति मामलें दर्ज किए गए

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय

मांग सं. 68

1. शैक्षिक सशक्तिकरण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
2362.74	***क. अल्पसंख्यकों के लिए मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति***					
	1. पात्र अल्पसंख्यक छात्रों को प्रदत्त छात्रवृत्ति	1.1 छात्रवृत्ति प्रदत्त छात्रों की संख्या।	30 लाख नए छात्र	1. पात्र जनसंख्या के बीच छात्रवृत्तियों का कवरेज।	1.1 छात्रवृत्तियां प्रदान की गई छात्रों का % (प्रदान की गई छात्रवृत्तियों की संख्या/कुल पात्र जनसंख्या)।	*
	2. छात्राओं को दी गई छात्रवृत्ति	2.1 छात्राओं को दी गई छात्रवृत्तियों की संख्या।	9 लाख नए छात्र	2. पात्र महिला जनसंख्या के बीच छात्रवृत्तियों का कवरेज।	2.1 छात्रवृत्तियां प्रदान की गई छात्राओं का % (प्रदान की गई छात्रवृत्तियों की संख्या/कुल पात्र जनसंख्या)।	*
	3.आधार समर्थित भुगतान	3.1. आधार समर्थित भुगतान का %	**	3. नामांकन में वृद्धि	3.1. नामांकन में % वृद्धि	*
				4. ड्रॉपआउट में कमी	4.1. ड्रॉपआउट में % कमी	*
	ख. अल्पसंख्यकों के लिए मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति					
	1. पात्र अल्पसंख्यक छात्रों को प्रदत्त छात्रवृत्ति	1.1 छात्रवृत्ति प्रदत्त छात्रों की संख्या	नए छात्रों हेतु 5लाख	1. पात्र जनसंख्या में छात्रवृत्ति का कवरेज	1.1 छात्रवृत्तियां प्रदान किए गए छात्रों का % (प्रदान की गई छात्रवृत्तियों की संख्या/कुल पात्र जनसंख्या)।	*
	2. छात्राओं को दी गई छात्रवृत्ति	2.1 छात्राओं को दी गई छात्रवृत्तियों की संख्या	1.5 लाख	2. पात्र महिला जनसंख्या के बीच छात्रवृत्तियों का कवरेज	2.1 छात्रवृत्तियां प्रदान की गई छात्राओं का % (प्रदान की गई छात्रवृत्तियों की संख्या/कुल पात्र जनसंख्या)।	*
	3. आधार समर्थित भुगतान	3.1 आधार समर्थित भुगतान का %	**	3. डब्ल्यूपीआर (कामकाजी आबादी का अनुपात) में वृद्धि।	3.1. डब्ल्यूपीआर मेंवृद्धि का % (कामकाजी आबादी का अनुपात)।	*
				4.शिक्षा की निरंतरता	4.1. उच्चतर शिक्षा संस्थानों में प्रवेश लेने वाले छात्रवृत्ति प्रदत्त छात्रों का %	*
	ग. व्यावसायिक और तकनीकी पाठ्यक्रमों के लिए मेरिट सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति (स्नातक-पूर्व और स्नातकोत्तर)					
	1. पात्र अल्पसंख्यक छात्रों	1.1 छात्रवृत्ति के लिए	60,000नए छात्र	1. पात्र जनसंख्या के बीच	1.1 छात्रवृत्तियां प्रदान किए	*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	को प्रदत्त छात्रवृत्ति	पुरस्कृत छात्रों की संख्या		छात्रवृत्तियों का कवरेज	गए छात्रों का %(प्रदत्त छात्रवृत्तियों की संख्या/कुल पात्र जनसंख्या)	
	2. छात्राओं को दी गई छात्रवृत्ति	2.1 छात्राओं को प्रदत्त छात्रवृत्तियों की संख्या	18,000 नई छात्राएं	2. पात्र महिला जनसंख्या के बीच छात्रवृत्तियों का कवरेज	2.1 छात्रवृत्तियां प्रदान की गई छात्राओं का %(प्रदत्त छात्रवृत्तियों की संख्या/कुल पात्र जनसंख्या)	*
	3. आधार समर्थित भुगतान	3.1 आधार समर्थित भुगतान का %		3. डब्ल्यूपीआर (कामकाजी आबादी का अनुपात) में वृद्धि	3.1. डब्ल्यूपीआर मेंवृद्धि का % (कामकाजी आबादी का अनुपात)	*
	घ. अल्पसंख्यक छात्रों के लिए मौलाना आजाद राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति					
	1.कुल ऑनलाइन आवेदन	1.1.यूजीसी द्वारा प्राप्त कुल आवेदनों की संख्या	2500	1.एम.फिल/पी.एचडी कोर्स पूरा करने वाले कुल छात्र	1.1. एम.फिल/पी.एचडी कोर्स पूरा करने वाले कुल छात्र	**
		1.2. यूजीसी द्वारा छात्राओं से प्राप्त आवेदनों की संख्या	750			
		1.3.यूजीसी द्वारा दिव्यांग छात्रों से प्राप्त आवेदनों की संख्या	50			
		1.4.आधार से जोड़े गए प्राप्त आवेदनों की संख्या	2500	2. एमफिल/पीएचडी कोर्स पूरा करने वाली कुल छात्राएं	2.1. एमफिल/पीएचडी कोर्स पूरा करने वाली कुल छात्राएं	**
	2.कुल अनुमोदित आवेदन	2.1.अनुमोदित कुल आवेदनों की संख्या	1000			
		2.2. छात्राओं के लिए अनुमोदित आवेदनों की संख्या	300			
		2.3. दिव्यांग छात्रों के लिए अनुमोदित आवेदनों की संख्या	30	3. एमफिल/पीएचडी कोर्स पूरा करने वाले कुल दिव्यांग छात्र	3.1. एमफिल/पीएचडी कोर्स पूरा करने वाले कुल दिव्यांग छात्र	**
	3. छात्राओं के कवरेज का %	3.1.छात्राओं से प्राप्त आवेदनों का %	30%			
	4. दिव्यांग छात्रों के कवरेज का %	4.1 दिव्यांग छात्रों से प्राप्त आवेदनों का %	3%			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	ङ. अल्पसंख्यकों के लिए निशुल्क कोचिंग एवं संबद्ध योजनाएं					
	1.कोचिंग दिए जाने वाले छात्र	1.1.कोचिंग दिए जाने वाले छात्रों की कुल संख्या	12000	1.अंतत: प्रशिक्षित किए गए कुल छात्र	1.1. अंतत: प्रशिक्षित किए गए कुल छात्र	11000
	2. कोचिंग दी जाने वाली छात्राएं	2.1. कोचिंग दी जाने वाली छात्राओं की कुल संख्या	4000	2. अंतत: प्रशिक्षित की गई कुल छात्राएं	2.1. अंतत: प्रशिक्षित की गई कुल छात्राएं	3300
	च. विदेश में अध्ययन के लिए शैक्षिक ऋणों पर ब्याज सहायता					
	1. कुल आवेदन	1.1.प्राप्त नए आवेदनों की संख्या	2000	1.विदेश में कोर्स पास करने वाले कुल छात्र	1.1. विदेश में कोर्स पास करने वाले कुल छात्र	**
		1.2. नवीकरण के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या	1100			
		1.3.अनुमोदित नए आवेदनों की संख्या	400			
	2. छात्राओं से आवेदन	2.1.छात्राओं से प्राप्त नए आवेदनों की संख्या	600	2.विदेश में कोर्स पास करने वाली कुल छात्राएं	2.1. विदेश में कोर्स पास करने वाली कुल छात्राएं	**
		2.2.छात्राओं से नवीकरण के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या	140			
		2.3. छात्राओं के लिए अनुमोदित आवेदनों की संख्या	140			
	छ. संघ लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग, राज्य लोक सेवा चयन आयोगों द्वारा आयोजित प्रारंभिक परीक्षाएं पास करने वाले छात्रों के लिए सहायता					
	1.ऑनलाइन आवेदन	1.1.नई उड़ान वेब पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों की संख्या	2500	1. संघ लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग, राज्य लोक सेवा चयन आयोगों की परीक्षाओं में चयन	1.1.योजना के अधीन प्रशिक्षित छात्रों की कुल संख्या	2000
		1.2.पोर्टल पर आधार से जुड़े आवेदनों की संख्या	2100			
	2.अनुमोदित आवेदन	2.1.अनुमोदित आवेदनों की संख्या	2000			

* योजना मांग आधारित है।

** संख्यात्मक लक्ष्यों को निर्धारित करने के लिए संकेतक का स्वबरूप जवाबदेह नहीं है

2. **कौशल विकास और आजीविका (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	क. कौशल विकास पहलें					
557	1. आधुनिक के साथ-साथ पारंपरिक ट्रेडों में प्रशिक्षणार्थियों के प्रशिक्षण के लिए परियोजना कार्यान्वयनकर्ता एजेंसियों (पीआईए) को निधियां प्रदान की जाती हैं।	1.1 प्रशिक्षित लाभार्थियों की संख्या	1,40,000 अल्पसंख्यक युवा	1. अल्पसंख्यक युवाओं को प्रशिक्षित किया जाना और रोजगार प्राप्त करना।	1.1 प्रशिक्षित लाभार्थियों को निश्चित वैतनिक/ स्वरोजगार	90,000
		1.2 राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के स्मार्ट पोर्टल के माध्यम से स्मार्ट के साथ प्रत्यायित और संबद्ध प्रशिक्षण भागीदारों/प्रशिक्षण केंद्रों को चुना गया।	233		1.2 12 महीने के बाद प्रशिक्षित युवाओं के अभी भी रोजगाररत होने को ट्रैक करना	48,000
	ख. नई मंजिल - एकीकृत शैक्षिक और आजीविका पहल					
	1. बेसिक ब्रिज कार्यक्रम को शामिल करते हुए 9-12 महीने की अवधि का गैर-आवासीय कार्यक्रम (कक्षा VIII या कक्षा X के लिए) उनकी शिक्षा हेतु	1.1 शिक्षा प्रदान किए गए लाभार्थियों की संख्या	*	1.आजीविका के संदर्भ में योजना का कवरेज बढ़ाया गया	1.1. कुल पात्र जनसंख्या में से उन लाभार्थियों का % जिनकी आजीविका बढ़ाई गई	70%
		1.2 कौशल प्रशिक्षण प्रदान किए गए लाभार्थियों की संख्या	22,605 कौशल प्रशिक्षार्थियों का मूल्यांकन एवं प्रमाणन (30,140 का 75%)			
	2. पात्र युवाओं को दी गई प्लेसमेंट एवं प्लेसमेंट के पश्चात की सहायता	2.1 प्लेसमेंट की सुविधा प्रदत्त लाभार्थियों की संख्या	21098 लाभार्थी (30140 का 70%)			
	ग. विकास के लिए पारंपरिक कलाओं/शिल्पों में कौशलों और प्रशिक्षण का उन्नयन (उस्ताद)					
	1. पारंपरिक ट्रेडों में प्रशिक्षणार्थियों के प्रशिक्षण के लिए परियोजना कार्यान्वयनकर्ता एजेंसियों को निधियां प्रदान की जाती हैं।	1.1 प्रशिक्षित अल्पसंख्यक युवाओं की संख्या	4200 अल्पसंख्यक युवा	1. पारंपरिक ट्रेडों में प्रशिक्षित अल्पसंख्यक युवा और स्वरोजगार के लिए स्व-सहायता समूहों का निर्माण	1.1 रोजगार प्राप्त करने वाले प्रशिक्षित युवाओं का %	4200 अल्पसंख्यक युवा और प्रशिक्षणार्थियों के लिए बेहतर आजीविका उत्पन्न करने हेतु व्यवसाय के विकास के लिए स्व-सहायता समूह बनाए गए।
	2. हुनर हाट आयोजित करना	2.1.आयोजित हुनर हाटों की संख्या	5			
	घ. अल्पसंख्यक महिलाओं के नेतृत्व विकास के लिए योजना					
	1. मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए विभिन्न माड्यूलों के माध्यम से नेतृत्व क्षमता	1. नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से जागरूक होने वाली और अपने समुदाय में	40,000 अल्पसंख्यक महिलाएं	1. अल्पसंख्यक महिलाओं का सशक्तिकरण और उन्हें आत्मविश्वासी बनाना तथा	1.1 सभी स्तरों पर सरकारी तंत्रों, बैंकों एवं अन्य संस्थानों के साथ संपर्क स्थापित करने हेतु	40,000 अल्पसंख्यक महिलाएं

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने हेतु चुने गए संगठन को सहायता-अनुदान तथा अल्पसंख्यक महिलाओं (दिव्यांग सहित) तथा 25%तक गैर-अल्पसंख्यक महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण।	ज्ञान का प्रसार करने में सफल होने वाली अल्पसंख्यक महिलाओं की संख्या।		पुरूषों पर निर्भरता को कम करना।	जानकारी, उपकरण एवं तकनीकें उपलब्ध कराते हुए उसी गांव/मोहल्ले में रहने वाली अन्य समुदायों की उनकी पड़ोसनों सहित आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मविश्वासी बन रही अल्पसंख्यक महिलाओं की संख्या।	
		1.2. आर्थिक रूप से सशक्त होने वाली अल्पसंख्यक महिलाओं की संख्या	120			
		1.3. स्व-रोजगार प्राप्त करने वाली अल्पसंख्यक महिलाओं की संख्या	120			
		1.4. आर्थिक रूप से सशक्त होने वाली दिव्यांग अल्पसंख्यक महिलाओं की संख्या	04			
	ड. . एनएमडीएफसी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियों (एससीए)को सहायता-अनुदान					
	1.एससीए की अवसंरचना का सुदृढ़ीकरण	1.1.फर्नीचर, कम्प्यूटरों और इनके सहायक उपकरणों, स्टेशनरी और अन्य कार्यालय उपकरणों की खरीद के लिए संवितरित राशि	2 करोड़ रूपये	1.एससीए को सहायता का प्रावधान	1.1.कुल एससीए में से कवर की गई एससीए की कुल संख्या	20
		1.2.एससीए में आंकड़ा प्रविष्टि, आवेदनों की छानबीन आदि जैसे विभिन्न कार्यकलापों को करने के लिए आउटसोर्स/संविदा आधार पर लगाये गए व्यक्तियों की संख्या	20			
	2.एनएमडीएफसी के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना	2.1.आयोजित जागरूकता शिविरों और ऋण मेलों की संख्या	50			
	च. राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास एवं वित्त निगम (एनएमडीएफसी)को इक्विटी अंशदान					
	1.पात्र अभ्यर्थियों को प्रदान किया गया रियायती ऋण	1.1.आवेदन प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन सॉफ्टवेयर का सृजन।	31.03.2020	1. शैक्षिक ऋण सहायता प्रदान करके अल्पसंख्यकों को शैक्षिक रूप से सशक्त	1.1.शैक्षिक ऋण सुविधा का लाभ उठाने वाले उन लाभार्थियों की संख्या जिन्होंने प्रवेश लिए	2700

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		1.2.अल्पसंख्यकों के लिए-सावधि ऋण/शैक्षिक ऋण/सूक्ष्म वित्त ऋण के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या।	150000	बनाना	गए पाठ्यक्रमों को पूरा किया है।	
		1.3. ऋण-सावधि ऋण/शैक्षिक ऋण/सूक्ष्म वित्त ऋण प्राप्त करने वाले अल्पसंख्यक लाभार्थियों की संख्या।	130000			
		1.4. अल्पसंख्यकों के लिएऋण- सावधि ऋण/शैक्षिक ऋण/सूक्ष्म वित्त ऋण के लिए संवितरित धनराशि।	600 करोड़ रूपये			
	2.संवितरित ऋणों की वसूली	2.1. संवितरित ऋणों-सावधि ऋण/शैक्षिक ऋण/सूक्ष्म वित्त ऋण के लिए % वसूली दर	91%			
	3.आवेदन से संवितरण तक लगने वाला समय	3.1.तीन महीने के भीतर कार्रवाई किए गए आवेदनों की संख्या	5			

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता क्योंकि यह एक मांग आधारित स्कीम है।*

3. **प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (सीएसएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
1470	1. राज्य द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों के अनुसार कार्यक्रम के वित्तीय परिव्यय के भीतर अभिज्ञात कुल एमसीबी/ टी/डी के कम से कम 40% हेतु परियोजनाओं का अनुमोदन	1.1 अभिज्ञात क्षेत्रों में शुरू की गई परियोजनाओं की संख्या	520 एमसीए में परियोजनाएं	1.अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पेयजल इत्यादि हेतु अवसरंचना सृजित करके सामाजिक-आर्थिक एवं मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाना।	1.1 शैक्षिक, स्वास्थ्य, मूलभूत सुविधाएं, पेयजल इत्यादि की बेहतर सुलभता। अभिज्ञात क्षेत्रों के पिछड़ेपन के मापदंडों को कम करने के लिए अवसंरचना।	लक्ष्यित क्षेत्रों में परियोजनाओं का निमार्ण-शिक्षा' 2225 स्वास्थ्य-250 कौशल विकास-12, सामान्य सेवा केंद्र-100, स्वच्छता -250 और कामकाजी महिला हॉस्टल।
	2. स्कूलों, छात्रावासों, कॉलेजों, आईटीआई, पॉलिटेक्निकों, शौचालयों, हाट शेडों, सद्भाव मंडप आदि जैसी अवसंरचना का निर्माण	2.1 अभिज्ञात क्षेत्रों में शुरू की गई परियोजनाओं की संख्या	डिग्री कालेज-10, छात्रावास- 50, स्वास्थ्य परियोजनाएं-50, आंगनवाड़ी केंद्र-200, अतिरिक्त कक्ष कमरे-2000, स्कूल भवन-150, आईटीआई-10, आवासीय स्कूल-15, पोलिटेक्निक-02, शौचालय यूनिटें-250 और कामकाजी महिलाहोस्टल-5, सामान्य सेवा केंद्र-100, मार्केट शेड-20।		1.2 स्कूल भवनों/डिग्री कॉलेजों/अतिरिक्त कक्षा-कमरों/ छात्रावासों/शौचालयों/ आंगनवाड़ी केंद्रों/ पेयजल सुविधाओं एमएसडीपी के अंतर्गत निर्मित और कार्यात्मक/उपयोग में आ रही पीएमएवाई आवास यूनिटों की संख्या में मद-वार बढ़ोत्तरी	डिग्री कालेज-10, छात्रावास- 50, स्वास्थ्य परियोजनाएं-50, आंगनवाड़ी केंद्र-200, अतिरिक्त कक्ष कमरे-2000, स्कूल भवन-150, आईटीआई-10, आवासीय स्कूल-15, पोलिटेक्निक-02, शौचालय यूनिटें-250 और कामकाजी महिलाहोस्टल-5, सामान्य सेवा केंद्र-100, मार्केट शेड-20।
	3. सृजित परिसंपत्तियों की जियो-टैगिंग	3.1. जियो-टैग की गई परिसंपत्तियों की संख्या	2290		1.3 समग्र एवं महिला साक्षरता दर में सुधार	
					1.4 समग्र एवं महिला*साक्षरता दर में सुधार	
					1.5 पक्की दीवारों और साफ पेयजल तथा बिजली की सुविधा वाले मकानों का प्रतिशत	

** संख्यात्मक लक्ष्यों को निर्धारित करने के लिए संकेतक का स्वरूप जवाबदेह नहीं है*

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

मांग सं.69

1. **पवन विद्युत - ग्रिड इंटरएक्टिव अक्षय विद्युत (सी. एस.)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20

920	1. पवन विद्युत उत्पादन क्षमता को चालू करना	1.1. पवन विद्युत में उत्पादन क्षमता आरंभ की गई	4 गीगावाट	1. पवन ऊर्जा परियोजनाओं से विद्युत उत्पादन	1.1. उत्पादन बीयू में	80 बीयू

2. सौर विद्युत - ग्रिड इंटरएक्टिव अक्षय विद्युत (सी. एस.)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
2479.9	1. देश में सौर विद्युत (ग्राउंड माउंटेड/ रूफटॉप) उत्पादन क्षमता चालू करना	1.1. सौर विद्युत में उत्पादन क्षमता आरंभ की गई	8500 मेगावाट	1. सौर विद्युत से विद्युत उत्पादन	1.1. उत्पादन बीयू में	48 बीयू

3. हरित ऊर्जा कॉरिडोर - ग्रिड इंटरएक्टिव अक्षय विद्युत (सी. एस.)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
500	1. अक्षय ऊर्जा समृद्ध 8 राज्यों में पारेषण लाइनों का निर्माण	1.1. इन्ट्रा-स्टेट पारेषण लाइनों का निर्माण किया गया (सीकेएम)	5000 सीकेएम (संचयी)	1. बड़े पैमाने पर अक्षय उत्पादन क्षमता का ग्रिड एकीकरण	1.1. पारेषण क्षमता में सुदृढ़ता (मेगावाट)	10,000 एमवीए (संचयी)

4. सौर विद्युत - ऑफ ग्रिड/वितरित एवं विकेन्द्रित अक्षय विद्युत (सी. एस.)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
525	1. ऑफ ग्रिड एवं विकेन्द्रित सौर विद्युत उत्पादन क्षमता की संस्थापना	1.1. ऑफ ग्रिड एवं विकेन्द्रित सौर विद्युत क्षमता चालू की गई	400 मेगावाट समतुल्य	1. ऑफ ग्रिड एवं विकेन्द्रित सौर विद्युत उत्पादन की संस्थापना	1.1. संस्थापित सौर स्ट्रीट लाइटों की संख्या	300000
					1.2. संस्थापित सौर पंपों की संख्या	75000
					1.3. संस्थापित सोलर पावर पैक्स की संख्या (मेगावाट समतुल्य)	5
					1.4. वितरित सौर स्टडी लैम्पों की संख्या	300000

1 राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) (सीएसएस)

वित्तीय स्थिति/ परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	*लक्ष्य* 2019-20	परिणाम	संकेतक	*लक्ष्य* 2019-20
821.84	1. पंचायत कर्मियों का क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण	1.1. निर्वाचित प्रतिनिधियों और पंचायत पदाधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की संख्या	50 लाख निर्वाचित प्रतिनिधि और पदाधिकारी	1. सुनिश्चित करें कि सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों (ईआर) के साथ-साथ पंचायतों के पदाधिकारियों के पास अपने कार्य को पूरा करने के लिए उचित ज्ञान और कौशल हो	1.1. क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले प्रतिभागियों की संख्या	44 लाख निर्वाचित प्रतिनिधि और पंचायत पदाधिकारी
		1.2. पंचायत प्रक्रियाओं, जीपीडीपी और राष्ट्रीय महत्व के विषयों जैसे जेंडर, स्वच्छता, स्वास्थ्य, आईटी, आदि पर आयोजित प्रशिक्षण की संख्या। निर्वाचित प्रतिनिधियों और पंचायत पदाधिकारियों को दिए गए प्रशिक्षण के क्षेत्र / डोमेन	*		1.2. संचालित प्रशिक्षण के डोमेन/ क्षेत्र और डोमेन/क्षेत्रों में प्रशिक्षित निर्वाचित प्रतिनिधियों और अधिकारियों की संख्या	*
		1.3. चयनित कुल में से प्रशिक्षित निर्वाचित प्रतिनिधियों और पंचायत अधिकारियों की प्रतिशतता	100			
	2. पीआरआई प्रणाली के कामकाज का तकनीकी ज्ञान और बढी हुई	2.1. सर्वोत्तम प्रथाओं वाली पंचायतों के साथ आयोजित एक्सपोज़र यात्राओं की संख्या	0.12 लाख	2. निर्वाचित प्रतिनिधियों और अधिकारियों ने एक्सपोज़र यात्राओं में	2.1. एक्सपोजर यात्राओं में भाग लेने वाले निर्वाचित प्रतिनिधियों और	0.080 लाख

वित्तीय स्थिति/ परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	*लक्ष्य* 2019-20	परिणाम	संकेतक	*लक्ष्य* 2019-20
	क्षमता			भाग लिया।	पदाधिकारियों की संख्या	
	3. राज्यों में ग्राम पंचायत इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना	3.1. ग्राम पंचायत भवन समर्थित (निर्माण और मरम्मत) पंचायतों की संख्या	1000	3. पंचायत द्वारा सेवाओं के वितरण के लिए ग्राम पंचायत बुनियादी ढांचा	3.1. निर्मित और प्रयोग में आ रहे पंचायत भवनों की संख्या	400
	4. राज्य पंचायत संसाधन केंद्रों और जिला पंचायत संसाधन केंद्रों के प्रशिक्षण के लिए संस्थागत बुनियादी ढांचे को मजबूत करना	4.1. एसपीआरसीज और डीपीआरसीज की संख्या और श्रमशक्ति द्वारा मदद प्राप्त करने वालों की संख्या	30 राज्य / संघ राज्य क्षेत्र और 300 जिला स्तर	4. राज्य पंचायत संसाधन केंद्रों और जिला पंचायत संसाधन केंद्रों के प्रशिक्षण के लिए संस्थागत बुनियादी ढांचे को मजबूत करना	4.1. बुनियादी ढांचे, मानव संसाधन और प्रशिक्षण सुविधाओं में गुणवत्ता मानकों के साथ कार्य कर रही एसपीआरसी और डीपीआरसी की संख्या	30 राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों में प्रशिक्षण संस्थान कार्य कर रहे हैं
	5. सर्वोत्तम प्रथाओं के लिए मॉडल पंचायत विकास	5.1. विकसित किए गए पिअर लर्निंग केंद्रों की संख्या	50	5. पंचायतों में सर्वोत्तम प्रथाओं के मॉडल बनाना	5.1. देश भर में पीयर लर्निंग केंद्रों की संख्या जो पीआरआई की क्षमता निर्माण के लिए सम्मेलन स्थलों के रूप में काम कर रहे हैं	30
	6. ई-सक्षमता के लिए पंचायतों को तकनीकी और प्रौद्योगिकी संचालित सहायता	6.1. पंचायतों को ई-सक्षम बनाने के लिए समर्थित राज्यों की संख्या	32	6. पंचायतों को ई-सक्षम बनाना	6.1. जिन राज्यों में पंचायतों ने पीईएस या राज्य विशिष्ट अनुप्रयोगों को अपनाया है, उनमें वृद्धि करना (28 राज्यों में पहले से ही प्रक्रिया चल रही है)	4
	7. जीपीडीपी सहभागी और समावेशी तरीके से तैयार किए गए	7.1. तैयार किए गए जीपीडीपी की संख्या	2.48 लाख	7. अच्छी तरह से परिभाषित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए उपलब्ध संसाधनों का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग	7.1. प्लान प्लस पर अपलोड की गई जीडीपी की संख्या	2.45 लाख

* संख्यात्मक लक्ष्यों को निर्धारित करने के लिए संकेतक का स्वबरूप जवाबदेह नहीं है

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

मांग सं. 74

1. राज्य सरकारों को अंतरीय रॉयल्टी का भुगतान (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
1954	1. रॉयल्टी भुगतान कार्यक्रम के तहत कवरेज	1.1. अंतर रॉयल्टी का भुगतान कर रही राज्य सरकारों की संख्या	दो राज्य सरकारों को अंतर रॉयल्टी का भुगतान किया जा रहा है *	1. एनईएलपी-पूर्व खोजे गए क्षेत्रों से उत्पादन पर राज्यों को आश्वस्त रॉयल्टी दर	1.1. एनईएलपी-पूर्व खोजे गए क्षेत्रों से कच्चे तेल के उत्पादन की मात्रा	5,97,948 बीबीएल **
					1.2. प्रदत्त लंबित अंतर रॉयल्टी का प्रतिशत	100%

* तीन राज्यों (अर्थात आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, तमिलनाडु) की बकाया अंतर रॉयल्टी का भुगतान कर दिया गया है। शेष दो राज्यों (अर्थात असम, गुजरात) की बकाया अंतर रॉयल्टी का भुगतान वर्ष *2019-20* में किया जाएगा।

** **वर्ष *2018-19* की प्रथम तिमाही, दूसरी तिमाही और तीसरी तिमाही के लिए हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर परिकलन।**

एलपीजी राजसहायता

2. लाभ का सीधा अंतरण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
29500	1. अतिरिक्त नकद अंतरण अनुपालक (सीटीसी) लाभार्थी	1.1. नकद अंतरण अनुपालक (सीटीसी) लाभार्थियों की संख्या में हुई वृद्धि (करोड़ में)	1.5	1. सभी वर्तमान और नए घरेलू एलपीजी उपयोगकर्ताओं के खातों में सीधे डीबीटी की प्राप्ति	1. एलपीजी (डीबीटी) लाभार्थियों की कुल संख्या (करोड़ में)	25.50
					1.2. डीबीटी के माध्यम से नकद भुगतान की गई कुल धनराशि (करोड़ रुपए में)	29,500
				2. रसोई ईंधन राजसहायता बिल में बचत	2.1. एक से अधिक/निष्क्रिय कनेक्शनों को बंद करने से हुई बचत (संचित) (करोड़ रुपए में)	*
	2. लाभों का अपेक्षाकृत अधिक शीघ्रता से अंतरण	2.1. डीबीटी के लिए लगा औसत समय (घंटों की संख्या)	48			

* अनुमान उपलब्ध नहीं है।

एलपीजी राजसहायता

3. गरीब परिवारों को एलपीजी कनेक्शन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	लक्ष्य 2019-20	**परिणाम**	**संकेतक**	लक्ष्य 2019-20
2724	1. बीपीएल परिवारों को एलपीजी कनेक्शनों की उपलब्धता में वृद्धि	1.1. योजना के तहत बगैर जमानत राशि के एलपीजी कनेक्शनों के जरिए कवर किए गए बीपीएल परिवारों की संख्या*	1.5 करोड़ कनेक्शन	1. स्वच्छ रसोई ईंधन अर्थात एलपीजी का अधिक उपयोग	1.1. उन बीपीएल परिवारों की संख्या जिन्हें इस योजना के तहत बगैर जमानत राशि के एलपीजी कनेक्शन दिए गए थे और वे नियमित रूप से कनेक्शन का उपयोग कर रहे हैं (नियमितता को पिछले 6 माह से नियमित रूप से सिलिंडर लिए जाने के तौर पर परिभाषित किया जा सकता है)	*
					1.2. अस्वच्छ ईंधनों के स्थान पर स्वच्छ ऊर्जा स्रोत एलपीजी का उपयोग करने पर उत्सर्जन में अनुमानित कमी	*
	2. बीपीएल परिवारों को बगैर जमानत राशि के एलपीजी कनेक्शन	2.1. उन बीपीएल परिवारों की संख्या जिन्हें इस योजना के तहत बगैर जमानत राशि के एलपीजी कनेक्शन दिए गए हैं	मार्च 2020 तक 8 करोड़	2. महिलाओं के लिए नीरसता में कमी	2.1 बीपीएल परिवारों में महिलाओं द्वारा ईंधन की लकड़ी इकट्ठी करने में लगने वाले औसत प्रति माह श्रम दिवसों की संख्या	*
				3. बीपीएल परिवारों में महिलाओं और बच्चों का बेहतर स्वास्थ्य	3.1 बीपीएल परिवारों की महिलाओं ने धुंए/फेफड़ा संक्रमण से संबंधित बीमारियों के चलते श्रम दिवसों की संख्या जिनका नुकसान हुआ	*

* विश्वीसनीय आंकड़ों, पक्के घरों वाले बीपीएल परिवारों की कुल संख्यास संबंधी आंकड़ों के अभाव के चलते बीपीएल परिवार की कवरेज की प्रतिशतता यहां नहीं बताई गई है। इसे मापने के लिए अध्ययन की आवश्यकता होगी।

4. एलपीजी राजसहायता : पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित देय अन्य राजसहायता *(सीएस)*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
674	1. पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) में एपीएम ग्राहकों के लिए प्राकृतिक गैस (घरेलू गैस मूल्य का 40%) राजसहायता का कवरेज।	1.1. एनईआर में गैस लिंकेज कमेटी की आबंटन प्राप्त करने वाले और राजसहायता प्राप्त घरेलू गैस की आपूर्ति प्राप्त कर रहे ग्राहकों की कुल संख्या।	17 ग्राहक (गैस की उपलब्धता के अनुसार)।	1. एनईआर में राजसहायता प्राप्त प्राकृतिक गैस की निरंतरता।	1.1. जीएलसी आबंटनों वाले ग्राहकों को आपूर्ति की गई गैस की मात्रा।	7.8134 एमएमएससीएमडी (गैस की उपलब्धता के अनुसार)।

मिट्टी तेल राजसहायता -

5. अल्पवसूली (अन्य राजसहायता - देय) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
4058	1.अपर्याप्त मूल्य वसूली के चलते अल्पवसूलियों का निधीयन	1.1. तेल विपणन कंपनियों (ओएमसीज) के प्रित इकाई मूल्य और वसूले गए मूल्य में अंतर (औसत) (रुपए मे)		1. मिट्टी तेल अल्पवसूलियों की कवरेज	1.1. मिट्टी तेल की अल्पवसूलियों की कवरेज के लिए राजसहायता की धनराशि में परिवर्तन (करोड़ रुपए में)	*
					1.2 राज्यों/संघ शासित राज्यों को मिट्टी तेल के आबंटन में कमी (मात्रा)	**
					1.3 उन राज्यों/संघ शासित राज्यों की संख्या जो मिट्टी तेल मुक्त हैं।	8

* मिट्टी तेल मूल्यत आयात समता मूल्य आधार पर निर्धारित किया जाता है और यह मूल्यल मासिक आधार पर निर्धारित किया जाता है। अत: उत्पाद मूल्यत में उतार-चढ़ाव रहता है। मूल्या में होने वाले उतार-चढ़ावों से सामान्यम लक्ष्यन निर्धारित करना मुश्किल हो जाता है अत: वास्तविक मूल्यए बताया जाएगा।

** संख्यात्मक लक्ष्यों को निर्धारित करने के लिए संकेतक का स्वबरूप जवाबदेह नहीं है

6. फूलपुर धामरा हल्दिया पाइपलाइन परियोजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
1552.11	1. राष्ट्रीय गैस ग्रिड के साथ जुड़े हुए देश के पूर्वी भाग के क्षेत्र को बढ़ाने के लिए गैस ट्रंक पाइपलाइनों का निर्माण	1.1 बिछाई गई जेएचबीडीपीएल की कुल लंबाई (कि0मी0 में)	1.1 550 कि0मी0	1. स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल ईंधन की वर्धित उपलब्धता और इसके सामाजिक आर्थिक लाभ	1.1 सृजित घरेलू और औद्योगिक आपूर्ति क्षमता (एमएमएससीएमडी)	16 एमएमएससीएमडी
		1.2 जेएचबीडीपीएल चरण-2 की वास्तविक प्रगति का %	1.2 खंड-2ए :70 खंड-2बी: 70 खंड-3ए : 60 खंड-3बी: 45 बीजीपीएल खंड: 35		1.2 नए एलपीजी कनेक्शनों वाले परिवारों की संख्या	12,000
		1.3 सीजीडी नेटवर्कों के लिए गैस आपूर्ति द्वारा कवर किए गए जिलों की संख्या	1.3 6		1.3 जेएचबीडीपीएल के जरिए गैस आपूर्ति के आधार पर पुनरुद्धार किए जाने वाले उर्वरक संयंत्रों की संख्या	3

खंड-2ए : जेएचबीडीपीएल का धामरा-अंगुल पाइपलाइन खंड ; खंड-2बी : जेएचबीडीपीएल का दोभी -दुर्गापुर पाइपलाइन खंड ; खंड-3ए : जेएचबीडीपीएल का बोकारो -अंगुल पाइपलाइन खंड ; खंड-3बी : जेएचबीडीपीएल का दुर्गापुर - हल्दिया पाइपलाइन खंड ; बीजीपीएल: जेएचबीडीपीएल का बरौनी -गुवाहाटी पाइपलाइन खंड

7. राष्ट्रीय भूकंपीय कार्यक्रम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
1623.26	1. भारत में तलछटीय बेसिनों का 2डी-भूकंपीय सर्वेक्षण (कुल 48243 लाइन कि.मी.)	1.1. 2डी भूकंपीय सर्वेक्षण की लाइन किलोमीटर	11771 एलकेएम	1 भारत के सभी तलछटीय बेसिनों का मूल्यांकन किया जाना है	1.1 भारत में 26 तलछटीय बेसिनों का किया गया कुल 2डी भूकंपीय सर्वेक्षण का प्रतिशत (अब तक संचयी)	100%
				2. सृजित आंकड़ों का उपयोग	2.1 अब तक की गई डाटा खरीद की संख्या (आज की तारीख तक ओएएलपी दौर)	*
* इस संकेतक के लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता क्योंकि यह एक मांग आधारित स्कीम है।						

विद्युत मंत्रालय

मांग सं. 76

1. एकीकृत विद्युत विकास स्कीम (आईपीडीएस) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु.करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	सूचक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	सूचक	लक्ष्य 2019-20
5280.45	1. शहरी क्षेत्रों में एंड-टु-एंड मीटरिंग समाधान, उन्नत उप पारेषण और वितरण अवसंरचना	1.1. मीटर लगाने के साथ-साथ शामिल किए गए कुल 11 केवी फीडर और वितरण ट्रांसफार्मर (शहरी क्षेत्रों में)।	5,000	1. शहरी क्षेत्रों में उन्नत विद्युत विश्वसनीयता।	1.1. मानीटर किए गए शहरी फीडरों से संबंधित वार्षिक औसत मासिक कटौती के घंटे (घंटों/माह में)	5% की कमी[ल]
		1.2. उपभोक्ता मीटर लगाना(संख्या)	20,00,000			
		1.3. जोड़ी गईं एचटी लाइन(सर्किट किलोमीटर)	5000			
		1.4. वितरण ट्रांसफार्मर क्षमता अभिवृद्धि (एमवीए)	3000			
	2. आई पी डी एस परियोजनाओं का अवार्ड एवं परियोजनाओं का पूरा किया जाना*	2.1. आई पी डी एस सर्किलों का पूरा होना (संचयी)	424			
	3. गो-लिव नगर	3.1. आईटी फेज-2 के अंतर्गत गो-लिव नगरों की संख्या	600	2. एटी एंड सी हानियों में कमी	2.1. आधार स्तर के संबंध में एटीएंडसी हानि वाले कस्बों की संख्या में वृद्धि।	5%[ळ]
	4. राष्ट्रीय विद्युत पोर्टल के माध्यम से ऊर्जा आंकड़ों की आर-एपीडीआरपी निगरानी	4.1. राष्ट्रीय विद्युत पोर्टल के माध्यम से मानीटर किए गए फीडरों की अतिरिक्त संख्या	800			

2. दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (डी डी यू जी जे वाई) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2 019-20		
2019-20	निर्गम	सूचक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	सूचक	लक्ष्य 2019-20
4066	1. कृषि और घरेलू विद्युत आपूर्ति का फीडर पृथक्करण	1.1 11 केवी की नई लाइनों (सर्किट किलोमीटरों में) सहित एचटी लाइन फीडर पृथक्करण	2,00,000	1. ग्रामीण क्षेत्रों में उन्नतएटीएंडसी हानियां।	1.1 ग्रामीण क्षेत्रों में वार्षिक औसत एटीएंडसी हानियां (प्रतिशत में)	15%[ळ]
	2. ग्रामीण फीडरों/डीटी/ उपभोक्ताओं की मीटरिंग और निगरानी सहित ग्रामीण क्षेत्रों में उप-पारेषण तथा वितरण अवसंरचना का सुदृढ़ीकरण और संवर्धन	2.1 चालू किए गए सब-स्टेशनों की संख्या (नए एवं संवर्धन)	1,200	2. ग्रामीण क्षेत्रों में उन्नत विद्युत विश्वसनीयता	2.1. मानीटर किए गए ग्रामीण फीडरों से संबंधित वार्षिक औसत मासिक कटौती के घंटे (घंटों/माह में)	*[व]
		2.2 चालू किए गए वितरण ट्रांसफार्मरों की संख्या	1,40,000			
		2.3 निगरानी किए गए (ऑनलाइन) ग्रामीण फीडरों की संख्या (संचयी)	100,000[श]			

---

30 *कार्यालय ज्ञापन (सं. 06/02/2015-एनईएफ/एफआरपी) के संदर्भ में, मंत्रालय ने वित्तीय वर्ष 2018-19 तक एटीएंडसी हानियों में 15 प्रतिशत तक की कमी होने का अनुमान लगाया था।*

31 *क्योंकि ग्रामीण फीडर पर आउटेज घंटों का मूल्यांकन करने के लिए कोई तंत्र उपलब्ध नहीं है तथा राष्ट्रीय स्तर (ग्रामीण भारत) पर कोई बेसलाइन डाटा मौजूद नहीं है, इसलिए, इस वर्ष के लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता है। तथापि, मंत्रालय अपने परिणाम सूचक पर प्रगति का आंकड़ा साझा करेगा।*

32 *माननीय प्रधानमंत्री अवसंरचना समीक्षा के अनुसार, कुल 100,000 ग्रामीण फीडर्स हैं, तथा विद्युत मंत्रालय ने सभी ग्रामीण फीडरों की निगरानी करने के लिए प्रतिबद्धता दी है।*

3. विद्युत प्रणाली का सुदृढ़ीकरण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	सूचक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	सूचक	लक्ष्य 2019-20
1478.04	***क. कारगिल होते हुए श्रीनगर से लेह तक 220 केवी पारेषण लाइन***					
	1. परियोजना की वास्तविक प्रगति	1.1. परियोजना के पूरा होने की प्रतिशतता	परियोजना वित्तीय वर्ष 2018-19 में पहले ही चालू (100 प्रतिशत समापन) हो गई थी।	1. क्षेत्र में उन्नत विद्युत पारेषण क्षमता	1.1. क्षेत्र में विद्युत पारेषण में वृद्धि (पारेषण परियोजना के माध्यम से ट्रांसमिट की गई वार्षिक ऊर्जा एमवीए अथवा बीयू में)	150-160 एमवीए
		1.2. इस परियोजना के चालू होने के कारण जोड़ी गई पारेषण क्षमता (एमवीए में)	परियोजना वित्तीय वर्ष 2018-19 में पहले ही चालू (100 प्रतिशत समापन) हो गई थी। जोड़ी गई पारेषण क्षमता 150 से 160 एमवीए है।			
	ख. अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम राज्यों में पारेषण प्रणाली का सुदृढ़ीकरण					
	1. पैकेजों का अवार्ड तथा उनका कार्यान्वयन	1.1. अवार्ड किए गए पैकेजों की संख्या	36[33] (अरुणाचल प्रदेश में 26 तथा सिक्किम में 10)	1. क्षेत्र में उन्नत विद्युत पारेषण क्षमता	1.1 क्षेत्र में विद्युत पारेषण में वृद्धि (एमवीए में)	410 एमवीए
		1.2 अवार्ड किए गए पैकेजों की प्रगति की प्रतिशतता	अरुणाचल प्रदेश में 21 प्रतिशत तथा सिक्किम में 34 प्रतिशत			
	ग. अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम को छोड़कर पूर्वोत्तर राज्यों में विद्युत प्रणाली सुधार - एनईआरएसआईपी					
	1. पैकेजों का अवार्ड और उनका कार्यान्वयन	1.1 अवार्ड किए गए पैकेजों की संख्या	सभी 55 संस्वीकृत पैकेज	1. क्षेत्र में उन्नत विद्युत पारेषण क्षमता	1.1 क्षेत्र में विद्युत पारेषण में वृद्धि (एमवीए में)	990 एमवीए
		1.2 अवार्ड किए गए पैकेजों की प्रगति की प्रतिशतता	55 प्रतिशत (डीपीआर प्रगति के अनुसार प्रगति का संचयी प्रतिशत)			
	घ. स्मार्ट ग्रिड					

[33] *स्वीकृत 43 पैकेजों में से कुल 36 पैकेज (अरुणाचल प्रदेश में 26 तथा सिक्किम में 10 पैकेज) अवार्ड किए जाएंगे। संशोधित लागत अनुमान (आरसीई) का अनुमोदन मिलने तक 7 पैकेजों को रोककर रखा गया है।*

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	सूचक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	सूचक	लक्ष्य 2019-20
	1. स्मार्ट ग्रिड मुख्य परियोजना मूल्यांकन	1.1मुख्य परियोजनाओं के प्रभाव मूल्यांकन की प्रगति	11 मुख्य परियोजनाओं का मूल्यांकन	1. मुख्य परियोजनाओं से जानकारी (जागरूकता एवं स्मार्ट ग्रिड अपनाना) तथा जानकारी का प्रचार	1.1 कार्यशाला (कार्यशालाओं की कुल संख्या)	-
	2. स्मार्ट ग्रिड त्वरित स्व-मूल्यांकन टूल	2.1 यूटिलिटियों का मूल्यांकन	दो (2) यूटिलिटियां	2. स्मार्ट ग्रिड परिनियोजन में प्रशिक्षित व्यावसायी	2.1 प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	सात (7)
	3. स्मार्ट ग्रिड परियोजनाओं का अवार्ड	3.1 अवार्ड पत्र	दो (2) परियोजनाएं	3. क्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाना	3.1 परियोजनाओं की संख्या	तीन (3)
	ङ. ग्रीन एनर्जी कॉरीडोर (जी ई सी)					
	1. ग्रीन एनर्जी कॉरीडोर का निर्माण	1.1 निर्मित पारेषण लाइन की लंबाई (सीकेएम में)	2200	1. उन्नत प्रबंधन और नवीकरणीय ऊर्जा की निकासी	1.1 ग्रीन एनर्जी कॉरीडोर के माध्यम से ग्रिड में भेजी गई नवीकरणीय ऊर्जा की कुल इकाइयां (जीडब्ल्यूएच/वर्ष में) अथवा नवीकरणीय ऊर्जा की निकासी के लिए निर्मित क्षमता	14.8 गीगावाट

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	सूचक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	सूचक	लक्ष्य 2019-20
		1.2 वित्तीय वर्ष में संस्थापित आरईएमसी केंद्रों की संख्या	शून्य		1.2 नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन संयंत्रों (आरईएमसी/जीईसी के साथ जुड़े) का औसत क्षमता उपयोग घटक (सीयूएफ)	स्पष्ट नहीं किया जा सकता [34]

[34] *क्योंकि ग्रीन एनर्जी कॉरीडोर (जीईसी) नई अवसंरचना परियोजना है और आरईएमसी अभी चालू की जानी है (तथा मंत्रालय के पास कोई बेसलाइन डाटा मौजूद नहीं है), इसलिए इस वर्ष के लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता है, तथापि, मंत्रालय अपने परिणाम सूचक पर प्रगति डाटा साझा करेगा।*

4. विद्युत प्रणाली विकास निधि (पीएसडीएफ) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	सूचक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	सूचक	लक्ष्य 2019-20
1034.71	1. परियोजना निष्पादन और चालू किया जाना	1.1. अवार्ड की गई परियोजनाओं की संख्या	140 (संचयी प्रस्ताव) [35]	1. उन्नत निधि उपयोग	1.1. संस्वीकृत निधियों की प्रतिशतता अथवा संस्वीकृत निधि की कुल राशि (करोड़ रुपए में)	11,282.39
		1.2. पूरी की गईं परियोजनाओं की संख्या	16 (सोलह परियोजनाएं) [36]		1.2. प्रयुक्त निधियों की प्रतिशतता/ राशि (करोड़ रुपए में)	6328.80

[35] पीएसडीएफ वित्तपोषण के लिए *11,282.39* करोड़ रुपए की अनुदान राशि से कुल *140* प्रस्ताव संस्वीकृत किए गए। *95* परियोजना निकायों, जिन्होंने ठेका दे दिया है (अथवा संविदा देने की प्रक्रिया में है) को *6328.80* करोड़ रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ है तथा परियोजना निकायों से *167.04* करोड़ रुपए की अतिरिक्त मांग की गई है। *13* परियोजना निकायों ने वित्तीय वर्ष *2019-20* में करार पर हस्ताक्षर किए हैं तथा उनके द्वारा निधियों के लिए शीघ्र ही मांग प्रस्तुत किए जाने की संभावना है।

[36] आज की तिथि तक कुल *13* परियोजनाएं पूरी कर ली गई हैं (*3044.81* करोड़ रुपए की अनुदान सहायता दी गई है)। शेष परियोजनाएं निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं।

1. **नई लाइनें *(निर्माण)***
2. **आमान परिवर्तन**
3. **लाइन दोहरीकरण *(सीएस)***

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*	परिणाम	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*
47997.91*	1.नई लाइनों के निर्माण, आमान परिवर्तन और लाइन दोहरीकरण की उच्च गति	1.1. नई लाइनों का निर्माण (किमी)।	800	1. असंबद्ध मार्गों विशेष रूप से एलड्ब्ल्यूई जिलों, सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जिलों, जनजातीय क्षेत्रों, आदि में अधिक से अधिक पहुंच	1.1. नई लाइन के निर्माण के फलस्वरूप रेलवे से जुड़े स्थान (लास्ट माइल कनेक्टिविटी मानक मानते हुए)	• 34
		1.2. आमान परिवर्तन (किमी) कार्यों की कुल लंबाई	800			
		1.3. पूरा किए गए लाइन दोहरीकरण (किमी) की कुल लंबाई.	4000	2. बेहतर संरक्षा और थ्रूपुट के साथ - साथ भीड़भाड़ वाले मार्गों पर अधिक माल यातायात सेवाएं	2.1. भीड़भाड़ वाले मार्गों पर यात्री थ्रूपुट (यात्री किमी) में वृद्धि	0.05%
					2.2. भीड़भाड़ वाले मार्गों पर माल यातायात थ्रूपुट (शुद्ध टन किमी) में वृद्धि	3.3%

***** *इस मद के लिए बजटीय आवंटन रु.10155 करोड़ है; शेष ईबीआर के माध्यम से है।*

4. विद्युतीकरण परियोजनाएं *(सीएस)*

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
6960.26	1. रेलवे नेटवर्क का विद्युतीकरण	1.1. विद्युत कर्षण पर शुरू किए गए अतिरिक्त रेलमार्ग (किमी)	7000	1. आयातित ईंधन अर्थात डीजल तेल पर निर्भरता में कमी	1.1. भारतीय रेल में कर्षण प्रयोजनों के लिए डीजल की खपत में कमी का प्रतिशत (%)	डीजल की खपत में 2% की कमी

** इस मद के लिए बजटीय आवंटन रु.1 करोड़ है; शेष ईबीआर के माध्यम से है।*

5. सिग्नलिंग और दूरसंचार *(सीएस)*

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
1750	1. सिगनल बदलने का कार्य	1.1. स्टेशनों की संख्या जहां आधुनिक सिगनल व्यवस्था का कार्य शुरू किया गया है	300	2. उन स्टेशनों पर, जहां सिगनल बदलने का कार्य किया गया है, संरक्षा बढ़ गई है।	2.1. सिगनल की विफलताओं के कारण उत्पन्न होने वाले असुरक्षित कार्य संचालन घटनाओं की संख्या	0*
	2. समपार फाटकों की इंटरलॉकिंग	2.1. उन समपार फाटकों की संख्या जहां इंटरलॉकिंग का कार्य शुरू किया गया है	250	3. वे समपार जहां समपार फाटकों की इंटरलॉकिंग कर दी गई है, पर संरक्षा बढ़ गई है।	3.1. उन गेटों पर हुई दुर्घटनाओं की संख्या जहां समपार फाटकों की इन्टरलॉकिंग की गई है	

* रेलवे की दुर्घटनाओं तथा असुरक्षित कार्यप्रणाली के प्रति शून्य सहनशीलता है इसलिए इसका लक्ष्य शून्य रखा गया है।

***6.* रेलपथ नवीकरण (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019- 20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019- 20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
10120	1. नवीकृत रेलपथों की अधिक लम्बाई	1.1. नवीकृत रेलपथों की कुल लम्बाई (किमी।)	4000	1. रेलपथ नवीकरण के चल रहे कार्यों की संख्या में कमी	1.1. रेलपथ नवीकरण से संबंधित सभी स्वीकृत कार्यों को समयबद्ध कार्यक्रम के अनुसार पूरा किया जा रहा है	सभी स्वीकृत परियोजनाओं को 2 से 3 वर्षों के भीतर पूरा किया जा रहा है।

7. **सड़क सुरक्षा कार्य - समपार**

8. **सड़क सुरक्षा कार्य - ऊपरी/निचले सड़क पुल *(सीएस)***

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
6050	1. आरओबी का निर्माण	1.1 निर्मित आरओबी/आरयूबी की संख्या	1200	1. संरक्षा में वृद्धि	1.1. समपारों पर दुर्घटनाओं की संख्या में कमी का प्रतिशत	रेलवे ने दुर्घटनाओं एवं असुरक्षित कार्यप्रणाली के लिए जीरो टॉलरेन्स रखा है इसलिए इसका लक्ष्य जीरो रखा गया है।

9. **चल स्टॉक (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
6114.82	1. प्रत्येक किस्म के चल स्टॉक की खरीद	1.1. परिचालित विद्युत रेलइंजनों की संख्या	725*	माल यातायात और यात्री सेवाओं के थ्रूपुट में वृद्धि	1. यात्री थ्रुपूट में वृद्धि (पीकेएम)	0.05%
		1.2. परिचालित एलएचबी सवारी डिब्बों की संख्या	4941*		2. माल यातायात थ्रुपूट में वृद्धि (शुद्ध टन किमी)	3.3%
		1.3. परिचालित आईसीएफ सवारी डिब्बों की संख्या				
		1.4 परिचालित रेलपथ मशीनों की संख्या	65*			

* कोच उत्पादन कार्यक्रम की समीक्षा की जा रही है, तदनुसार लक्ष्य संशोधित हो सकते हैं।

10. **यातायात सुविधाएं - यार्ड के ढांचे में परिवर्तन और अन्य (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
1210.03	1. निर्माण कार्यों का विस्तृत कार्य क्षेत्र	1.1. शुरु किए गए कार्यों की संख्या	98 कार्य	1. उन मार्गों, जहां यार्ड का पुनर्निर्माण किया गया है सहित बेहतर यात्री और माल यातायात थ्रूपुट	1.1. भीड़-भाड़ वाले मार्गों पर यात्री थ्रूपुट(यात्री किमी) में वृद्धि	0.05%
					1.2. भीड़-भाड़ वाले मार्गों पर माल यातायात थ्रूपुट (शुद्ध टन किमी) में वृद्धि	3.3%

11. **उत्पादन इकाइयों (सीएस) सहित कारखानें**

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
2550	परियोजनाओं को तेजी से शुरू किया गया।	1.1. चालू हो गई परियोजनाओं की संख्या	75	1. कारखानों/उत्पादन इकाइयों में स्टॉक-वार आउटटर्न	1.1. पिछले वर्ष की तुलना में चालू वर्ष में कारखानों/उत्पादन इकाइयों में आउटटर्न में वृद्धि	पिछले वर्ष की तुलना में उत्पादन इकाइयों के लिए % सुधार कोच-15.3% रेल इंजन-4.3% चल स्टॉक कारखानों के लिए- 2018-19 के वास्तविक लक्ष्य की तुलना में 2019-20 में वैगनों के आउटटर्न और कोचों में 5% वृद्धि का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

12. **मशीनरी और संयंत्र (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
669.58	1. नई मशीनरी और संयंत्र प्रतिष्ठानों का प्रतिस्थापन	1.1. मशीनरी और संयंत्र का प्रतिस्थापन आधार पर कुल मूल्य	321 करोड़	1. कारखानों और उत्पादन इकाइयों में रेलवे परिसंपत्तियों का समयोचित और कुशल अनुरक्षण	चालू वर्ष में पिछले वर्ष की तुलना में कारखानों/उत्पादन इकाइयों में आउटटर्न में वृद्धि	पिछले वर्ष की तुलना में उत्पादन इकाइयों के लिए % सुधार कोच-15.3% रेल इंजन-4.3% चल स्टॉक कारखानों के लिए- 2018-19 के वास्तविक लक्ष्य की तुलना में 2019-20 में वैगनों के आउटटर्न और कोचों में 5% वृद्धि का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
		1.1. अतिरिक्त खरीदारियों का कुल मूल्य।	348 करोड़			

13. **यात्री सुविधाएं *(सीएस)***

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019- 20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
3422.57	1. बेहतर यात्री सुविधाओं का सृजन	1.1. स्टेशनों का उन्नयन	68	1. बेहतर यात्री संतुष्टि सूचकांक	1.1. यात्री संतुष्टि सूचकांक	80% पर ग्राहक संतुष्टि सूचकांक बनाए रखना।

14. महानगर परिवहन परियोजनाएं (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
1600	1. उप-नगरीय रेल का अधिक से अधिक उपयोग	1.1. शुरू किए गए महानगरीय नई लाइन निर्माण कार्यों की लंबाई (किमी.)	63.22 किमी.	1. इन परियोजनाओं की वजह से यात्री थ्रूपुट में वृद्धि हुई	1.1. हासिल किए गए कुल उपनगरीय यात्री मार्ग किमी	156463

15. पुल निर्माण कार्य (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
745	1. पुल संबंधी निर्माण कार्यों में तेज़ी	1.1. शुरू किए गए पुल संबंधी निर्माण कार्यों की संख्या।	1000	1. बेहतर औसत गति	1.1. वार्षिक रुप से हटाए गए गति प्रतिबंधों की संख्या	121

सड़क स्कंध (सीएस)
1. सड़क निर्माण कार्य (सीएस)
2. भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) (सीएस)#

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
82570.93	1. **देश भर में बढ़ा हुआ सड़क नेटवर्क (भारतमाला, एनएचआईआईपी, एसएआरडीपी -एनई के लिए प्रमुख योजनावारजिसमेंवीआरसी, एनएच(मूल), ईएपी सहित अरुणाचल प्रदेश, एलडब्यू ई शामिल हैं)**	1.1. भौतिक प्रगति(किमी में)	11,000	1. सड़क नेटवर्क पर यातायात का समान और कुशल यातायात गमन।	1.1 एनएच की कुल लंबाई में एसएल / आईएल एनएच लंबाई का अनुपात	वर्ष 2022 तक एसएल / आईएल एनएच लंबाई को कुल एनएच लंबाई के10% से कम करना।
		एनएचडीपी की चालू परियोजनाएँ **सहित भारतमाला**	4,000			
		अन्य योजनाएँ				
		राष्ट्रीय राजमार्ग (मूल)	6,250			
		एसएआरडीपी-एनई	400			
		वामपंथी उग्रवाद	200			
		वीआरसी	50			
		ईएपी	100			
		उप योग (अन्य योजनाएं)	7000			
		1.2. भौतिक प्रगति (लेन -किमी में)	32000			
		एनएचडीपी की चालू परियोजनाएँ **सहित भारतमाला**	14,000			
		अन्य योजनाएं				
		राष्ट्रीय राजमार्ग (ओ)	16,250			
		एसएआरडीपी-एनई	1000			
		वामपंथी उग्रवाद	400			
		वीआरसी	100			
		ईएपी	250			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		उप कुल (अन्य योजनाएं)	18,000			
		कुल योग	32,000			
		1.3. विलंबित परियोजनाओं की संख्या	330	1. निर्माण-पूर्व गतिविधियों और परियोजना के कार्यान्वयन को व्यवस्थित करना।	1.1. परियोजना में अधिकतम विलंब	परियोजना समापन मेंअधिकतम विलंब को कम कर 1 वर्ष तक करना
		1.4. अधिनिर्णीत परियोजनाएँ (नग)	200		2.1 परियोजना में औसत विलंब में कमी (महीने)	6 महीने 2022 क
		1.5. अधिनिर्णीत परियोजनाएँ (लंबाई)	6,000			
	2. **सड़क नेटवर्क की बेहतरगुणवत्ता और अनुरक्षण**	2.1. पूरे किए जा चुके सड़क नेटवर्क में प्रौद्योगिकी उपयोग (आरओएमडीएसया समकक्ष प्रौद्योगिकी)	21,000	3. समग्र सड़क स्थिति में सुधार।	3.1 एनएच लंबाई पर आरओएमडीएस	वर्ष 2022 तक कम से कम75,000 किमी की पूरी तरह से संपन्न सड़क परियोजना पर आरओएमडीएस, आदि
		2.2. अनुरक्षण के तहत सड़क नेटवर्क (आवधिक नवीकरण / आईआरक्यूपी)	2,000			
	3. **पिछड़े जिलों में बेहतर संपर्कता**	3.1. जोड़े गए जिलों की संख्या (115 + 9 में से)	12	4. पिछड़े क्षेत्रों के साथ संपर्कस्थापित करना ।	4.1. चयनित जिलों को जोड़ने वाली विकसित परियोजनाएं(किमी में)	16,000 किमी की कुल लंबाई से वर्ष 2021-22 तक 124 जिलों को जोड़ा जाना है। सामाजिक आर्थिक विकास और भारत की मुख्यधारा के साथ एकीकरण के लिए पिछड़े, वामपंथ उग्रवादप्रभावित क्षेत्रों को संपर्कता प्रदान करना।
		3.2. ऐसे जिलों को जोड़ने वाले पुरस्कारों के लिए परियोजनाओं की लंबाई (किलोमीटर में)	450			
	4. **धार्मिक क्षेत्रों में बेहतर संपर्कता**	**चार धाम :** 4.1. अधिनिर्णीत परियोजनाओं की लंबाई (किमी में);	70	. उत्तराखंड राज्य में केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री, यमु	5.1. विकसित की जाने वाली कुल लंबाई	दिसंबर, 2021 तक889 किमी की लंबाई विकसित की जानी है।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		4.2. पूरी की गयी लंबाई (किलोमीटर में);	276	नोत्रीके लिए सभी मौसम में कार्य करने वाली बेहतर संपर्कता।		
		4.3. पूरी की गयी लेन लंबाई (किमी में)	828			
	5. **यात्रियों के लिए मार्ग स्थंसुविधाओं / यात्री सुविधाओं का विकास / स्वच्छ भारत**	5.1. विकसित मार्गस्थ सुविधाओं की संख्या	15	6. टोल प्लाजा में भीड़भाड़ / प्रतीक्षा समय को कम करना	6.1. (औसत प्रतीक्षा समय को कम करअधिकतम 15 मिनट से 3 मिनट करना।	औसत प्रतीक्षा समय को कम करअधिकतम 15 मिनट से 3 मिनट करना।
	6. **स्वच्छभारत के तहत पहलें**	6.1. टोल प्लाजाओं में विकसित किए गए शौचालय ब्लॉक की कुल संख्या ;	426	7. सुरक्षा में वृद्धि	7.1. दुर्घटनाओं - चोटों, मौतों में कमी।	10%
		6.2. दिव्यांगों के लिए विकसित कुल शौचालय ब्लॉक ;	200	8. जीबीएस के अलावा अन्य वैकल्पिक वित्तीय संसाधनजुटाना	8.1. विकसित एनएच खंडोंके मुद्रीकरण से राजस्व में वृद्धि	वर्ष2021-22 तक 34,000 करोड़ रुपये।
		6.3. कूड़ेदान, कियोस्क, वाटर एटीएम, प्लाज़ा केदोनों ओर पार्किंग क्षेत्र (200 मीटर की दूरी पर) जैसी सुविधाओं के साथ हाईवे नेस्ट	100	9. एनएच परपुराने और जीर्ण पुलों का पुनर्वास / पुनर्निर्माण	9.1. चिन्हित संकटग्रस्त पुलों का पुनर्निर्माण / पुनर्वास	137 (2021-22 तक)
	7. **इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रहण को सक्षम करना**	7.1. दोनों ओर कम से कम एक लेन पर ई-टोलिंग तकनीक वाले टोल प्लाजा की संख्या ;	100%		9.2. एनएच पर स्टैंड-अलोन आरओबी / आरयूबी का निर्माण	104 (2021-22 तक)
		7.2. जारी किए गए आरएफआईडीटैग (लाख में)।	25			
	8. **सड़क सुरक्षा**	8.1. सुधार किए गए ब्लैक स्पॉटों की संख्या	200			
	9. **सार्वजनिक निजी**	9.1. बीओटी (टोल) परियोजनाएं	5,400			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	भागीदारी (पीपीपी) निम्नलिखित श्रेणियों के अंतर्गतपीपीपी परियोजनाओं के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग विकास में रियायतग्राहियों द्वारा निवेश की गई राशि	9.2 बीओटी (एन्युटी परियोजनाएं)	1,000			
		9.3हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (एचएएम) परियोजनाएं	13,800			
	10. **विकसित राष्ट्रीय राजमार्ग खंडों का मुद्रीकरण**	10.1. विकसित राष्ट्रीय राजमार्ग खंडों के मुद्रीकरण से एकत्रित धनराशि	10,000			
	11. **बड़े पुल का निर्माण कार्य**	11.1 निर्मित / उन्नत किए गए बड़े पुलों की संख्या	50			
	12. **दावों का निराकरण**	12.1. किए गए दावों की संख्या	186			
		12.2. किए गए दावों की राशि (करोड़ रुपये में)	63,709			
		12.3. निपटाए गए दावों की संख्या	111			
		12.4. निपटाए गए दावों की राशि (करोड़ रुपये में)	24,583			

 # भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, पीबीएफएफ से वित्तपोषित सड़क निर्माण और निर्माण कार्य शामिल है

ग्रामीण विकास विभाग

1. **राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम: इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना (आईजीएनओएपीएस)(सीएसएस)**

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
6259.08	1. लाभार्थियों की कवरेज	1.1. लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या	221.17 लाख	1. समाज के सबसे गरीब तबके के लोगों को सामाजिक सहायता प्रदान करना	1.1. आधार से जुड़े पात्र लाभार्थियों का %	100%

2. **राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम:राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना(सीएसएस)**

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
672.69	1. लाभार्थियों की कवरेज	1.1 लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या	3.59 लाख	1. समाज के सबसे गरीब तबके के लोगों को सामाजिक सहायता प्रदान करना	1.1 आधार से जुड़े पात्र लाभार्थियों का %	100%

3. राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम: इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना (आईजीएनडब्ल्यूपीएस)(सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
1938.79	1. लाभार्थियों की कवरेज	1.1 लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या	65.73 लाख	1. समाज के सबसे गरीब तबके के लोगों को सामाजिक सहायता प्रदान करना	1.1 आधार से जुड़े पात्र लाभार्थियों का %	100%

4. **महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम (मनरेगा) (सीएसएस)**

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20 [37]	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20 [38]
60000	1. रोजगार, बेहतर संस्थागत क्षमता उपलब्ध कराना और टिकाऊ परिसंपत्तियों का निर्माण करना	1.1 सृजित श्रमदिवसों की संख्या	258.21 करोड़ (श्रमदिवसकाश्रमबजट 2019-20 केअनुमोदितकियागया है)	1.आर्थिक सुरक्षा उपलब्ध कराना, ग्रामीण परिसंपत्तियों का निर्माण करना और सामाजिक रूप से वंचित वर्गों का सशक्तीकरण करना	1.1सूक्ष्म सिंचाई कार्य	1.52 लाख
		1.2 वर्ष के दौरान निर्मित परिसंपत्तियों की कुल संख्या (संख्यामें)	58.21 लाख		1.2वनीकरण कार्य	0.32 लाख
	1 नए वर्क प्रोग्राम की शुरूआत	1.3 वर्ष के दौरान मनरेगा के अंतर्गत पंजीकृत नए कार्यों की	123.94 लाख		1.3. जल संसाधनों का निर्माण / नवीनीकरण	1.27 लाख

[37] *निर्गम लक्ष्य पिछले पांच वर्षों के उपलब्धियों के आधार पर निर्धारित किया जाना है*

[38] *परिणाम लक्ष्य पिछले पांच वर्षों के उपलब्धियों के आधार पर निर्धारित किया जाना है*

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20 [37]	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20 [38]
		संख्या			1.4 महिलाओं की भागीदारी (%)	54.75%
					1.5 अनुसूचित जातियों की भागीदारी (%)	21.9%
					1.6 अनुसूचित जनजातियों की भागीदारी (%)	17.5%

5. **प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) (सीएसएस)**

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	**निर्गम** 2019-20			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
19000	1. गुणवत्तापूर्ण बारहमासी सड़कों की उपलब्धता और उनका समय पर रख-रखाव	1.1. जोड़ी गई सड़कों की लंबाई (`000 कि.मी.)	52,502	1. पात्र बसावटों को जोड़ने वाली बारहमासी सड़कें शिक्षा, स्वास्थ्य बाजार और परिवहन सुविधाओं की प्राप्ति का मार्ग भी है।	1.1 पात्र बसावटों की संख्या (वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार: 178184) में से सड़कों से जोड़ी गई पात्र बसावटों का %	100 % (8,336)
		1.2. एनक्यूएम के निरीक्षण में शामिल कार्य	8750			
		1.3. असंतोषजनक पाए गए निर्मित कार्य (पिछले 3 वर्षों में एनक्यूएम के निरीक्षण में शामिल कार्यों के % का औसत)	>5 %	2. ग्रामीण सड़कों के निर्माण के लिए स्थायी और हरित प्रौद्योगिकी का प्रयोग	1.2 हरित प्रौद्योगिकी से निर्मित सड़कों की लंबाई (`000 कि.मी. में)	23,145
		1.4. असंतोषजनक पाए गए रख-रखाव कार्य (पिछले 3 वर्षों में एनक्यूएम के निरीक्षण में शामिल कार्यों के % का औसत)	>15%			
		1.5 मेरी सड़क ऐप पर दर्ज शिकायतों में से उन शिकायतों का अनुपात, जिन पर कार्रवाई की गई। (%)	100 %			

6. **राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) (सीएसएस)**

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	**निर्गम** 2019-20			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
9024	1. गरीब परिवारों की सामाजिक एकजुटता और संस्था निर्माण	1.1 एसएचजी में एकजुट किए गए परिवारों की संख्या	1 करोड़	1. कौशल निर्माण, ऋण तक पहुंच, विपणन और अन्य आजीविका सेवाओं के माध्यम से गरीबों की स्थायी आजीविका	1.1उत्पादक/किसान संगठन में शामिल की गई महिला उत्पादकों की संख्या	1 लाख
		1.2मुख्य तौर पर प्रोत्साहित किए गए अ. जा./अ.ज.जा./ अल्पसंख्यक एसएचजी की संख्या	50 लाख			
	2. एसएचजी का वित्तीय अंतर्वेशन	2.1. समुदायिक निवेश निधि (सीआईएस) प्राप्त करने वाले एसएचजी की संख्या	3.5 लाख		1.2 बैंक ऋण प्राप्त करने वाले एसएचजी की संख्या	32 लाख
		2.2 एसएचजी द्वारा प्राप्त किए गए बैंक ऋण की राशि	60,000 करोड़ रु.		1.3. डीडीयू-जीकेवाई के के माध्यम से रोजगार प्राप्त करने वाले की संख्या	1.75 लाख
	3. कौशल प्रशिक्षण और रोजगार	3.1 डीडीयू-जीकेवाई के अंतर्गत प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या	2.5 लाख		1.4 आरएसईटीआई के अंतर्गत नियोजित व्यक्तियों की संख्या	2.70 लाख
		3.2 आरएसईटीआई के अंतर्गत प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या	3.86 लाख			

7. **श्याम प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन (सीएसएस)**

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	**निर्गम** 2019-20			**परिणाम** 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
800	1. समेकित क्लस्टर कार्य योजना (आईसीएपी) का अनुमोदन	1.1 राज्यों से प्राप्त की जाने वाली आईसीएपी की संख्या	28	1. रूर्बन क्लस्टरों का विकास	1.1 डीपीआर में प्रस्तावित पहलों की संख्या	100 क्लस्टरों का 60%
	2. एसएलईसी अनुमोदन वाली विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर)	1.2 राज्यों से प्राप्त की जाने वाली (डीपीआर) की संख्या	87			
	3. सीजीएफ की रिलीज	1.3 कुल रिलीज सीजीएफ (रु. करोड़)	800			

8. **प्रधान मंत्री आवास योजना (पीएमएवाई)-ग्रामीण (सीएसएस)**

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	**निर्गम** 2019-20			**परिणाम** 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
19000	1.पर्याप्त आधारभूत सेवाओं से संपन्न पक्के मकानों का निर्माण	1.1. निर्मित मकानों (शौचालय सहित) की संख्या	60 लाख	1. पहले की अपेक्षा अधिक परिवार आधारभूत सेवाओं से संपन्न सम्मानजनक मकानों में रहते हैं।	1.1. गुणवत्तायुक्त घरों और आधारभूत सुविधायें (बिजली कनेक्शन, खाना बनाने हेतु स्वच्छ इंधन और सुरक्षित पेयजल) उपलब्ध कराये गए परिवारों की संख्या	15 लाख एलपीजी कनेक्शन
		1.2 प्रशिक्षण पाने वाले राजमिस्त्रियों की संख्या	50,000			

भूमि संसाधन विभाग

1. प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना और नीरांचल का वाटरशेड विकास घटक (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
2066	***क. प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना का वाटरशेड विकास घटक***					
	1. वर्षा जलसंचयन सतही बहाव को रोकने और भू-जल का पुनर्भरण	1.1. जल संचयन संरचनाओं का सृजन/सुदृढ़ीकरण की संख्या (लाख में)	0.396	1. उच्चतर कृषि पैदावार	1.1 संरक्षित सिंचाई के तहत अतिरिक्त क्षेत्र लाया गया (लाख हे. में)	0.976
		1.2. वृक्षारोपण [वनीकरण बागवानी आदि।] के तहत लाया गया क्षेत्र/ (लाख हे. में)	0.38	2. किसानों की आय में वृद्धि	1.2 लाभान्वित किसानों की सं. (लाख में)	2.77
	ख. ईएपी - विश्व बैंक से सहायता प्राप्त नीरांचल राष्ट्रीय वाटरशेड परियोजना					
	2. कृषि योग्य बंजरभूमि का विकास	2.1 पूरी की गई वाटरशेड विकास परियोजनाओं में निरूपित कृषि योग्य बंजर भूमि का क्षेत्र (लाख हे. में)	0.696	2. रोजगार में योगदान	2.1 सृजित मानवदिवसों की सं. (लाख मानव दिवस)	46.39

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

मांग सं. 86

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

1.एस एंड टी संस्थागत एवं मानव क्षमता निर्माण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड रू. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
1085.20	1.इंस्पायर पुरस्कार प्रशिक्षुतावृत्ति, छात्रवृत्ति एवं अध्येतावृत्ति के माध्यम से आरएंडडी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में सृजितन व प्रवर्तन के लिए आकर्षक अवसर	1.1 प्रकाशित इंस्पायर पुरस्कारों की सं.	100000	1.जीवन के आरंभिक काल में प्रतिभा आकर्षित करना और युवा बुद्धिजीवियों को विज्ञान अभिग्रहण करने एवं अनुसंधान में करियर बनाने हेतु प्रशिक्षित करना	1.1 निर्मितनव प्रवर्तक उत्पादों एवं सेवाओं की सं.	60
		1.2 परवर्ती उत्पाद/ प्रक्रिया विकास के लिए एनआईएफ द्वारा अभिग्रहित किए गए नवप्रर्वतक विचारों की सं.	60		1.2 एसएंडटी में पीजी/पीएचडी कर रहे इंस्पायर छात्रों की प्रतिशतता	40% (पीजी) 25% (पीएच.डी)
		1.3 इंस्पायर प्रशिक्षुता वृत्तिविज्ञान शिविर में भागीदारी का प्रस्ताव प्राप्त विधर्थियों की सं.	25000			
		1.4 प्रस्तावित छात्रवृत्तियों की संख्या	12000			
		1.5 प्रस्तावित अध्येतावृत्तियों की सं.	1000			
		1.6 प्रस्तावित इंस्पायर संकाय पदों की संख्या	100			
	2.विज्ञान में महिलाओं के लिए किरण कार्यक्रम: वैयक्तिक शोध सहायता, संस्थागत सहायता, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण, सामाजिक विकास एवं गतिशीलता के जरिए एसएंडटी में महिला प्रतिभा को प्रोत्साहित करना	2.1 निम्नलिखित के तहत सहायता प्राप्त चालू अनुसंधान परियोजनाओं/ अध्येतावृत्तियों की सं.		2. विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अनुसंधान करने हेतु महिलाओं की भागीदारी तथा योगदान में वृद्धि	2.1 डीएसटी द्वारा सहायता प्राप्त बहिष्प्राकार आर एंड डी परियोजनाओं में महिलाओं की भागीदारी	1000
		(i) डब्ल्यूओएस-ए	600		2.2 चालू वर्ष में विजेताओं द्वारा अनुसंधान प्रकाशनों (सूचीबद्ध पत्रिका) की संख्या	10
		(ii) डब्ल्यूओएस-बी	120			
		(iii) डब्ल्यूओएस-सी	100		2.3 चालूवर्ष में अनुदान ग्राहियों द्वारा विकसित/ अंतरित/ वाणिज्यीकृत उत्पादों, प्रक्रियाओं एवं प्रौद्योगिकियों की संख्या	*

वित्तीय परिव्यय (करोड रू. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		(iv) गतिशीलता	5		2.4 चालू वर्ष में पुरस्कार विजेताओं द्वारा प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या	50
		(V) स्टेम्म में महिलाओं के लिए भारतीय-अमेरिकी अध्येतावृत्ति (विस्टेम)	20			
		2.2 निम्नलिखित के तहत चालू वर्ष में पूरी की गई अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या :			2.5 किरणके तहत प्रशिक्षित महिला वैज्ञानिकों की सं.	100
		(i) डब्ल्यूओएस-ए	150			
		ii) डब्ल्यूओएस-बी	20			
		(iii) डब्ल्यूओएस-सी के तहत आईपीआर में प्रशिक्षित महिलाओं की संख्या	104			
		2.3 चालू वर्ष में विकसित महिला प्रौद्योगिकी पार्को (डब्लूटीपी) की सं.	6			
		2.4 क्यूरी के तहत सहायता प्राप्त संस्थाओं की सं.	1			
		2.5 किरण के तहत सहायता प्राप्त महिला वैज्ञानिकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सं	9			
	3. स्वर्ण जयंती अध्येतावृत्ति : विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अग्रणी क्षेत्रों में अनुसंधान करने के लिए उत्कृष्ट निष्पादन करने वाले युवा वैज्ञानिकों को सहायता	3.1 स्वर्ण जयंती अध्येतावृत्ति के अंतर्गत अधिनिर्णीत अध्येताओं द्वारा वर्तमान वर्ष में शुरू की गई चालू अनुसंधान 4.1	47	3. एस एंड टी में नवप्रर्वतक एवं प्रभावपूर्ण अनुसंधान	3.1 ऐ÷ पुरस्कार विजेता के अनुसंधान प्रकाशनों (सूचीबद्ध पत्रिका) की संख्या, जिनकी परियोजना चालू वर्ष में पूरी हुई है।	45

वित्तीय परिव्यय (करोड रू. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		पोस्ट-डॉक्टरल स्तर पर डीएसटी-एसटीआई अध्येतावृत्ति के अंतर्गत प्रदत्त अध्येतावृत्तियोंकी संख्या परियोजनाओं की संख्या			3.2 चालू वर्ष के दौरान पूर्ण परियोजनाओं में प्रशिक्षित /पीएचडी प्राप्त अनुसंधान कर्मियों की संख्या	12
					3.3 चालू वर्ष में पुरस्कार विजेताओं के पेटेंटों (दाखिल/स्वीकृत) की संख्या	2
	4. नीतिगत अनुसंधान प्रकोष्ठ (पीआरसी): एसटीआई नीतिगत क्षेत्र में कौशल विकास, विभिन्न ज्ञान संस्थओं में नीतिगत अनुसंधान और पूर्वानुमान अध्ययन आरंभ करना	4.1 पोस्ट-डॉक्टरल स्तर पर डीएसटी-एसटीआई अध्येतावृत्ति के अंतर्गत प्रदत्त अध्येतावृत्तियों की संख्या	5	4. नीतिगत अनुसंधान प्रकोष्ठ : एसटीआई नीतिगत क्षेत्र मे मानव संसाधन संवर्द्धन करना एवं ज्ञान आधार, प्रबुद्ध मंडल और साक्ष्य आधारित नीतिनिर्माण, एसएंडटीऑकड+ प्रबंधन, संकेतकों को सुदृढ करना तथा वैज्ञानिक जनशक्ति का क्षमता निर्माण	4.1 चालू वर्ष में डीएसटी-एसटीआई अध्येताओं द्वारा अनुसंधान प्रकाशनों (सूचीबद्ध पत्रिकाओं) की संख्या	20
		4.2 पीआरसी द्वारा आयोजित कार्यशालाओं की सं.	4		4.2 चालू वर्ष में एनएसटीएमआईएस के अंतर्गत रिपोर्ट/ प्रकाशनों की संख्या	17
		4.3 एनएसटीएमआईएस के अंतर्गत कार्यशील और अभिनव अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या : अंतः प्रतिष्ठान एवं प्रायोजित	40			
		4.4 सरकारी क्षेत्र में कार्य कर रहे प्रशिक्षित वैज्ञानिकों एवं तकनीकी विदों की सं.	800			
		4.5 विदेश में प्रभाव न दौरे में भाग ले चुके वैज्ञानिकों की संख्या	40			
	5.राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी कार्यक्रमः राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद को सुदृढ करने के लिए सहायता	5.1 निमनिलिखित के अंतर्गत चालू वर्ष में राज्यों में सहायता प्राप्त कार्यशील परियोजनों/पहलों की सं.	35	5. राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी कार्यक्रम : एसएंडटी में अनुसंधान एवं विकास में विभिन्न राज्यों की सहभागिता में वृद्धि हुई	5.1 एसएंडटी अध्ययनों एवं सर्वेक्षणों की संख्या	15
		(i) एसएंडटी अध्ययन एवं सर्वेक्षण	15		5.2 स्थान विशिष्ट अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी विकास एवं प्रदर्शन	20

वित्तीय परिव्यय (करोड रू. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		(ii) स्थान विशिष्ट अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी विकास एवं प्रदर्शन	20		5.3 स्थापित किए गए प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केन्द्र की संख्या	3
		(iii) प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केन्द्र की स्थापना	2		5.4 प्रशिक्षण/ कार्यान्वयन/ प्रदर्शन के बाद विज्ञान एवं प्रौद्योगि की अनुप्रयोगों का सफल उपयोग करने वाले लाभार्थियों की सं.	3500
		5.2 अन्य राज्यों में जिन सफल परियोजनाओं/ मॉडलों की प्रतिकृति बनाई गई उनकी संख्या	4			
	6. महाविद्यालयों, शिक्षण एवं शैक्षणिक अनुसंधान संस्थाओं में आरएंडडी अवसंरचना सुदृढ करना : फिस्ट, सैफ, पर्स	6.1 फिस्ट, सैफ, पर्स के अंतर्गत चालू वर्ष में सहायता प्राप्त मौजूदा संस्थाओं की सं	685	6. शिक्षण एवं अनुसंधान गुणवत्ता में सुधार : फिस्ट, सैफ, पर्स	6.1 चालू वर्ष में फिस्ट, सैफ, पर्स सहायता से प्रकाशनों (सूचीबद्ध पत्रिकाओं) की सं.	8500
		6.2 फिस्ट, सैफ, पर्स के अंतर्गत चालू वर्ष में सहायता प्राप्त नई संस्थाओं की सं.	152		6.2 उपलब्ध कराई गई सुविधाओं का उपयोग करने वाले अनुसंधानकर्ताओं की संख्या	10500
		6.3 फिस्ट, सैफ, पर्स के अंतर्गत चालू वर्ष में उपलब्ध कराए गए उपकरण/ संगणनात्मक/ अवसंरचनात्मक सुविधाओं की सं.	1000		6.3 सैफ, पर्स के अंतर्गत चालू वर्ष में सहायता प्राप्त संस्थओं में/द्वारा प्रशिक्षित (यूजी/पीजी/पीएचडी/संकाय) जनशक्ति की संख्या	1000
		6.4 चालू वर्ष में फिस्ट, सैफ, पर्स के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई सुविधाओं का उपयोग करते हुए आयोजित प्रशिक्षणों/ कार्यशालाओं की संख्या	10		6.4 पर्स के तहत अनुदान प्राप्त करने वाले सभी विश्वविद्यालयों में एच-सूची की दृष्टि से निष्पादन संवर्द्धन	34 प्रतिशित (14 विशविद्यालय) 60 प्रतिशत (30 विशविद्यालय)
	7. सत्यमः संज्ञानात्मक कार्यशीलता के अतिरिक्त शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर योग एवं मनन के प्रभाव संबंधी	7.1 सत्यम के अंतर्गत सहायता प्राप्त कार्यशील एवं नई अनुसंधान परियोजनाओं की सं.	65 (50 मौजूदा) (15 नई)	7. विभिन्न रोगों के उपचार एवं जीवन स्तर सुधार के लिए योग एवं मनन के प्रभाव संबंधी अनुसंधान को बढ़ाया गया।	7.1 चालू वर्ष में सत्यम के अंतर्गत अनुसंधान प्रकाशनों (सूचीबद्ध पत्रिकाओं) की सं.	5

वित्तीय परिव्यय (करोड रू. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	अनुसंधान को सहायता					
		8.1 सीएसआरआई: वैयक्तिक एवं बदु केन्द्रित के तहत सहायता प्राप्त कार्यशील एवं नई अनुसंधान परियोजनाओं की सं.	100	8. विभिन्न मनोवैज्ञानिक साधनों एवं बेटरी, आरंभिक निदान एवं बेहतर इलाज, सहायक प्रौद्योगिकी एवं पुनर्वास कार्यक्रमों के माध्यम से संज्ञानात्मक विकृतियों एवं सामाजिक मामलों से संबंधित चुनौतियों का बेहत रसमाधान हुआ।	8.1 चालू वर्ष मे पुरस्कार विजेताओं द्वारा अनुसंधान प्रकाशनों (सूचीबद्ध पत्रिकाओं) की सं.	10
		8.2 सीएसआरआई के तहत प्रदत्त पोस्ट डॉक्टरल अध्येतावृत्तियों की सं.	15		8.2 चालू वर्ष में पुरस्कार विजेताओं द्वारा पेटेंटों (प्रस्तुत/स्वीकृत) की संख्या	*
		8.3 सीएसआरआई के तहत आयोजित सम्मेलनों/ संगोष्ठी/संवाद/प्रशिक्षणकार्यक मों/कार्यशालाओं की सं	5		8.3 सीएसआरआई के तहत विभिन्न क्रियाकलापों के माध्यम से प्रशिक्षित जनशक्तियों की सं.	60

* लक्ष्यों को निर्धारित करने के लिए संकेतक का स्वबरूप जवाबदेह नहीं है

संक्षिप्ति:

- किरण: प्रशिक्षण के माध्यम से अनुसंधान संवर्द्धन में ज्ञान की सहभागिता
- क्यूरी: महिला विश्वविद्यालयों में नवप्रवर्तन एवं उत्कृष्टता के लिए विश्वविद्यालय अनुसंधान का समेकन
- फिस्ट: एसएंडटी अवसंरचना सुधार निधि
- सैफ: अत्याधुनिक विश्लेषणात्मक उपकरण सुविधा
- पर्स: विश्वविद्यालय अनुसंधान एवं वैज्ञानिक उत्कृष्टता संवर्द्धन
- सत्यम: योग एवं मननविज्ञान और प्रौद्योगिकी

2 .नवोन्मेष,प्रौद्योगिकी विकास तथा परिनियोजन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रू.में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	सूचकांक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	सूचकांक	लक्ष्य 2019-20
872.35	1. प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रमः बेहतर वाणिज्यीकरण हेतु अवधारणा पत्र पर आधारित नई प्रौद्योगिकियों का विकास	1.1 प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम के अंतर्गत सहायता-प्रदत्त जारी तथा नई अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	125	1.पीओसी से विकसित अद्यतन प्रौद्योगिकियों का अधिक प्रयोग	1.1 प्रयोगशालाओं तथा मैदानों में विकसित/प्रदर्शित प्रौद्योगिकियों/ उपकरणों की संख्या	25
		1.2 एनआरडीएमएस-एनएसडीआई की वरीयताओं के अंतर्गत सहायता-प्रदत्त जारी तथा नई अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	120	2. जिला/ब्लॉक/ग्राम पंचायतों में निर्णय लेने की प्रक्रिया में भू-स्थानिक आंकड़ों का अधिक प्रयोग हुआ	2.1 भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके निर्णय लेने की प्रक्रिया में सुधार हेतु शामिल की गई पंचायतों की संख्या	50
		1.3 लाभान्वित जिलों/ब्लॉकों/ग्राम पंचायतों की संख्या	50	3. सीईआरआई के अंतर्गत विकसित अद्यतन प्रौद्योगिकियों का अधिक प्रयोग	3.1 प्रकाशनों (सूचीबद्ध पत्रिकाओं) की संख्या	200
		1.4 सहायता-प्रदत्तभू - स्थानिक प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग परियोजनाओं की संख्या	50		3.2 दाखिल पेटेंटों की संख्या	5
		1.5 स्वच्छ ऊर्जा अनुसंधान पहल के लिए जारी तथा नई परियोजनाओं की संख्या	85 (नई) 198 (जारी) = 283		3.3 जांच बेडों तथा प्रौद्योगिकी प्रदर्शकों की संख्या	4
		1.6 अलग-अलग प्रोजेक्टों/ ज्ञान नेटवर्कों/विषयगत/केन्द्रों/स्टेकधारक संघों आदि के माध्यम से जल प्रौद्योगिकी समाधानों के प्रयास के लिए चालू और नए प्रोजेक्टों की संख्या	25 नये 157 चालू = 182		3.4 उपलब्ध कराई गई नीति निविष्टियों की संख्या	2
	2. सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए एसएण्डटी कार्यक्रमः एसएण्डटी जन शक्ति के लिए उच्च परिणामप्रद उद्यमिता को प्रोत्साहित और	2.1 चालू वर्ष में सहायता प्राप्त नए एवं मौजूदा प्रौद्योगिकी कार्य इनकूबेटरों, अनुसंधान पार्कों की संख्या	60			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रू.में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	सूचकांक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	सूचकांक	लक्ष्य 2019-20
	सुकर करना					
	3. एसएण्डटी सामाजिक-आर्थिक विकास कार्यक्रम: समाज के कमजोर वर्गों के सामाजिक-आर्थिक के लक्ष्य वाले कार्योन्मुख और स्थान विशिष्ट परियोजनाओं की सहायता	3.1 प्रत्येक लक्ष्य समूह के लिए **सीड** के अंतर्गत सहायित नए, चालू और पूर्ण हो चुके प्रोजेक्टों की संख्या: (i) महिला (ii) जनजातीय समूह (iii) एससीएवंएसटी समुदाय (iv) कृषि एवं गैर-कृषि क्षेत्र (v) दिव्यांगजन और वृद्धजन	(i) 20 (ii) +(iii) 50 (iv) 20 (v) 20		3.5 प्रशिक्षित अनुसंधान अध्येताओं की संख्या	100
		3.2 युवा वैज्ञानिकों एवं प्रौद्योगिकीविदों द्वारा शुरू किए गए नए, चालू और पूर्ण हो चुके सामाजिक रूप से प्रासंगिक कार्य अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	55		3.6 विकसित प्रौद्योगिकियों की संख्या	5
		3.3 आयोजित प्रशिक्षणों/निदर्शनों की संख्या[47]	100	4. जल प्रौद्योगिकी समाधान के अंतर्गत विकसित नवीनतम प्रौद्योगिकियों का बृहत उपयोग	4.1 प्रकाशनों की संख्या (संकेतक पत्रिकाएं)	25
		3.4 ग्रामीण क्षेत्रों में सहायित मुख्य सहायता समूहों/एसएण्डटी उप्रेरकों/सक्रिय क्षेत्र प्रयोगशालाओं की संख्या	27		4.2 पेटेंटों और विकसित नई प्रौद्योगिकियों की संख्या	2
	4.एसएण्डटी सामाजिक-आर्थिक विकास कार्यक्रम: देशभर में वैज्ञानिक ज्ञान के प्रसार के लिए विज्ञान संचार, लोकप्रियकरण और प्रसार क्रियाकलापों का समन्वय।	4.1चालू वर्ष में आयोजित प्रसार क्रियाकलापों की संख्या	60		4.3 मूल्यांकित की गई प्रौद्योगिकी की संख्या	3
		4.2 आयोजित प्रशिक्षणों/कार्यशालाओं की संख्या	50		4.4 अनुकूलित/विकसित/ वाणिज्यीकृत की गई प्रौद्योगिकियों की संख्या	1
		4.3 सहायित एसएण्डटी संचार में नए, चालू और पूर्ण हो चुके प्रोजेक्टों की संख्या	50		4.5 उपलब्ध प्रौद्योगिकी समाधानों की संख्या	3
	5. प्रदर्शनी एवं मेले: विभिन्न सूचना/ प्रौद्योगिकी प्रसार प्रदर्शनियों एवं मेलों को संचालित करना	5.1 सम्मिलित प्रतिभागी/संचालित प्रदर्शनियों एवं मेलों की संख्या	8		4.6 उपलब्ध नीतिगत जानकारी की दृष्टि से तैयार श्रेष्ठ पद्धति के प्रलेखों की संख्या	2

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रू.में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	सूचकांक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	सूचकांक	लक्ष्य 2019-20
	6. औषध एवं भेषज अनुसंधान:औषध एवं भेषज में अनुसंधान एवं विकास को सहायता	6.1 चालू एवं नए सहयोगात्मक प्रोजेक्टों की संख्या	10		4.7 सुकर बनाए एस्टार्ट-अप्स की संख्या	2
		6.2 इस कार्यक्रम के अंतर्गत स्थापित सुविधा केंद्रों की संख्या	3		4.8 प्रशिक्षित अनुसंधान अध्येताओं की संख्या	40
	7. तकनीकी अनुसंधान केन्द्र: तकनीकी अनुसंधान केन्द्रों में अनुसंधान एवं विकास सहायता	7.1 तकनीकी अनुसंधान केन्द्रों में शुरू किए गए चालू और नए अंतरणीय अनुसंधान प्रोजेक्टों की संख्या	65	5.स्टार्ट-अप्स/उद्यमिता के माध्यम से स्वदेशी उत्पाद/प्रौद्योगिकी विकास और वाणिज्यीकरण में वृद्धि	5.1चालू वर्ष में विकसित/अंतरित/वाणिज्यिकृत उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों की संख्या	360
		7.2 उद्भवित किए गए स्टार्ट-अप्स की संख्या	3	6. प्रधान रूप से समाज के लाभवंचित वर्गों और ग्रामीण समुदायों को सशक्त करने और उनके जीवन की गुणवत्ता सुधारने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की सम्यक पहल/पैकेज का विकास, प्रसार और अनुप्रयोग।	6.1 चालू वर्ष में विकसित/अंतरित/वाणिज्यीकृत/प्रसारित प्रौद्योगिकियों की संख्या	75
					6.2 सीड के तहत निर्मित उत्पादों, प्रक्रियाओं और प्रौद्योगिकियों से लाभान्वित विभिन्न समूहों में लाभार्थियों की संख्या	5000
		7.3 चालू वर्ष में विकसित उत्पादों और प्रौद्योगिकियों की संख्या	5	7. विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उन्नति के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना एवं वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करना ताकि बुनियादी स्तर पर शिक्षित रूप में निर्णय लेने में समर्थ हुआ जा सके।	7.1 अभिगम्य और अन्य क्रियाकलापों में विभिन्न प्रयोक्ता स्टेकधारकों की प्रगति/सहभागिता की संख्या	50,000,00
					7.2 चालू वर्ष में प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	1200
					7.3 चालू वर्ष में प्रकाशनों/विकसित उपकरणों की संख्या	5
				8. उद्योग द्वारा तकनीकी अनुसंधान केन्द्रों में विकसित प्रौद्योगिकियों का	8.1 चालू वर्ष में वाणिज्यिकृत उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों की संख्या	20
					8.2 चालू वर्ष में टीआरसी द्वारा पेटेंटों (दर्ज/स्वीकृत) की संख्या	30

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रू.में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	सूचकांक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	सूचकांक	लक्ष्य 2019-20
				उन्नत अभिग्रहण		

लघुरूप:

- *सीईआरआई: स्वच्छ ऊर्जा अनुसंधान पहल*
- *एसईआरआई: सौर ऊर्जा अनुसंधान पहल*
- *एनएसटीईडीबी: राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास बोर्ड*
- *टीआईएएसएन: सामाजिक आवश्यकताओं का समाधान करने के लिए प्रौद्योगिकी कार्यकलाप*
- *टीएआरए: ग्रामीण क्षेत्रों के लिए प्रौद्योगिकी विकास*
- *एसवाईएसटी: युवा वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के लिए योजना*
- *एनएसडी और एनएमडी: राष्ट्रीय विज्ञान दिवस और राष्ट्रीय गणित दिवस*

बायोटेक्नोलॉजी विभाग

1. जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान तथा विकास (सीएस)

वित्तीय परिव्यय 2019-20 (*करोड़ रु.*)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
1474.97	1) **उप स्कीम: अनुसंधान और विकास**					
	1. आधुनिक जीव विज्ञान, जैव प्रणालियां और बायोप्रोसेस इंजीनियरिंग, नैनो-जैवप्रौद्योगिकी, अनुवांशिक अभियांत्रिकी तथा प्रौद्योगिकिया और जैव सूचना विज्ञान में मूल अनुसंधान: ज्ञान सृजन तथा खोज अनुसंधान, नए उपकरण तथा प्रौद्योगिकिया	1.1 जारी समर्थित परियोजनाओं की संख्या	212	1. आधुनिक जीव विज्ञान, जैव प्रणालियां और बायोप्रोसेस इंजीनियरिंग, नैनो-जैवप्रौद्योगिकी, अनुवांशिक अभियांत्रिकी तथा प्रौद्योगिकीयां और जैव सूचना विज्ञान में मूल अनुसंधान: विज्ञान में उन्नत अनुसंधान और नवाचार	1.1 वर्तमान वर्ष में प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	1574
		1.2 समर्थित नई परियोजनाओं की संख्या	21		1.2 प्रकाशनों की संख्या	720
		1.3 आयोजित कार्यशाला/ प्रशिक्षण की संख्या	116		1.3 दायर किए गए पेटेंट की संख्या	24
					1.4 विकसित/ अंतरित/ व्यावसायीकृत प्रौद्योगिकियों/ सॉफ्टवेयर/ डेटाबेस की संख्या	25
	2. चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी: आधुनिक जीव विज्ञान में अन्वेषक द्वारा शुरू किए गए अग्रणी अनुसंधान तथा नवाचार का समर्थन	2.1 जारी परियोजनाओं की संख्या	543	2. चिकित्सा जीवविज्ञान: चिकित्सा जीव विज्ञान के क्षेत्रों में उन्नति	2.1 वर्तमान वर्ष में प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	745
		2.2 समर्थित नई परियोजनाओं की संख्या	25		2.2 कुल प्रकाशनों की संख्या	312
		2.3 आयोजित कार्यशाला/ प्रशिक्षण की संख्या	14		2.3 दायर किए गए पेटेंटों की संख्या	16
		2.4 स्थापित नई सुविधाओं की संख्या	8		2.4 विकसित/ अंतरित /व्यवसायीकृत प्रक्रिया /उत्पाद /प्रौद्योगिकी की संख्या	10
		2.5 जारी उद्योग-अकादमिक सहयोगी परियोजनाओं की संख्या	10			
	3. जैव संसाधन, स्वच्छ ऊर्जा तथा पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी: क्षमता निर्माण, अनुसंधान और विकास का समर्थन	3.1 जारी परियोजनाओं की संख्या	120	**3.** जैव संसाधन, स्वच्छ ऊर्जा तथा पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी: क्षमता निर्माण और वैज्ञानिक प्रगति	3.1 वर्तमान वर्ष में प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	300
		3.2 समर्थित नई अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं, नेटवर्क कार्यक्रमों, प्लेटफार्मों, सुविधाओं की संख्या	50		3.2 प्रकाशनों की संख्या	200
		3.3 आयोजित की गई संगोष्ठी/ मंथन /प्रशिक्षण कार्यक्रम/ कार्यशाला की संख्या	8		3.3 दायर किए गए पेटेंटों की संख्या	10
					3.4 विकसित अनुसंधानों की संख्या (किस्में/ नस्लें /प्रौद्योगिकियाँ/ उत्पाद, प्रक्रियाएँ,	20

वित्तीय परिव्यय 2019-20 (*करोड़ रु.*)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
	निर्गम	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
					निदान, टीके)	
					3.5 अंतरित या व्यावसायिकीकृत अनुसंधान की संख्या (किस्में/ नस्लें/ प्रौद्योगिकियाँ उत्पाद, प्रक्रियाएँ, निदान, टीके)	4
	4. कृषि जैव प्रौद्योगिकी और संबद्ध क्षेत्र: अनुसंधान और विकास वैज्ञानिक प्रगति का समर्थन	4.1 जारी परियोजनाओं की संख्या	250	4. कृषि जैव प्रौद्योगिकी और संबद्ध क्षेत्र: क्षमता निर्माण फसल और पशुधन उत्पादकता बढ़ाने के लिए नई तकनीकों का विकास करना	4.1 वर्तमान वर्ष में प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	420
		4.2 समर्थित नई अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं, नेटवर्क कार्यक्रमों, प्लेटफार्मों, सुविधाओं की संख्या	82		4.2 प्रकाशनों की संख्या	120
		4.3 आयोजित की गई संगोष्ठी/मंथन/प्रशिक्षण कार्यक्रम/ कार्यशालाओं की संख्या	10		4.3 दायर किए गए पेटेंटों की संख्या	2
					4.4 विकसित अनुसंधानों की संख्या (किस्में/ नस्लें/ प्रौद्योगिकियाँ /उत्पाद, प्रक्रियाएँ, निदान, टीके)	8
					4.5 अंतरित या व्यावसायिकृत अनुसंधान की संख्या (किस्में /नस्लें /प्रौद्योगिकियाँ/ उत्पाद, प्रक्रियाएँ, निदान, टीके)	4
	2) मानव संसाधन विकास					
	5. मानव संसाधन विकास (एचआरडी): स्टार कॉलेजों, स्नातकोत्तर शिक्षण कार्यक्रमों, एसटीपी प्रशिक्षण कार्यक्रमों, जेआरएफ, आरए को सहायता प्रदान करना	5.1 स्टार कॉलेज स्कीम के तहत समर्थित कॉलेजों की संख्या	42	5. कुशल मानव संसाधन का सृजन	5.1 स्टार कॉलेजों में पीजी पाठ्यक्रमों को चुनने वाले छात्रों की संख्या	500
		5.2 अवरस्नातक (यूजी) विभागों के लिए विकसित मॉड्यूल/एसओपी की संख्या.	100		5.2 बीआईटीपी प्राप्त करने के बाद रोजगार प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या	150
		5.3 प्रशिक्षित स्नातकोत्तर (पीजी) छात्रों की संख्या	800		5.3 जेआरएफ/आरए अध्येतावृत्ति प्राप्त करने के बाद रोजगार प्राप्त करने वाले व्यक्तियों की संख्या	50
		5.4 आयोजित एसटीटीपी प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	15			
		5.5 बीआईटीपी के तहत प्रशिक्षित छात्रों की संख्या	500			
		5.6 प्रदान की गई डीबीटी-जेआरएफ अध्येतावृत्तियों की संख्या	275			
		5.7 प्रदान की गई डीबीटी-आरए अध्येतावृत्तियों की संख्या	70			

वित्तीय परिव्यय 2019-20 (*करोड़ रु.*)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
	निर्गम	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
	6. एचआरडी: जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचारी अनुसंधान और विकास गतिविधियों के लिए शोधकर्ताओं को सहायता प्रदान करना शोधकर्ताओं की पहचान और उनका पोषण	6.1 बायोकेयर के तहत समर्थित परियोजनाओं/महिला वैज्ञानिकों की कुल संख्या	50	6. शिक्षण और अनुसंधान एवं विकास के लिए ज्ञान और उच्च प्रशिक्षित जनशक्ति का सृजन	6.1 बायोकेयर के तहत परियोजनाओं पर काम करने के बाद रोजगार पाने वाली महिला वैज्ञानिकों की संख्या	5
		6.2 प्रदान की गई रामलिंगास्वामी पुन: प्रवेश अध्येतावृत्तियों की संख्या	75		6.2 भारत में स्थायी संकाय के रूप में समाहित किए गए रामलिंगास्वामी पुनः प्रवेश अध्येताओं की संख्या (पिछले अध्येताओं सहित)	20
		6.3 प्रदान की गई टाटा इनोवेशन अध्येतावृत्तियों की संख्या	5		6.3 प्रकाशनों की कुल संख्या	200
		6.4 इनोवेटिव यंग बायोटेक्नोलॉजिस्ट अवार्ड	14			
		6.5 कैरियर विकास के लिए राष्ट्रीय जैव विज्ञान पुरस्कार	10			
		6.6 राष्ट्रीय महिला जैव वैज्ञानिक पुरस्कार	3			
		6.7 बायोटेक उत्पाद, प्रक्रिया विकास और व्यावसायीकरण पुरस्कार	3			
		6.8 प्रतिष्ठित जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान प्रोफेसरशिप पुरस्कार	5			
	7. एचआरडी: सम्मेलन, यात्रा, प्रदर्शनी और लोकप्रिय व्याख्यानों के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना	7.1 सीटीईपी गतिविधियों की संख्या a) सम्मेलन b) यात्रा अनुदान c) लोकप्रिय व्याख्यान d) प्रदर्शनियों	 50 450 15 10	7. एचआरडी: जैव प्रौद्योगिकी आउटरीच	7.1 भाग लेने वाले छात्रों/शोधकर्ताओं की संख्या	500
		7.2 और समर्थित सीटीईपी इवेंट की संख्या a) टियर- II शहरों में b) टियर III शहरों में	 5 5		7.2 अवार्ड प्राप्त करने वाले शोधकर्ताओं की संख्या	02
	3) उप स्कीम: जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान संसाधन, सुविधाएं और साझेदारी					
	8. अनुसंधान संसाधन सेवा सुविधा कार्यक्रम	8.1 इस स्कीम के तहत समर्थित नए संस्थानों/ विश्वविद्यालयों की संख्या	05	8. अनुसंधान संसाधन सेवा सुविधा कार्यक्रम	8.1 प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	2575
		8.2 अवसंरचना के निर्माण के	03		8.2 प्रकाशनों की संख्या	725

वित्तीय परिव्यय 2019-20 (*करोड़ रु.*)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
	निर्गम	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
		लिए सहायता (जारी + नई)				
		8.3 समर्थित सुविधाओं की संख्या (जारी + नई)	15		8.3 प्रशिक्षित जेआरएफ/ एसआरएफ, आरए, वैज्ञानिक की संख्या	100
		8.4 प्रयोगशाला उन्नयन (जारी + नई)	10		8.4 सुविधाओं का उपयोग करने वाले वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं की संख्या	10
		8.5 समर्थित बीटीआईएस-नेट सेंटर की संख्या (जारी)	150		8.5 तैयार किए गए डाटाबेस की संख्या	63
		8.6 आयोजित प्रशिक्षणों/ कार्यशालाओं की संख्या (जैव सूचना विज्ञान)	110		8.6 इस सुविधा का प्रयोग कर रही अनुसंधान तथा विकास परियोजनाओं की संख्या	10
		8.7 समर्थित सुविधाओं का विवरण (सुपर कम्प्यूटिंग सुविधा)	1			
		8.8 साझा नेटवर्क पर उपलब्ध ई-जर्नल की संख्या	1000			
		8.9 डेलकॉन जैसे साझा अनुसंधान संसाधन तक पहुंच बनाने वाले संस्थानों की संख्या	28			
	4) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग					
	9. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग: अनुसंधान और विकास गतिविधियाँ	9.1 वर्तमान वर्ष में कूटरचित नई अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियां	3	9. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग: जैव प्रौद्योगिकी में वर्धित सहयोगी अनुसंधान	9.1 वर्तमान वर्ष में प्रशिक्षित शोधकर्ताओं की संख्या	138
		9.2 वर्तमान वर्ष में संयुक्त अंतर्राष्ट्रीय आह्वान हेतु घोषित प्रस्ताव	6		9.2 वर्तमान वर्ष में विकसित/ अंतरित/व्यावसायीकृत प्रौद्योगिकियों की संख्या	3
		9.3 वर्तमान वर्ष में वित्त पोषित नई अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	30		9.3 वर्तमान वर्ष में जर्नलों में प्रकाशनों की संख्या (पूर्व समीक्षित)	73
		9.4 अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं के तहत वर्तमान वर्ष में जारी अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	103		9.4 वर्तमान वर्ष में पेटेंटों की संख्या	9

वित्तीय परिव्यय 2019-20 (*करोड़ रु.*)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		9.5 वर्तमान वर्ष में आयोजित/समर्थित कार्यशालाओं की संख्या	54			
		9.6 वर्तमान वर्ष में आयोजित वैज्ञानिक विनिमय/दौरों की संख्या अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी अनुसंधान परियोजनाएं	52			
	10. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग: क्षमता निर्माण और मानव संसाधन विकास	10.1 वर्तमान वर्ष में डीबीटी-बीएमजीएफ-बीआईआरएसी के तहत अध्येतावृत्ति/पुरस्कारों की संख्या	20	10. बायोमेडिकल रिसर्च करियर प्रोग्राम (डीबीटी-डब्लूटी/इंडिया एलांयस): भारतीय वैज्ञानिकों को भारत लौटने, भारत में काम करने/कार्य जारी रखने और व्यवहार्य और उपार्जन बायोमेडिकल रिसर्च करियर को आगे बढ़ाने के लिए बेहतर अवसर प्रदान करना।	10.1 इस समर्थन के साथ विदेशों से भारत लौट रहे शोधकर्ताओं की संख्या	5
		10.2 वर्तमान वर्ष में न्यूटन भाभा पीएचडी रोजगार कार्यक्रम के तहत अध्येतावृत्तियों/पुरस्कारों की संख्या	30		10.2 अध्येतावृत्ति के पूरे होने के पश्चात भारत के संस्थानों में निरंतर पद प्राप्त करने वाले बीआरसीपी अध्येताओं की संख्या	40
		10.3 वर्तमान वर्ष में खुराना कार्यक्रम के तहत अध्येतावृत्तियों/ पुरस्कारों की संख्या	50	11. बायोमेडिकल रिसर्च कैरियर प्रोग्राम (डीबीटी-डब्लूटी/ इंडिया एलांयस): उच्च गुणवत्ता वाले बायोमेडिकल रिसर्च के लिए भारत एलायंस तंत्र को मजबूत बनाना	11.1 इस कार्यक्रम के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाले मूलभुत-नैदानिक अनुसंधान साझेदारी विकसित हुई है	3
		10.4 वर्तमान वर्ष में ईएमबीओ/एचएसएफपीओं के तहत अंतर्राष्ट्रीय (युवा अन्वेषकों) की लघु और दीर्घ अवधि अध्येतावृत्तियों की संख्या	20	12. बायोमेडिकल रिसर्च करियर प्रोग्राम (डीबीटी-डब्लूटी/इंडिया एलांयस): जीवन विज्ञान और बायोमेडिकल रिसर्च के क्षेत्रों में भारत की उन्नत नेतृत्व को बढ़ावा देना	12.1 उच्च प्रभाव वाली पत्रिकाओं में कुल प्रकाशन की संख्या	120
		10.5 वर्तमान वर्ष में माइक्रोस्कोपी में प्रशिक्षित छात्रों/नागरिकों की संख्या	2000		12.2 प्रत्येक वर्ष दायर किए गए कुल पेटेंट की संख्या	02
		10.6 वर्तमान वर्ष में प्रशिक्षित महिला कृषकों की संख्या	35		12.3 प्रत्येक वर्ष विकसित/ अंतरित/ व्यावसायीकृत कुल तकनीकों की संख्या	00
	11. बायोमेडिकल रिसर्च	11.1 वर्तमान वर्ष के अंतर्गत	72		12.4 बीआरसीपी अध्येता का औसत सापेक्ष	1.5

वित्तीय परिव्यय 2019-20 (*करोड़ रु.*)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	कैरियर प्रोग्राम (डीबीटी-डब्लूटी/ इंडिया एलांयस): जैव चिकित्सा अनुसंधान (मानव और पशु चिकित्सा) के लिए प्रतिभाशाली शोधकर्ताओं को वित्तीय और सलाह प्रदान करना	अध्येतावृत्ति/ पुरस्कारों की संख्या: बायोमेडिकल रिसर्च कैरियर प्रोग्राम (डीबीटी-डब्लूटी/ इंडिया एलांयस)			प्रशस्ति पत्र राशन (आरसीआर)	
		11.2 उन शोधकर्ताओं की संख्या जिनको वर्तमान में मूलभुत अनुसंधान के लिए अध्येतावृत्ति जारी की गई है: (क) प्रारंभिक करियर अध्येतावृत्ति (ख) इंटरमीडिएट अध्येतावृत्ति (ग) वरिष्ठ अध्येतावृत्ति	10 10 6			
		11.3 नैदानिक अनुसंधान के तहत वर्तमान वर्ष के लिए उन अनुसंधानकर्ताओं की संख्या जिन्हें अध्येतावृत्ति प्रदान किए गए है (क) प्रारंभिक कैरियर अध्येतावृत्ति (ख) इंटरमीडिएट अध्येतावृत्ति (ग) वरिष्ठ अध्येतावृत्ति	4 6 3	13 बायोमेडिकल रिसर्च करियर प्रोग्राम (डीबीटी-डब्लूटी /इंडिया एलांयस): शिक्षण और अनुसंधान एवं विकास के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित जनशक्ति का सृजन	13.1 इन अध्येतावृत्ति और अनुदानों द्वारा सृजित किए गए अनुसंधान के अनुकूल वातावरण में प्रशिक्षित लोगों की संख्या	190
		11.4 अंतर-विषयक शोध के लिए वर्तमान वर्ष में शोधकर्ता की संख्या जिनके लिए सहयोगी अनुसंधान अनुदान जारी किया गया है	3		13.2 इस कार्यक्रम के माध्यम से समर्थित चिकित्सक वैज्ञानिकों की संख्या	78
		11.5 वर्तमान वर्ष में वित्तीय सहायता प्रदान की गई नैदानिक अनुसंधान केंद्रों की संख्या	3		13.3 इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित अनुसंधान प्रबंधकों की संख्या	15
		11.6 नैदानिक अनुसंधान प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए शोधकर्ताओं की संख्या जिन्हें वर्तमान वर्ष में अध्येतावृत्ति जारी की गई है	12		13.4 जैव चिकित्सा अनुसंधान करियर कार्यक्रम (डीबीटी-डब्लूटी/इंडिया एलांयस) अध्येतावृत्तियां: भारत के बाहर से पोस्ट डॉक्स की संख्या	4
		11.7 अनुसंधान प्रबंधन के लिए शोधकर्ताओं की संख्या जिनको अध्येतावृत्ति जारी की	6		13.5 जैव चिकित्सा अनुसंधान करियर कार्यक्रम (डीबीटी-डब्लूटी/इंडिया एलांयस) अध्येतावृत्तियां: पोस्ट डॉक्स की संख्या जिन्होंने	65

वित्तीय परिव्यय 2019-20 (*करोड़ रु.*)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
	निर्गम	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
		गई है			भारतीय संस्थानों में जारी रखा है	
		11.8 अनुसंधान प्रबंधन के लिए शोधकर्ताओं की संख्या जिनको अनुदान जारी किया गया है	3		13.6 जैव चिकित्सा अनुसंधान करियर कार्यक्रम (डीबीटी-डब्लूटी/इंडिया एलांयस) अध्येतावृत्तियां: बीआरसीपी अध्येताओं द्वारा परामर्शित पीएचडी तथा स्नातकोत्तरों की संख्या	160
		11.9 अनुसंधान प्रबंधन के तहत शोधकर्ताओं की संख्या जिनको यात्रा के लिए वित्तीय सहायता जारी की गई है	6			
		11.10 (क) मानव जैव चिकित्सा अनुसंधान (ख) पशु जैव चिकित्सा अनुसंधान के तहत समर्थित जारी परियोजनाओं की संख्या	206			
	5) सामाजिक विकास के लिए जैव प्रौद्योगिकी आधारित कार्यक्रम					
	12. सामाजिक विकास के लिए जैव प्रौद्योगिकी आधारित कार्यक्रम: ग्रामीण जैव संसाधन परिसरों/प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केंद्रों/इकाइयों में विस्तार	12.1 महत्वकांक्षी जिलों में स्थापित ग्रामीण जैव-संसाधन परिसरों/प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केंद्र/ इकाइयों की संख्या	9	14. सामाजिक विकास के लिए जैव प्रौद्योगिकी आधारित कार्यक्रम : स्वरोजगार हेतु अवसरों का सृजन	14.1 सृजित स्व रोजगारों की संख्या	300
	13 सामाजिक विकास के लिए जैव प्रौद्योगिकी आधारित कार्यक्रम: प्रदर्शन, प्रशिक्षण और विस्तार गतिविधियों के माध्यम से सिद्ध तथा क्षेत्र आधारित प्रौद्योगिकियों का प्रसार	13.1 कृषि और पशुपालन के क्षेत्र में वर्तमान वर्ष में प्रदान किए गए व्यावाहारिक प्रशिक्षण/कार्यशालाओं/जागरूकता कार्यक्रमों की संख्या: (क) ग्रामीण विकास (ख) महिलाएं (ग) अजा./अजजा.	40 20 30		14.2 प्रयोग के लिए शुरू किए गए तकनीकी हस्तक्षेपों की संख्या	10
		13.2 कृषि और पशुपालन के क्षेत्र में सिद्ध और क्षेत्र आधारित प्रौद्योगिकियों के प्रसार के लिए प्रशिक्षित लाभार्थियों की संख्या: (क) ग्रामीण विकास	1000 500		14.3 प्रदान किए जा रहे उन्नत कौशलों की संख्या	10

वित्तीय परिव्यय 2019-20 (*करोड़ रु.*)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
	निर्गम	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
		(ख) महिलाएं (ग) अजा./अजजा.	1000			
	6) एनईआर (पूर्वोत्तर क्षेत्र) के लिए कार्यक्रम					
	14. एनईआर (पूर्वोत्तर क्षेत्र) के लिए कार्यक्रम: राष्ट्रीय संस्थानों के साथ जैविक विज्ञान में सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास गतिविधियां	14.1 वर्तमान वर्ष में जारी सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	400	15. एनईआर (पूर्वोत्तर क्षेत्र) के लिए कार्यक्रम: पूर्वोत्तर राज्यों में प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में जैव तकनीक आधारित विकास को सुगम बनाना: कृषि और खाद्य उत्पादकता, मानव तथा पशु स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छ पर्यावरण, सतत उपयोगिता और जैव विविधता का संरक्षण	15.1 वर्तमान वर्ष में प्रकाशनों की संख्या (पूर्व समीक्षित)	100
	15. एनईआर के लिए कार्यक्रम: दीर्घकालिक बायोटेक गतिविधियों के लिए डीबीटी साझेदारी केंद्रों का विकास।	15.1 पूर्वोत्तर जैव सूचना विज्ञान नेटवर्क (नेबीनेट) के रूप में नेटवर्क किए जाने वाले जैव सूचना विज्ञान केंद्रों की संख्या	25		15.2 वर्तमान वर्ष में विकसित/अंतरित/व्यावसायीकृत प्रौद्योगिकियों की संख्या	04
	16. एनईआर के लिए कार्यक्रम: हितधारकों के लिए कौशल उन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम लागू करना	16.1 एनईआर में वर्तमान वर्ष में आयोजित कौशल उन्मुखी प्रशिक्षण/ कार्यशालाओं की संख्या	20		15.3 प्रशिक्षित छात्रों की संख्या	300
	17. एनईआर के लिए कार्यक्रम: बायोटेक में अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक आदान-प्रदान और मानव संसाधन विकास को बढ़ावा देना	17.1 डीबीटी-एनईआर विजिटिंग रिसर्च प्रोफेसरशिप (वीआरपी) स्कीम के तहत एनईआर संस्थानों में शामिल होने वाले वैज्ञानिकों की संख्या	10	16. एनईआर (उत्तर-पूर्वी क्षेत्र) के लिए कार्यक्रम: उच्च अंत आरएंडडी और एनईआर में शिक्षण के लिए अत्यधिक कुशल मानव संसाधनों की उपलब्धता।	16.1 समर्थित जनशक्ति की संख्या	750
		17.2 एनईआर वैज्ञानिकों की संख्या जिनको प्रवासी एसोसिएटशिप प्रदान की गई है	30		16.2 वर्तमान वर्ष में जैव प्रौद्योगिकी और संबद्ध क्षेत्रों में प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या (छात्र/जेआरएफ/ एसआरएफ/ आरए/वैज्ञानिक)	1000
	18. एनईआर के लिए कार्यक्रम: एनईआर में जैव प्रौद्योगिकी के मूलभुत अवसंरचना और संसाधनों को मजबूत करना	18.1 वर्तमान वर्ष में एनईआर में स्थापित बायोटेक अवसंरचना सुविधाओं/ प्रयोगशालाओं की संख्या	05		16.3 बायोटेक आधारित क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करने वाले उद्यमियों की संख्या	100
		18.2 "सीनियर सेकेंडरी स्कूलों (बीएलआईएसएस)" में जैव प्रौद्योगिकी प्रयोगशालाओं के तहत समर्थित एनईआर स्कूलों की संख्या	82 85	17.एनईआर के लिए कार्यक्रम: एनईआर में वैज्ञानिक ज्ञान को बढ़ावा देना	17.1 सुविधाओं का उपयोग करने वाले वैज्ञानिक और अनुसंधानकर्ताओं की संख्या	200

वित्तीय परिव्यय 2019-20 *(करोड़ रु.)*	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		(क) जारी (ख) नए				

पोत परिवहन मंत्रालय

मांग संख्या - 89

1. सागरमाला (सीएस)

वित्तीयपरिव्यय (रुपय करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2019-20	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2019-20
550	1.पत्तनों मे अवसंरचना निर्माण, पत्तनों के आधुनिकीकरण, पत्तनों को सम्पर्कता, तटीय क्षेत्रों में सामुदायिक विकास आदि के लिए पत्तनों, समुद्री बोर्डों और राज्य सरकारों को मदद।	1.1. पूरी की जाने वाली रेल परियोजनाओं की संख्या	1	1.पत्तनों पर निकासी अवसंरचना (सड़क और रेल) में सुधार लाना	तटीय टन भार में प्रतिशत वृद्धि	12%
		1.2. पूरी की जाने वाली सड़क परियाजनाएं	1			
		1.3.सौंपी जाने वाली कैपिटल ड्रेजिंग परियोजनाओं की संख्या	1	2.बड़े जलयानों की संभलाई हेतु पत्तनों की क्षमता में वृद्धि करना		
		1.4. सौपी जाने वाली तटीय बर्थ परियोजनाओं की संख्या	2	3. पत्तनों में संभाले जाने वाले कार्गो की क्षमता को बढ़ाना		
		1.5.पूरी की जाने वाली तटीय बर्थें	1	4. पत्तन और समुद्री क्षेत्र में कौशल विकास क्षमता में वृद्धि करना	4.1 पत्तन और समुद्री क्षेत्र में प्रशिक्षित किए जाने व्यक्तियों में प्रतिशत वृद्धि	20%
		1.6. पूरी की जाने वाली ब्रेक वाटर परियोजनाएं	1	5. यात्रियों और वाहनों का सड़क से समुद्र परिवहन में मॉडल शिफ्ट	5.1जलमार्गों के द्वारा यात्रियों और वाहनों के आवागमन में बढ़ोत्तरी	1,00,000 यात्री और 5000 वाहन
		1.7. तटीय सामुदायिक विकास के अन्तर्गत चलाई जाने वाली कौशल विकास परियोजनाओं की संख्या	5			
		1.8. पूरी हो जाने वाली आरओ-आरओ जैट्टी परियोजना की संख्या	11			
		1.9. पत्तन जल, राष्ट्रीय जलमार्ग और सौंपी जाने वाली द्वीप परियोजनाओं में यात्री जैट्टीयों की संख्या	5			

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

मांग सं.90

1. प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना

वित्तीय स्थिति (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	*सूचक (एस)*	*लक्ष्य 2019-20*	परिणाम	*सूचक (एस)*	*लक्ष्य 2019-20*
	क) केंद्रीय प्रायोजित केंद्रीय प्रबंधित (सीएससीएम) (सीएसएस)					
	1. प्रशिक्षण केंद्र बनाना और केंद्र स्थापित करने के लिए प्रशिक्षण भागीदारों को प्रोत्साहित करना	1.1 बनाए गए प्रशिक्षण केंद्रों की संख्या	0#	1. उद्योग मान्यता प्राप्त प्रमाणन के साथ वर्धित नियोजनीयता	1.1 सत्यापित प्लेसमेंट प्रतिशतता	40% सत्यापित उम्मीदवार ## - पात्र उम्मीदवारों के लगभग 14 लाख सत्यापित प्लेसमेंट
	2. रोजगार में सुधार और रोजगार बढ़ाने के लिए कौशल प्रशिक्षण का संचालन करना	2.1 अल्पावधि पाठ्यक्रमों में नामांकित लाभार्थियों की संख्या	*	2. वेतन रोजगार और स्वरोजगार सहित रोजगार में वृद्धि	पहले से बेरोजगार * प्रमाणित प्रशिक्षुओं का 2.1% प्रमाण पत्र के 90 दिन बाद रखा गया है	40% प्लेसमेंट
		2.2 विशेष परियोजनाओं में नामांकित लाभार्थियों की संख्या	*		2.2 प्रशिक्षुओं की कुल नियुक्ति दर [90 दिन पहले प्रमाणित लोगों की संख्या / लोगों की संख्या]	न्यूनतम 50% (और अधिक)
2676.65		2.3 आरपीएल घटक में नामांकित लाभार्थियों की संख्या	*		2.3 वेतन रोजगार में प्रशिक्षुओं की संख्या	80%
		2.4 नामांकित महिला प्रशिक्षुओं की संख्या	*		2.4 स्वरोजगार में लगे प्रशिक्षुओं की संख्या	20%
		2.5 नामांकित पुरुष प्रशिक्षुओं की संख्या	*		2.5 महिला प्रशिक्षुओं की संख्या	*
					2.6 पुरुष प्रशिक्षुओं की संख्या	*
					2.7 ट्रांसजेंडर प्रशिक्षुओं की संख्या	*
	3. प्रमाणन प्रदान करने के लिए कुशल श्रमिकों के मानकीकृत मूल्यांकन का संचालन करना	3.1. अल्पावधि पाठ्यक्रम में लाभार्थियों की संख्या का आकलन किया गया	*		3.1 कौशल मजदूरी प्रीमियम (प्रशिक्षण की मात्रा द्वारा शीर्ष 10 नौकरी की भूमिकाओं में पहले से कार्यरत प्रशिक्षुओं के लिए औसत	*

वित्तीय स्थिति (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
					वेतन वृद्धि)	
		3.2. विशेष परियोजनाओं में मूल्यांकन किए गए लाभार्थियों की संख्या	*		3.2 महिला प्रशिक्षुओं की प्लेसमेंट के बाद मजदूरी / पुरुष प्रशिक्षुओं की प्लेसमेंट के बाद मजदूरी / किन्नर प्रशिक्षु की प्लेसमेंट पश्चात मजदूरी	
		3.3. आरपीएल घटक में मूल्यांकन किए गए लाभार्थियों की संख्या	*	4. उद्योग की मांग के साथ प्रदान किए गए प्रशिक्षण का मिलान	4.1 प्रशिक्षित नौकरी की भूमिका में कार्यरत लाभार्थियों की संख्या	
		3.4. लघु अवधि के पाठ्यक्रमों में प्रमाणित लाभार्थियों की संख्या	वित्त वर्ष 19-20 में अल्पावधि पाठ्यक्रम + विशेष परियोजना के तहत 7,90,353 उम्मीदवारों को प्रमाणित करना	5. कुशल श्रमिकों की उपलब्धता के कारण औद्योगिक उत्पादकता में वृद्धि	5.1 कार्य मूल्यांकन की रिपोर्ट की गई जॉब रोल्स की संख्या प्रभाव मूल्यांकन के साथ जॉब रोल्स की संख्या को बढ़ाती है	
		3.5. आरपीएल घटक में प्रमाणित लाभार्थियों की संख्या	वित्त वर्ष 19-20 के लिए आरपीएल के तहत 51,84,705 उम्मीदवारों को प्रमाणित करना			
		3.6. प्रमाणित महिला प्रशिक्षुओं की संख्या	53%[घघ]			
		3.7. प्रमाणित पुरुष प्रशिक्षुओं की संख्या	*			
		3.8. प्रमाणित ट्रांसजेंडर प्रशिक्षुओं की संख्या	*			
	4. उद्योग भागीदारों के साथ एक उच्च गुणवत्ता वाले मानकीकृत पाठ्यक्रम और मूल्यांकन	4.1 एनएसक्यूएफ-संरेखित पाठ्यक्रम / प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की कुल संख्या के साथ प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की संख्या	100%[ख]			

घघ *लिंगवार स्टीक लक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं क्योंकि यह स्कीम किसी विशेष वर्ग पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित नहीं करती है और इसलिए किसी वर्ग के लिए कोई विशिष्ट लक्ष्य नहीं है। लेकिन पिछले वर्षों के पैटर्न पर, कुल अभ्यर्थियों में प्रमाणित महिलाओं की प्रतिशतता लगभग 53% होने का अनुमान है।*

ख *आज दिनांक, 2396 क्यूपी में से 1887 क्यूपी, एनएसक्यूपी के अनुरुप बना दिए गए हैं। भविष्य में, मॉडल पाठ्यक्रम के साथ केवल एनएसक्यूएफ अनुरुप क्यूपी/पाठ्यक्रम पीएमकेवीवाई में जोड़े जाएंगे। अत: एनएसक्यूएफ के अनुरुप लक्ष्य 100% क्यूपी है।*

वित्तीय स्थिति (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
	पद्धति का विकास करना					
	5. मानकीकरण के लिए समन्वय और दिशानिर्देश प्रदान करना	5.1 एनक्यूएएफ/ प्रत्यायन और संबद्धता दिशानिर्देशों का पालन करने वाले प्रशिक्षण संस्थानों का प्रतिशत	100%			*
		5.2 वित्त संस्थानों के दिशानिर्देश / समान मानदंडों का पालन करने वाले प्रशिक्षण संस्थानों का प्रतिशत	100%			*
		5.3 एनक्यूएएफ / पीएमकेवीवाई प्रक्रिया दिशानिर्देशों का पालन करने वाले प्रशिक्षण संस्थानों का प्रतिशत	100%			
	6. श्रम कार्यबल संबंधित डेटाबेस के साथ अभिसरण के लिए एक निगरानी प्रणाली प्रदान करना	6.1 लाभार्थियों के डेटा की संख्या एलएमआईएस / केंद्रीय डेटाबेस के साथ एकीकृत है	100%			
	7. टीपी को नकद हस्तांतरण प्रदान करना	7.1 पीएफएमएस से जुड़े प्रशिक्षण भागीदारों की संख्या	अब तक 2,760 टीपी पीएफएमएस में पंजीकृत हैं और वित्त वर्ष 19-20 के लक्ष्य के लिए 100% टीपी कवर किए जाने हैं।			*
	केंद्रीय प्रायोजित राज्य प्रबंधित (सीएसएसएम) (सीएसएस)					
	1. प्रशिक्षण केंद्र बनाना और केंद्र स्थापित करने के लिए प्रशिक्षण भागीदारों को प्रोत्साहित करना	1.1 सीएसएसएम के तहत बनाए गए प्रशिक्षण केंद्रों की संख्या[ं]	3041 टीसी स्वीकृत है।	1. उद्योग मान्यता प्राप्त प्रमाणन के साथ रोजगार में वृद्धि	1.1 सत्यापित प्लेसमेंट का प्रतिशत	
	2. रोजगार में सुधार और रोजगार बढ़ाने के	2.1 लघु अवधि पाठ्यक्रमों में नामांकित लाभार्थियों की संख्या	राज्यों को आवंटित कुल लक्ष्य: 20,18,076, हैं जिसमें से	2. वेतन रोजगार और स्वरोजगार सहित रोजगार	2.1 पहले से बेरोजगार प्रमाणित	

[ं] *प्रशिक्षण केन्द्रों का सृजन सीएसएसएम (2016-20) के तहत कोई अधिदेश नहीं है। प्रशिक्षण केन्द्रों के सृजन हेतु राज्यों के लिए कोई वास्तविक लक्ष्य नहीं है, तथापि, आज दिनांक 6609 प्रशक्षण केन्द्र सृजित किए गए हैं और 3041 केन्द्र अनुमोदित किए गए हैं।*

वित्तीय स्थिति (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
	लिए कौशल प्रशिक्षण का संचालन करना		391005 को नामांकित किया गया है [η]	में वृद्धि	प्रशिक्षुओं का प्रतिशत/ प्रमाण पत्र के बाद 90 दिन में रोजगार दिया जाएगा	
		2.2 नामांकित महिला प्रशिक्षुओं की संख्या	अब तक सीएसएसएम के तहत कुल 221166 महिला प्रशिक्षुओं ने नामांकन किया है		2.2 प्रशिक्षुओं की कुल नियुक्ति दर [90 दिन पहले प्रमाणित लोगों की संख्या / लोगों की संख्या]	
		2.3 नामांकित पुरुष प्रशिक्षुओं की संख्या	अब तक कुल 169831 पुरुष प्रशिक्षुओं ने सीएसएसएम के तहत दाखिला लिया		2.3 वेतन रोजगार में प्रशिक्षुओं की संख्या	80%
		2.4 नामांकित किन्नर प्रशिक्षुओं की संख्या	अब तक कुल 8 किन्नर प्रशिक्षुओं ने सीएसएसएम के तहत दाखिला लिया है।		2.4 स्वरोजगार में लगे प्रशिक्षुओं की संख्या	20%
					2.5 महिला प्रशिक्षुओं की संख्या	*
					2.6 पुरुष प्रशिक्षुओं की संख्या	*
	3. प्रमाणन प्रदान करने के लिए कुशल श्रमिकों के मानकीकृत मूल्यांकन का संचालन करना	3.1 लघु अवधि पाठ्यक्रमों में नामांकित लाभार्थियों की संख्या	अब तक सीएसएसएम घटक के तहत कुल 203917 लाभार्थियों का मूल्यांकन किया गया	3. कौशलीकरण बढ़ाने के कारण रोजगार की बेहतर गुणवत्ता	3.1 कौशल मजदूरी प्रीमियम (प्रशिक्षण की मात्रा द्वारा शीर्ष 10 नौकरी की भूमिकाओं में पहले से कार्यरत प्रशिक्षुओं के लिए औसत वेतन वृद्धि)	*
		3.2 लघु अवधि पाठ्यक्रमों में नामांकित लाभार्थियों की संख्या	सीएसएसएम के तहत प्रमाणित कुल 172494 लाभार्थी	*	3.2 महिला प्रशिक्षुओं की प्लेसमेंट पश्चात मजदूरी / पुरुष प्रशिक्षुओं की प्लेसमेंट पश्चात मजदूरी / किन्नर प्रशिक्षु की प्लेसमेंट पश्चात	*

[η] *प्रमाणन के संबंध में राज्यों के लिए लक्ष्य आवंटित किए गए है।*

वित्तीय स्थिति (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
					मजदूरी	
		3.3 प्रमाणित महिला प्रशिक्षुओं की संख्या	सीएसएसएम के तहत प्रमाणित कुल 101957 महिला प्रशिक्षु	4. उद्योग की मांग के साथ प्रदान किए गए प्रशिक्षण का मिलान	4.1 प्रशिक्षित नौकरी की भूमिका में कार्यरत लाभार्थियों की संख्या	*
		3.4 प्रमाणित पुरुष प्रशिक्षुओं की संख्या	सीएसएसएम के तहत प्रमाणित कुल 70535 पुरुष प्रशिक्षु	5. कुशल श्रमिकों की उपलब्धता के कारण औद्योगिक उत्पादकता में वृद्धि	5.1 कार्य मूल्यांकन की रिपोर्ट की गई जॉब रोल्स की संख्या प्रभाव मूल्यांकन के साथ जॉब रोल्स की संख्या को बढ़ाती है	*
		3.5 प्रमाणित किन्नर प्रशिक्षुओं की संख्या	सीएसएसएम के तहत प्रमाणित कुल 2 किन्नर प्रशिक्षु			
	4. उद्योग भागीदारों के साथ एक उच्च गुणवत्ता वाले मानकीकृत पाठ्यक्रम और मूल्यांकन पद्धति का विकास करना	4.1 एनएसक्यूएफ-संरेखित पाठ्यक्रम / प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की कुल संख्या के साथ प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की संख्या	100%[γ]			
	5. मानकीकरण के लिए समन्वय और दिशानिर्देश प्रदान करें	5.1 एनक्यूएएफ / प्रत्यायन और संबद्धता दिशानिर्देशों का पालन करने वाले प्रशिक्षण संस्थानों का प्रतिशत	100%			
		5.2 वित्त संस्थानों के दिशानिर्देश / समान मानदंड का पालन करने वाले प्रशिक्षण संस्थानों का प्रतिशत	एमएसडीई ने राज्यों को समान मानदंडों को अपनाने का सुझाव दिया है, हालांकि, यह अनिवार्य नहीं है			
		5.3 एनक्यूएएफ / पीएमकेवीवाई प्रक्रिया दिशानिर्देशों का पालन करने वाले प्रशिक्षण संस्थानों का प्रतिशत	100%			
	6. श्रम कार्यबल संबंधित डेटाबेस के साथ अभिसरण के लिए एक निगरानी प्रणाली प्रदान करना	6.1 लाभार्थियों के डेटा की संख्या एलएमआईएस/ केंद्रीय डेटाबेस के साथ एकीकृत है	100%			
	7. टीपी को नकद	पीएफएमएस के साथ संबद्ध	100%			

[γ] *आज दिनांक, 2396 क्यूपी में से 1887 क्यूपी, एनएसक्यूपी के अनुरुप बना दिए गए हैं। भविष्य में, मॉडल पाठ्यक्रम के साथ केवल एनएसक्यूएफ अनुरुप क्यूपी/पाठ्यक्रम पीएमकेवीवाई में जोड़े जाएंगे। अत: एनएसक्यूएफ के अनुरुप लक्ष्य 100% क्यूपी है।*

वित्तीय स्थिति (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20
	हस्तांतरण प्रदान करना	प्रशिक्षण भागीदारों की संख्या		

** पूर्व-तैनाती ट्रेकिंग / तैनाती (प्रमाणित) योग्य प्रशिक्षुओं की कुल संख्या के समय नियोजित प्रशिक्षुओं की संख्या को सत्यापित तैनाती प्रतिशत के रूप में गणना की जाती है । कट-ऑफ की तारीख के बाद इन्हें संचयी संख्या के रूप में लिया जाएगा, जो तब होगा जब तैनाती ट्रैकिंग शुरू होगी।*

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता क्योंकि यह एक मांग आधारित स्कीम है।*

 # (पीएमकेवीवाई-2026-20 के तहत केंद्रों का सृजन अनिवार्य नहीं है)

सत्यापित प्लेसमेंट प्रतिशत की गणना पद पर तैनाती के समय नियोजित प्रशिक्षुओं की संख्या / प्लेसमेंट (प्रमाणित) के लिए पात्र प्रशिक्षुओं की कुल संख्या के रूप में की जाती है। इन्हें अंतिम तारीख (अधिमानतः तिमाही आधार) के बाद संचयी संख्या के रूप में लिया जाएगा, जो प्लेसमेंट ट्रैकिंग शुरू होने पर होगा।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय

मांग सं. 91

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग

1. शैक्षिक सशक्तिकरण - अनुसूचित जाति के लिए मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
3394.59	1. पात्र अनुसूचित जाति छात्रों को प्रदान की गई छात्रवृत्ति	1.1 चालू वर्ष में प्राप्त आवेदन की संख्या 1.2 छात्रवृत्तियों की संख्या में पूर्ण वृद्धि	60 लाख	1. उच्च शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए अनुसूचित जाति के छात्रों की संख्या में वृद्धि	1.1 आधार वर्ष की तुलना में अपने पाठ्यक्रम (बारहवीं, स्नातक और स्नातकोत्तर) पूरा करने के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या में % वृद्धि अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए सकल नामांकन अनुपात में वृद्धि	*

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता क्योंकि यह एक मांग आधारित स्कीम है।*

2. अनुसूचित जाति उप योजना के लिए विशेष केन्द्रीय सहायता (एससीएसपी के लिए एससीए) - (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
1100	1. योजना के अंतर्गत राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को अनुदान दिया जाता है।	1.1 राज्यों को जारी निधि की राशि	*	1. अधिक एससी जनसंख्या वाले गांवों में अवसंरचनात्मक विकास कार्यक्रम निष्पादित किए गए।	1.1 पूरी की गई अवसंरचनाओं की संख्या का प्रतिशत;	*
		1.2 संवितरित राशि से वित्तपोषित योजनाओं की संख्या	*	2. आय सृजन कार्यक्रमों के लिए एससी युवाओं को वित्तीय तथा तकनीकी सहायता प्रदान की गई।	2.1 सहायता के पश्चात आय सृजन कार्यक्रम शुरू करने वाले एससी लाभार्थियों की संख्या।	**
				3. एससी महिलाओं के आय सृजन	3.1 आय सृजन कार्यकलाप करने वाली	

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
				अवसरों में वृद्धि।	एससी महिलाओं की संख्या में प्रतिशत वृद्धि।	
	2. एससी महिलाओं के लिए आय सृजन आर्थिक विकास	2.1 आय सृजन कार्यकलाप प्रारंभ करने के लिए सहायता प्राप्त एससी महिला लाभार्थियों की संख्या	**7.6** लाख	कुशल/ प्रशिक्षित एससी युवाओं द्वारा स्थापित अच्छे रोजगार/आय सृजक कार्यकलाप।	4.1 नियोजित (स्व-नियोजित) एससी युवाओं की संख्या	**

** निर्धारित किया जाना है*

*** इसका माप करने के लिए सर्वेक्षण की आवश्यकता होगी।*

3. **पिछड़े वर्गों के लिए योजना - अन्य पिछड़े वर्गों के लिए मैट्रिकपूर्व छात्रवृत्ति (सीएसएस)**

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
1360	1. पात्र ओबीसी छात्रों को प्रदत्त छात्रवृत्ति	1.1 वर्ष ***2018-19*** में छात्रवृत्ति पाने वाले छात्रों की संख्या और मैट्रिक शिक्षा पूरी करने वाले छात्रों की संख्या एवं रोम बेंचमार्क संख्या में वृद्धि।	40.00 लाख लाभार्थी	1. उच्चतर अध्ययन हेतु वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले ओबीसी छात्रों की संख्या में वृद्धि।	1.1 मैट्रिकोत्तर अथवा माध्यमिकोत्तर स्तर पर छात्रवृत्ति उन्हें अपनी शिक्षा पूरी करने में सहायक होती है।	40.00 लाख लाभार्थी
		1.2 कक्षा ***XI*** और ***XII*** के बीच ड्रॉप आउट दर में कमी।	*			

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता क्योंकि यह एक मांग आधारित स्कीम है।*

माँग सं. 93

अंतरिक्ष विभाग

1. अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी (सी.एस.)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
8407.59	1 प्रमोचक राकेटों एवं अंतरिक्षयानों के लिए अनुसंधान एवं विकास, प्रौद्योगिकियों का डिजाइन तथा अंतरिक्ष प्रणालियों की प्राप्ति	1.1 प्रमोचन के लिए तैयार भू प्रेक्षण (ई.ओ.) अंतरिक्षयानों की संख्या	3	1 उन्नत क्षमताओं के साथ भू प्रेक्षण सेवा को निरंतरता प्रदान करने हेतु अंतरिक्ष अवसंरचना का संवर्धन	1.1 13 स्पेक्ट्रमी बैण्डों वाले समुद्र वर्ण मानीटर की शुरुआत	1
		1.2 ध्रुवीय उपग्रह प्रमोचक राकेट(पी.एस.एल.वी.) के प्रमोचनों की संख्या	4		1.2 समुद्री सतह तापमान संवेदक	1
		1.3 भू तुल्यकाली उपग्रह प्रमोचक राकेट जी.एस.एल.वी. मार्क - III के प्रमोचनों की संख्या	3		1.3 सी-बैण्ड में सूक्ष्म तरंग प्रतिबिंबन की सातत्यता	1
		1.4 भू तुल्यकाली उपग्रह प्रमोचक राकेट के प्रमोचनों की संख्या - जी.एस.एल.वी. प्रचलनात्मक उड़ानें	1	2 घरेलु एवं वाणिज्यिक उपग्रहों के लिए प्रचालनात्मक प्रमोचन सेवा सुनिश्चित करना	2.1 पी.एस.एल.वी. का उपयोग करने वाले स्वदेशी प्रमोचनों की संख्या	4
				3 भू तुल्यकाली अंतरण कक्षा में 4 टन भार वाली श्रेणी के संचार उपग्रहों के प्रमोचन में आत्मनिर्भरता	3.1 जी.एस.एल.वी. मार्क - III के प्रचालनात्मक प्रमोचन	3
				4 भू तुल्यकाली अंतरण कक्षा में 2.5 - 3 टन भार वाली श्रेणी के संचार उपग्रहों के प्रमोचन में आत्मनिर्भरता	4.1 जी.एस.एल.वी. का उपयोग करने वाले स्वदेशी प्रमोचनों की संख्या	1

2. अंतरिक्ष उपयोग (सी.एस.)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
1885.45	1 भू प्रेक्षण, संचार, आपदा प्रबंधन आदि हेतु अनुप्रयोगों का	1.1 निर्माण किए गए भू.प्रे./संचार नीतभारों की संख्या	9	1 प्राकृतिक संसाधन के इष्टतम प्रबंधन, प्राकृतिक आपदाएं, कृषि योजना,	1.1 उन्नत क्षमता के साथ अंतरिक्ष आधारित सूचना प्रदान करने हेतु उन्नत संवेदकों की उपलब्धता	9

	डिजाइन एवं विकास	1.2 प्रमुख आपदा घटनाओं हेतु सूचना सहायता (घटित कुल घटनाओं के प्रतिशत के रूप में)	80%	अवसंरचना योजना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं में पहुंच पर सूचना	1.2 प्रचालनात्मक मॉड्लों, विकसित तकनीकों तथा उपयोग की गई सूचना सेवाओं की संख्या	50
		1.3 राष्ट्रीय मिशनों एवं प्रयोक्ता परियोजनाओं की सहायता हेतु जारी किए गए मानचित्रों (भौतिक एवं वेब पर डाले गए) की संख्या	9,500			
		1.4 प्रयोक्ताओं हेतु वितरित किए गए मूल्य वर्धित आँकड़ा उत्पाद (विक्रय एवं मुफ्त डाउनलोड) की संख्या	4,50,000			

3. इन्सैट उपग्रह प्रणाली (सी.एस.)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	सूचक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	सूचक	लक्ष्य 2019-20
884.42	1 संचार उपग्रहों को पूरा कर प्रमोचित करना	1.1 वर्ष के दौरान प्रमोचित किए जाने वाले संचार उपग्रहों की संख्या	3	1 दूरसंचार/ दूरदर्शन प्रसारण, आपदा संचार, दूरशिक्षा तथा दूर-स्वास्थ्य सेवाओं की मौजूदा सेवा का संवर्धन एवं सहायता	1.1 संचार उपग्रहों के प्रमोचन से इन्सैट/जीसैट क्षमता का संवर्धन	3

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

मांग सं. 94

1. क्षमता विकास (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	*निर्गम* 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निर्गम*	*संकेतक*	*लक्ष्य* 2019-20	परिणाम	*संकेतक*	*लक्ष्य* 2019-20
528.83	1. राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी में सुधार: डेटा जारी करने की आवृत्ति	1.1 समयसीमा के अनुसार जारी किए गए डेटासेट(हाँ /नहीं)	8	1. मूल्य डेटा की उपलब्धता में सुधार	1.1. शेड्यूल के अनुसार उपलब्ध कराए गए डेटासेट की संख्या	12*
	2. मूल्य सांख्यिकी में सुधार और अंतर्राष्ट्रीय तुलना कार्यक्रम : समय पर डेटा संग्रह करना और जारी करना	2.1 समयसीमा के अनुसार जारी किए गए डेटासेट(हाँ / नहीं)	12	2. अधिकारियों की बढ़ी हुई क्षमता	2.1 पुनश्चर्या कोर्स में भाग लेने वाले कुल अधिकारी	295
		2.2 कुल किए गए सर्वेक्षण	21		2.2 पाठ्यक्रम के सफल समापन पर प्रमाणीकरण प्राप्त करने वाले अधिकारियों की कुल संख्या	295
	3. सांख्यिकीय कार्मिकों का प्रशिक्षण / क्षमता निर्माण	3.1 कुल संचालित पुनश्चर्या कार्यक्रम	14			
		3.2 राज्य / संघ राज्य क्षेत्र स्तर पर आयोजित सेमिनारों और कार्यशालाओं की कुल संख्या	11			
		3.3 क्षमता विकास के भाग के रूप में डिजिटाइज़ किए गए कुल शहरी फ्रेम सर्वे ब्लॉक	1,36,000			
	4. श्रम डेटा की समय पर उपलब्धता	4.1 समयसीमा के अनुसार जारी किए गए डेटासेट(हाँ / नहीं)	12			

वस्त्र मंत्रालय

माँग सं. 96

1. संशोधित प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निर्गम*	*संकेतक*	लक्ष्य 2019-20	*परिणाम*	*संकेतक*	लक्ष्य 2019-20
700	1. मशीनरी के उन्नयन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना।	1.1 जारी की गई पूंजी निवेश सब्सिडी की संख्या	1500	1. संवर्धित उत्पादन के माध्यम से गुणवत्ता पूर्ण उत्पादकतारोजगार सृजन, निर्यात, आयात प्रतिस्थापन की सुविधा प्रदान करना	1.1 निर्यात: वित्त वर्ष में भारत से विश्व को इकाइयों (अपैरल, तकनीकी वस्त्र शीर्ष के अंतर्गत विभाजित) वस्त्र निर्यात का मूल्य (करोड़ रुपए में) और मात्रा	*
		1.2 जारी/ अनुमोदित यूआईडी की संख्या	2300		1.2 उत्पादन का मूल्य (करोड़ रुपए में) और वित्त वर्ष में इकाइयों के वस्त्र उत्पादन की मात्रा	*
		1.3 ऊर्जा बचत मशीन की संख्या, बचत की गई ऊर्जा/ऊर्जा की बचत पर प्रोत्साहन और अनुमान = स्थापित की गई ऊर्जा बचत मशीन की कुल क्षमता	660 ऊर्जा बचत मशीनें	संवर्धित	1.3 रोजगार (अनुमानित):-सृजित किए गए रोजगार की संख्या/सृजित की गई नौकरियों के कार्य दिवसों कीसंख्या	55000
		1.4 उद्यमियों/इकाई धारकों की संख्या जिन्होंने प्रत्यक्ष लाभ अंतरण प्राप्त किए।	1500		1.4 वित्त वर्ष में इकाइयों के भारत में उत्पादित जिनका पहले आयात किया जा रहा था, का मूल्य और मात्रा का आयात स्थानापन्न।	*
		1.5 सब्सिडी, खरीदी गई पात्र मशीनरी की संख्या और वर्धित/उन्नत क्षमता	अनुमानित 1500 चालानों के लिए मशीनों की संख्या 11790		1.5 औसत मात्रा और कारोबार में प्रतिशत वृद्धि (आधार वर्ष 2017-18) औसत गुणवत्ता रेटिंग (अच्छा/बहुत अच्छा/उत्तम)	*
					1.7 वित्त वर्ष में यूनिटों की औसत गुणवत्ता दर (अच्छा/ बहुत अच्छा / उत्कृष्ट)	*
					1.8 वित्त वर्ष में यूनिटों में आधुनिकीकरण की औसत सीमा (प्रतिशत में)	70%

* *इस संकेतक के लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता क्योंकि यह एक मांग आधारित स्कीम है।*

2. **सीसीआई द्वारा कपास की खरीद - न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के अंतर्गत घरेलू खरीद पर हानि की सब्सिडी (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	**निर्गम (2019-20)**			**परिणाम (2019-20)**		
2019-20	***निर्गम***	***संकेतक***	**लक्ष्य 2019-20**	***परिणाम***	***संकेतक***	**लक्ष्य 2019-20**
2017.57	1. सरकार द्वारा घोषित समर्थन मूल्य प्राप्त करने के लिए किसानों को सहायता	1.1बाजार सहायता मूल्य (एमएसपी) अभियान के अंतर्गत कच्ची कपास की खरीद की अनुमानित मात्रा	*	1. किसानों को लाभ	1.1.किसानों की संख्या जो एमएसपी अभियान से लाभांवित हुए	*

* *इस संकेतक के लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता क्योंकि यह एक मांग आधारित स्कीम है।*

3. **केंद्रीय रेशम बोर्ड (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	***निर्गम***	***संकेतक***	**लक्ष्य 2019-20**	***परिणाम***	***संकेतक***	**लक्ष्य 2019-20**
730	1. रेशम का उत्पादन बढ़ाना और कौशल प्रदान करना	1.1 अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	50	1. उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार, रेशम उत्पादन और रोजगार में वृद्धि । मुख्य रूप से अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए और आयात को न्यूनतम स्तर पर लाने के लिए रेशम की गुणवत्ता में सुधार करने हेतु बाइवोल्टाइन और संकर रेशम का उत्पादन करने पर ध्यान केंद्रित है।	1.1. उत्पादकता में सुधार	मलबरी खेती में प्रति हेक्टेयर 111 किलोग्राम कच्ची रेशम
		1.2. बीज उत्पादन (लाख टन)			1.2. 100 डीएफएलएस प्रति उपज	प्रति 100 डीएफएलएस उत्पादित 65 किलोग्राम कोकून
		क) मलबरी	525			
		ख) वान्या - टस्सर, ईरी, मूंगा	70		1.3. रेनडिट्रा	1 किलो कच्ची रेशम -बाइवोल्टाइन उत्पादन करने के लिए 6.2 किलोग्राम कोकून की आवश्यकता
		1.3 कच्चे रेशम का उत्पादन (मी.टन)	38500			
		1.4. आयात वैकल्पिक कच्ची रेशम (एमटी) का	8500		1.4. कच्चे रेशम उत्पादन में वृद्धि (एमटी)	38500 (पिछले वर्ष की 35261 एमटी उपलब्धि के मुकाबले 3292

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निर्गम*	*संकेतक*	लक्ष्य 2019-20	*परिणाम*	*संकेतक*	लक्ष्य 2019-20
		उत्पादन				मीट्रिक टन कच्चे रेशम की वृद्धि)
		1.5. क्षमता निर्माण और प्रशिक्षित किए जाने वाले लोगों की संख्या	15750		1.5. रोजगार सृजन (लाख न.)	100 (91.20 लाख व्यक्तियों की पिछले वर्ष की उपलब्धि की तुलना में 8.8 लाख व्यक्तियों की वृद्धि)
		1.6. गुणवत्ता प्रमाणन प्रणाली सिल्क मार्क लेबल (लाख)	30			
		1.7. अधिकृत उपयोगकर्ता (संख्या)	260			
		1.8. कार्यक्रम / प्रदर्शनियां / रोड शो (संख्या)	500			
		1.9. कोकून परीक्षण केंद्र	13			
		1.10 कच्चे रेशम परीक्षण केंद्र	8			

पर्यटन मंत्रालय **मांग सं. 97**

1. पर्यटन अवसंरचना : विशिष्ट थीम पर पर्यटक परिपथों का एकीकृत विकास (स्वदेश दर्शन) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
1106	1. (राज्यों / संघशासित प्रदेशों और अन्य हितधारकों के साथ परामर्श से) सर्किट में परियोजनाओं की पहचान	1.1 वित्तीय वर्ष 2018 में पूरी की गई स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	18	1. अभिज्ञात सर्किट में रोजगार सृजन	1.1 मार्च 2019 तक पर्यटन सर्किट में प्रत्यक्ष रूप से नियोजित लोगों की संख्या	31,500
		1.2 जारी परियोजनाओं का %	75%			
	2. घरेलू और विदेशी पर्यटकों के लिए पर्यटन स्थलों पर अपेक्षित सुविधाओं के साथ अवसंरचना विकास	2.1 पर्यटन स्थल की संख्या जो उन्नत किए गए	120			
		2.2 वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए सर्किट हेतु पहचान की गई (**नई**) परियोजनाओं की संख्या	10			
	3. विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (प्रत्येक परियोजना के लिए बनाई गई)	3.1 वित्त वर्ष 2018 में परियोजनाओं हेतु बनाई गई डीपीआर की संख्या	16			
	4. डीपीआर मूल्यांकन किया (पीएमसी के माध्यम से)	4.1 वित्तीय वर्ष 2018 में पूरे किए गए डीपीआर मूल्यांकनों की संख्या	16			
	5. आवधिक परियोजना निगरानी रिपोर्ट	5.1 वित्तीय वर्ष 2018 में तैयार परियोजना निगरानी रिपोर्टों की संख्या	150			

जनजातीय कार्य मंत्रालय

मांग सं. 98

1. **जनजातीय शिक्षा[55] - (सीएसएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
1953.50	1. पात्र जनजातीय विद्यार्थियों को प्रदान की गई छात्रवृत्ति	1.1 इस स्कीम[56] के लिए केन्द्र की ओर से राज्यों तथा संघ राज्य-क्षेत्रों को निधियां संवितरित की गईं।	1953.5	1. पाठ्यक्रम पूरा करने वाले विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई। लिंग तथा कक्षा के अनुसार दाखिल - अलग-अलग आंकड़े	1.1 अगली कक्षा में पास किए गए विद्यार्थियों की प्रतिशतता लिंग तथा कक्षा के अनुसार अलग-अलग आंकडे	*[56]
		1.2 मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति के तहत कवर किए गए विद्यार्थियों की संख्या	12.1 लाख		1.2 कक्षा 10 वीं में प्रथम श्रेणी प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई। लिंग तथा कक्षा के अनुसार अलग-अलग आंकड़े	*[56]
		1.3 मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति के तहत कवर किए गए विद्यार्थियों की संख्या (कक्षा X1, XII, स्नातक तथा स्नातकोत्तर सहित)	18.5 लाख			
	2. राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से प्रभावी अनुवीक्षण (मॉनीटरिंग)	2.1 राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से कार्यक्रम की अनुवीक्षण (मॉनीटरिंग) (हां/नहीं)	हां	2. स्नातक उपाधि पूर्ण करने वाले छात्र	2.1 स्नातक उपाधि पूर्ण करने वाले छात्रों की संख्या	*[56]

[55]इसमें प्री/ पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति शामिल है।

[56] मांग आधारित स्कीम और प्री और पोस्ट मेट्रिक स्कीमों द्वारा कवर किए गए छात्र

2. विशेष केन्द्रीय सहायता[57] (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
1350	1.1. शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, बागवानी, पशु पालन, मछली पालन, डेयरी तथा प्राथमिक क्षेत्र में अन्य के क्षेत्रों में सामान्य जनसंख्या की तुलना में अनुसूचित जनजातियों से संबंधित मानव विकास सूचकांकों में अंतर भरने और परिवार की आर्थिक स्थिति की वृद्धि के लिए आय सृजनकारी स्कीमों और कौशल विकास के लिए भी राज्यों को सहायता	1.1 स्कीम के तहत स्वीकृत कार्यकलापों की संख्या	500	1. कार्यकलापों को पूरा करना और जनसंख्या के लिए लाभ	1.1 स्कीम के तहत पूरे किए गए कार्यकलापों की संख्या 1.2 लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या	500 16 लाख

[57] इसमें जनजातीय उप-स्कीमों के लिए विशेष केंद्रीय सहायता शामिल है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

मांग सं.-99

1. समेकित बाल विकास सेवा - आंगनवाड़ी सेवाएं (तत्कालीन कोर आईसीडीएस) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ों में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
19834.37	1. आंगनवाड़ी केंद्रों को क्रियाशील बनाना	1.1 क्रियाशील आंगनवाड़ी केंद्रों की कुल संख्या	कुल स्वीकृत 13.83 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों को क्रियाशील बनाना	1. 0-6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों की बेहतर पोषाहारीय और स्वास्थ्य स्थिति	1.1 आंगनवाड़ी सेवा स्कीम के अंतर्गत सामान्य वज़न वाले बच्चों (लड़कों और लड़कियों) की संख्या	75,00,000 अनुमानित
		1.2 स्वीकृत आंगनवाड़ी केंद्रों की कुल संख्या	14.00 लाख		1.2 आंगनवाड़ी सेवा स्कीम के अंतर्गत मामूली तौर पर कुपोषित बच्चों (लड़कों और लड़कियो की संख्या (-2 एसडी से -3 एसडी तक)	4,00,000 अनुमानित
		1.3 रिक्त पदों की संख्या (कुल)	244687 रिक्त पदों (सीडीपीओ, पर्यवेक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियां, आंगनवाड़ी सहायिकाएं) को भरना		1.3 विश्व स्वास्थ्य संगठन के वृद्धि चार्टों के आधार पर आंगनवाड़ी सेवा स्कीम के अंतर्गत गंभीर रूप से कुपोषित (<-3 एसडी) बच्चों (लड़कों और लड़कियों) की संख्या	1,80,000
		1.4 स्वीकृत पदों की संख्या (कुल)	2740981 (सीडीपीओ, पर्यवेक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियां, आंगनवाड़ी सहायिकाएं) पदों को भरना		1.4 5 वर्ष से कम आयु के % बच्चे अवरुद्ध विकास हैं	पोषण अभियान के अनुसार 2% प्रति वर्ष की दर से कमी
		1.5 रिक्त पदों की संख्या (सीडीपीओ)	1742 रिक्त पदों को भरना		1.5 5 वर्ष से कम आयु के 1.5% बच्चे दुर्बल हैं	पोषण अभियान के अनुसार 2% प्रति वर्ष की दर से कमी
		1.6 स्वीकृत पदों की संख्या (सीडीपीओ)	7075		1.6 5 वर्ष से कम आयु के 1.5% बच्चे दुर्बल हैं	पोषण अभियान के अनुसार 2% प्रति वर्ष की दर से कमी
		1.7 रिक्त पदों की संख्या (पर्यवेक्षक)	16655 रिक्त पदों को भरना	2. बच्चे के स्वास्थ्य और पोषण की देखरेख के लिए माता की क्षमता में वृद्धि	2.1 6 माह से कम आयु के सिर्फ % बच्चों ने स्तनपान किया	54.9 %$^{\Omega}$
		1.8 स्वीकृत पदों की संख्या (पर्यवेक्षक)	51312		2.2% माताएं पहले घंटे में स्तनपान कराती हैं	41.6$^{\Omega}$
		1.9 रिक्त पदों की संख्या (आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियां)	108251 रिक्त पदों को भरना		2.3% गर्भवती महिलाएं रक्ताल्पता से पीड़ित हैं।	50.4$^{\Omega}$
		1.10 स्वीकृत पदों की संख्या	1399697		2.4% गर्भवती महिलाएं कम से कम 4 एएनसी जांच	51.2$^{\Omega}$

$^{\Omega}$ **टिप्पणी** :परिणाम संकेतक 2.1, 2.2, 2.3, 2.4 और 2.5 के लिए लक्ष्य एनएफएचएस 4 (2015-16) के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार दिए गए हैं, जैसा कि नीतीयोग द्वारा सुझाया गया है

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ों में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		(आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियां)			करातीं हैं	
		1.11 रिक्त पदों की संख्या (आंगनवाड़ी सहायिकाएं)	118039 रिक्त पदों को भरना		2.5 प्रसव के दर्ज कुल मामलों में से % संस्थागत प्रसव	78.9[Ω]
		1.12 स्वीकृत पदों की संख्या (आंगनवाड़ी सहायिकाएं)	1282897			
		1.13 आरआरएस के माध्यम से अद्यतन आंकड़े भेजने वाले आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या	9.93 लाख			
	2. बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और प्रारंभिक शिक्षा परिणामों को बेहतर बनाने के लिए सेवाएं प्रदान करना	2.1 पक्के भवनों वाले आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या	सभी 14 लाख आंगनवाड़ी केंद्र			
		2.2 शौचालयों वाले आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या	70000			
		2.3 पेयजल आपूर्ति करने वाले आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या	20000			
	2.4 2019-20 में सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में घर ले जाने के लिए राशन प्राप्त करने वाले लाभार्थियों (0-3 वर्ष, 3-6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चे, किशोरियां तथा गर्भवती महिलाएं और स्तनपान कराने वाली माताएं) की संख्या)	9.03 करोड़(राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त एपीआईपी प्रस्तावों के अनुसार अनुमानित लक्ष्य)				
	2.5 2019-20 में सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में पका-पकाया गर्म भोजन प्राप्त करने वाले बच्चों की कुल संख्या	3.27 करोड़ (राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त एपीआईपी प्रस्तावों के अनुसार अनुमानित लक्ष्य)				
3. स्वास्थ्य और पोषण व्यवहार के बारे में जागरुकता	3.1 जनसंख्या की तुलना में आंगनवाड़ी केंद्रों में पंजीकृत	1.72 करोड़ (राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त APIP प्रस्तावों के				

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ों में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
पैदा करना	गर्भवती और शिशुवती माताओं की संख्या	अनुसार अनुमानित लक्ष्य)				
		3.2 निर्धारित तारीख पर मासिक वीएचएसएनडी आयोजित करने वाले आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या	सभी 13.73 लाख आंगनवाड़ी केंद्र			
	4. आंगनवाड़ी केंद्रों में प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा तथा देखरेख संबंधी अवसंरचना की उपलब्धता	4.1 प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख और शिक्षा (ईसीसीई) परिषद वाले राज्यों की संख्या	34			
		4.2 3-6 वर्ष आयु वर्ग में स्कूल-पूर्व शिक्षा प्राप्त करने वाले बच्चों का प्रतिशत	97.85% (राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त एपीआईपी प्रस्तावों के अनुसार अनुमानित लक्ष्य)			
	5. कुपोषण के कारण मृत्यु दर तथा धीमे विकास को कम करने के लिए आईसीडीएस प्रणाली का विस्तार	5.1 शहरी आंगनवाड़ी केंद्रों में पंजीकृत ऐसे बच्चों की संख्या, जिनका वर्ष में कम से कम 6 बार (2 महीने में एक बार) वज़न किया गया/देश की शहरी आबादी में बच्चों की कुल संख्या	63.94 लाख(राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त एपीआईपी प्रस्तावों के अनुसार अनुमानित लक्ष्य)			
		5.2 ग्रामीण आंगनवाड़ी केंद्रों में पंजीकृत ऐसे बच्चों की संख्या, जिनका वर्ष में कम से कम 6 बार (2 महीने में एक बार) वज़न किया गया/देश की ग्रामीण आबादी में बच्चों की कुल संख्या	6.66 करोड़ (राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त एपीआईपी प्रस्तावों के अनुसार अनुमानित लक्ष्य)			

2. समेकित बाल विकास सेवा - आईएसएसएनआईपी तथा ईएपी सहित राष्ट्रीय पोषण मिशन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ों में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
3400	1. वास्तविक समय आईसीटी के आधार पर मॉनीटरिंग के माध्यम से आईसीडीएस प्रणाली का सुदृढीकरण	1.1 वास्तविक समय मॉनीटरिंग के माध्यम से शामिल ऐसे आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या, जो नियमित आधार पर अद्यतन सूचना (बच्चों का वज़न तथा	1370000	1. 3 वर्ष से कम आयु के बच्चों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए आईसीडीएस नीति ढांचे प्रणालियों और	1.2 आईसीडीएस-सीएएस के अंतर्गत ऐसे बच्चों (लड़कों और लड़कियों) की संख्या जिनका वज़न सामान्य है।	75,00,000 **59 अनुमानित

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ों में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		लंबाई और स्कूल-पूर्व शिक्षा गतिविधियों सहित) प्रदान कर रहे हैं।		क्षमताओं को सुदृढ़ बनाया गया तथा सामुदायिक सहभागिता में सुधार किया गया		
		1.2 आईसीडीएस-सीएएस का प्रशिक्षण पूरा करने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों की संख्या	1370000		1.3 आईसीडीएस-सीएएस के अंतर्गत ऐसे बच्चों (लड़कों और लड़कियों) की संख्या, जो मामूली तौर पर कुपोषित (-2 एसडी से -3 एसडी तक)	लगभग 4,00,000/-**
		1.3 ऐसे पंजीकृत लाभार्थियों की परिवार-वार संख्या, जो नाम से पंजीकृत हैं और यूआईडी के साथ जुड़े हैं	पांच करोड़ (लगभग)		1.4 विश्व स्वास्थ्य संगठन के वृद्धि चार्टों के आधार पर आईसीडीएस-सीएएस के अंतर्गत ऐसे बच्चों (लड़कों और लड़कियों) की संख्या, जो गंभीर रूप से कुपोषित (<-3 एसडी) हैं।	1,80,000**
		1.4 आईसीडीएस-सीएएस में वज़न कराने वाले बच्चों की संख्या	7,00,11,781	2. रूद्ध विकास, अल्प पोषण, रक्ताल्पता तथा जन्म के समय कम वज़नी शिशुओं की संख्या को कम करना	2.1 2% प्रति वर्ष की दर से रूद्ध विकास को कम करना।	2%
		1.5 आईसीडीएस-सीएएस में ऊंचाई/ लंबाई दर्ज कराने वाले बच्चों की संख्या	5,93,82,876		2.2 अल्प पोषण (कम वज़न) को प्रति वर्ष 2% कम करना	2%
		1.6 आईसीडीएस-सीएएस में आयु दर्ज कराने वाले बच्चों की संख्या	5,93,82,876		2.3 छोटे बच्चों में रक्ताल्पता में प्रति वर्ष 3% कमी	3%
	2. पूरे देश में 3 वर्षों में चरणबद्ध तरीके से सभी जिलों में राष्ट्रीय पोषण मिशन से बाहर निकलना	2.1 राष्ट्रीय पोषण मिशन से बाहर आने वाले जिलों की संख्या	719		2.3 15-49 आयु वर्ग की महिलाओं और किशोरियों में रक्ताल्पता में प्रति वर्ष 3% कमी	3%
	3. प्राप्ति योग्य लक्ष्य निर्धारित करके, मंत्री मंडल सचिव की अध्यक्षता में संबंधित सचिवों के साथ क्षेत्र स्तर पर बैठकों, संबंधित मंत्रालयों के सचिवों की संयुक्त बैठकों, प्रत्येक स्तर के लिए संयुक्त दिशानिर्देशों, संयुक्त	3.1 आयोजित ईसी की संख्या	8		2.4 जन्म के समय कम वजनी शिशुओं की संख्या में प्रति वर्ष 2% कमी	2%

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ों में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	मॉनीटरिंग दौरों तथा विकेंद्रीकृत आयोजना द्वारा अभिसरण सुनिश्चित करना।					
		3.2 राष्ट्रीय पोषण परिषद की बैठकों की संख्या	4	3.सामुदायिक संगठन तथा व्यवहारगत परिवर्तन	3.1 सामुदायिक कार्यक्रमों के माध्यम से कार्यक्रमों में शामिल लोगों की संख्या	25 से 30 लाख
		3.2 मंत्रिमंडल सचिव की अध्यक्षता में संबंधित मंत्रालयों के सचिवों की संयुक्त बैठकों की संख्या	4		3.2 बाह्य आनुषंगिक कार्यक्रमों में शामिल लोगों की संख्या	25 से 30 लाख
		3.3. संयुक्त दिशानिर्देशों में शामिल स्तरों की संख्या	6 स्तर (राष्ट्रीय, राज्य, जिला, ब्लॉक, सेक्टर और आगनवाड़ी केंद्र)		3.3 जन प्रचार माध्यमों के जरिए शामिल लोगों की संख्या	25 से 30 लाख
		3.4 आयोजित किए गए संयुक्त मानीटरिंग दौरों की संख्या	120			
		3.5 सृजित राज्य अभिसरण योजनाओं की संख्या	36			
		3.6 सृजित जिला अभिसरण योजनाओं की संख्या	719			
	4. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को प्रोत्साहन	4.1 राष्ट्रीय पोषण मिशन के अंतर्गत निष्पादन प्रोत्साहन प्राप्त करने वाले राज्यों की संख्या	20			
		4.2 राष्ट्रीय पोषण मिशन के अंतर्गत निष्पादन प्रोत्साहन प्राप्त करने वाली ग्राम पंचायतों की संख्या	शून्य			
		4.3 राष्ट्रीय पोषण मिशन के अंतर्गत निष्पादन प्रोत्साहन प्राप्त करने वाले अग्रणी कार्यकर्ताओं की संख्या	1,16,762 (मई, 2019 तक)			
	5.वीएचएसएनडी को सक्रिय बनाना	5.1 पिछली तिमाही में तीन वीएचएसएनडी आयोजित करने वाले गांवों की संख्या	6,40,867			

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ों में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		5.2 पिछली तिमाही में वीएचएसएनडी के माध्यम से लाभार्थियों की संख्या	5,30,27,739			
	6. नागरिक सहभागिता और शिकायत निराकरण	6.1 प्राप्त कॉलों की संख्या	18,063 (मई, 2019 तक)			
		6.2 कॉल सैंटर स्तर पर निपटाई गई कॉलों की संख्या	34 (अप्रैल 2018 से मई 2019)			
		6.3 प्राप्त ऐसी कॉलों की संख्या, जिनके समाधान के लिए कार्रवाई की गई।	653 (अप्रैल 2018 से मई 2019)			
		6.4 कार्रवाई के पश्चात निपटाई गई प्राप्त कॉलों की संख्या	34 (अप्रैल 2018 से मई 2019)			
		6.5 निपटाई न जा सकी प्राप्त कॉलों की संख्या	619 (अप्रैल 2018 से मई 2019)			
		6.6 क्रियान्वयन अभिकरणों को भेजी गई प्राप्त कॉलों की संख्या	11,12,327			
	7.राष्ट्रीय पोषण संसाधन केंद्र (एनएनआरसी-सीपीएमयू)	7.1 क्रियाशील राज्य पोषण संसाधन केंद्र - एसपीएमयू की संख्या	36# शर्त पर की सभी राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों ने पोसान अभियान लागू किया			
		7.2 क्रियाशील सीपीएमयू की संख्या	01# शर्त पर की सभी राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों ने पोसान अभियान लागू किया			
	8. राष्ट्रीय पोषण निगरानी प्रणाली					
	9. वज़न करने की मशीनें, वज़न करने में कार्यकुशलता तथा पोषण को दृष्टिगोचर बनाना।	9.1 वज़न करने की मशीनें रखने वाले आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या	1370000 शर्त पर की सभी राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों ने पोसान अभियान लागू किया			

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ों में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		9.2 सभी चार वृद्धि मॉनीटरिंग उपकरण रखने वाले आंगनवाड़ी केंद्रों की कुल संख्या	1370000			
	10.सामुदायिक संघटन तथा व्यवहारगत परिवर्तन	10.1 आयोजित सामुदायिक कार्यक्रमों (नुक्कड़ नाटकों, स्थानीय लोक गीतों, नाटक, नृत्य, कथा वाचन) की संख्यया	3,28,80,000			
		10.2 पिछली तिमाही में कम से कम एक सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित करने वाले आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या	1370000			
		10.3 पिछली तिमाही में कम से कम तीन सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित करने वाले आंगनवाड़ी	1370000			
		10.4 बाह्य प्रचार सामग्री (दीवार पेटिंग, होल्डिंग, बस पैनल, एलईडी स्क्रोल) की संख्या	17 भाषाओं में विभिन्न विषयों पर 5 होर्डिंग			
		10.5 पिछली तिमाही में बाह्य प्रचार सामग्री प्रदर्शित करने वाले ब्लॉकों की संख्या	7,074 सभी राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों ने पोषण अभियान लागू किया है			
		10.6 शामिल लोगों की संख्या/सोशल मीडिया चैनलों पर प्रभाव	25 करोड़ (उन लाभार्थियों के आधार पर जिन्होंने पोशन माह के दौरान सोशल मीडिया चैनलों का उपयोग किया)			
		10.7 प्राइमटाइम (शाम 7-11 बजे) में चलाए गए टेलीविज़न स्पॉटों की संख्या	10 स्पॉट्स (प्राइम टाइम के दौरान (7-11 पीएम)			
		10.8 चलाए गए रेडियो स्पॉटों की संख्या	10 स्पॉट्स (प्राइम टाइम के दौरान (7-11 पीएम)			

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ों में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		10.9 प्रकाशित विज्ञापनों की संख्या	10 अलग-अलग भाषाएं			
		10.10 प्राप्त सोशल मीडिया प्रभावों की संख्या	25 करोड़			
		10.11 तैयार श्रृव्य-दृश्य सामग्री की गुणवत्ता	993 ऑडियो वॉइस में 6 परामर्श वीडियो और 6 प्रशिक्षण वीडियो हैं			
	11. प्रशिक्षण और क्षमता-निर्माण का सुदृढ़ीकरण	11.1 आईएलए दृष्टिकोण के अंतर्गत शामिल आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों की संख्या	1370000 # बशर्ते कि सभी राज्य / संघ शासित क्षेत्र पोषण अभियान को लागू करें			
		11.2 ई-आईएलए मंच का प्रयोग करने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों की संख्या	1370000 # बशर्ते कि सभी राज्य / संघ शासित क्षेत्र पोषण अभियान को लागू करें			
		11.3 आईएलए का प्रयोग करते हुए प्रशिक्षित क्षेत्र कार्यकर्ताओं की संख्या	14,21,680			
	12. अत्यधिक गंभीर कुपोषितों का समुदाय आधारित उपचार	12.1 अत्यधिक गंभीर कुपोषण के लिए समुदाय-आधारित देखरेख प्राप्त करने वाले अत्यधिक गंभीर कुपोषित बच्चों की संख्या	1,91,391			
		12.2 सीएमएएम कार्यक्रम चलाने वाले आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या	1370000 # बशर्ते कि सभी राज्य / संघ शासित क्षेत्र पोषण अभियान को लागू करें			
		12.3 गृह आधारित देखरेख प्राप्त करने वाले छोटे बच्चों की संख्या	एचबीवाईसी डाटा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय से संबंधित है, तथापि घर आगंतुक डेटा की संख्या को प्रतिशत में			

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ों में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
			लिया गया है अर्थात 58.00% (3022270 /5196315)			

3. समेकित बाल विकास सेवा - प्रधान मंत्री मातृ वंदना योजना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ों में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
2500	1. प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से स्वास्थ्य देखरेख तक पहुंच में सुधार के लिए वित्तीय संसाधनों का प्रावधान	1.1 2019-20 में प्रधान मंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत अनुमानित पात्र लाभार्थियों की संख्या	51.7 लाख	1. मजदूरी के नुकसान के लिए नकद प्रोत्साहन के रूप में आंशिक क्षतिपूर्ति का प्रावधान, ताकि महिलाएं प्रथम जीवित बच्चे के जन्म से पूर्व और उसके पश्चात पर्याप्त विश्राम कर सकें। प्रदान की गई नकद प्रोत्साहन राशि के फलस्वरूप गर्भवती महिलाएं और शिशुवती महिलाओं के स्वास्थ्य के बारे में व्यवहार में सुधार आएगा।	1.1 जन्म के समय कम वज़नी नवजात शिशुओं की संख्या का प्रतिशत में कमी	जन्म के समय कमवज़नी बच्चों की संख्या में प्रति वर्ष 1% की कमी करना, क्योंकि इस स्कीम के अंतर्गत केवल प्रथम जन्म आता है (एनएफएचएस-4 स्तर)
		1.2 सभी तीनों किस्तें प्राप्त करने वाले पीएमएमवीवाई के लाभार्थियों की संख्या	51.7 लाख			
	2. स्कीम के दिशानिर्देशों के अनुसार 30 दिन के भीतर प्रत्येक किस्त का लाभार्थियों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण	2.1 30 दिन के भीतर पहली किस्त प्राप्त करने वाले पीएमएमवीवाई लाभार्थियों की संख्या	51.7 लाख			
		2.2 30 दिन के भीतर दूसरी किस्त प्राप्त करने वाले पीएमएमवीवाई लाभार्थियों की संख्या	51.7 लाख			
		2.3 30 दिन के भीतर तीसरी किस्त प्राप्त करने वाले पीएमएमवीवाई लाभार्थियों की संख्या	51.7 लाख			
		2.4 प्रत्येक किस्त की प्राप्ति में औसत विलंब (कुल दिन और प्रत्येक किस्त में विलंब के दिन)	0			

4. समेकित बाल विकास सेवाएं - बाल संरक्षण योजना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ों में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
1500	1. देखभाल संरक्षण तथा पुनर्वास सेवाएं, वैधानिक सहायता सेवाएं तथा सेवा	1.1 राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के माध्यम से प्रचालनीकृत मंत्रालय की सहायता वाले गृहों विशिष्ट दत्तकग्रहण ऐजेन्सियों (एसएए) तथा खुले आश्रयों की संख्या	2100 अनुमानित	1. अनिवार्य सेवाओं को संस्थागत बनाना तथा आपातकाल पहुंच संस्थागत देखभाल परिवार तथा सामुदाय आधारित देखभाल परामर्श तथा सहायता सेवाओं को मजबूत	1.1 सीपीएस के माध्यम से शामिल बच्चों की कुल संख्या	देखभाल और संरक्षण के न्यूनतम मानक प्रदान करने के लिए 90,000 बच्चों के लिए सुविधा दी जाएगी जैसा कि विधि के अंतर्गत निर्धारित किया गया है।

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ों में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	प्रदायगी ढांचों का प्रावधान			बनाना।		
		1.2 विधि का उल्लंघन करने वाले बालकों के लिए प्रचालन गृहों की कुल संख्या	240 अनुमानित		1.2 आईसीडीएस द्वारा शामिल विधि का उल्लंघन करने वाले बालकों की संख्या	12,000 (लगभग) बच्चों के लिए सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि उन्हें समाज के पुनर्वास और पुन: एकीकरण में मदद मिल सके
		1.3 विधि का उल्लंघन करने वाली लडकियों के लिए प्रचालनरत गृहों की कुल संख्या	120 अनुमानित		1.3 आईसीडीएस द्वारा शामिल किए गए आवश्यकता वाले/कठिन परिस्थितियों में रहने वाले बालकों की संख्या	78000 अनुमानित
		1.4 देखरेख और संरक्षण की आवश्यकता वाले बालकों के लिए प्रचालन गृहों की कुल संख्या	1170 अनुमानित		1.4 आईसीडीएस के अतर्गत संस्थागत देखभाल वाले बच्चों की संख्या	90,000 (लगभग) बच्चों के लिए सुविधा की संख्या कानून और मुख्यधारा के तहत निर्धारित देखभाल और सुरक्षा के न्यूनतम मानक प्रदान करने के लिए उपलब्ध कराई जाएगी।
		1.5 देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता वाली लडकियों के लिए प्रचालन गृहों की कुल सुख्या	580 अनुमानित		1.5 आईसीडीएस के अंतर्गत फोस्टर देखभाल, प्रायोजकता आदि जैसी परिवार आधारित गैर-संस्थागत देखभाल में बच्चों की संख्या ।	10,000 बच्चों (लगभग) का समर्थन करने का प्रावधान को यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा कि वे संकट के दौरान विस्तारित परिवारों / समुदाय के भीतर समर्थित हों
		1.6 चाइल्डलाइन सेवाओं के माध्यम से प्रचालनरत आपातकाल सहायता सेवाओं के साथ भातर में जिलों की कुल संख्या	700 अनुमानित		1.6 अंतदेशीय दत्तकग्रहण में रखे गए बच्चों की संख्या	3380 अनुमानित
		1.7 गठित किशोर न्याय बोर्डों (जेजेबी) की संख्या	725		1.7 परिवार आधारित गैर-संस्थागत देखभाल के लिए संस्थागत देखभाल छोडने वाले बच्चों की संख्या	10000 अनुमानित
		1.8 गठित की गई बाल कल्याण समितियों की संख्या	725		1.8 औपचारिक देखभाल (संस्थागत/गैर-संस्थागत) को छोडने वाले बच्चों/युवाओं की संख्या जो आत्म निर्भर है	15000 - 20000 अनुमानित

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ों में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
					और किसी उत्पादक गतिविधि (नौकरी/रोजगारपरक पाठयक्रम) में लाभदायक रूप से संलग्न हैं।	
		1.9 गठित की गई बाल कल्याण सोसायटियों की संख्या	36		1.9 चाइल्डलाइन पर प्राप्त कालों की संख्या (उपयोग)	1,00,000,00 अनुमानित
		1.10 गठित किए गए जिला बाल संरक्षण एककों (डीसीपीवी) की संख्या	725		1.10 चाइल्डलाइन (प्रभाविक्ता) पर प्राप्त कालों में से निपटाई गई कालों की संख्या	1,00,000,00 अनुमानित
		1.11 गठित किए गए राज्य दत्तकग्रहण संसाधन प्राधिकारण	36		1.11 पेशेवर परामर्श प्रदान किए गए बच्चों की संख्या	80000 अनुमानित
		1.12 न्यायालय के दत्तकग्रहण आदेश के लिए लंबित दत्तकग्रहण मामलों की संख्या	शून्य	2. कठिन परिस्थितियों वाले वालकों की बेहतरी में सुधार	2.1 उन बच्चो का प्रतिशत जिनका चिकित्सा रिकार्ड ठीक से रखा गया है।	100%
		1.13 राज्य बाल संरक्षण सोसायटी (एससीपीएस), राज्य दत्कग्रहण संसाधन प्राधिकरण (एसएआरए) और जिला बाल संरक्षण एकक(डीसीपीवी) द्वारा आयोजित किए गए जागरूकता सृजन कार्यक्रमों की संख्या	725		2.2 आईसीडीएस के अंतर्गत माता-पिता, परिवार तथा मित्रों के संपर्क वाले बच्चों की संख्या।	90000
		1.14 आईसीडीएस के कर्मचारियों या अन्य पणधारियों के लिए शुरू किए गए क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण तथा सुग्राहीकरण कार्यक्रमों की संख्या	725		2.3 उन बच्चों का प्रतिशत जिनके लिए व्यक्तिगत देखभाल योजना (आईसीपी) तैयार की गई है।	100%
					ट्रैक चाइल्ड पोर्टल में प्रविष्ट (सीपीएस) स्कीम के माध्यम से लाभ प्राप्त करने वाले लापता बच्चों का प्रतिशत।	100%

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ों में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	2. लापता बच्चों को प्रभावी रूप से तलाश रही है।	2.1 ट्रैक चाइल्ड में लापता/पता लगाए गए बच्चों की प्रविष्टियां करने वाले थानों की संख्या	12000 अनुमानित	2. कठिन परिस्थितियों वाले बच्चों की बेहतरी में सुधार	2.4 प्रायोजकता के माध्यम से सहायता प्रदान किए गए देखरेख और संरक्षण की आवश्यकता वाले बालकों (सीएनसीपी) का प्रतिशत स्थानीय स्कुल में पढ़ने वाले गैर-संस्थागत देखभाल वाले बच्चों का प्रतिशत	6000 अनुमानित 100%
		2.2 ट्रैक चाइल्ड में बच्चों के आंकडे अघतन करने वाली बाल कल्याण समितियों (सीवीसी) किशोर न्याय बोर्डों (जेजेबी) बाल देखरेख संस्थाओं (सीसीआई) की संख्या	सी डब्लू सी - 725 जे जे बी - 725 सी सी आई - 6000 अनुमानित		2.5 ट्रैक चाडल्ड पर लापता सूचित किए गए बच्चों में से खोजे गए बच्चों का प्रतिशत	100%
		2.3 ट्रैक चाइल्ड में बच्चों के आंकडे अघतन करने वाली बाल कल्याण समितियों (सीवीसी) किशोर न्याय बोर्डों (जेजेबी) बाल देखरेख संस्थाओं (सीसीआई) की संख्या	सी डब्लू सी - 725 जे जे बी - 725 सी सी आई - 6000 अनुमानित	3. निवारक कार्यनीति के भाग के रूप में वकालत तथा जागरूकता अभियानों को प्रोत्साहित करना	3.1 वकालत तथा जागरूकता अभियानों के माध्यम से पहुंचे लोगों की संख्या	25 करोड़
		2.4 ट्रैक चाइल्ड के माध्यम से मिलाए गए बच्चों की संख्या	43000 अनुमानित	4. बाल संरक्षण प्रणाली में पणधारियों के मध्य क्षमता निर्माण करना	4.1 आईसीपीएस के अतर्गत प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण तथा सुग्राहीकरण कार्यक्रमों द्वारा शामिल लोगों की संख्या	3500-4000 अनुमानित
				5. स्कीम के अंतर्गत बाल देखरेख संस्थानों में प्रदान की जा रही सेवाओं की गुणवत्ता को सुनिश्चित करना।	5.1 किशोर न्याय अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत बाल देखरेख संस्थानों तथा सभी दिशानिर्देशों को पूरा करने तथा सामाजिक लेखा परीक्षा के दौरान सकारात्मक	100%

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ों में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
					समीक्षा प्राप्त करने का प्रतिशत	

[59] गणना पिछले पांच महीनों का रुझान विश्लेषण (19 जनवरी- 19 मई) के आधार पर की गई है और एसएएम और एमएएम में आने / बाहर जाने वाले बच्चों की संख्या में परिवर्तन होता रहता है।

1 खेलो इंडिया: राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम: खेलो इंडिया (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
500	1. उच्च कोटि की खेल अवसंरचना, सभी स्तरों पर प्रतियोगिता तक पहुंच में बढ़ोतरी तथाशारीरिक रूप सेअशक्त जनों के लिए प्रतिभा और खेल का प्रदर्शन करने के लिए मंच	1.1 राष्ट्रीय स्कूल खेल/ विश्वविद्यालय खेल/ महिला/ ग्रामीण और देशज/ जनजातीय खेल के दौरान आयोजित की गई खेल स्पर्धाओं की संख्या	03	1. प्रतियोगी स्पर्धाओं में जन प्रतिभागिता में वृद्धि	1.1 विगत वर्ष के दौरान विभिन्न राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में प्रतिभागियों की संख्या में वृद्धि का प्रतिशत	10 प्रतिशत
		1.2 विभिन्न स्पर्धाओं (राष्ट्रीय स्कूल खेल/ विश्वविद्यालय खेल/ महिला/ ग्रामीण और देशज/ जनजातीय खेल) में प्रतिभागियों की संख्या	8,000	2. राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में उत्कृष्टता और प्रदर्शन में सुधार के लिए खेलों को बढ़ावा देना	2.1 विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में जीते गए पदकों / पुरस्कारों की संख्या	20
		1.3 नवसृजित खेल अवसंरचना/ मौजूदा उन्नत खेल अवसंरचना की संख्या (घटक वार)	50		2.2 विगत वर्ष की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तुलना में विभिन्न खेल विधाओं में बेंच स्ट्रेन्थ में वृद्धि का प्रतिशत	20 प्रतिशत
		1.4 ऐसे चयनित खिलाड़ियों की कुल संख्या जिन्हें वृतिका प्रदान की गई	3000			
		1.5 खेल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले शारीरिक रूप से अशक्तजनों की संख्या	600			
	1. स्कूली बच्चों की शारीरिक	2.1 शारीरिक स्वस्थता के लिए मूल्यांकित बच्चों की संख्या	10,000			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	स्वस्थता					
	1. समुदाय कोचिंग विकास	3.1 मास्टर प्रशिक्षुओं के रूप में प्रशिक्षित शारीरिक शिक्षा अध्यापकों की संख्या	1800			
	1. वित्तीय सहायता, पीपीपी, सीएसआर, प्रोद्योगिकी तथा जीआईएस का समेकन	4.1 सहायता प्राप्त अकादमियों / केंद्रों की संख्या	125			
		4.2 जीआईएस के माध्यम से पोर्टल पर उपलब्ध कराई गई खेल सुविधाओं की संख्या	5000			
		4.3 पोर्टल देखने वाले व्यक्तियों की संख्या	4,00,000			